राष्ट्रीय संस्करण

वर्ष 9 अंक 310

दैनिक जागरण

मूल्य ₹8.00 नई दिल्ली, रविवार, 19 अप्रैल, 2026

www.jagran.com

पृष्ठ 14

टी-20 में रोहित से ज्यादा मंधाना के रन

>> 12

रविवार विशेष

वैकल्पिक ऊर्जा और पृथ्वी की सेहत

• पेज-7

संपादकीय

फिर अटका महिला आरक्षण : विपक्षी दल यह कह सकते हैं कि उन्होंने सरकार के इरादों पर पानी फेर दिया, पर उनके लिए जनता को यह समझाना कठिन होगा कि उन्होंने महिला आरक्षण की राह क्यों रोकी? **संजय गुप्त** का आलेख।

अब इस संसार में बिन सर्वर सब सून : आज लोग एआइ से हर काम करवा रहे हैं, लेकिन यह उभरता खिलाड़ी भी बिना सर्वर की शक्ति के शक्तिहीन ही है। **अरुणेंद्र नाथ वर्मा** का व्यंग्य।

• पेज-8

विमर्श

घुसपैठ की समस्या और हिंदी साहित्य : वर्तमान में गहरी हो चुकी है बांग्लादेशी घुसपैठियों की समस्या का उल्लेख बहुत पहले हिंदी साहित्य में भी किया गया था। **अनंत विजय** का आलेख। • पेज-9

आइपीएल 19 धूम धड़ाका

आज के मैच

कोलकाता नाइट राइडर्स *vs* राजस्थान रायल्स

दोपहर 3:30 बजे स्थान : कोलकाता

पंजाब किंग्स *vs* लखनऊ सुपर जायंट्स

शाम 7:30 बजे स्थान : न्यू चंडीगढ़

प्रसारण : स्टार स्पोर्ट्स/जियो हाटस्टार

सप्ताह का साक्षात्कार

कूटनीतिक तौर पर युद्ध हारता दिख रहा अमेरिका : डा. लेले

अमेरिका-इजरायल और ईरान युद्ध विराम के बीच अब दुनियाभर के सामरिक विशेषज्ञ इसकी समीक्षा में जुट गए हैं कि आखिर सुपर पावर अमेरिका और हाईटेक इजरायल को ईरान कैसे टक्कर दे रहा है? मनोहर पर्रिकर रक्षा अध्ययन और विश्लेषण संस्थान (एमपी-आइडीएसए) के उप महानिदेशक व ग्रुप कैप्टन (सेवानिवृत्त) डा. अजेय लेले का कहना है कि इस युद्ध में अभी तक न कोई हारा, न जीता। हां, कूटनीतिक मोर्चे पर अमेरिका जरूर हारता हुआ दिख रहा है। क्योंकि दुनिया के हर देश ने ट्रंप को यह अहसास दिला दिया है कि एक बेबुनियाद और गैरजरूरी युद्ध छेड़ने पर वे उनका साथ नहीं देंगे। दैनिक जागरण की समाचार संपादक रुमनी घोष ने उनसे 'सामरिक ताकत पर भारी पड़ते रणनीतिक कौशल और दुनिया के लिए सीख' के संबंध में विस्तार से चर्चा की। • पेज-13

दुष्कर्म का झूठा केस दर्ज कराने पर महिला को 10 साल की कैद

दतिया : दुष्कर्म व एससी-एसटी एक्ट में झूठा मामला दर्ज कराने पर मध्य प्रदेश के दतिया जिले की महिला को 10 वर्ष के कठोर कारावास और 10,500 रुपये के अर्थदंड की सजा न्यायालय ने सुनाई है। दतिया के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश राजेश भंडारी ने वैभवी सनोरिया प्रकरण में शुक्रवार को यह फैसला सुनाया। (पेज-6)

हम हारे नहीं, हौसले बुलंद, पूरा करेंगे महिला आरक्षण का संकल्प : मोदी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- राष्ट्र के नाम संबोधन में प्रधानमंत्री ने देश की नारी शक्ति से मांगी माफी, साझा किया दुख
- कहा, हमें 66% वोट नहीं मिले, लेकिन जानता हूं कि 100% नारी शक्ति हमारे साथ
- देश की मौजूदा चुनौतियों के लिए सीधे तौर पर कांग्रेस जिम्मेदार, यह सुधार विरोधी पार्टी है
- सपा को उत्तर प्रदेश की महिलाएं नहीं भूलेंगी, इसने लोहिया जी के सपने को रौंद दिया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राष्ट्र को संबोधित करते हुए। प्रेट्र

परिसीमन के साथ नारी शक्ति वंदन अधिनियम संशोधन विधेयक लोकसभा में पारित नहीं होने को सरकार की नाकामी बताने वालों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने करारा जवाब दिया है। राष्ट्र के नाम संबोधन में विधेयक पास नहीं करा पाने के लिए नारी शक्ति से क्षमा मांगते हुए उन्होंने कहा कि हम नाकाम नहीं हुए हैं, हमारे हौसले बुलंद हैं और आधी आबादी को उनका हक दिलाने का संकल्प पूरा करके रहेंगे। अभी हमारे पास संख्या बल नहीं था, लेकिन हमारा आत्मबल अजेय है। हमारे पास आगे और मौके आएंगे। देश के भविष्य के लिए इस संकल्प को पूरा करना ही है। उन्होंने विधेयक पास नहीं होने के लिए कांग्रेस, तृणमूल, द्रमुक और सपा को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि देश की महिलाएं उन्हें कभी माफ नहीं करेंगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने साफ किया कि महिलाओं को उनका अधिकार दिलाने का विषय कामयाबी और नाकामयाबी का नहीं है। पहले ही वह बिल पास होने का श्रेय फोटो के साथ विज्ञापन छापकर विपक्षी नेताओं को देने का वादा कर चुके हैं। लेकिन, विपक्ष ने यह अवसर गंवा दिया। इसके पास नहीं होने से वह भी देश की महिलाओं के साथ दुखी हैं। उन्होंने कहा कि विधेयक पारित नहीं होने पर विपक्षी दल ताली बजा रहे थे। सही मायने में मेज पर उनकी थाप महिला स्वाभिमान पर चोट थी। अपने स्वार्थी राजनीतिक हितों के लिए उन्होंने महिलाओं का रास्ता रोक दिया। पीएम ने कहा-आज भले ही हमें 66 प्रतिशत वोट नहीं मिला हो, लेकिन देश की 100 प्रतिशत नारी का समर्थन हमारे पास है। विधेयक पारित नहीं होने के बावजूद महिलाओं का हक दिलाने की लड़ाई जारी रहेगी। हमारा इरादा बुलंद है और इस संकल्प को पूरा करने तक रुकेगा नहीं। कांग्रेस के साथ-साथ सपा पर भी उन्होंने करारा वार किया और कहा कि उत्तर प्रदेश की महिलाएं अपनी राह रोकने वाली सपा को याद रखेंगी। समाजवादी पार्टी लोहिया जी को तो पहले ही भूल चुकी है, इस विधेयक का विरोध कर उसने लोहिया जी के सपने को रौंद दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सरकार 40 वर्षों से लटके हुए महिला आरक्षण को 2029 में लागू करना चाहती है। उसी के लिए यह संशोधन विधेयक लाया गया था। लेकिन, कांग्रेस ने क्षेत्रीय दलों का साथ लेकर षड्यंत्र रचा। प्रधानमंत्री के अनुसार, नारी शक्ति के विरोध की एक बड़ी वजह परिवारवादी पार्टियों का डर भी है। उन्हें डर है कि महिलाएं सशक्त हो जाएंगी, तो उनका प्रभुत्व खत्म हो जाएगा। मोदी ने संशोधन विधेयक के विरोध में पूर्वी, दक्षिणी, उत्तरी और पश्चिमी राज्यों के खांचे में बांटकर देखने के लिए विपक्षी दलों को आड़े हाथों लिया। कहा कि कांग्रेस और उसके साथी परिसीमन पर लगातार झूठ बोल रहे हैं। विभाजन की आग को सुलगाना चाहते हैं। दरार पैदा करने वाली भावनाओं को हवा दे रहे हैं। इसीलिए कुछ राज्यों के नुकसान की बात उड़ाई। जबकि सरकार ने साफ किया कि सभी राज्यों की सीटें एक समान अनुपात में बढ़ेंगी। यह संशोधन बिल सभी राज्यों के लिए एक अवसर था। लेकिन, अपने भय के कारण अपने राज्य को भी धोखा दे दिया। पीएम ने क्षेत्रीय दलों को भी कांग्रेस से आगाह किया। कहा कि कांग्रेस परजीवी की तरह क्षेत्रीय दलों की पीठ पर सवार होकर खुद को जिंदा रखे हुए है, लेकिन वह यह भी नहीं चाहती है कि क्षेत्रीय दलों की ताकत बढ़े। इसीलिए इसका विरोध करवाकर उनको भी अंधकार में ढकेलने का प्रयास किया।

कांग्रेस के रवैये के कारण देश को हुआ है बहुत बड़ा नुकसान

कांग्रेस की राजनीति को नकारात्मक बताते हुए उन्होंने कहा कि देश की मौजूदा चुनौतियों के लिए सीधे तौर पर कांग्रेस जिम्मेदार है। कांग्रेस सुधार विरोधी पार्टी है। जनधन, आधार और मोबाइल की त्रिशक्ति हो या सामान्य वर्ग के गरीबों को आरक्षण, तीन तलाक, अनुच्छेद 370, समान नागरिक संहिता, एक देश एक चुनाव जैसे हर सुधार का कांग्रेस ने विरोध किया। कांग्रेस घुसपैठियों को भगाने का भी विरोध करती है। वक्फ में संशोधन का भी विरोध करती है और सीएए के खिलाफ अफवाह फैलाकर तो बवंडर खड़ा करने की कोशिश की थी। कांग्रेस ने पड़ोसी देशों के साथ समझौते को लटकाया, सैनिकों के लिए वन रैंक वन पेंशन को रोके रखा। इस रवैये से देश का बहुत बड़ा नुकसान हुआ है। अब नारी शक्ति को उनका अधिकार देने का भी विरोध किया। देश की मां, बहन और बेटियां इसका करारा जवाब देंगी।

भारतीय जहाजों पर ईरान की गोलीबारी, जबरन वापस मोड़ा

भारत हुआ नाराज, ईरानी राजदूत को बुलाकर जताया कड़ा विरोध

होर्मुज पर तनातनी

- होर्मुज स्ट्रेट में शनिवार को ईरान ने दो भारतीय जहाजों समेत कुल तीन जहाजों पर की फायरिंग
- भारत ने ईरानी राजदूत से कहा- होर्मुज में फंसे हमारे जहाजों को जल्द वहां से निकालने में मदद करें
- इससे पहले भी होर्मुज में एक भारतीय जहाज पर हमला हुआ, अमेरिका की ओर से किया गया

भारत में ईरान के राजदूत डा. मोहम्मद फथाली शनिवार को नई दिल्ली स्थित विदेश मंत्रालय से निकलते हुए। एएनआइ

जयप्रकाश रंजन • जागरण

नई दिल्ली : पश्चिम एशिया में जंग की वजह से होर्मुज स्ट्रेट में तनाव एक बार फिर चरम पर पहुंच गया है। ईरान की नौसेना ने शनिवार को होर्मुज स्ट्रेट में दो भारतीय जहाजों समेत तीन जहाजों पर गोलीबारी की और उन्हें जबरन पश्चिम दिशा में वापस मोड़ दिया। इनमें से एक जहाज इराक से 20 लाख टन तेल लेकर भारत आ रहा था। यह पहला मौका है जब भारतीय ध्वज वाले जहाज पर ईरान की तरफ से हमला किया गया है।

भारत इस घटनाक्रम से बहुत नाराज है और उसने तुरंत ईरानी राजदूत डा. मोहम्मद फथाली को बुलाकर कड़ा विरोध जताया। साथ ही मांग की कि वह होर्मुज में फंसे भारतीय जहाजों को जल्द से जल्द वहां से निकालने में मदद करें। होर्मुज के पश्चिमी हिस्से में अभी भी 15 भारतीय जहाज फंसे हुए हैं। फिलहाल स्थिति यह है कि होर्मुज से ईरानी नौ सेना जहाजों को बाहर नहीं निकलने दे रही और बाहर अमेरिकी सेना की नाकेबंदी है।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा - 'ईरान के नई दिल्ली में राजदूत को आज शाम विदेश मंत्रालय द्वारा विदेश सचिव के साथ बैठक के लिए बुलाया गया। बैठक में विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने होर्मुज स्ट्रेट में दो भारतीय ध्वज वाले जहाजों पर हुई गोलीबारी की घटना पर भारत की गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने वाणिज्यिक जहाजों और नाविकों की सुरक्षा को भारत के लिए बेहद अहम बताया। विदेश सचिव ने याद दिलाया कि ईरान ने पहले भारत आने वाले कई जहाजों को सुरक्षित मार्ग प्रदान करने में सहयोग किया था। गोलीबारी की इस गंभीर घटना पर चिंता दोहराते हुए विदेश सचिव ने राजदूत से आग्रह किया कि वे भारत के इन विचारों को ईरान के वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुंचाएं और भारत आने वाले जहाजों को होर्मुज स्ट्रेट से पार कराने की प्रक्रिया को जल्द से जल्द फिर से शुरू करें। ईरान के राजदूत ने भारत के इन विचारों को अपने देश की सरकार तक पहुंचाने का आश्वासन दिया।' यह पहला मौका है जब भारतीय फ्लैग वाले जहाज पर ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आइआरजीसी) की तरफ से हमला किया गया हो।

ईरान तट के पास अभी भी फंसे है 15 भारतीय जहाज पेज>>11

अमेरिकी नाकेबंदी से नाराज ईरान ने फिर बंद किया होर्मुज जलमार्ग

जागरण न्यूज नेटवर्क, दिल्ली

- ट्रंप ने कहा- 47 साल से होर्मुज में 'दादागीरी' कर रहा ईरान, अब नहीं कर सकता ब्लैकमेल
- सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने कहा- नौसेना दुश्मन को नई हार का स्वाद चखाने के लिए तैयार

22 अप्रैल को पूरी हो रही युद्धविराम की मियाद

युद्धविराम की मियाद बुधवार, 22 अप्रैल को पूरी हो रही है। दोनों पक्षों के बीच वार्ता की तारीख को लेकर भी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। हालांकि, ईरान ने दावा किया है कि अमेरिका से उसे शांति प्रस्ताव का नया मसौदा मिला है। ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने आर्मी डे के मौके पर जारी एक संक्षिप्त बयान में कहा कि ईरान की नौसेना दुश्मनों को "नई हार का स्वाद चखाने" के लिए पूरी तरह तैयार है।

ईरानी बंदरगाहों पर नाकेबंदी जारी रहने तक बाधित रहेगा होर्मुज पेज>>11

अमेरिका और ईरान के बीच शनिवार को होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव एक बार फिर बढ़ गया। ये तब है जबकि एक दौर की शांति वार्ता भी हो चुकी है। नए घटनाक्रम के बाद दूसरे दौर की वार्ता खतरे में पड़ती नजर आ रही है। लेबनान में युद्धविराम के बाद एक दिन पहले ही ईरान ने इस अहम समुद्री मार्ग को खोलने की घोषणा की थी, लेकिन अगले ही दिन उसने सख्त नियंत्रण लागू करते हुए जहाजों की आवाजाही पर रोक लगा दी। ईरान ने स्पष्ट किया है कि जब तक अमेरिका उसके बंदरगाहों पर लगी नाकेबंदी नहीं हटाता, तब तक यह प्रतिबंध जारी रहेगा। होर्मुज से गुजरने की कोशिश कर रहे 27 जहाजों को वापस जाना पड़ा। ईरान के कदम पर ट्रंप ने कहा कि ईरान 47 साल से दादागीरी कर रहा है, लेकिन होर्मुज बंद करके तेहरान अमेरिका को ब्लैकमेल नहीं कर सकता।

केंद्रीय कर्मियों का महंगाई भत्ता दो प्रतिशत बढ़ा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- कैबिनेट के इस निर्णय से लाभान्वित होंगे केंद्र के 50 लाख कर्मचारी और 68.3 लाख पेंशनभोगी
- भारत मरीन इंश्योरेंस पूल को भी दी गई मंजूरी, अब स्वदेशी कवरेज से बचेगा विदेशी मुद्रा खर्च

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव कैबिनेट के निर्णय की जानकारी देते हुए। एएनआइ >>

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में केंद्रीय कर्मियों के महंगाई भत्ते में दो प्रतिशत की बढ़ोतरी का फैसला लिया गया। इससे केंद्र सरकार के 50.46 लाख कर्मचारियों और 68.27 लाख पेंशनभोगियों को फायदा होगा। यह बढ़ोतरी एक जनवरी, 2026 से लागू होगी। इस वृद्धि से सरकारी खजाने पर हर साल अतिरिक्त 6,791.24 करोड़ रुपये का बोझ पड़ेगा।

सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि महंगाई भत्ता (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) की बढ़ोतरी का फैसला एक जनवरी, 2026 से लागू होगा। इसके साथ ही महंगाई भत्ता अब कर्मचारियों के मूल वेतन का 60 प्रतिशत हो जाएगा। पहले यह 58 प्रतिशत था। यह बढ़ोतरी महंगाई को ध्यान में रखकर की गई है।

उन्होंने बताया कि बैठक में भारत मरीन इंश्योरेंस पूल की स्थापना को भी मंजूरी प्रदान की गई। इस पूल के लिए सरकार ने 12,980 करोड़ रुपये का सावरेन गारंटी फंड उपलब्ध कराने का फैसला किया है। यह फैसला समुद्री बीमा क्षेत्र में भारत की स्वदेशी क्षमता बढ़ाने और विदेशी कंपनियों पर निर्भरता कम करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। पश्चिम एशिया में चल रहे सशस्त्र संघर्ष ने वैश्विक समुद्री परिवहन को बुरी तरह प्रभावित किया है। नतीजतन, समुद्री बीमा प्रीमियम में भारी वृद्धि हो गई है। भारतीय जहाजों, कार्गो और क्रू के लिए बीमा उपलब्ध कराना बेहद मुश्किल और महंगा हो गया था। विदेशी इंश्योरेंस कंपनियां या तो मना कर रही थीं या बहुत ऊंचे प्रीमियम मांग रही थीं। इससे भारत की समुद्री व्यापार लागत बढ़ रही थी और विदेशी मुद्रा का भारी खर्च हो रहा था। बीमा कराने में विदेशी मुद्रा खर्च करने की बाध्यता भी खत्म होगी।

वैष्णव ने कहा- ' अब भारतीय जहाजों को विदेशी कंपनियों के भरोसे नहीं रहना पड़ेगा। यह समुद्री कारोबार से जुड़े सभी प्रकार के जोखिमों को लेकर उद्योग जगत को कवरेज देगा।' यह सिर्फ भारतीय ध्वज वाले जहाजों, भारत द्वारा नियंत्रित जहाजों और उन जहाजों को कवरेज देगा जो भारत आ रहे हैं।

पीएमजीएसवाइ-3 रहेगी जारी, समय-सीमा बढ़ाई पेज>>3

मैदान में अभ्यास के दौरान दौड़ने पहुंचे खिलाड़ी की गर्दन में धंसा भाला, मौत

जासं, चंपावत

- उत्तराखंड में कालेज की वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता शुरू होने से पहले हादसा

मृतक सोमेंद्र बोहरा की फाइल फोटो।

सोमेंद्र इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की कर रहा था पढ़ाई, 2023 में अग्निवीर में हो गया था उसका चयन

उत्तराखंड में चंपावत स्थित राजकीय पालिटेक्निक कालेज की वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता शुरू होने से पहले ही अभ्यास के दौरान फेंका गया भाला दौड़ में हिस्सा लेने पहुंचे खिलाड़ी की गर्दन में जा धंसा। गंभीर रूप से घायल खिलाड़ी को अस्पताल ले जाया गया। जहां कुछ देर बाद ही उसने दम तोड़ दिया।

पालिटेक्निक कालेज में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के द्वितीय वर्ष के छात्र 20 वर्षीय सोमेंद्र सिंह बोहरा 100 मीटर दौड़ में हिस्सा लेने मैदान में पहुंचा था। सुबह नौ बजे मैदान के एक छोर पर फुटबाल खेल रहे बाहरी खिलाड़ियों की बाल मैदान के रनिंग ट्रेक पर आ गई। सोमेंद्र फुटबाल को बाहर फेंकने लगा। इस बीच जैवलिन थ्रो के अभ्यास के दौरान फेंका गया भाला सोमेंद्र की गर्दन में धंस गया। शिक्षकों ने गर्दन से भाला निकाला और अस्पताल पहुंचाया। जिला अस्पताल के पीएमएस डा. एचएस ह्यांकी ने बताया कि अस्पताल पहुंचने के कुछ देर बाद ही छात्र की मौत हो गई। भाला छात्र की गर्दन और कंधे में लगा था। इस घटना के बाद प्रतियोगिता स्थगित कर दी गई है। परिवार में सोमेंद्र के अलावा तीन बहनें हैं। इकलौते बेटे की मौत से मां दीपा बोहरा सदमे में हैं। वर्ष 2023 में सोमेंद्र का चयन अग्निवीर में हो गया था, मगर इकलौता बेटा होने के कारण मां ने उसे नहीं जाने दिया।

प्रशिक्षित कोच की भी नहीं थी व्यवस्था : सोमेंद्र की मौत ने शिक्षण संस्थान की व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। कालेज में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन हो रहा था, लेकिन हैरानी की बात है कि कोई प्रशिक्षित कोच मौजूद नहीं था।

पंजाब से पकड़े दो साइबर ठग, मोची के खाते से 80 करोड़ का लेनदेन

कानपुर : शेयर में निवेश पर भारी मुनाफे का झांसा देकर 12.82 लाख रुपये की ठगी मामले की जांच कर रही पुलिस ने पंजाब के बड़े साइबर गिरोह का पर्दाफाश किया है। फाजिल्का जिले के अबोहर में सक्रिय पांच सदस्यीय गिरोह के दो ठगों को पुलिस ने वहां पहुंचकर दबोच लिया। जांच में सामने आया कि एक मोची के बैंक खाते से महज तीन माह के भीतर 80 करोड़ रुपये का लेनदेन किया गया। गिरोह 650 से ज्यादा लोगों को ठग चुका है, जिनकी शिकायतें नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर दर्ज हैं। (पेज-6)

अमृतसर में 71 किग्रा हेरोइन बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

अमृतसर : पंजाब में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आइएसआइ की तरफ से भेजी गई हेरोइन की बड़ी खेप के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस व बीएसएफ ने दो मामलों में कुल 71 किग्रा से अधिक हेरोइन, एक मारुति और एक ड्रोन बरामद किया है। यह खेप कुछ दिन पहले पाकिस्तानी तस्करों ने ड्रोन के जरिये भेजी थी। पहले मामले में पुलिस ने नाकाबंदी कर गांव माहल के पास दो तस्करों स्वर्ण सिंह और शमशेर सिंह को 64 किलो हेरोइन सहित गिरफ्तार कर एक मारुति कार बरामद की। (पेज-7)

मतांतरण का खेल

हिंदू युवतियों का किया जाता है ब्रेनवाश, भोपाल में तीन हिंदू किशोरियों के मतांतरण के बाद निकाह से उजागर हुई सुनियोजित साजिश

नौकरी, दुष्कर्म, ब्लैकमेल... स्पा से ब्यूटी पार्लर तक फैला जिहादी नेटवर्क

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल

लव जिहाद की भोपाल फाइल्स

प्रतीकात्मक

दोस्ती के बाद किया दुष्कर्म, फिर ब्लैकमेल

अशोकनगर जिले की जिन तीन नाबालिग लड़कियों को हाल ही में मतांतरित कराया गया है, उनमें एक कक्षा 11 की छात्रा है। उसको मुस्लिम सहेली के माध्यम से फंसाया गया फिर घुमाने के बहाने दुष्कर्म किया गया। वीडियो बनाकर ब्लैकमेल किया गया। एक लाख रुपये ऐंठने के साथ ही मतांतरण कराया। पुलिस नए मामलों की जांच कर रही है। मामले में दो नाम सामने आ चुके हैं। दोनों आरोपित फरार हैं।

किशोरियों के मतांतरण में किन्नर गिरफ्तार

अशोकनगर जिले की तीन नाबालिग युवतियों के मतांतरण मामले में पुलिस ने किन्नर जस्सी को गिरफ्तार किया है। बता दें कि ये तीनों युवतियां मतांतरण के बाद बुर्का पहनकर अपने घर पहुंची थी। इसी बीच एक युवती के बयान के आधार पर किन्नर जस्सी का नाम सामने आया। पता लगा कि जस्सी मुस्लिम युवाओं के गिरोह की अहम कड़ी है।

तीन नाबालिग हिंदू किशोरियों के मतांतरण के मामले की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, मुस्लिम युवाओं के संगठित जिहादी नेटवर्क की गहरी जड़ें सामने आ रही हैं। ये लोग हिंदू युवतियों को झांसे में लेने के लिए हर पैंतरेबाजी करते हैं। पिछले दिनों स्पा और ब्यूटी पार्लर में भी इस नेटवर्क की करतूत उजागर हो चुकी है। इनमें नौकरी के बहाने हिंदू युवतियों से लव जिहाद को दुष्कर्म, ब्लैकमेलिंग और मतांतरण के माध्यम से सुनियोजित ढंग से अंजाम दिया गया।

ब्यूटी पार्लर चलाने वाली दो मुस्लिम बहनें अमरीन और आफरीन जिहादी नेटवर्क की अहम किरदार थीं। कुछ पीड़िताओं की शिकायत पर जब पुलिस दोनों बहनों तक पहुंचीं तो उनका नेटवर्क देख हैरान रह गई।

पूछताछ में पता चला कि जिहादी नेटवर्क भोपाल से अहमदाबाद तक फैला हुआ है। यह गिरोह बहुत ही सुनियोजित तरीके से कार्य करता है। जरूरतमंद हिंदू युवतियों को पहले काम पर रखा जाता है, फिर ब्रेनवाश करके उन्हें मतांतरण के लिए बाध्य किया जाता है। इस नेटवर्क में मुस्लिम युवतियां भी शामिल रहती हैं। वे निम्न-मध्यम वर्गीय हिंदू परिवार की युवतियों को अपने जाल में फंसाकर मुस्लिम युवाओं से दुष्कर्म कराती थीं फिर मतांतरण के लिए बाध्य करती हैं।

देह व्यापार के धंधे में धकेला : अमरीन और आफरीन ने ब्यूटी पार्लर कम स्पा सेंटर में नौकरी का झांसा देकर छत्तीसगढ़ की एक हिंदू युवती और उसकी सहेली को घर में रखा। उसे अपने मुस्लिम भाइयों व प्रेमी के पास भेज दिया। आरोपितों ने दोनों हिंदू युवतियों को देह व्यापार के धंधे में धकेल दिया। उनका भोपाल से लेकर अहमदाबाद तक शारीरिक शोषण किया गया। जांच में सामने आया कि इस नेटवर्क ने बहुत सारी लड़कियों को निशाना बनाया। ज्यादातर लड़कियां कानूनी पचड़े से बचने के लिए सामने ही नहीं आईं।

राम मंदिर व संसद भवन पर हमले की साजिश रच रहे चार आतंकी गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- युवाओं को कट्टरपंथी बनाने में जुटे थे, सैन्य प्रतिष्ठान भी थे निशाने पर
- तीन राज्यों से किए गिरफ्तार, एक के पास आइईडी बनाने की सामग्री मिली
- आजमगढ़, मुंबई, भुवनेश्वर और कटिहार के रहने वाले हैं आतंकी

दो सप्ताह पहले जैश-ए-मोहम्मद के दो आतंकियों को मुंबई से गिरफ्तार करने के बाद स्पेशल सेल ने अब उसी तरह के एक माड्यूल के चार अन्य आतंकियों को पकड़ा है। मुंबई से गिरफ्तार दोनों आतंकियों से पूछताछ में रिमोट आधारित खिलौना कार बम से दिल्ली व मुंबई को दहलाने की साजिश रचने की बात सामने आई थी। अब इंटेलिजेंस आधारित इस आपरेशन में तीन राज्यों से पकड़े गए चार आतंकियों मोसैब अहमद उर्फ सोनू उर्फ कलाम, मोहम्मद हम्माद, शेख इमरान और मोहम्मद सोहेल से पूछताछ में भी रिमोट आधारित खिलौना कार बम से राम मंदिर, संसद भवन और सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की साजिश रचने की बात सामने आई है। ये लोग देश में इस्लामिक राज्य स्थापित करने और 'गजवा-ए-हिंद' के नाम पर आतंकी हमलों की साजिश रच रहे थे। यह माड्यूल आइसिस और एक्यूआइएस जैसे संगठनों से प्रभावित था। इनमें एक के पास से आइईडी यानी बम बनाने की सामग्री बरामद हुई है। पांच अप्रैल को पकड़े गए जैश के दोनों आतंकी मिशन खिलाफत ग्रुप और सोल्जर आफ प्राफिट ग्रुप से जुड़े थे।

युवाओं को आतंकी बनाने के लिए तैयार कर रहे थे आरोपित पेज>>2

152 रहा शनिवार को दिल्ली का एक्यूआइ। इस एक्यूआइ वाली वायु को मध्यम गुणवत्ता वाली श्रेणी का माना जाता है। वर्षा के कारण दिल्ली की हवा की गुणवत्ता सुधरी है।

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
रविवार, 19 अप्रैल, 2026

आज का मौसम

रविवार को आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली		
19 अप्रैल	40.0	23.0
20 अप्रैल	39.0	21.0
नोएडा		
19 अप्रैल	39.0	23.0
20 अप्रैल	35.0	24.0
गुरुग्राम		
19 अप्रैल	41.0	24.0
20 अप्रैल	42.0	24.0

डिग्री सेल्सियस में

न्यूज गैलरी

न्यूनतम छह वर्ष की उम्र में ही होगा पहली कक्षा में दाखिला

नई दिल्ली : केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने पहली कक्षा में दाखिले मामले में स्पष्ट किया है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और शिक्षा का अधिकार कानून के तहत पहली में प्रवेश के लिए न्यूनतम उम्र छह वर्ष ही निर्धारित है। अधिकारियों के मुताबिक दाखिले की तारीख के आधार पर छह वर्ष की उम्र में तीन माह तक आगे-पीछे की छूट दी जा सकती है। (जासं)

आइएलबीएस में 15 दिवसीय स्वस्थ लिवर अभियान शुरू

नई दिल्ली: वसंत कुंज स्थित इंस्टीट्यूट आफ लिवर एंड बिलियरी साइंसेज (आइएलबीएस) में शनिवार को विश्व लिवर दिवस 2026 मनाया गया। बतौर मुख्य अतिथि उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने 15 दिवसीय स्वस्थ लिवर अभियान की औपचारिक शुरुआत की। यह शहर में चलाया जाने वाला एक डिजिटल अभियान है, जिसका उद्देश्य "सालिड हैबिट, स्ट्रांग लिवर" के संदेश को हर दिल्लीवासी तक पहुंचाना है। (जासं)

फर्जी लूट मामले में शिकायती समेत तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली : रोहिणी जिले के उत्तरी रोहिणी थाना क्षेत्र में बंदूक की नोंक पर 17 लाख रुपये की लूट की पीसीआर काल के बाद हड़कंप मच गया। पुलिस की छह घंटे की जांच में मामला झूठा पाया गया। पुलिस ने झूठी शिकायत देने वाले व्यक्ति के अलावा उसके दो सह आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित की निशानदेही पर छह लाख रुपये, एक खिलौना पिस्तौल और अपराध में इस्तेमाल की गई स्कूटी बरामद की गई। (जासं)

'आरके आश्रम मार्ग' ब्लू लाइन और मजेंटा लाइन का बनेगा इंटरचेंज स्टेशन

मुख्यमंत्री ने निर्माण कार्य का किया निरीक्षण, मजेंटा लाइन होगा सबसे लंबा और स्वचालित कारिडोर

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

मेट्रो के चौथे चरण के अंतर्गत मजेंटा लाइन का जनकपुरी पश्चिम से आरके आश्रम मार्ग तक हिस्सा इस वर्ष शुरू होने की उम्मीद है। इसका निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को आरके आश्रम मार्ग स्टेशन पर चल रहे निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) अधिकारियों से परियोजना की वर्तमान स्थिति, निर्माण कार्यों की गति और यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाने के उपायों पर चर्चा की। उन्होंने निर्माण कार्य के समय आम जनता को किसी तरह की परेशानी न हो इसके लिए आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया।

आरके आश्रम मार्ग मेट्रो स्टेशन पर चल रहे निर्माण कार्य का निरीक्षण करती हुई मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता। सौजन्य : दिल्ली सरकार

आरके आश्रम मार्ग मेट्रो स्टेशन वर्तमान में संचालित ब्लू लाइन का और निर्माणाधीन मजेंटा लाइन का इंटरचेंज स्टेशन होगा। जनकपुरी पश्चिम से कृष्णा पार्क एक्सटेंशन और दीपाली चौक से मजलिस पार्क तक के हिस्से पहले ही मेट्रो का परिचालन शुरू हो गया है। शेष हिस्से पर निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। यह पश्चिम, उत्तर व मध्य दिल्ली के घनी आबादी वाले आवासीय और व्यावसायिक क्षेत्रों से होकर गुजरेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सदर बाजार सहित अन्य भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में भूमिगत स्टेशन का निर्माण, सब्जी मंडी रेलवे स्टेशन के पास रेलवे लाइन, रानी झांसी फ्लाईओवर और रेड लाइन मेट्रो कारिडोर के नीचे टनल निर्माण कार्य अत्यंत चुनौतीपूर्ण होने के बावजूद सफलतापूर्वक पूरे किए गए हैं। अत्याधुनिक तकनीकों और कड़े सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए निर्माण कार्य किया जा रहा है, जिससे सड़क यातायात में बाधा नहीं आने दी गई। इस परियोजना में लगभग सात किमी लंबे ट्विन टनल और डेरावल नगर, घंटाघर, पुलबंगश, सदर बाजार, नबी करीम और आरके आश्रम मार्ग भूमिगत स्टेशन का निर्माण शामिल है।

मजेंटा लाइन

- बाटनिकल गार्डन-जनकपुरी पश्चिम-कृष्णा पार्क (चालू) - 39.271 किमी
- कृष्णा पार्क से आरके आश्रम (निर्माणाधीन) - लगभग 27.93 किमी
- इंद्रप्रस्थ-इंद्रलोक कारिडोर (प्रस्तावित) - 11.9 किमी
- आरके आश्रम मार्ग-इंद्रप्रस्थ कारिडोर (प्रस्तावित) - लंबाई 9.913 किमी

कुल - 89 किमी

सेंट्रल दिल्ली में भीड़भाड़ को कम करने और सेंट्रल विस्टा सहित प्रमुख प्रशासनिक क्षेत्रों की कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए मजेंटा लाइन को आरके आश्रम मार्ग से इंद्रलोक तक विस्तार दिया गया है। सभी कारिडोर का काम पूरा होने के बाद मजेंटा लाइन की कुल लंबाई लगभग 89 किमी हो जाएगी, जिसमें 65 स्टेशन शामिल होंगे। यह दिल्ली मेट्रो का सबसे लंबा और स्वचालित कारिडोर होगा।

महिला सुरक्षा प्राथमिकता, दिल्ली को बनाएंगे भयमुक्त : उपराज्यपाल

जागरण संवाददाता, दक्षिणी दिल्ली

- विरासत सप्ताह के समापन कार्यक्रम में बोले उपराज्यपाल, विजेताओं को किया पुरस्कृत
- रूह-ए-दिल्ली कार्यक्रम में नियाजी निजामी ब्रदर्स के सूफियाना कलाम पर झूमे श्रोता

राजधानी की सड़कें दिन ही नहीं रात में भी महिलाओं के लिए सुरक्षित हों। सिनेमा देखना हो या घूमना, जब किसी की बेटी या बहन बाहर निकले तो डर या हिचक का नामो-निशान न हो। महिला सुरक्षा को प्राथमिकता पर रखते हुए दिल्ली को भयमुक्त बनाने के लिए हर जतन किए जाएंगे। यह बातें महरौली स्थित डीडीए पुरातात्विक पार्क में आयोजित विरासत सप्ताह से समापन कार्यक्रम में मीडिया से बातचीत में उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने कही। उन्होंने कालेज के दिनों के संस्मरण भी सुनाए। बताया पढ़ाई के दिनों में इंग्लैंड की सहपाठी के साथ रात 12 बजे फिल्म देखकर लौटते थे। उस समय सुरक्षा को लेकर जो भाव था, उसे दोबारा बनाने का प्रयास होगा।

तरनजीत सिंह संधू। फाइल

उपराज्यपाल ने कहा कि दिल्ली की सबसे बड़ी समस्याओं में से एक जाम भी है। ट्रैफिक व्यवस्था, जाम और इससे जुड़ी समस्याओं को दूर करने के लिए आरडब्ल्यूए का सहयोग लिया जाएगा। वहीं सड़क किनारे अवैध रूप से पार्क होने वाले वाहनों की समस्या को खत्म करने के लिए नई व्यवस्था बनाई जाएगी। वहीं राजधानी में स्ट्रीट लाइट और ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर संचालन के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जाएगा। दिल्ली मास्टर प्लान 2041 की अधिसूचना जारी करने समेत द्वारका स्थित भारत दर्शन पार्क को शुरू करने जैसे सवालों पर भी उन्होंने अपनी प्रतिक्रिया दी और कहा कि सभी योजनाओं पर कार्य जारी है। प्रदूषण की समस्या और यमुना सफाई पर भी लगातार काम होने की बात कही।

पुरातात्विक पार्क में 13 अप्रैल से चल रहे विरासत सप्ताह के तहत पेंटिंग, निबंध लेखन और चित्रकारी प्रतियोगिताएं हुईं। फोटोग्राफी में भी छात्रों ने हाथ आजमाए। समापन कार्यक्रम में सभी वर्ग के प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहने वाले विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

साजिशन छापेमारी में सीबीआइ के संयुक्त निदेशक दोषी करार

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- वर्ष 2000 में छापेमारी के बाद आइआरएस अधिकारी की गिरफ्तारी को कोर्ट ने माना दुर्भावनापूर्ण

एक आइआरएस अधिकारी के घर पर साजिशन छापा मारने और उन्हें गिरफ्तार करने के मामले में तीस हजारी स्थित न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत ने सीबीआइ के संयुक्त निदेशक रमनीश और दिल्ली पुलिस के सेवानिवृत्त एसीपी वीके पांडेय को दोषी करार दिया है। न्यायिक मजिस्ट्रेट शशांक नंदन भट्ट ने फैसले में वर्ष 2000 में की गई छापेमारी को दुर्भावनापूर्ण और साजिश का हिस्सा बताया। कोर्ट ने यह भी माना कि आरोपितों ने बिना किसी वैध कारण के शिकायतकर्ता के दिल्ली स्थित घर का गेट तोड़ा, जो आपराधिक अतिक्रमण और नुकसान पहुंचाने का स्पष्ट मामला है। अदालत ने दोनों को आइपीसी की धाराओं 323 (मारपीट), 427(नुकसान पहुंचाने), 448 (आपराधिक अतिक्रमण) और 34 (साझा मंशा) के तहत दोषी ठहराया। इन धाराओं में अधिकतम दो साल की सजा का प्रविधान है। कोर्ट ने फिलहाल सजा की तिथि तय नहीं की है।

कोर्ट ने कहा कि आरोपितों ने अपने अधिकारों का दुरुपयोग किया और उनकी कार्रवाई सरकारी कर्तव्य के दायरे में नहीं आती, इसलिए उन्हें कानूनी संरक्षण भी नहीं मिल सकता। यह भी सामने आया कि शिकायतकर्ता के साथ हिरासत में मारपीट की गई। यह मेडिकल रिपोर्ट और गवाहों के बयानों से साबित हुआ।

कोर्ट ने इस पूरी कार्रवाई को एक साजिश बताते हुए कहा कि 18 अक्टूबर 2000 को एक गुप्त बैठक में अगले दिन छापा मारने और गिरफ्तारी का फैसला लिया गया। मामला 1985 बैच के आइआरएस अधिकारी अशोक कुमार अग्रवाल से जुड़ा है, जो उस समय ईडी में उपनिदेशक के पद पर तैनात थे। कोर्ट ने पाया कि 19 अक्टूबर 2000 को की गई कार्रवाई का मकसद कैट के उस आदेश को निष्प्रभावी करना था, जिसमें उनके निलंबन की समीक्षा का निर्देश दिया गया था।

नोएडा हिंसा मामले का दूसरा मुख्य साजिशकर्ता तमिलनाडु से गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, नोएडा

- एक लाख का इनामी आनंद को तिरुचिरापल्ली रेलवे स्टेशन से दबोचा

औद्योगिक क्षेत्रों में श्रमिक प्रदर्शन की आड़ में हिंसा भड़काने वाले दूसरे मुख्य साजिशकर्ता इंजीनियर आदित्य आनंद उर्फ रस्टी को गिरफ्तार कर लिया गया। एसटीएफ और नोएडा पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए शुक्रवार देर रात करीब दो बजे तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली रेलवे स्टेशन से उसे धर दबोचा। आदित्य के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी होने के साथ-साथ एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया था। आरोपित लंबे बाल कटवाकर पुलिस को चकमा देने का प्रयास कर रहा था। विदेश भागने से पहले ही पुलिस के हत्थे चढ़ गया। मुख्य साजिशकर्ता रूपेश राय को पुलिस पहले ही जेल भेज चुकी है।

एनआइटी जमशेदपुर से बीटेक डिग्रीधारी हाजीपुर (बिहार) का आदित्य जून 2025 में नोएडा आया था। उसने मजदूर बिगुल, दिशा स्टूडेंट संगठन, भारतीय क्रांतिकारी मजदूर पार्टी, नोएडा में कई जगह रूपेश के साथ श्रमिकों के प्रदर्शन में शामिल हुआ। उसने श्रमिकों को भड़काया और क्यूआर कोड से व्हाट्सएप ग्रुप बनाए। 11 अप्रैल को रूपेश और मनीषा के पकड़े जाने पर आदित्य 12 अप्रैल को नोएडा से दिल्ली भाग गया। इसके बाद यहां से ट्रेन पकड़कर चेन्नई पहुंचा और पहचान बदलकर रहने लगा। सूत्रों का कहना है कि आदित्य शनिवार को ट्रेन से केरलम जाने वाला था। वहां से समुद्र के रास्ते विदेश भागने की फिराक में था।

नोएडा : पुलिस की गिरफ्त में उपद्रव का आरोपित आदित्य आनंद। सौजन्य : पुलिस

दस ठेकेदारों के लाइसेंस निरस्त: मामले में शुक्रवार को श्रम विभाग ने वेतन व ओवरटाइम भुगतान में अनियमितताएं पाए जाने पर 24 कारखानों के 203 ठेकेदारों को नोटिस जारी किए थे। इनमें से दस ठेकेदारों के लाइसेंस निरस्त कर दिए गए हैं। जांच में सामने आया है कि ठेकेदार श्रमिकों को दोगुना दर से ओवरटाइम का भुगतान नहीं कर रहे थे। पीएफ और ईएसआइसी में भी गड़बड़ी की जा रही थी।

नौजवान भारत सभी व एकता संघर्ष समिति के सदस्यों के साथ मिलकर 30 मार्च से एक अप्रैल तक श्रमिक प्रदर्शन की आड़ में हिंसा भड़काने की साजिश रची थी। वह 10 और 11 अप्रैल को

क्षतिग्रस्त पाइपलाइनों से घरों में पहुंच रहा दूषित पानी

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : नई दिल्ली व मध्य दिल्ली के विभिन्न इलाकों में दूषित पानी की आपूर्ति से स्थानीय निवासी काफी परेशान हैं। पंचकुइयां रोड स्थित डबल स्टोरी क्वार्टर और किशनगंज स्थित स्वामी दयानंद कालोनी में पानी आपूर्ति की स्थिति एक सी है। दोनों इलाकों में करीब 15 दिन से नलों में काला और कीचड़युक्त पानी आ रहा है। दूषित पानी के कारण कालोनी में त्वचा और पेट संबंधी संक्रमण फैलने का डर बना हुआ है। स्वामी दयानंद कालोनी की स्थानीय निवासी कृष्णा मित्रा ने बताया कि नल से आने वाला पानी इतना बदबूदार और दूषित है कि इसे पीने की बात तो छोड़िए, घर के दैनिक कार्यों (नहाने-धोने) में भी उपयोग करना मुश्किल है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि प्रशासन की लापरवाही के चलते लोग टैंकर वाला पानी खरीदकर काम करने को मजबूर है। आलम यह है कि लोग गर्मी शुरू होने के साथ ही पानी के लिए भटक रहे हैं।

युवाओं को आतंकी बनाने के लिए तैयार कर रहे थे आरोपित

प्रथम पृष्ठ से आगे

डीसीपी प्रवीण कुमार त्रिपाठी के अनुसार, आरोपित युवाओं को आतंकी बनाने के साथ ही 'गजवा-ए-हिंद' में हिस्सा लेने के लिए लश्कर में शामिल होने के लिए तैयार कर रहे थे। मोसैब और हम्माद को मुंबई, शेख इमरान को भुवनेश्वर और मोहम्मद सोहेल को कटिहार से पकड़ा गया है। इनमें मोसैब उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ का रहने वाला है। अन्य अपने शहर से ही पकड़े गए हैं। आरोपित एन्क्रिप्टेड इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म पर बने विभिन्न ग्रुपों से जुड़े थे। कुछ ग्रुप के वे एडमिन और कुछ में बतौर सदस्य जुड़े थे। वे युवकों को कट्टरपंथी बनाने और भर्ती करने में लगे थे।

इस माड्यूल के दो आतंकी एक रिमोट-नियंत्रित आइईडी बनाने के लिए स्थानीय स्रोतों से सामान एकत्र करने की प्रक्रिया में थे, जिसका इस्तेमाल आगे आतंकवादी हमले के लिए किया जा सकता था। माड्यूल का एक सदस्य दूसरों को 'गजवा-ए-हिंद' में हिस्सा लेने के लिए हथियार व विस्फोटक एकत्र करने के लिए उकसा रहा था। एक अन्य ने माड्यूल के सदस्यों के लिए हथियारों की ट्रेनिंग का इंतजाम करने का वादा किया था। दिसंबर 2025 के दौरान उसने लाल किला सहित कई संवेदनशील जगहों का दौरा किया था और युवाओं को आतंकी बनाने के लिए लाल किले की तस्वीर पोस्ट की थी, जिसमें लाल किला के ऊपर एडिटेड काला झंडा लगा था।

चारों आतंकियों के बंटे थे काम : मोसैब अहमद उर्फ सोनू: आरोपित ने भारत व विदेश (सऊदी अरब व कतर) में वेल्डर, आटो मैकेनिक व आटो इलेक्ट्रीशियन का काम किया है। फिलहाल वह ठाणे में एक निजी आटोमोबाइल वर्कशाप में काम कर रहा था और कई आनलाइन ग्रुपों से जुड़ा था, जहां 'लश्कर-ए-महदी' और 'जिहाद' से जुड़ी चर्चाएं होती थीं। उसने आतंकी मोहम्मद हम्माद की मदद की और बम बनाने के लिए एक रिमोट-कंट्रोल वाला खिलौना कार बम की तस्वीर ग्रुप में साझा की थी।

मोहम्मद हम्माद: वह जनवरी में एक ग्रुप से जुड़ा, जिसमें मोसैब अहमद जैसे कई सदस्य शामिल थे। इस ग्रुप में 'जिहाद' और 'गजवा-ए-हिंद' पर चर्चाएं होती थीं। उसने बम बनाने के सामान के तौर पर बाल बेयरिंग, कीलें, रिमोट-कंट्रोल खिलौना कार और बक्सों की तस्वीरें एक ग्रुप में साझा की थीं। उसने ये चीजें बाद में मोसैब अहमद को सौंप दीं थी। मोसैब पेशे से मैकेनिक है, इसलिए उसे बम बनाने को दिया गया।

शेख इमरान: भुवनेश्वर से पढ़ाई के बाद सिक्योरिटी गार्ड व डिलीवरी ब्वाय के रूप में काम किया। इंटरनेट मीडिया पर उसकी मुलाकात हम्माद व मोसैब अहमद से हुई। सभी ने एक ग्रुप बनाया। उन्होंने राम मंदिर, संसद व सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने की योजनाओं पर बात की। दिसंबर में वह लाल किला व इंडिया गेट की रेकी करने दिल्ली आया था। उसने ग्रुप के सदस्यों से वादा किया कि वह ओडिशा में हथियारों की ट्रेनिंग का इंतजाम करेगा।

मोहम्मद सोहेल: कटिहार का रहने वाला है और पेशे से प्लंबर है। वह डा. इसरार अहमद की लेक्चर से प्रभावित था। उसने इंटरनेट मीडिया पर कई अकाउंट बनाए और जिहाद के नाम पर युवाओं को उकसाया। बीते मार्च में उसने अपने चैनल के फालोअर को 'गजवा-ए-हिंद' के लिए हथियार और विस्फोटक जमा करने के लिए भड़काया। उसने जिहाद के नाम पर पैसे एकत्र करने के लिए बैंक अकाउंट नंबर और क्यूआर कोड भी साझा किया था।

प्रापर्टी डीलिंग के पैसों के लिए हुए विवाद में हुई थी पिता-पुत्र की हत्या

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : दक्षिण दिल्ली के पाश इलाके सीआर पार्क में हुई पिता-पुत्र की हत्या के मामले में पुलिस ने देर रात ही आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। इसकी पहचान तारा अपार्टमेंट के ही असद के रूप में हुई है। राकेश सूद और आरोपित असद प्रापर्टी डीलिंग का काम करते थे। दोनों का लंबे से एक प्रापर्टी डीलिंग के पैसों को लेकर विवाद चल रहा था, जिसे लेकर असद ने राकेश सूद और उनके बेटे करण सूद व रिश्तेदार राहुल पर शुक्रवार रात धारदार हथियार से हमला कर दिया। उपचार के दौरान डाक्टरों ने राकेश और करण को मृत घोषित कर दिया था, जबकि घायल राहुल का उपचार जारी है। पुलिस ने आरोपित के पास से वारदात में इस्तेमाल कार बरामद की है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, आरोपित के खिलाफ पहले भी वर्ष 2005 में संगम विहार थाने में एक मामला दर्ज है। दक्षिणी जिले के उपायुक्त अनंत मित्तल का कहना है कि फिलहाल पुलिस आरोपित से हर एंगल पर पूछताछ कर रही है।

एलपीजी की कालाबाजारी करने वाले तीन धरे, 108 सिलिंडर बरामद

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- गैस एजेंसी से घरेलू इस्तेमाल के लिए सब्सिडी वाली दरों पर एलपीजी सिलिंडर खरीदकर अधिक दरों पर बेच रहे थे आरोपित

घरेलू एलपीजी गैस सिलिंडर की कालाबाजारी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ कर क्राइम ब्रांच की टीम ने तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। 40 फुटा रोड, शाहीन बाग में छापेमारी कर पुलिस ने आरोपितों के ठिकाने से 108 एलपीजी सिलिंडर बरामद किए हैं। इसके अलावा इन सिलिंडरों को ले जाने में इस्तेमाल होने वाली दो गाड़ियां (छोटा हाथी और महिंद्रा पिकअप) भी जब्त की हैं। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान कुलदीप, आशीष और विजय के रूप में हुई है। तीनों सूर्य विहार, फरीदाबाद के रहने वाले हैं। आरोपित अवैध तरीके से एक लोकल गैस एजेंसी से घरेलू इस्तेमाल के लिए सब्सिडी वाली दरों पर एलपीजी सिलिंडर खरीद रहे थे और खाली सिलिंडर में गैस डालकर अधिक दरों पर बेच रहे थे।

उपायुक्त पंकज कुमार के मुताबिक, एलपीजी सिलिंडर की कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत टीम को गुप्त सूचना मिली कि 40 फुटा रोड, शाहीन बाग में घरेलू एलपीजी सिलिंडरों की कालाबाजारी की जा रही है। पुलिस टीम ने शाहीन बाग में छापेमारी कर 108 एलपीजी सिलिंडर बरामद किए और मौके से तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया।

पुलिस द्वारा बरामद किए गए एलपीजी सिलिंडर और वाहन। दिल्ली पुलिस

2,027 सिलेंडर जब्त, 44 एफआइआर दर्ज

हाल ही में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया था कि एलपीजी वितरण में अनियमितताओं पर सख्ती करते हुए खाद्य आपूर्ति विभाग और पुलिस ने 540 से अधिक स्थानों पर छापेमारी कर 2,027 सिलेंडर जब्त किए हैं और 44 एफआइआर दर्ज की गई हैं। राजधानी में एलपीजी, पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति सामान्य है।

पूछताछ में पता चला कि तीनों आरोपित अवैध तरीके से घरेलू एलपीजी सिलिंडर सब्सिडी वाले रेट पर खरीद रहे थे और खाली सिलिंडर में गैस डालकर उसे अधिक रेट पर बेचकर मुनाफा कमा रहे थे। पुलिस इनसे पूछताछ कर पूरी सप्लाई चेन का पता लगाने और इसमें शामिल अन्य आरोपितों को पकड़ने के लिए आगे की जांच कर रही है।

यातायात सुधार

सड़क परिवहन की 18 बड़ी परियोजनाओं पर आगे बढ़ रहा काम, कई परियोजनाओं के फिजीबिलिटी स्टडी का चल रहा काम, विशेषज्ञों ने कहा कि पहली बार हो रहा इतने बड़े स्तर पर काम

174 किमी सड़क मार्ग को किया जाएगा जाम मुक्त

वी के शुक्ला ● जागरण

नई दिल्ली : दिल्ली सरकार ने सड़क परिवहन से संबंधित ढांचा के विकास को गति देते हुए पिछले एक साल में 18 बड़ी परियोजनाओं पर काम आगे बढ़ाया है। इन परियोजनाओं के माध्यम से जाम वाले 174 किमी सड़क मार्ग को जाम मुक्त किया जाएगा। इस प्लान में तीन परियोजनाओं को छोड़ दें तो 15 परियोजनाओं के लिए फिजीबिलिटी स्टडी पर काम शुरू हो चुका है। जिनमें से 11 परियोजनाओं का फिजीबिलिटी स्टडी का कार्य अंतिम चरण में है और जल्द ही इन्हें मंजूरी के लिए यूनिफाइड ट्रैफिक एंड ट्रांसपोर्टेशन इन्फ्रास्ट्रक्चर (प्लानिंग व इंजीनियरिंग) सेंटर (यूटीपैक) में भेजने की तैयारी चल रही है। वहीं तीन परियोजनाओं के लिए सरकार ने फिजीबिलिटी स्टडी कराने के टेंडर जारी कर दिए हैं। विशेषज्ञों की मानें तो ढांचागत विकास के मामले में दिल्ली में पहली बार इतने बड़े स्तर पर काम हो रहा है। उनकी मानें तो राष्ट्रमंडल खेलों की तैयारियों की विशेष परिस्थितियों को छोड़ दें तो इससे पहले इस क्षेत्र में इतनी तेजी से काम नहीं हुआ है। उनके अनुसार सभी परियोजनाओं पर इसी तेजी से काम हुआ तो आने वाले 4 से 5 साल में शहर को यातायात जाम मुक्त करने की दिशा में बड़ी मजबूती मिल सकेगी।

क निर्माण मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा कि दिल्ली के प्रमुख जाम वाले स्थानों पर 18 नए एलिवेटेड कारिडोर व फ्लाईओवर बनाने की योजना दिल्ली की जनता को बड़ा लाभ देने वाली है। सभी चिह्नित स्थानों पर व्यापक अध्ययन किया जा रहा है, जहां विशेषज्ञ इन इलाकों को जाम मुक्त करने के लिए अपने सुझाव देंगे। अध्ययन पूरा होने के बाद विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर स्वीकृति के लिए भेजी जाएगी, ताकि बिना किसी देरी के निर्माण कार्य शुरू किया जा सके। ये परियोजनाएं केवल ट्रैफिक जाम को कम करने के लिए नहीं हैं, बल्कि इसका व्यापक उद्देश्य वाहनों से होने वाले प्रदूषण को नियंत्रित करना भी है।

देशबंधु गुप्ता रोड अजमेरी गेट से देव नगर तक

इन परियोजनाओं का फिजीबिलिटी स्टडी अंतिम चरण में

- इंद्रलोक मेट्रो स्टेशन से मुनक नहर पर हरियाणा की सीमा तक 20 किमी लंबे एलिवेटेड कारिडोर का निर्माण
- महात्मा गांधी मार्ग यानी 55 किमी लंबे रिंग रोड पर ट्रैफिक जाम कम करने के लिए काम
- 3 किमी लंबे एसएसएन मार्ग (अणुव्रत मार्ग रेड लाइट से डीएलएफ कट तक) पर फ्लाईओवर बनाने की योजना
- अजमेरी गेट चौक से शुरू होकर पहाड़गंज के सामने वाले देशबंधु गुप्ता रोड पर 7 किमी एलिवेटेड कारिडोर की योजना
- शादीपुर डिपो के सामने अंडर पास या फ्लाईओवर बनाकर मार्ग के 4 किमी भाग को जाम मुक्त करना।
- आइटीओ इंटरसेक्शन पर फ्लाईओवर/अंडरपास बनाकर मार्ग के 4 किमी भाग को जाम मुक्त करना
- नानकसर गुरुद्वारा टी-प्वाइंट से दिल्ली यूपी बार्डर तक एलिवेटेड कारिडोर परियोजना

अल्पसंख्यक छात्रों के लिए शुरू हुई दिल्ली सरकार की छात्रवृत्ति योजना

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

- 30 जून तक करें आवेदन, दिल्ली सरकार की है योजना

दिल्ली सरकार के राजस्व विभाग ने राजधानी के अल्पसंख्यक समुदायों के मेधावी छात्रों के लिए शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं की घोषणा की है। इस पहल का उद्देश्य मुस्लिम, ईसाई, सिख, बौद्ध, पारसी और जैन समुदायों के आर्थिक रूप से कमजोर और प्रतिभाशाली छात्रों को वित्तीय सहायता देना है।

सरकार द्वारा जारी सूचना के अनुसार, इस कार्यक्रम के तहत तीन मुख्य श्रेणियों में सहायता दी जाएगी। छात्रवृत्ति के लिए विद्यार्थी 30 जून तक आवेदन कर सकते हैं।

ट्यूशन फीस की प्रतिपूर्ति-कक्षा एक से 12 तक के स्कूली छात्रों के लिए ट्यूशन फीस वापसी का प्रविधान है। मेरिट स्कालरशिप: प्रोफेशनल और तकनीकी कालेजों या विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्रों के लिए विशेष मेरिट छात्रवृत्ति दी जाएगी।

डा. बीआर अंबेडकर स्टेट अवार्ड: विशिष्ट शैक्षणिक उपलब्धियां हासिल करने वाले मेधावी छात्रों को राज्य पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। इन योजनाओं के लिए पात्र छात्र ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल www.edistrict.delhigovt.nic.in पर जाकर आनलाइन आवेदन कर सकते हैं। केवल दिल्ली के निवासी छात्र ही इन योजनाओं में आवेदन कर सकते हैं। इन योजनाओं की पूरी जानकारी छात्र राजस्व विभाग की वेबसाइट www.revenue.delhi.gov.in पर देख सकते हैं।

महाराष्ट्र में मराठी भाषा न पढ़ाने वाले स्कूलों की रद हो सकती है मान्यता

मुंबई, प्रेट्र : महाराष्ट्र में मराठी भाषा को अनिवार्य रूप से न पढ़ाने वाले स्कूलों पर एक लाख रुपये तक का जुर्माना लग सकता है। यही नहीं, उनकी मान्यता भी रद हो सकती है। स्कूल शिक्षा विभाग ने शुक्रवार को एक सरकारी संकल्प (जीआर) के माध्यम से सभी स्कूलों में मराठी भाषा के अनिवार्य शिक्षण को सख्ती से लागू किया है। यह चिंता जताई गई थी कि कई स्कूल विशेषकर केंद्रीय बोर्डों से संबद्ध स्कूल इस नियम का पालन नहीं कर रहे हैं। जीआर में उल्लंघन करने पर कठोर दंड की चेतावनी दी गई है।

जीआर में कहा गया है कि महाराष्ट्र अनिवार्य मराठी भाषा शिक्षण अधिनियम, 2020 के तहत 2020-21 से सभी स्कूलों में कक्षा एक से 10 तक मराठी एक अनिवार्य विषय है। यह सभी संस्थानों पर लागू होता है, चाहे वे किसी भी बोर्ड या माध्यम से संचालित हों। विभाग ने इस नियम के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए संभागीय उप शिक्षा निदेशकों को सक्षम प्राधिकारी नामित किया है। शैक्षणिक वर्ष शुरू होने के दो महीने के भीतर स्कूलों का निरीक्षण होगा, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उनमें मराठी पढ़ाई जा रही है या नहीं। उल्लंघन पाए जाने पर स्कूलों को नोटिस भेजा जाएगा और उनसे 15 दिनों के भीतर जवाब मांगा जाएगा।

दक्षिण कोरिया के साथ संबंधों को नई ऊर्जा देने की कोशिश

तीन दिनी यात्रा पर आज भारत आ रहे दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति मुंग

आठ वर्ष पहले टू प्लस टू वार्ता का हुआ था फैसला, अभी तक नहीं हुई शुरू

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे मुंग। फाइल

दक्षिण कोरिया की राजनीतिक अस्थिरता और वहां की सरकारों की कुछ हद तक असमंजसता के कारण भारत-दक्षिण कोरिया के द्विपक्षीय संबंध ऊंची उड़ान नहीं भर पा रहे हैं। रक्षा और कारोबारी क्षेत्र में बार-बार दोनों तरफ से अपार संभावनाओं की बात कहने के बावजूद परिणाम बहुत उत्साहजनक नहीं है। सहमति बनने के बावजूद दोनों देशों के रक्षा और विदेश मंत्रियों की बैठक शुरू नहीं हो पाई है। ऐसे में उम्मीद है कि दक्षिण कोरिया के नए राष्ट्रपति ली जे मुंग की रविवार से शुरू हो रही तीन दिवसीय यात्रा से नई शुरुआत होगी। राष्ट्रपति ली जे मुंग के साथ सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की द्विपक्षीय बैठक में प्रौद्योगिकी, क्रिटिकल मिनरल्स और कारोबार को मजबूत बनाने पर चर्चा होने की उम्मीद है।

भारत ने करीब एक दशक पहले दक्षिण कोरिया को महत्वपूर्ण सामरिक साझेदार के रूप में चिह्नित किया था, लेकिन यह साझेदारी खासा परवान नहीं चढ़ सकी। आठ वर्ष पहले दोनों देशों के बीच 'टू प्लस टू' वार्ता की घोषणा की गई थी, जिसमें रक्षा और विदेश मंत्रियों की भागीदारी होती। भारत इस तरह की बैठकें जापान, अमेरिका और आस्ट्रेलिया जैसे अपने रणनीतिक साझेदारों के साथ नियमित रूप से करता है, लेकिन दक्षिण कोरिया के मामले में राजनीतिक अस्थिरता के चलते यह प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पाई। दक्षिण कोरिया में बार-बार सरकार बदलने और घरेलू राजनीतिक संकटों ने द्विपक्षीय संबंधों को गति देने में बाधा डाली।

आर्थिक संबंधों की बात करें तो दक्षिण कोरिया की कंपनियां भारतीय बाजार में गहराई से उतर चुकी हैं। सैमसंग, हुंडई और एलजी जैसे ब्रांड हर भारतीय घर में मौजूद हैं। सैमसंग मोबाइल फोन और इलेक्ट्रानिक्स में, हुंडई कारों में और एलजी घरेलू उपकरणों में बाजार पर छाई हुई हैं। इन कंपनियों ने भारत में बड़े निवेश किए हैं और स्थानीय रोजगार सृजन में भी योगदान दिया है। हालांकि, व्यापार को और बढ़ावा देने के लिए दोनों देशों के बीच 2010 में लागू हुए कांप्रिहेंसिव इकोनमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट (सीईपीए) में संशोधन और अपग्रेडेशन पर खास प्रगति नहीं हुई है। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे मुंग का यह दौरा आठ साल बाद किसी कोरियाई राष्ट्रपति की भारत यात्रा है। इस यात्रा में द्विपक्षीय संबंधों को नई दिशा देने पर जोर दिया जाएगा।

बिहार को मिली मात्र 6289.40 करोड़ की विशेष सहायता

राज्य ब्यूरो, जागरण ● पटना

- छोटे आकार और कम जनसंख्या वाले राज्यों को भी बिहार से अधिक राशि मिली, सर्वाधिक राशि यूपी और एमपी को, बिहार सातवें स्थान पर

संरचनात्मक कमियों के कारण दूसरे राज्यों से काफी पीछे छूट चुके बिहार को विशेष सहायता के अंतर्गत केंद्र से मात्र 6289.40 करोड़ रुपये मिले हैं। भौगोलिक और जनसांख्यिकी दृष्टिकोण से सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश को बिहार से अधिक राशि मिलना स्वाभाविक रहा, लेकिन असम और अरुणाचल प्रदेश सहित दूसरे पांच राज्य भी अपेक्षाकृत अधिक राशि पाए, जो भौगोलिक रूप से बिहार से छोटे और कम जनसंख्या वाले हैं।

पूंजीगत व्यय और निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता योजना (एसएएससीआइ) के अंतर्गत राशि का आवंटन होता है। 50 वर्षों के लिए ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराए जाते हैं। कोरोना से जूझ रहे राज्यों में ढांचागत विकास और आर्थिक सुधार के लिए वित्तीय वर्ष 2020-21 में यह योजना 12000 करोड़ रुपये के आवंटन के साथ शुरू हुई थी। तब से लेकर 2024-2025 तक राज्यों को कुल 469624.08 करोड़ रुपये दिए जा चुके हैं। 2024-25 और 2025-26 में इसके अंतर्गत 150000 करोड़ रुपये का प्रविधान हुआ। 22 राज्यों ने ग्रामीण क्षेत्रों में भूमि संबंधी सुधारों को लागू करके और औद्योगिक और वाणिज्यिक भवनों के लिए इस राशि का उपयोग किया। हालांकि, शहरी क्षेत्रों में भूमि सुधारों से संबंधित प्रोत्साहन का लाभ कोई राज्य नहीं उठा पाया। उनमें से बिहार भी एक है। बिहार में पूंजीगत परियोजनाओं (सड़क, बुनियादी ढांचा) पर यह राशि खर्च हो रही है। उल्लेखनीय है कि निर्धारित प्रविधान के अंतर्गत खनन, सड़क सुरक्षा, भूमि सुधार, वित्तीय प्रबंधन और शहरी नियोजन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में सुधार पर यह राशि खर्च हो सकती है।

2025-26 में आवंटन (करोड़ रुपये)

उत्तर प्रदेश	12466.83
मध्य प्रदेश	11547.94
राजस्थान	7006.17
असम	6816.24
आंध्र प्रदेश	6372.40
छत्तीसगढ़	6339.57
बिहार	6289.40
तमिलनाडु	5684.65
बंगाल	5465.90
गुजरात	4209.90
महाराष्ट्र	4922.80

पीएमजीएसवाइ-3 रहेगी जारी, समय-सीमा बढ़ाई

प्रथम पृष्ठ से आगे

कैबिनेट ने एक अन्य फैसले के तहत प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना-3 (पीएमजीएसवाइ) को जारी रखने के साथ-साथ उसकी समय-सीमा बढ़ा दी गई है। योजना के कुल परिव्यय को अब 83,977 करोड़ रुपये कर दिया गया है, जिसमें केंद्र का हिस्सा 54,848 करोड़ और राज्यों का हिस्सा 29,129 करोड़ रुपये रहेगा। मैदानी इलाकों में सड़क और पुलों का काम मार्च 2028 तक तथा पहाड़ी क्षेत्रों में सड़कें मार्च 2028 और पुल मार्च 2029 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इस विस्तार से बीच में कोई भी प्रोजेक्ट अधर में नहीं लटकेगा।

गाजियाबाद से सीतापुर के बीच दो नए रेल ट्रैक बिछेंगे : केंद्रीय कैबिनेट ने गाजियाबाद से सीतापुर के बीच दो नए रेल ट्रैक बिछाने के लिए 14,926 करोड़ रुपये के एक अन्य प्रस्ताव को भी हरी झंडी दिखाई। 403 किलोमीटर लंबी यह परियोजना चार वर्षों में पूरी होगी। इसमें छह नए रेलवे स्टेशनों न्यू हापुड, न्यू मुरादाबाद , न्यू रामपुर, न्यू बरेली, न्यू शाहजहांपुर और न्यू सीतापुर का निर्माण भी होगा। आंध्र प्रदेश में राजमुंदरी विशाखापत्तनम के बीच तीसरी और चौथी लाइन को भी मंजूरी दी गई।

राष्ट्रीय राजमार्गों पर अवैध पार्किंग और अतिक्रमण पर अंकुश लगाने के निर्देश

- सड़क सुरक्षा पर सुप्रीम कोर्ट का कड़ा रुख, 'सुरक्षित यात्रा का अधिकार जीवन के अधिकार का अभिन्न अंग'
- राजमार्गों के अधिकार क्षेत्र में बने अनाधिकृत ढाबों एवं प्रतिष्ठानों को 60 दिनों में हटाने का आदेश

प्रशासनिक लापरवाही पर तल्ख टिप्पणी

नवंबर 2025 में राजस्थान के फलोदी और तेलंगाना के रंगा रेड्डी जिलों में हुई दो दर्दनाक सड़क दुर्घटनाओं, जिनमें 34 लोगों ने अपनी जान गंवाई, का स्वत: संज्ञान लेते हुए कोर्ट ने इसे 'सिस्टम की घोर लापरवाही' करार दिया। पीठ ने कहा कि एक एक्सप्रेसवे प्रशासनिक सुस्ती या बुनियादी ढांचे की कमियों के कारण खतरे का मार्ग नहीं बन सकता। राज्य का यह संवैधानिक दायित्व है कि वह ऐसा वातावरण सुनिश्चित करे जहां जीवन सुरक्षित रहे।

नई दिल्ली, प्रेट्र : सड़कें आवागमन का जरिया होती हैं, लेकिन प्रशासनिक लापरवाही और अतिक्रमण के कारण ये अक्सर 'मौत का गलियारा' बन जाती हैं। इसी पीड़ा को महसूस करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय राजमार्गों पर अवैध पार्किंग और अतिक्रमण के खिलाफ एक ऐतिहासिक आदेश जारी किया है। न्यायमूर्ति जे.के. माहेश्वरी और न्यायमूर्ति अतुल एस. चंदुरकर की पीठ ने स्पष्ट किया कि 'सुरक्षित यात्रा का अधिकार' संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के अधिकार का ही एक अभिन्न हिस्सा है। कोर्ट ने राजमार्गों पर अवैध पार्किंग पर अंकुश लगाने, अतिक्रमण हटाने और सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने के लिए अंतरिम निर्देशों का एक व्यापक सेट जारी किया है।

भारी वाहनों की पार्किंग पर पूर्ण प्रतिबंध : व्यापक निर्देश जारी करते हुए न्यायमूर्ति माहेश्वरी की अध्यक्षता वाली पीठ ने निर्दिष्ट पार्किंग स्थलों या सड़क किनारे की सुविधाओं को छोड़कर, राष्ट्रीय राजमार्गों की मुख्य सड़क और किनारों पर भारी और वाणिज्यिक वाहनों की पार्किंग पर पूर्ण प्रतिबंध का आदेश दिया। साथ ही, राजमार्गों के अधिकार क्षेत्र में बने अनाधिकृत ढाबों और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को 60 दिनों के भीतर हटाने का आदेश दिया गया है। किसी भी सुरक्षा क्षेत्र में अब बिना पूर्व अनुमति के न तो नया लाइसेंस जारी होगा और न ही पुराना नवीनीकृत किया जाएगा।

आपातकालीन सेवाओं का विस्तार : कोर्ट ने जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए देश भर में 'जिला राजमार्ग सुरक्षा कार्य बल' गठित करने का आदेश दिया है, जिसके लिए जिलाधिकारी और पुलिस आयुक्त/अधीक्षक संयुक्त रूप से जिम्मेदार होंगे। सुरक्षा को मजबूत करने के लिए 75 किलोमीटर के अंतराल पर लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस और रिकवरी क्रेन तैनात करना अनिवार्य किया गया है।

चार माह में चेतावनी संकेत लगाने का निर्देश : सुप्रीम कोर्ट ने 45 दिनों के भीतर राजमार्गों पर मौजूद 'ब्लैकस्पाट्स' की पहचान कर सार्वजनिक करने के निर्देश दिए है।

जमात व फलाह-ए-आम ट्रस्ट से जुड़े 58 स्कूल प्रशासन के नियंत्रण में

राज्य ब्यूरो, जागरण ● श्रीनगर : जम्मू-कश्मीर में प्रतिबंधित जमात-ए-इस्लामी और उससे संबंधित फलाह-ए-आम ट्रस्ट से प्रत्यक्ष-परोक्ष रूप से जुड़े स्कूलों को जिहादी और अलगाववादी मानसिकता से पूरी तरह मुक्त करवाया जा रहा है। इसी कड़ी में प्रदेश प्रशासन ने यहां पढ़ने वाले छात्रों के हितों को देखते हुए जमात और फलाह-ए-आम ट्रस्ट के चिह्नित 58 और स्कूलों का प्रबंधन अपने नियंत्रण में ले लिया है। संबंधित जिला उपायुक्तों को इन स्कूलों का प्रबंधन संभालते हुए इनमें भी राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मुताबिक पाठ्यक्रम सुनिश्चित बनाने और नयी समितियों के गठन का प्रस्ताव देने के लिए कहा गया है। स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों को इन स्कूलों में आवश्यक कार्रवाई के लिए भी तैनात किया गया है।

संबंधित अधिकारियों ने बताया कि खुफिया एजेंसियों ने हाल ही में 58 ऐसे स्कूलों की पहचान की है, जिनका जमात और फलाह-ए-आम ट्रस्ट से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष संबंध है। सुरक्षा एजेंसियों ने इनके अलगाववादी गतिविधियों में लिप्त होने की पुष्टि की है।

रूस से अभी बेरोकटोक तेल खरीदेगा भारत

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- अमेरिका ने रूसी तेल खरीद पर लगे प्रतिबंध में छूट की अवधि एक महीने और बढ़ाई
- मार्च 2026 में औसतन 20 लाख बैरल प्रतिदिन रूसी कच्चा तेल आयात किया गया

प्रतीकात्मक

भारत तकरीबन एक महीने और रूस से खुलकर कच्चे तेल या अन्य पेट्रोलियम उत्पादों की खरीद कर सकेगा। अमेरिकी सरकार ने रूस से तेल खरीद पर लगे प्रतिबंधों में अस्थायी छूट की अवधि एक महीने और बढ़ा दी है। वैसे अमेरिका ने दो दिन पहले ही कहा था कि छूट की अवधि नहीं बढ़ाई जाएगी लेकिन शुक्रवार को देर शाम अमेरिकी ट्रेजरी विभाग की तरफ से जारी अधिसूचना में कहा गया कि 17 अप्रैल या उससे पहले टैंकरों पर लोड किए गए रूसी कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों की खरीद-बिक्री पर प्रतिबंध 16 मई तक लागू नहीं होंगे। इस फैसले से सबसे ज्यादा राहत भारत को मिली है। भारत दुनिया के सबसे बड़े रूसी तेल आयातकों में शामिल है। पश्चिम एशिया विवाद को देखते हुए ट्रंप प्रशासन का फैसला भारत की ऊर्जा सुरक्षा और महंगाई नियंत्रण के लिए बेहद उपयोगी साबित होगा।

छूट की अवधि बढ़ने से भारतीय तेल कंपनियां अब बिना प्रतिबंध के खतरे के रूस से तेल की खरीद जारी रख सकेंगी। अमेरिकी सरकार की तरफ से स्पष्ट किया कि यह फैसला वैश्विक आपूर्ति में आई कमी और कीमतों में उछाल को देखते हुए। इससे पहले 11 अप्रैल को पुरानी 30 दिन की छूट खत्म हो गई थी और ट्रेजरी सचिव स्काट बेसेंट ने कहा था कि इसे आगे नहीं बढ़ाया जाएगा, लेकिन बाजार के दबाव के कारण दो दिन बाद ही यू-टर्न ले लिया गया।

ईरान पर अमेरिकी हमले के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में दो दिनों में ही कच्चे तेल की कीमतें दोगुनी के करीब पहुंच गई थीं। इसका संज्ञान लेते हुए अमेरिका ने छूट की घोषणा की थी जिसका सबसे ज्यादा फायदा भारत को हुआ। भारत फिलहाल रूस से भारी मात्रा में तेल खरीद रहा है। मार्च 2026 में औसतन 20 लाख बैरल प्रतिदिन रूसी कच्चा तेल आयात किया गया, जो जून 2023 के बाद सबसे ऊंचा स्तर है। इस बारे में भारत सरकार की तरफ से कोई डाटा नहीं दिया गया है लेकिन निजी एजेंसियों की रिपोर्ट के मुताबिक मार्च में ही भारत ने रूस से खरीदे गए तेल का भुगतान फरवरी, 2026 के मुकाबले तीन गुना ज्यादा किया है। अप्रैल के पहले पखवाड़े में आयात थोड़ा कम हुआ है लेकिन इसका कारण रखरखाव के लिए बंदी को बताया जा रहा है। अब इसके ऊर्जा बाजार को स्थिर रखने के लिए लिया गया है, खासकर ईरान पर अमेरिका-इजरायल हमले के बाद तेल फिर से नई ऊंचाई पर जाने की संभावना है। मोटे तौर पर मार्च व अप्रैल में भारत ने कुल तेल आयात का 45 प्रतिशत रूस से खरीदा है। यूक्रेन पर फरवरी, 2022 में किए गए हमले के बाद से ही अमेरिका रूस की युद्ध आय को रोकने के लिए उस पर प्रतिबंध लगा रखा है।

सिद्दरमैया ने दक्षिण भारत में सुप्रीम कोर्ट की बेंच स्थापना पर दिया जोर

बेंगलुरु, प्रेट्र : कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरमैया ने शनिवार को कहा कि दक्षिण भारत में सुप्रीम कोर्ट की एक बेंच की स्थापना न्याय सुनिश्चित करने में बहुत मददगार साबित होगी। वह एआइ के युग में न्यायपालिका की पुनर्कल्पना' विषय पर आयोजित न्यायिक अधिकारियों के 22वें द्विवार्षिक राज्य स्तरीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा, मामलों का लंबित रहना गंभीर चिंता का विषय है जो न्याय की समयबद्धता को प्रभावित करता है। हालांकि, प्रौद्योगिकी इस समस्या के समाधान के लिए उपकरण प्रदान कर सकती है, लेकिन इसे बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, न्यायिक क्षमता बढ़ाने और अदालती प्रक्रियाओं का आधुनिकीकरण करने जैसे प्रणालीगत सुधारों द्वारा पूरक बनाया जाना चाहिए। शीर्ष कोर्ट तक पहुंच में सुधार की भी आवश्यकता है। दक्षिण भारत में सुप्रीम कोर्ट की एक बेंच की स्थापना न्याय सुनिश्चित करने में मददगार होगी।

सिद्दरमैया। फाइल

'अधीनस्थ न्यायिक अधिकारियों के संरक्षक बनें, उनके करियर को नुकसान न पहुंचाएं'

- सुप्रीम कोर्ट ने अधिकारियों की सार्वजनिक रूप से आलोचना करने की बढ़ती प्रवृत्ति के प्रति हाई कोर्टों को किया आगाह
- कहा, यह न सिर्फ संबंधित अधिकारी का करियर बर्बाद कर सकती है, बल्कि पूरी जिला न्यायपालिका का मनोबल भी गिरा सकती है

नई दिल्ली, प्रेट्र : सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में उच्च न्यायालयों द्वारा अधीनस्थ न्यायिक अधिकारियों की सार्वजनिक रूप से आलोचना करने की बढ़ती प्रवृत्ति पर गहरी चिंता व्यक्त की है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने स्पष्ट रूप से कहा कि उच्च न्यायालय को जिला न्यायपालिका के अधिकारियों के लिए एक 'अभिभावक' या 'संरक्षक' के रूप में कार्य करना चाहिए।

सर्वोच्च न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण टिप्पणी में कहा कि हाल के दिनों में यह एक चलन बन गया है कि उच्च न्यायालय अपने पर्यवेक्षी या अपीलीय क्षेत्राधिकार का उपयोग करते समय न्यायिक अधिकारियों के खिलाफ प्रतिकूल टिप्पणियां दर्ज करते हैं। न्यायालय ने आगाह किया कि 'ऐसी अपमानजनक टिप्पणियां न केवल संबंधित अधिकारी के करियर को बर्बाद कर सकती हैं, बल्कि पूरी जिला न्यायपालिका का मनोबल भी गिरा सकती है।'

न्यायालय ने कहा कि यदि किसी न्यायिक आदेश में खामियां पाई जाती हैं, तो तत्काल प्रतिक्रिया के रूप में अधिकारी के खिलाफ प्रतिकूल टिप्पणी करना उचित नहीं है।

सर्वोच्च न्यायालय ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के उस आदेश को रद करते हुए यह बात कही, जिसमें तकनीकी आधार पर एक आरोपित की जमानत आठ साल बाद रद कर दी गई थी। न्यायालय ने याद दिलाया कि संविधान के अनुच्छेद 227 के तहत उच्च न्यायालयों को दी गई अधीक्षण की शक्ति का उपयोग उत्पीड़न के उपकरण के रूप में नहीं, बल्कि न्यायिक अधिकारियों को सुधारने और मार्गदर्शन देने के तंत्र के रूप में किया जाना चाहिए।

न्यायालय ने सुझाव दिया कि उच्च न्यायालयों को एक 'इन-हाउस' तंत्र विकसित करना चाहिए। पीठ ने कहा कि यदि किसी ट्रायल कोर्ट के न्यायाधीश के आदेश में कोई त्रुटि पाई जाती है, तो उसे एक 'रिमार्क स्लिप' में दर्ज किया जाना चाहिए। इस स्लिप को प्रशासनिक न्यायाधीश या प्रधान न्यायाधीश के समक्ष आवश्यक अनुवर्ती कार्रवाई के लिए रखा जाना चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय का यह निर्देश न्यायिक पदानुक्रम में सम्मान और सुधार की संस्कृति को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

सिस्टम की आलोचना को निंदा के रूप में नहीं लेना चाहिए: जस्टिस मनमोहन

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति मनमोहन ने शनिवार को कहा कि मौजूदा सिस्टम की किसी भी आलोचना को निंदा के रूप में नहीं लिया जाना चाहिए, बल्कि इसे एक सुझाव के रूप में देखा जाना चाहिए।

उन्होंने सोसायटी आफ इंडियन लाफर्म और सोसायटी आफ लीगल प्रोफेशनल द्वारा आयोजित 'सभी के लिए न्याय - सुलभ और सस्ता' विषयक सम्मेलन में यह बात कही। जस्टिस मनमोहन ने कहा- पिछली बार मैंने सिस्टम में सुधार के बारे में बात की थी और मेरी बात को कुछ लोगों ने इस तरह से समझा जैसे यह सिस्टम की निंदा हो। जब आप सिस्टम में सुधार के बारे में बात करते हैं तो आपको अक्सर उन मुद्दों के बारे में बात करनी पड़ती है जो सिस्टम में पैदा होते हैं। जब आप सिस्टम की कमियों को उजागर करते हैं, तो आप ऐसा केवल सिस्टम को सुधारने के लिए करते हैं न कि इसकी निंदा करने के लिए। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि एक फिल्म जो सामाजिक बुराइयों को उजागर करती है, उसे दर्शाना आवश्यक है।

हिमाचल : मंत्रियों, विधायकों के वेतन में अस्थायी स्थगन की अधिसूचना जारी

राज्य ब्यूरो, जागरण ● शिमला

- आर्थिक चुनौतियों से जूझ रही हिमाचल सरकार ने उठाया बड़ा कदम
- मई में मुख्यमंत्री सुक्खू मंत्रियों और विधायक से भी कम वेतन लेंगे

आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रही हिमाचल प्रदेश सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने मुख्यमंत्री का 50 प्रतिशत, मंत्रियों और विधानसभा अध्यक्ष का 30 प्रतिशत व विधायकों का 20 प्रतिशत वेतन छह महीने के लिए अस्थायी रूप से स्थगित (डेफर) करने के निर्णय को लागू कर दिया है। यह निर्णय राज्यपाल की मंजूरी के बाद मुख्य सचिव संजय गुप्ता द्वारा शनिवार को जारी अधिसूचना के माध्यम से लागू किया गया है।

अधिसूचना के अनुसार, मुख्यमंत्री को मई में 1.70 लाख रुपये, मंत्रियों को 2.24 लाख रुपये और विधायकों को 2.36 लाख रुपये वेतन प्राप्त होगा। यह निर्णय भारतीय संविधान के अनुच्छेद 162 और 166 के तहत लिया गया है। यह स्थायी कटौती नहीं है, बल्कि अस्थायी स्थगन है, जिसका अर्थ है कि भविष्य में राज्य की वित्तीय स्थिति में सुधार होने पर यह राशि जनप्रतिनिधियों को वापस की जाएगी।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि इस प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखी जाएगी। ई-सैलरी सिस्टम में पूरा वेतन और स्थगित राशि अलग-अलग दिखाई देगी और वेतन पर्चों में इसका स्पष्ट उल्लेख होगा। मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में इस निर्णय का संकेत दिया था। उस दौरान सीएम ने वरिष्ठ अधिकारियों (क्लास-1 और क्लास-2) के वेतन को भी डेफर करने का संकेत दिया था, लेकिन 15 अप्रैल को हिमाचल दिवस के अवसर पर इस फैसले को वापस ले लिया। शनिवार को जारी अधिसूचना में केवल जनप्रतिनिधियों के वेतन स्थगन का उल्लेख किया गया है। इस स्थगन के संदर्भ में सभी को प्रपत्र पर भरकर ऋण संबंधी जानकारी लिखित रूप में देनी होगी। अधिसूचना में कहा गया है कि ऋण की मासिक किस्त की कटौती के बाद शेष राशि पर वेतन स्थगन लागू होगा।

कामकाज का हिसाब

उच्च सदन की 109 प्रतिशत रही उत्पादकता, निचले सदन की उत्पादकता रही 93 प्रतिशत, दोनों सदनों की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित, 18वीं लोकसभा का यह सबसे लंबा सत्र रहा, हुईं 31 बैठकें

बजट सत्र में लोकसभा से ज्यादा राज्यसभा में हुआ काम

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- दोनों सदनों में इस बार 308 घंटे से अधिक हुआ काम, लोकसभा ने नौ विधेयक पारित किए

लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही शनिवार को अनिश्चितकाल तक के लिए स्थगित कर दी गई। इसके साथ ही 28 जनवरी से शुरू हुए संसद के बजट सत्र का समापन हो गया है। वैसे तो इस सत्र की अवधि पहले दो अप्रैल तक के लिए निर्धारित थी, लेकिन महिला आरक्षण से जुड़े संविधान संशोधन विधेयकों को पारित कराने के लिए सत्र को 18 अप्रैल तक बढ़ा दिया गया था। इस बीच दोनों सदनों की 31 बैठकें हुईं, जो 18वीं लोकसभा के अब तक के सत्रों में सबसे अधिक है। दोनों सदनों में इस दौरान 309 घंटे से अधिक काम हुआ। इस सत्र में लोकसभा से ज्यादा राज्यसभा में काम हुआ। लोकसभा की कार्य-उत्पादकता जहां 93 प्रतिशत रही, वहीं राज्यसभा की कार्य-उत्पादकता 109 प्रतिशत रही।

18वीं लोकसभा के किस सत्र में हुई कितनी बैठकें

18वीं लोकसभा के अब तक सात सत्र हो चुके हैं। इनमें पहले सत्र में सात, दूसरे में 15, तीसरे में 20, चौथे में 26, पांचवें में 21, छठे में 15 और सातवें में 31 बैठकें हुई हैं।

राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन व लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शनिवार को संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही को अनिश्चितकाल तक के लिए स्थगित करने के साथ मौजूदा सत्र में हुए काम-काज का ब्योरा भी साझा किया। राज्यसभा में जहां 157 घंटे से अधिक काम हुआ, वहीं लोकसभा में भी 151 घंटे से अधिक काम हुआ। राज्यसभा में 50 प्राइवेट मेंबर बिल भी पेश किए गए। लोकसभा में 12 सरकारी विधेयक पुनः प्रस्तुत किए गए और नौ विधेयक पारित किए गए। इस दौरान राज्यसभा में जहां उपसभापति पद के लिए हरिवंश का फिर से चयन हुआ, वहीं लोकसभा में नक्सलवाद के सफाए पर लंबी चर्चा हुई।

बजट सत्र के दौरान पारित किए गए महत्वपूर्ण विधेयक

औद्योगिक संबंध संहिता (संशोधन) विधेयक, उभयलिंगी व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) संशोधन विधेयक, वित्त विधेयक, दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता (संशोधन) विधेयक, आंध्र प्रदेश पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, जन विश्वास (उपबंधों का संशोधन) विधेयक, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सामान्य प्रशासन) विधेयक

इन तीन विधेयकों पर था सबसे अधिक फोकस, हालांकि नहीं हो पाए पारित : सत्र के दौरान सरकार का सबसे अधिक फोकस महिला आरक्षण से जुड़े तीन संविधान संशोधन विधेयक पर था। इसे लेकर सरकार ने सत्र को तीन दिन के लिए यानी 16, 17 और 18 अप्रैल के लिए विशेष रूप से बढ़ाया भी था। इन तीनों विधेयकों पर लोकसभा में 21 घंटे से अधिक की चर्चा हुई। हालांकि, दो तिहाई सदस्यों का समर्थन नहीं मिलने से ये तीनों विधेयक पारित नहीं हो पाए। इनमें संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, संघ और राज्यक्षेत्र संविधान संशोधन विधेयक व परिसीमन विधेयक शामिल हैं।

कह कर रहेंगे — माधव जोशी

40 सीटों पर 'लाल माटी' की परीक्षा

जंगलमहल का रण ▸ झाड़ग्राम, बांकुड़ा व पुरुलिया जिले में कुड़मी व आदिवासी तय करेंगे सत्ता का ताज

कल्याणकारी योजनाओं बनाम गहराते असंतोष के नए समीकरणों में फंसी सियासत

पुरुलिया से लौटकर उत्तम नाथ पाठक

पुरुलिया से झाड़ग्राम तक फैले जंगलमहल की लाल माटी एक बार फिर सत्ता की दिशा तय करने को तैयार है।

चुनावी परिदृश्य

2026 के विधानसभा चुनाव में यहां की 40 सीटों पर मुकाबला अब सिर्फ भाजपा बनाम तृणमूल नहीं, बल्कि बदलते सामाजिक समीकरणों, कल्याणकारी योजनाओं और गहराते असंतोष के बीच सीधी भिड़ंत बन चुका है। जंगलमहल में लगभग 30 प्रतिशत कुड़मी और छह से आठ प्रतिशत आदिवासी वोटर निर्णायक हैं। महाश्वेता देवी के उपन्यास 'अरण्येर अधिकार' (जंगल का अधिकार) की तरह आज भी यहां का आदिवासी और कुड़मी समाज अपने अधिकार की लड़ाई लड़ रहा है। यहां 2021 में भाजपा ने 23 सीटें जीतकर बढ़त बनाई थी, लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव में तृणमूल की वापसी ने मुकाबले को फिर संतुलन पर ला दिया। अब लड़ाई साफ है। या तो पकड़ मजबूत होगी या जमीन खिसकेगी। जंगल महल भौगोलिक दृष्टि से दुर्गम लेकिन राजनीतिक दृष्टि से निर्णायक है। पुरुलिया, बांकुड़ा, झाड़ग्राम और पश्चिम मेदिनीपुर में फैली 40 विधानसभा सीटों वाले इस क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण चुनावी मैदान के रूप में उभर रहा है जो सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और भाजपा के बीच संतुलन को बदल सकता है। तृणमूल को सत्ता से बेदखल करने की कोशिश कर रही भाजपा के लिए जंगल महल सिर्फ एक और चुनावी क्षेत्र नहीं है; यह एक रणनीतिक प्रवेश द्वार है।

पुरुलिया के कुड़मी बहुल जोयपुर क्षेत्र के एक इलाके की तस्वीर। जागरण

जेएलकेएम की एंट्री से ट्विस्ट: यूं तो कुड़मी और आदिवासी बहुल जंगलमहल में भाजपा और टीएमसी के बीच सीधी टक्कर है, लेकिन इस बार समीकरण उतने सरल नहीं हैं। बाघमुंडी, जयपुर जैसी सीटों पर हाल ही में झारखंड में दमदार तरीके से उभरी जयराम महतो की पार्टी झारखंड लोकतांत्रिक क्रांति मोर्चा (जेएलकेएम) की एंट्री ने मुकाबले को त्रिकोणीय बना दिया है। कुड़मी बहुल इलाकों में वोट बंटवारे का खतरा दोनों बड़े दलों के लिए चुनौती बन गया है।

सत्ता तक पहुंच का गेटवे: भाजपा के लिए जंगलमहल सिर्फ चुनावी क्षेत्र नहीं, बल्कि सत्ता तक पहुंच का गेटवे है। यहां कमजोर प्रदर्शन मतलब-राज्य की राह मुश्किल। वहीं तृणमूल के लिए यह साख बचाने की जंग है, जहां उसे अपने विकास माडल को साबित करना है और एंटी-इंकंबेंसी को थामना है। टीएमसी की ओर से कुड़मी बहुल बाघमुंडी में पिछली बार के विधायक सुशांत महतो मैदान में हैं, लेकिन कुड़मी वोटों के बंटवारे को लेकर भीतर ही भीतर तृणमूल खेमे में भी चिंता है।

दोनों पक्षों के अलग-अलग दावे: झाड़ग्राम और बांकुड़ा के बीहड़ों में लक्ष्मी भंडार जैसी योजनाएं महिलाओं को टीएमसी से जोड़े हुए हैं। बलरामपुर की गृहिणी शांति हेम्ब्रम कहती हैं, दीदी (ममता) की सरकार में हर महीने पैसे मिलते हैं, उसी से घर चलता है। दूसरी ओर पुरुलिया के युवा बेरोजगार अंकुर महतो का दर्द छलक पड़ता है, हमें एसटी का दर्जा चाहिए था, लेकिन सिर्फ वादे मिले। रोजगार के नाम पर बालू माफिया पनप रहे हैं। एमसी कार्यकर्ता तपन घोष कहते हैं, माओवाद खत्म कर जंगलमहल में शांति दीदी ही लाई हैं, 40 में से 30 सीटें हम जीतेंगे। वहीं, भाजपा कार्यकर्ता राजेश महतो का दावा है, "आदिवासियों की जमीन पर कब्जे और भ्रष्टाचार से लोग त्रस्त हैं। 2021 की तरह 2026 में भी लाल माटी पर कमल खिलेगा। इतना तय है कि एसटी दर्जे की मांग पर कुड़मी समाज का असंतोष और आदिवासियों की जमीन का मुद्दा जंगलमहल की 40 सीटों का गणित पलटने का माद्दा रखता है।

एसआइआर का उतना प्रभाव नहीं

बंगाल चुनाव में जहां एसआइआर बड़ा मुद्दा बना हुआ है, वहीं जंगलमहल (झाड़ग्राम, बांकुड़ा, पुरुलिया) में इसका असर बेहद कम है। यहां तृणमूल और भाजपा दोनों का स्थानीय मुद्दों पर फोकस है। तृणमूल भाजपा को बाहरी बता रही है, जबकि भाजपा बेरोजगारी, महिला सुरक्षा और भ्रष्टाचार को मुद्दा बना रही है। एसआइआर के तहत यहां बहुत कम नाम हटे हैं, इसलिए लोगों में इस मुद्दे को लेकर खास दिलचस्पी नहीं है।

मुर्शिदाबाद में तृणमूल कार्यालय पर लहराया लाल झंडा

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता: चुनाव से ठीक पहले मुर्शिदाबाद के डोमकल में सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस को बड़ा संगठनात्मक झटका लगा है। डोमकल नगर पालिका के वार्ड नंबर 19 में तृणमूल के पूर्व वार्ड अध्यक्ष एनामुल मलीथा उर्फ बाबू के नेतृत्व में लगभग 400 परिवारों ने पार्टी छोड़ माकपा का दामन थाम लिया।

इस दलबदल की सबसे खास बात यह रही कि कार्यकर्ताओं ने तृणमूल के मौजूदा कार्यालय पर माकपा का झंडा लगा दिया और उसे अपना नया कार्यालय घोषित कर दिया।

पार्टी छोड़ने वाले कार्यकर्ताओं का कहना है कि लंबे समय तक सेवा करने के बावजूद उन्हें उचित सम्मान नहीं मिल रहा था।

माकपा उम्मीदवार मुस्तफिजुर रहमान ने इसे बड़ी जीत बताते हुए कहा कि लोग अब तृणमूल के भ्रष्टाचार से तंग आ चुके हैं।

दूसरी ओर, तृणमूल के शहर अध्यक्ष कमरुज्जमां शेख ने घटना को कमतर आंकते हुए कहा कि एनामुल को पहले ही पद से हटाया जा चुका था और वह कार्यालय उनके निजी आवास में था, इसलिए इसका संगठन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। इस घटना के बाद इलाके में तनाव को देखते हुए पुलिस गश्त बढ़ा दी गई है।

संदेशखाली: अत्याचार की दीवारों पर लिखी जा रही लोकतंत्र की नई इबारत

ग्राउंड रिपोर्ट

- डर और जख्मों की विरासत के बीच जगते भरोसे की सुगबुगाहट
- जमीन कब्जे और उत्पीड़न की काली छाया के बीच होगा चुनाव

जयकृष्ण वाजपेयी ● जागरण

संदेशखाली: सुबह की हल्की हवा में कालिंदी नदी, भेड़ी (मछली पालन केंद्र) और धूप में सूखती मिट्टी की गंध घुली है। इस प्राकृतिक शांति के बीच संदेशखाली की फिजा में एक अनकहा सन्नाटा अब भी तैर रहा है। हवा भी धीरे चल रही है, मानो डर को जगाना नहीं चाहती। कोलकाता के करीब स्थित यह द्वीपीय इलाका, जो कभी उत्पीड़न और भय का प्रतीक बन गया था, अब एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। कभी शाहजहां व सहयोगियों के नाम से कांपने वाला यह इलाका अब बदलता दिख रहा है। दीवारों के रंग बदले हैं, प्रशासन सक्रिय हुआ है, लेकिन लोगों के मन से डर पूरी तरह गया है या नहीं, सवाल अब भी कायम है। चुनावी माहौल में ध्रुवीकरण की कोशिशों के बीच मतदाता अपने पुराने जख्मों को तौल रहे हैं। ऐसे में संदेशखाली क्या संदेश देता है, इसपर लोगों की नजरें टिकी हैं।

जुबान खामोश, पर आंखें बोलती हैं: पात्रो पाड़ा, कालोनी पाड़ा और पुकुरपाड़ा की तंग गलियों में चलते हुए बीते दौर की परतें खुलती जाती हैं। ग्रामीण बताते हैं कि मछली पालन के नाम पर जबरन जमीन कब्जाने का सिलसिला इतना व्यापक था कि विरोध करना असंभव हो गया था। कई परिवारों ने अपनी पुश्तैनी जमीन गंवाई, तो महिलाओं ने असुरक्षा और अपमान झेला। आंदोलन में महिलाओं की भूमिका अहम रही। उनमें से कई अब रोजगार की तलाश में दूसरे राज्यों में चली गई हैं। गोद में छह महीने की बच्ची लिए मानुषी सरदार कहीं जा रही थीं। बातचीत में उनके चेहरे की चिंता साफ झलकती है। अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित इस सीट पर लड़ाई केवल सत्ता की नहीं, बल्कि सम्मान और सुरक्षा की भी है। धर्म आधारित ध्रुवीकरण के प्रयासों के बीच स्थानीय लोग उस दौर को याद कर रहे हैं जब उनकी शिकायतें अनसुनी रह जाती थीं। संदेशखाली का यह चुनाव केवल एक सीट का फैसला नहीं करेगा, बल्कि यह तय करेगा कि यहां 'भय' जीतेगा या 'भरोसा'।

संदेशखाली फेरीघाट। जागरण

चुनावी प्रयोगशाला और साख की लड़ाई

राजनीतिक रूप से भी संदेशखाली अब केंद्र में है। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को यहां 8387 वोटों से बढ़त मिली थी, जिसने मुकाबले को और दिलचस्प बना दिया है। इस बार भाजपा ने सनत सरदार और तृणमूल ने झरना सरदार को उम्मीदवार बनाया है। दोनों दलों का प्रचार यहां बराबरी पर दिखता है। तृणमूल के नेता दिलीप अब डैमेज कंट्रोल में जुटे हैं और दावा कर रहे हैं कि कब्जाई गई अधिकांश जमीनें लौटाई जा चुकी हैं।

आंदोलन की मुखर आवाज को भाजपा ने चुनावी रण में उतारा

संदेशखाली में 2024 में जमीन कब्जाने और उत्पीड़न के खिलाफ महिलाओं ने तृणमूल नेताओं के खिलाफ बड़ा आंदोलन किया था। भाजपा ने इस गुस्से को राजनीतिक दिशा देने के लिए आंदोलन की सबसे मुखर आवाज, रेखा पात्रा को इस बार हिंगलगंज से टिकट देकर चुनावी रण में उतार दिया है। महिला सुरक्षा और कानून-व्यवस्था के इर्द-गिर्द भाजपा के लिए यह एक मजबूत नैरेटिव के तौर पर उभरा है। आंदोलन का चेहरा रहीं रेखा पात्र का घर आज भी साधारण ही है, एस्बेस्टस की झोपड़ी जैसा। उनके पड़ोसी सनत बताते हैं कि हालात पहले से बेहतर जरूर हुए हैं, लेकिन डर की स्मृति अभी बाकी है। एक अन्य महिला दबी जुबान में कहती हैं कि जो महिलाएं आंदोलन में आगे थीं, उनमें से कई अब बाहर काम करने चली गई हैं।

पहले चरण में 14 उम्मीदवार निरक्षर, 29 सिर्फ हस्ताक्षर करने में सक्षम

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

32 उम्मीदवार पांचवीं, 180 आठवीं और 246 दसवीं पास

- उम्मीदवारों के हलफनामों के विश्लेषण में सामने आया तथ्य

बंगाल चुनाव के पहले चरण में उम्मीदवारों की शैक्षणिक योग्यता को लेकर चौंकाने वाली तस्वीर सामने आई है। वेस्ट बंगाल इलेक्शन वाच और एसोसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिफार्म्स द्वारा उम्मीदवारों के हलफनामों के विश्लेषण में सामने आया कि कुल 1475 उम्मीदवारों में से 14 निरक्षर हैं, जबकि 29 हस्ताक्षर ही कर सकते हैं।

32 उम्मीदवार पांचवीं पास, 180 आठवीं पास और 246 दसवीं पास हैं। उच्च शिक्षा प्राप्त उम्मीदवारों की संख्या भी कम नहीं है। 361 स्नातक, 225 स्नातकोत्तर और 20 पीएचडी डिग्रीधारी उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। पहले चरण में 152 सीटों पर 70 से अधिक दलों के उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। उम्र के आधार पर 25-30 वर्ष के 103, 31-40 वर्ष के 347 और 41-50 वर्ष के 453 उम्मीदवार शामिल हैं। इसके अलावा 71-80 वर्ष आयु वर्ग के 49 और 81-85 वर्ष के दो उम्मीदवार भी मैदान में हैं।

1308 पुरुष, 167 महिला उम्मीदवार

लिंग अनुपात की बात करें तो 1308 पुरुष और 167 महिला उम्मीदवार हैं। 466 उम्मीदवार निर्दलीय हैं। रिपोर्ट के बाद उम्मीदवारों की न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता तय करने की मांग एक बार फिर तेज हो गई है। वेस्ट बंगाल इलेक्शन वाच की राज्य संयोजक उज्जयिनी हलीम ने सुझाव दिया है कि मतदान केंद्रों के बाहर उम्मीदवारों की शिक्षा सहित हलफनामे का संक्षिप्त विवरण प्रदर्शित करना अनिवार्य किया जाना चाहिए, ताकि मतदाता निर्णय ले सकें।

मतदाता जागरूकता अभियान...

तमिलनाडु विस चुनाव में मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए ग्रेटर चेन्नई कारपोरेशन और तमिलनाडु कुकिंग वर्कर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने संयुक्त रूप से शुक्रवार को चेन्नई के मरीन बीच पर एक मतदाता जागरूकता अभियान आयोजित किया। इस अवसर पर, आगामी विधानसभा चुनावों में जनता की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए इडली के आकार में तैयार किए गए अनोखे ईवीएम माडल प्रदर्शित किए गए। एएनआइ

तृणमूल प्रत्याशी ने माना- अधीर मेरे गुरु, फिर भी विश्वासघात किया

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता: मुर्शिदबाद जिले की राजनीति में शनिवार को लोग उस समय चौंक गए, जब सागरदिघी से तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार बायरन विश्वास ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया कि उन्होंने कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी के साथ 'विश्वासघात' किया है। बायरन ने अधीर चौधरी को अपना 'गुरु' बताते हुए कहा कि राजनीति में उनकी पहली सीख उन्हीं के हाथों हुई थी और वह मरते दम तक उन्हें भगवान के बाद दूसरे स्थान पर रखेंगे। वहीं, अधीर चौधरी ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि देर से ही सही, उन्होंने अपनी गद्दारी स्वीकार की है। वह सत्ता व सुरक्षा के लालच में वह तृणमूल के दबाव को झेल नहीं पाए।

2023 के उपचुनाव में कांग्रेस-वाम गठबंधन के टिकट पर जीतने के बाद बायरन तृणमूल में शामिल हो गए थे। अब चुनाव से ठीक पहले उनके इस बयान ने सबको चौंका दिया है। बायरन ने मतदाताओं से यह भी कहा कि अगर उन्हें कोई दूसरा उम्मीदवार उनसे बेहतर लगे, तो उसे ही वोट दें।

भाजपा सत्ता में आई तो माफियाओं की संपत्ति पर चलेगा बुलडोजर: योगी

जागरण संवाददाता, धूपगुड़ी

योगी आदित्यनाथ

कहा- अब उप्र में नहीं होते दंगे, मस्जिदों से बाहर नहीं आती आवाज, तृणमूल को बताया लुटेरा

भाजपा बंगाल में सत्ता में आई तो माफियाओं की संपत्ति पर बुलडोजर चलेगा। सड़क पर नमाज पढ़ना बंद होगा। बंगाल में कानून का राज चलेगा। माफिया राज का पूरी तरह से सफाया होगा। यह बातें उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार के क्रम में जलपाईगुड़ी जिले में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने उत्तर बंगाल में दो जनसभाओं को संबोधित किया। इन जनसभाओं में 'बुलडोजर बाबा जिंदाबाद' के नारे गूंजते रहे।

आक्रामक अंदाज में मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में भी दंगे होते थे, दुर्गा पूजा नहीं हो पाती थी। आज वहां सब चंगा है। लव जिहाद खत्म, सड़कों पर नमाज नहीं, मस्जिदों से आवाज बाहर नहीं जाती। भाजपा सत्ता में आई तो बंगाल को भी मौलानाओं के फतवों का केंद्र नहीं बनने देंगे। बुलडोजर सिर्फ सड़कें नहीं बनाता, माफियाओं को कुचलने में भी माहिर है। एक बार समय निकालकर उत्तर प्रदेश घूमकर आइए, देखिए बदलाव। तृणमूल कांग्रेस को लुटेरा बताया। पहले कांग्रेस और माकपा ने बंगाल को लूटा। अब 15 सालों में तृणमूल ने बंगाल को बर्बाद कर दिया है। प्रधानमंत्री मोदी महिलाओं को अधिकार देने का प्रयास कर रहे थे लेकिन संसद में तृणमूल ने विधेयक को रोक दिया। लोगों से अपील की कि वे डरें नहीं और भाजपा को वोट देकर बदलाव लाएं। भाजपा की सरकार आने पर विकास, सुरक्षा और सुशासन की नई इबारत लिखी जाएगी। उत्तर प्रदेश में पिछले नौ सालों में कानून-व्यवस्था, विकास और भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन एक मिसाल है।

'मीठे आम' वाले मालदा में सियासी कड़वाहट

चुनावी समीकरण

डा. प्रणेश ● जागरण

- एसआइआर, घुसपैठ और वोट गणित में उलझी मालदा जिले की 12 सीटें
- यहां एसआइआर सबसे बड़ा मुद्दा, न्यायिक पदाधिकारियों को यहीं बनाया था बंधक

मालदा: मीठे आमों के लिए मशहूर मालदा में इन दिनों सियासी कड़वाहट घुली हुई है। भाजपा और तृणमूल के बीच रार का विषय बने एसआइआर को लेकर यहां इतनी नफरत फैली कि न्यायिक पदाधिकारियों को बंधक बना लिया गया, जमकर हिंसा हुई। कार्रवाई के बाद हालात शांत जरूर हैं, लेकिन मतदाताओं के मन में मुद्दा अभी भी सुलग रहा है। जिला मुस्लिम मतदाताओं की बहुतायत वाला है, इन्हें तृणमूल यह समझाने की कवायद में लगी है कि भाजपा यहां के मुस्लिमों के खिलाफ साजिश रच रही और हम आपकी लड़ाई लड़ रहे। भाजपा बता रही कि घुसपैठियों का सफाया तय है। मालदा जिले में 12 विधानसभा सीट हैं, प्रत्येक सीट पर औसतन 35 से 40 हजार नाम कटे हैं।

एसआइआर से अवैध मतदाताओं के बाहर होने से भाजपा की उम्मीदें परवान चढ़ रही हैं और वह पिछले विधानसभा चुनाव की चार सीटों से कहीं ज्यादा पर अपनी जीत की संभावना देख रही। वहीं, तृणमूल अपनी आठ सीटें बनाए रखने के लिए जी-जान से जुटी है। कांग्रेस भी अपने पुराने गढ़ में हाथ-पांव मार रही है। पड़ोसी जिले मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद बनाने की घोषणा कर सुर्खियों में आए हुमांयू कबीर की पार्टी 10 तो असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी यहां दो सीटों पर लड़ रही।

प्रतीकात्मक

प्रवासी मजदूरों को बुलाया जा रहा घर

कांग्रेस नेता अब्दुल गनी खान चौधरी के समय में मालदा को रेल मंडल बनाया गया, जिससे शहर का थोड़ा विकास हुआ। खेतों में इन दिनों मक्के की फसल लहलहा रही है। अगर प्रोसेसिंग प्लांट लगता तो उससे कई उत्पाद तैयार किए जा सकते थे। ज्यादातर मतदाता बदलाव को जरूरी मानते हैं, लेकिन धर्म के ठेकेदार उन्हें बरगलाने में कामयाब हो जाते हैं। लाखों लोग रोजगार की तलाश में अन्य राज्यों का रुख करते हैं। चुनाव में भाग्य आजमा रहे उम्मीदवारों ने प्रवासी मजदूरों को बुलाने की भी व्यवस्था की है। उनके लिए टिकट तक कटा रहे हैं।

पलायन व घुसपैठ अहम मुद्दा

मालदा जिले की सीमा एक तरफ बिहार-झारखंड तो दूसरी तरफ बांग्लादेश से भी लगती है। बंगाल के मानिकचक व झारखंड के राजमहल के बीच वर्षों से फेरी सेवा का संचालन होता है। हर रोज हजारों लोगों का जाना-आना होता है। सड़कें भी बेहतर हैं। इन विधानसभा क्षेत्रों में घुसपैठ भी अहम मुद्दा है। भाजपा का कहना है कि क्षेत्र में घुसपैठ के कारण हिंदुओं की आबादी धीरे-धीरे घटती जा रही है, तो मुस्लिमों की बढ़ती जा रही है।

मुस्लिम मतदाता निर्णायक

जिले की अधिकतर सीटों पर मुस्लिम मतदाता निर्णायक स्थिति में हैं। मोथाबाड़ी में करीब 64 प्रतिशत मुस्लिम मतदाता हैं। एसआइआर के क्रम में गए न्यायिक पदाधिकारियों को बंधक बनाने के लिए देशभर में चर्चित कलियाचक का 75 प्रतिशत हिस्सा इसी विस क्षेत्र में आता है। सबीना यास्मिन वर्तमान में यहां से विधायक हैं। इस बार तृणमूल ने उन्हें सुजापुर से उतारा है। सुजापुर में तो 90 प्रतिशत मतदाता मुस्लिम हैं। पिछली बार करीब सवा लाख मतों से जीतने वाले मो. अब्दुल घांजी का नाम तृणमूल की सूची से गायब है। वैसे तृणमूल ने जिले के आठ निवर्तमान विधायकों में से पांच को बदल दिया है। कुछ का टिकट काटा गया है, तो कुछ को दूसरी जगह भेजा गया है। सबीना को सुजापुर भेजने के बाद तृणमूल ने मोथाबाड़ी से मो. नजरूल इस्लाम को उतारा है।

बंगाल में चुनाव में गड़बड़ी पर थाना प्रभारी तक होंगे निलंबित

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण से ठीक पहले चुनाव आयोग ने कानून-व्यवस्था को लेकर सख्त रुख अपना लिया है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल ने शनिवार को पुलिस अधिकारियों के साथ वर्चुअल बैठक कर स्पष्ट निर्देश दिए कि मतदान के दिन किसी भी तरह की अशांति बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने साफ कहा कि यदि मतदान के दिन कहीं भी कोई अप्रिय घटना होती है, तो उस पर तुरंत कार्रवाई करना अनिवार्य होगा। लापरवाही की स्थिति में संबंधित थाना प्रभारी (ओसी) को निलंबित तक किया जा सकता है। आयोग ने 16 जिलों के पुलिस अधीक्षकों और पुलिस आयुक्तों के साथ यह अहम बैठक की।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने यह भी निर्देश दिया कि यदि मतदान के दिन किसी क्षेत्र में हथियार, बम या गोली-बारूद बरामद होते हैं, तो संबंधित थाने के प्रभारी को तत्काल सख्त कदम उठाने होंगे। ऐसा न करने पर चुनाव आयोग सीधे कार्रवाई करेगा।

बूथ के चारों ओर 100 मीटर की 'लक्ष्मण रेखा'

हर मतदान केंद्र के चारों ओर 100 मीटर का एक घेरा बनाया जाएगा, जिसे जमीन पर सफेद चाक से स्पष्ट रूप से चिह्नित किया जाएगा। इसका नाम 'लक्ष्मण रेखा' दिया गया है। इस रेखा के भीतर प्रवेश केवल जांच के बाद ही संभव होगा। इसका मुख्य उद्देश्य फर्जी मतदान, दबाव बनाकर वोट डलवाने और बूथ के आसपास भीड़ को नियंत्रित करना है।

तृणमूल के पक्ष में प्रचार में पांच बीएलओ निलंबित

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

- चुनाव आयोग ने इन बीएलओ के खिलाफ एफआइआर दर्ज करने का निर्देश दिया

चुनाव आयोग ने बंगाल में सत्ताधारी पार्टी तृणमूल कांग्रेस के पक्ष में प्रचार करने के आरोप में पांच बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) को निलंबित कर दिया है। इनमें तीन उत्तर 24 परगना व दो बीरभूम जिले के हैं।

आयोग का चाबुक

उत्तर 24 परगना के तीनों बीएलओ के विरुद्ध एफआइआर दर्ज करने का भी निर्देश दिया गया है। बीएलओ पर तृणमूल के पक्ष में दीवार लेखन करने, उसके पार्टी कार्यालय में बैठकर मतदाता पर्ची वितरित करने व साइकिल पर तृणमूल का झंडा लगाकर घूमने के आरोप हैं।

अब हेलीकाप्टर से जिलों का दौरा करेंगे सीईओ: बंगाल के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) मनोज कुमार अग्रवाल के अंतिम चरण के चुनावी इंतजाम देखने जिलों के दौरे के लिए हेलीकाप्टर की व्यवस्था की गई है। इससे पहले भी वे कई जिलों का दौरा कर चुके हैं। वहां सड़क मार्ग से पहुंचे थे, जिसमें काफी समय लगा था। इसी को देखते हुए उनके लिए हेलीकाप्टर की व्यवस्था की गई है।

नामांकन के समय अशांति को लेकर तृणमूल पार्षद गिरफ्तार: पुलिस ने नदिया जिले के हरिणघाटा विधानसभा क्षेत्र से तृणमूल प्रत्याशी राजीव बिश्वास के नामांकन के समय हुई अशांति को लेकर स्थानीय पार्टी पार्षद राजीव दलाल को गिरफ्तार किया है। राजीव हरिणघाटा नगरपालिका (नपा) के 17 नंबर वार्ड के पार्षद हैं। जानकारी के अनुसार तृणमूल प्रत्याशी के नामांकन के समय उनकी संबंधित रिटर्निंग अधिकारी के साथ तीखी बहस हुई थी, जिससे वहां तनाव फैल गया था। मामले को लेकर राजीव के विरुद्ध कल्याणी थाने में शिकायत दर्ज हुई थी।

वांछित अपराधियों को गिरफ्तार करने का दिया निर्देश: बंगाल में विधानसभा चुनाव का आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद हुई राजनीतिक हिंसा की घटनाओं में पुलिस की धीमी कार्रवाई पर निर्वाचन आयोग ने कड़ा रुख अख्तियार किया है। पुलिस महानिदेशालय ने सभी पुलिस कमिश्नर और जिला पुलिस प्रमुखों को तत्काल विशेष छापेमारी अभियान चलाकर वांछित अपराधियों को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया है।

राज्य में 15 मार्च से अब तक राजनीतिक संघर्ष के कुल 303 मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें पुलिस ने अब तक केवल 149 आरोपितों को ही गिरफ्तार किया है। प्रशासन ने एहतियात के तौर पर उन मतदान केंद्रों को अति संवेदनशील श्रेणी में रखा है जहां 150 से अधिक मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं।

'तमिलनाडु में कठपुतली सरकार स्थापित करना चाहती है भाजपा'

- चुनावी जनसभा में बोले, पीएम मोदी को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा नियंत्रित किया जा रहा

रानीपेट (तमिलनाडु), प्रेट्र : कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने तमिलनाडु के रानीपेट में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए दावा किया कि भाजपा राज्य में अन्नाद्रमुक को एक 'मुखौटे' की तरह इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा राज्य में एक ऐसी 'कठपुतली सरकार' स्थापित करना चाहती है जो पूरी तरह से पीएम मोदी और अमित शाह के इशारों पर चले। उनके अनुसार, अन्नाद्रमुक के नेता भ्रष्टाचार के मामलों के कारण केंद्र के दबाव में हैं, जिससे उनकी स्थिति कमजोर हो गई है और वे राज्य के हितों की रक्षा करने में असमर्थ हैं।

राहुल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि पीएम मोदी स्वतंत्र नहीं हैं, बल्कि उन्हें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा नियंत्रित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत-अमेरिका समझौते पर हस्ताक्षर करके प्रधानमंत्री ने देश के हितों के साथ समझौता किया है और हमारी ऊर्जा सुरक्षा व डाटा विदेशियों के हाथों में सौंप दिया है।

तमिलनाडु के रानीपेट में शनिवार को चुनावी जनसभा को संबोधित करते कांग्रेस नेता राहुल गांधी। प्रेट्र

74 महिला सदस्य (13.62 प्रतिशत) जीतकर आई हैं वर्तमान लोकसभा में। यह 2019 की 78 महिला सदस्यों (14 प्रतिशत) के मुकाबले थोड़ी कम हैं। सबसे ज्यादा 11 महिला सदस्य बंगाल से चुनकर आई हैं।

सरकार ने कांग्रेस को करार दिया महिला विरोधी

महिला आरक्षण विधेयक पारित नहीं होने के बाद कांग्रेस पर बोला हमला

महिलाओं को उनका उचित स्थान दिलाने के लिए जारी रहेंगे प्रयास : रिजीजू

नई दिल्ली, प्रेट्र: महिला आरक्षण विधेयक लोकसभा में पारित नहीं होने के बाद सरकार ने कांग्रेस को महिला विरोधी करार दिया है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजीजू ने शनिवार को कहा कि महिलाओं को अधिकारों से "वंचित" करने के बाद जश्न मना रही कांग्रेस को देश की महिलाएं उन्हें करारा सबक सिखाएंगी। गौरतलब है कि लोकसभा और विधानसभाओं में 2029 से महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करने के लिए लाया गया संविधान (131वां संशोधन) विधेयक शुक्रवार रात लोकसभा में विपक्षी दलों के विरोध के कारण पारित नहीं हो सका।

बजट सत्र के समापन पर प्रेस कान्फ्रेंस में संसदीय कार्य मंत्री ने यह भी कहा कि यद्यपि सरकार इस बात से दुखी है कि महिला आरक्षण विधेयक पारित नहीं हुआ, लेकिन सरकार इसे विफलता नहीं मानती। उन्होंने कहा, यह साबित हो चुका है कि कांग्रेस महिला विरोधी है। उसे देश की महिलाओं के गुस्से का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा, यह कांग्रेस और उसके सहयोगियों पर काला धब्बा है, जिसे वे कभी मिटा नहीं पाएंगे। रिजीजू ने कहा, हम महिलाओं को सशक्त बनाना चाहते थे। हम यह प्रयास जारी रखेंगे। सरकार और सत्तारूढ़ गठबंधन ने विधेयक को पारित कराने की पूरी कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिल सकी। हम विपक्ष को किसी विधेयक के पक्ष में मतदान करने के लिए मजबूर नहीं कर सकते। केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने आरोप लगाया कि विपक्ष ने महिला सशक्तीकरण और क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व को कमजोर किया है। शोभा ने कहा, उन्होंने दक्षिण भारत को भी नुकसान पहुंचाया है, जहां सीटों में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हो सकती थी।

नई दिल्ली में प्रेस वार्ता करते केंद्रीय मंत्री किरेन रिजीजू। प्रेट्र

पीयूष गोयल ने कांग्रेस-द्रमुक को करार दिया महिला विरोधी

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने महिला आरक्षण विधेयक पारित नहीं होने के बाद कांग्रेस-द्रमुक को "महिला विरोधी, ओबीसी विरोधी और तमिल गौरव विरोधी" करार दिया। गोयल ने कहा, द्रमुक डीएमके, कांग्रेस, तृणमूल समेत आइएनडीआइए के इस बेहद नकारात्मक रवैये के कारण महिलाएं दुखी है।

पीयूष गोयल

हमेशा से महिला विरोधी रही है कांग्रेस : गिरिराज

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल हमेशा से महिला विरोधी रहे हैं। गिरिराज ने विपक्ष पर महिलाओं के सशक्तीकरण को बाधित करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, विपक्षी नेता भले ही विधेयक पारित नहीं होने का जश्न मना रहे हों, लेकिन देश की महिलाएं उन्हें कभी माफ नहीं करेंगी। केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने कहा, विपक्ष ने देश की महिलाओं के साथ विश्वासघात किया है। महिलाएं विपक्षी दलों से जवाब मांगेंगी। विपक्ष को लगा कि इस विधेयक से प्रधानमंत्री मोदी और एनडीए को फायदा होगा, इसलिए उन्होंने इसका समर्थन नहीं किया।

गिरिराज सिंह

कांग्रेस के चरित्र को दर्शाता है महिला आरक्षण विधेयक को रोकना

आइएएनएस के अनुसार केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह ने आरोप लगाया कि महिला आरक्षण विधेयक को रोकना कांग्रेस के चरित्र को दर्शाता है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री ने देश की महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए ऐतिहासिक कदम उठाया, लेकिन कांग्रेस इसे रोकने में खुश है। देश की आधी आबादी को न्याय दिलाने के प्रयास को रोककर वे कैसे खुश हो सकते हैं?

नितिन नवीन ने की मुख्यमंत्रियों के साथ वर्चुअल बैठक

एएनआइ के अनुसार भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने शनिवार को भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों और पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से वर्चुअल बैठक की। इस बैठक में महिला आरक्षण विधेयक से संबंधित घटनाक्रमों पर चर्चा की गई। भाजपा नेतृत्व ने मुख्यमंत्रियों को अपने-अपने राज्य विधानसभाओं का एक दिवसीय विशेष सत्र बुलाने का निर्देश दिया है। इन सत्रों में विधेयक पर विपक्ष के रुख के खिलाफ "निंदा प्रस्ताव" पारित किया जाएगा।

नितिन नवीन

'चाहे 543 सीटें हों या 850, भाजपा ही जीतेगी'

केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कि "चाहे 543 सीटें हों या 850, भाजपा ही जीतेगी। संसद के बाहर जोशी ने कहा, सवाल परिसीमन करने या न करने का नहीं है। जोशी ने कहा कि लोगों को कांग्रेस नेतृत्व पर भरोसा नहीं है। ऐसा नहीं है कि लोग परिसीमन के कारण आपको वोट नहीं दे रहे। लोग आपके इरादों, नीतियों और आपके व्यवहार के कारण आपको अस्वीकार कर रहे हैं।

प्रल्हाद जोशी

बिना परिसीमन के लागू नहीं हो सकता महिला आरक्षण : रविशंकर प्रसाद

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- कहा, लोकसभा या विधानसभा की सीटों में किसी प्रकार का संशोधन बिना परिसीमन नहीं किया जा सकता

543 सीटों में से 33% महिलाओं के लिए आरक्षित करने की मांग असंवैधानिक

कांग्रेस की ओर से बिना परिसीमन के लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों में से 33 प्रतिशत महिलाओं के लिए आरक्षित करने की मांग को भाजपा ने असंवैधानिक करार दिया है। पूर्व कानून मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि लोकसभा या विधानसभा की सीटों में किसी भी प्रकार का संशोधन परिसीमन के बिना नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा द्वारा महिला का इस्तेमाल करने के आरोप पर तीखी आपत्ति जताई। प्रसाद ने साफ किया कि महिला कोई वस्तु नहीं है, जिसका इस्तेमाल किया जा सके। वहीं पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति इरानी ने कांग्रेस पर हर महिला हितैषी कदम का विरोध करने का आरोप लगाया।

रविशंकर प्रसाद ने कहा कि महिला आरक्षण के लिए 2023 के कानून में भी स्पष्ट रूप से उल्लेख है कि 2026 के बाद पहली जनगणना के आधार पर परिसीमन किया जाएगा और उसी के आधार पर 33 प्रतिशत आरक्षण लागू किया जाएगा।

परिसीमन आयोग को नहीं मानने के प्रियंका गांधी के बयान पर तीखी आपत्ति जताते हुए उन्होंने कहा कि यह एक संवैधानिक और कानूनी रूप से वैध संस्था है, जिसके गठन की प्रक्रिया स्पष्ट है। मौजूदा समय में जनगणना के सबसे अद्यतन आंकड़े 2011 के उपलब्ध हैं। इसीलिए उसके आधार पर परिसीमन कानून सम्मत है।

543 सीटों पर महिला आरक्षण का प्रविधान करने से दक्षिण के राज्यों को नुकसान होगा और उनकी सीटों में कमी आ सकती है। स्मृति इरानी ने कांग्रेस को मूल रूप से महिला विरोधी बताते हुए कहा कि उसकी मंशा 98 वर्षों तक महिलाओं को सिर्फ सपना दिखाने की रही है। संसद में बिल गिराकर कांग्रेस ने साधारण महिलाओं की राजनीतिक आकांक्षाओं को कुचलने का जश्न मनाया।

भाजपा नेता रवि शंकर प्रसाद और स्मृति ईरानी शनिवार को नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में प्रेस कान्फ्रेंस को संबोधित करते हुए। प्रेट्र

संघीय ढांचे-संविधान पर हमले की साजिश का था बिल : प्रियंका

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- कहा, विपक्ष ने साबित किया कि एकजुट होकर हरा सकते हैं सरकार को
- केवल संसद में खड़े हो जाने भर से नहीं बन सकते महिलाओं के मसीहा

लोकसभा में महिला आरक्षण से जुड़ा परिसीमन संबंधी संविधान संशोधन विधेयक गिरने के बाद पक्ष-विपक्ष में शुरू हुई नैरेटिव की जंग में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने शनिवार को विपक्षी दलों की ओर से सरकार पर जवाबी हमले का मोर्चा खोल दिया। कांग्रेस नेता ने राजग-भाजपा सरकार पर महिला आरक्षण की आड़ में देश के संघीय ढांचे और संविधान को बदलने की साजिश रचने का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा का एकमात्र मकसद मनमाने तरीके से परिसीमन कर हमेशा सत्ता में बने रहना था। 2023 में पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम के तहत वर्तमान 543 सीटों पर ही महिला आरक्षण लागू करने का समर्थन दोहराते हुए कहा कि सरकार ऐसा करती है, तो संपूर्ण विपक्ष इसका समर्थन करेगा।

कांग्रेस दफ्तर में की गई अपनी पहली प्रेस कांफ्रेंस में प्रियंका गांधी वाड्रा ने प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के विधेयक पर दिए भाषणों का हवाला देते हुए कहा कि दोनों ने कहा था कि अगर विपक्ष बिल से सहमत नहीं होता, तो वे न कभी जीत पाएंगे, न कभी सत्ता में आ पाएंगे। उनके इरादों से साफ है कि यह पूरी साजिश किसी न किसी बहाने सत्ता में बने रहने की थी और उन्हें लगा कि अभी परिसीमन नहीं हुआ तो 2029 से पहले नहीं किया जा सकेगा। परिसीमन की जरूरत के सवाल पर प्रियंका ने कहा कि भाजपा ने असम तथा जम्मू-कश्मीर में हुए परिसीमन में अपने तरीके से हेरफेर किया और जो लोग संविधान की बिल्कुल परवाह नहीं करते उन पर भरोसा नहीं किया जा सकता। वे जितना चाहें 'तमाशा' करें पर देश के लोगों को समझ आ गया है कि अब उन पर भरोसा नहीं किया जा सकता, तो आप हमसे उन पर भरोसे की उम्मीद कैसे कर सकते हैं।

दो तिहाई बहुमत न होने के बावजूद बिल लाने के सरकार के दांव पर कांग्रेस सांसद ने कहा कि उन्हें लगा था कि अगर बिल पास हुआ तो ठीक। नाकाम हुआ तो विपक्ष को 'महिला-विरोधी' बताकर खुद को महिलाओं का मसीहा साबित करेंगे। लेकिन महिलाओं का मसीहा बनना इतना आसान नहीं है। महिलाओं को लेकर भाजपा का इतिहास रहा है और हाथरस, उन्नाव, मणिपुर या ओलिंपिक पदक विजेता महिलाओं के साथ क्या हुआ हमने देखा है। विपक्ष की जीत पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि परिसीमन रोकने के लिए हुई वोटिंग से पता चला कि जब विपक्ष एकजुट होता है तो वह सरकार को हरा सकता है। चूंकि सरकार को पहली बार बड़ा धक्का लगा है, इसलिए वह इसे 'ब्लैक डे' कह रही है, मगर असल में यह लोकतंत्र के लिए सुनहरा दिन है।

नई दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में शनिवार को प्रेस कान्फ्रेंस को संबोधित करती कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी । आइएएनएस

मुझे कोई महिला विरोधी नहीं कह सकता : थरूर

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शनिवार को संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजीजू के साथ हुई अपनी बातचीत का एक अंश साझा किया और बताया कि भाजपा नेता ने स्वीकार किया कि मुझे कोई महिला विरोधी नहीं कह सकता। थरूर ने यह भी कहा कि महिलाएं मानव जाति की श्रेष्ठतर आधी आबादी हैं और संसद तथा हर संस्था में प्रतिनिधित्व की हकदार हैं। उनकी प्रगति को एक शरारती और संभावित रूप से खतरनाक परिसीमन से न जोड़ें, जो हमारे लोकतंत्र को तबाह कर सकता है।

शशि थरूर।

कैबिनेट बैठक में मंत्रियों से बोले मोदी- विपक्ष की महिला विरोधी मानसिकता को सामने लाएं

नई दिल्ली, प्रेट्र : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी पार्टियों को महिला आरक्षण को जल्द लागू करने के लिए लाए गए बिल का समर्थन न करने की कीमत चुकानी पड़ेगी। सूत्रों के अनुसार, उन्होंने केंद्रीय मंत्रियों से विपक्ष की महिला विरोधी मानसिकता को लोगों के सामने लाने का निर्देश दिया।

कैबिनेट बैठक में प्रधानमंत्री ने 2029 के लोकसभा चुनावों में महिला आरक्षण को लागू करवाने के प्रति अपनी सरकार के समर्थन और प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने महिला आरक्षण से जुड़े विधेयक के पक्ष में वोट न देकर एक बड़ी गलती की है और इसका समर्थन न करने की उन्हें भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। मोदी ने मंत्रियों से कहा कि वे इस संदेश को जमीनी स्तर तक और हर गांव में पहुंचाएं।

सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री ने मंत्रियों को अपने इंटरनेट मीडिया हैंडल पर विपक्ष के रुख के खिलाफ संदेश डालने के लिए भी कहा। महिला आरक्षण कानून को लागू करने के लिए संविधान संशोधन बिल शुक्रवार को लोकसभा में दो-तिहाई बहुमत हासिल करने में विफल रहा था। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि लोकसभा में इस तरह के रुख के बाद विपक्षी पार्टियां अब इसे सही ठहराने और अपने कार्य को छिपाने के तरीके खोजने की कोशिश कर रही हैं।

लोकसभा में महिला आरक्षण संबंधी विधेयक गिर जाने के बाद कांग्रेस व उसके सहयोगी दलों के विरुद्ध भाजपा आक्रामक हो गई है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आवास के पास भाजपा ने प्रदर्शन किया, जिसमें दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के साथ ही कई प्रदेशों के सांसद व अन्य नेता शामिल हुए। इस दौरान पुलिस केंद्रीय मंत्री रक्षा खडसे (बाएं) और भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज (मध्य) सहित कई भाजपा नेताओं को गिरफ्तार कर संसद मार्ग थाने ले गई। वहां कुछ देर रखने के बाद सभी को छोड़ दिया गया। एएनआइ

स्टालिन ने की परिसीमन को 25 वर्षों के लिए स्थगित करने की मांग

चेन्नई, प्रेट्र : तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके. स्टालिन ने परिसीमन को 25 वर्षों के लिए स्थगित करने की मांग की है। उन्होंने शनिवार को कहा कि सभी विपक्षी दलों के सांसदों के प्रयासों से परिसीमन विधेयक को पारित होने से रोकने में सफलता मिल पाई है।

स्टालिन ने वीडियो क्लिप में कहा, परिसीमन विधेयक के विरुद्ध हमारा संघर्ष सफल रहा। एक वर्ष से भी अधिक समय पहले हमने इस खतरे को भांप लिया था और उसी क्षण से हमने इस विजय के लिए आवश्यक कार्य शुरू कर दिए थे। निर्वाचन क्षेत्र परिसीमन की आड़ में भाजपा को लाभ पहुंचाने के लिए लाया गया विधेयक संसद में गिर गया। भाजपा ने महिला आरक्षण की आड़ में इस विधेयक को लाने की कोशिश की, लेकिन 12 वर्षों में पहली बार प्रधानमंत्री मोदी की सरकार संवैधानिक संशोधन विधेयक पारित नहीं करवा सकी। स्टालिन ने कहा, यह विपक्षी दलों की एकता की शुरुआत है। अगर हम एकजुट रहेंगे तो हमारी जीत निश्चित है।

दुनिया में शनिवार को सबसे गर्म रहा वर्धा व राजनांदगांव, तापमान पहुंचा 45

रामकृष्ण डोंगरे, नईदुनिया • रायपुर

- उत्तर प्रदेश के बांदा में 44.6 डिग्री सेल्सियस रहा तापमान
- अल नीनो के कारण अप्रैल में ही मई-जून जैसी गर्मी

दुनिया में शनिवार को छत्तीसगढ़ का राजनांदगांव व महाराष्ट्र का वर्धा जिला सबसे गर्म रहा। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, दोनों जगहों का तापमान 45 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं, उत्तर प्रदेश के बांदा जिले में 44.6 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। एक दिन पहले यहां तापमान 45.4 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया था। मौसम से जुड़ी दुनिया की विभिन्न वेबसाइटों के अनुसार, अन्य महाद्वीपों में अफ्रीका सर्वाधिक गर्म रहा। वहां अधिकतम तापमान 42-44 डिग्री दर्ज किया गया। अमेरिका महाद्वीप के दक्षिण-पश्चिम व उत्तरी मेक्सिको में 40 डिग्री के आसपास रहा। यूरोप के एथेंस में 27 डिग्री अधिकतम तापमान दर्ज किया है। मौसम विज्ञानियों के अनुसार, छत्तीसगढ़ में अगले चार दिनों तक लू चलने की आशंका है। छत्तीसगढ़ में दूसरे स्थान पर दुर्ग में 43.2 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। इसके बाद क्रमशः रायपुर में 42.8 डिग्री और बिलासपुर में 42.4 डिग्री तापमान दर्ज किया गया है। देशभर की बात करें तो तेलंगाना और महाराष्ट्र के शहरों में तापमान 44 डिग्री के आसपास दर्ज किया गया। मध्य प्रदेश के रतलाम में भी तापमान 44 डिग्री रहा। अल नीनो के कारण अप्रैल में ही मई-जून जैसा तापमान महसूस हो रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, आने वाले दिनों में लू का प्रकोप बढ़ेगा और पारा 46 डिग्री तक पहुंच सकता है।

बिल पर दिखी एकता विपक्षी राजनीति को दिशा देने में साबित हो सकती है निर्णायक

संजय मिश्र • जागरण

- कांग्रेस ने बिल की राह रोकने में सहयोगियों की भूमिका की प्रशंसा कर इसे आगे बढ़ाने के स्पष्ट किए इरादे

नई दिल्ली: संसद में महिला आरक्षण से जुड़े परिसीमन संबंधी संविधान संशोधन बिल पर अर्से बाद दिखी विपक्षी दलों की एकजुटता आइएनडीआइए की राष्ट्रीय राजनीति को पटरी पर लाने में निर्णायक भूमिका निभा सकती है। वस्तुतः लोकसभा में पहली बार विधायी बिल पर मोदी सरकार को शिकस्त देने के बाद उत्साहित कुछ विपक्षी दल तो इसे भविष्य की सियासत की एक झलक का स्वरूप देने लगे हैं। खुद कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने शनिवार को कहा कि देश ने यह देखा है कि जब विपक्ष एकजुट हो जाता है तो किस तरह से इनको हराया जाता है।

परिसीमन से जुड़े विधेयक को रोकने में मिली कामयाबी दरअसल विपक्ष के लिए केवल राहतकारी ही नहीं बल्कि बीते डेढ़ साल के दौरान आइएनडीआइए की अंदरूनी तौर पर डांवाडोल रही आपसी सियासत से उबरने का अवसर भी है।

संभवतः इसीलिए बिना देरी किए विपक्षी दलों की अगुआई कर रही कांग्रेस ने अकेले श्रेय लेने के बजाय सार्वजनिक और निजी तौर पर सभी घटक दलों की भूमिका की सराहना की। साफ तौर पर इसके जरिये कांग्रेस ने सहयोगी दलों को साथ लेकर चलने में पहले की तुलना में अपेक्षाकृत अधिक लचीलापन दिखाने का संदेश देने की कोशिश की है।

विपक्ष की सियासत को संवारने की कांग्रेस की यह बेचैनी इसलिए भी सहज है कि 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद पहले छह महीने में संसद के अंदर और बाहर दिखी विपक्षी एकजुटता विशेष रूप से तृणमूल से मतभेदों के कारण लगातार डांवाडोल दिखी थी, मगर परिसीमन बिल ने कांग्रेस और तृणमूल की दूरियां घटाई है, इसमें संदेह नहीं।

खासकर ऐसे वक्त में जब कांग्रेस बंगाल में ममता के खिलाफ चुनावी ताल ठोक रही है। हालांकि, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने विपक्ष के बीच आपसी डांवाडोल की स्थिति की बात से असहमति जताई। संसद में दिखी यह एकजुटता क्या विपक्षी दलों के आपसी अंतर्विरोध से उबरने का निर्णायक अवसर है, दैनिक जागरण के इस सवाल पर प्रियंका ने कहा कि सबसे पहले इसको ऐसा माना जाना चाहिए। दूसरा, विपक्ष में बहुत सारे ऐसे दल हैं, जो कुछ प्रदेशों में एक-दूसरे के खिलाफ भी चुनाव लड़ते हैं। लेकिन जब जरूरत पड़ती है तो हमारी एकजुटता पर कोई अंगुली नहीं उठा सकता। कल आपने देखा हमारी एकजुटता कितनी मजबूत है। हमारी एकता डांवाडोल है, मैं इससे सहमत नहीं हो सकती।

वैसे सच्चाई यह भी है कि परिसीमन पर सरकार के दांव ने प्रारंभिक तौर पर विपक्षी खेमे विशेषकर कांग्रेस को चिंतित कर दिया था। कांग्रेस को द्रमुक के समर्थन की गारंटी तो थी मगर तृणमूल से असहज रहे रिश्ते की वजह से कुछ सवाल थे।

वरिष्ठ भाजपा नेता बलबीर पुंज नहीं रहे

जागरण संवाददाता, नोएडा : राज्यसभा के पूर्व सदस्य और भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बलबीर पुंज का निधन हो गया है। उन्होंने शनिवार शाम नोएडा के मेट्रो अस्पताल में अंतिम सांस ली। वह 76 साल के थे। शुक्रवार को इलाज के लिए उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनका अंतिम संस्कार रविवार दोपहर साढ़े 12 बजे दिल्ली के निगमबोध घाट पर होगा।

बलबीर पुंज।

बलबीर पुंज वर्ष 2000 से 2006 तक उत्तरप्रदेश और 2008 से 2014 तक ओडिशा से राज्यसभा सदस्य रहे। बलबीर पुंज भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री भी रहे। पार्टी ने उनको केरल, पंजाब, गुजरात और हिमाचल प्रदेश जैसे महत्वपूर्ण प्रदेशों का प्रभारी भी नियुक्त किया। राष्ट्रीय राजनीति और आर्थिक विषयों पर देश के कई महत्वपूर्ण समाचारों और पत्रिकाओं में स्वतंत्र लेखन करते थे। बलबीर पुंज हिंदी-अंग्रेजी दोनों भाषाओं के सिद्धहस्त लेखक थे।

चर्चा का विषय

दल के भीतर से बाहर तक सब कुछ साफ-साफ, सम्राट चौधरी के सरकारी आवास पर पहुंचे नीतीश

लव-कुश समीकरण को सीधे-सीधे साध रहे नीतीश

भुवनेश्वर वात्स्यायन • जागरण

पटना: नीतीश कुमार की एक-एक गतिविधि राजनीतिक गलियारे में चर्चा का विषय बनती रही है। वह अनायास कोई बात आगे नहीं बढ़ाते। बिहार की राजनीति में इन दिनों वह पूरी सोची-समझी नीति के तहत 'लव-कुश समीकरण' को आगे कर रहे। पिछले दिनों अपनी समृद्धि यात्रा के दौरान जब वह चंपारण के इलाके में थे, तब वह लव-कुश पार्क गए थे। उस समय सम्राट चौधरी भी बतौर उपमुख्यमंत्री उनके साथ थे। दोनों ने पार्क में अपनी तस्वीर भी करायी। वह अनायास ही नहीं था। यहां से भी लव-कुश समीकरण को आगे किए जाने का साफ संदेश था।

नीतीश की समृद्धि यात्रा के दौरान भी नियमित रूप से सम्राट चौधरी साथ में रहे। इस दौरान नीतीश ने सम्राट के बारे में कई बार कहा कि अब यही लोग आगे संभालेंगे। कई तरह से उन्होंने इशारे में यह साफ किया था कि सम्राट को वह अपना उत्तराधिकारी बनाने की चाहत रखते हैं। जिस समय नीतीश समृद्धि यात्रा को लेकर सक्रिय थे, उस समय उनके एग्जिट प्लान पर विशेष चर्चा नहीं थी। बाद के चरण में जब वह निकले तो राज्यसभा के लिए उनका नाम तय हो गया था। उस समय भी सम्राट के साथ उनकी यात्राएं हुईं। बाद में यह चर्चा हुई कि सम्राट ही मुख्यमंत्री पद के लिए नीतीश की पसंद हैं। शपथ ग्रहण के दिन सम्राट ने जिस तरह से नीतीश का लोकभवन में अभिवादन किया, उस पर लोगों ने गौर किया।

लव-कुश समीकरण को लेकर नीतीश अपने आरंभिक दिनों से ही सक्रिय दिखते रहे हैं। आरंभिक दिनों में उन्होंने उपेंद्र कुशवाहा को आगे किया था। उन्हीं की पहल पर पहली बार विधानसभा चुनाव जीतकर आए उपेंद्र को नीतीश ने नेता प्रतिपक्ष बनाया।

सम्राट चौधरी के आवास पर पहुंचे नीतीश कुमार। एक्स@NitishKumar

24 को विश्वास मत हासिल करेंगे सम्राट चौधरी

राज्य ब्यूरो, जागरण • पटना: मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी 24 अप्रैल को विधानसभा में अपनी सरकार के लिए विश्वास मत हासिल करेंगे। इसके लिए विधानसभा का एक दिवसीय सत्र बुलाया गया है। विधानसभा के निदेशक राजीव कुमार ने शनिवार को इस आशय की जानकारी दी। सम्राट ने लोकभवन में 15 अप्रैल को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। शपथ ग्रहण के बाद विधानसभा में विश्वास मत हासिल करना अनिवार्य होता है। इसी कारण यह बैठक बुलाई गई है। 243 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा विधायक नितिन नवीन के त्यागपत्र देने के कारण एक पद रिक्त है। 242 विधायकों के बीच मुख्यमंत्री सरकार के लिए विश्वास मत का प्रस्ताव पेश करेंगे। सदन में इस समय एनडीए के विधायकों की संख्या 201 है।

बिहार में नीतीश के पुत्र निशांत को मिली जेड श्रेणी सुरक्षा

राज्य ब्यूरो, जागरण • पटना

- श्रवण कुमार को वाइ प्लस और विजय सिन्हा को जेड प्लस की जगह जेड

बिहार सरकार ने पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पुत्र और जदयू नेता निशांत कुमार को जेड श्रेणी की सुरक्षा देने का निर्णय लिया है। निशांत के साथ ही पूर्व मंत्री श्रवण कुमार को वाइ-प्लस श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की गई है। विशेष शाखा की राज्य सुरक्षा समिति की 17 अप्रैल को हुई बैठक की सिफारिश के आधार पर गृह विभाग ने यह निर्णय लिया।

पूर्व उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा को पहले दी गई जेड प्लस सुरक्षा को घटाकर अब जेड श्रेणी कर दिया गया है। वहीं, जदयू नेता निशांत कुमार को जेड श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की गई है। पूर्व मंत्री श्रवण कुमार को वाइ प्लस (एस्कार्ट सहित) सुरक्षा दी गई है। सरकार के संयुक्त सचिव नवीन चन्द्र द्वारा जारी पत्र में पुलिस महानिदेशक और विशेष शाखा को निर्देश दिया गया है कि राज्य सरकार के इस निर्णय के अनुरूप संबंधित नेताओं को सुरक्षा मुहैया कराई जाए। यह फैसला राज्य में सुरक्षा आकलन और खतरे के स्तर की समीक्षा के बाद लिया गया है।

निशांत कुमार। फाइल

15 करोड़ रुपये की लागत से आइआइटी खड़गपुर में विक्रम सोढ़ी उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना की गई है। यह केंद्र अगले पांच वर्षों में खनन क्षेत्र में तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कार्य करेगा।

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
रविवार, 19 अप्रैल, 2026

न्यूज गैलरी

मप्र में बच्चे के सिर को जबड़े में दबाकर घसीटता रहा कुत्ता

छतरपुर : मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में शुक्रवार शाम आवारा कुत्ते ने घर के बाहर खेल रहे नौ साल के एक बच्चे पर हमला कर दिया। कुत्ता बच्चे के सिर को करीब आधा मिनट तक जबड़े में दबाकर घसीटता रहा। स्वजन ने किसी तरह बच्चे को कुत्ते के जबड़े से मुक्त कराया। बच्चे को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। नौ वर्षीय आहिल खान घर के बाहर खेल रहा था। तभी गली में घूम रहे एक आवारा कुत्ते ने उस पर हमला कर दिया। स्वजन ने कुत्ते पर लाठी-डंडों और पत्थर मारे, तब वह बच्चे को छोड़कर भागा। डाक्टर ने बताया कि बच्चे के सिर में गहरे घाव हैं। (नईदुनिया)

वेदांता हादसे में दो और श्रमिकों की मौत, अब तक 23 की मौत

रायगढ़ : छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में स्थित वेदांता पावर प्लांट में हुए हादसे में दो और श्रमिकों की मौत हो गई। 14 अप्रैल को बायलर फटने की घटना में मृतकों की संख्या बढ़कर 23 हो गई है। रायगढ़ मेडिकल कालेज अस्पताल में भर्ती सुब्रोतो जेना (बंगाल) ने शनिवार को इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वहीं रायपुर के अस्पताल में झारखंड निवासी उमेंद्र साव की मौत हो गई। वहीं गंभीर रूप से झुलसे 10 से अधिक श्रमिकों का इलाज रायगढ़ जिले के विभिन्न अस्पतालों में चल रहा है। हादसा 14 अप्रैल को बायलर फटने से हुआ था। (नईदुनिया)

ढोंगी बाबा खरात को 30 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में भेजा

नासिक : नासिक की एक अदालत ने शनिवार को ढोंगी बाबा और दुष्कर्म के आरोपित अशोक खरात को एक महिला के यौन शोषण से जुड़े चौथे मामले में 30 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। एसआइटी उसके खिलाफ दर्ज यौन शोषण और वित्तीय धोखाधड़ी के मामलों की जांच कर रही है। इस मामले में हिरासत अवधि समाप्त होने के बाद खरात को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट बीएन इचपुरानी के समक्ष पेश किया गया। सुरक्षा कारणों से अदालत की कार्यवाही वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से हुई। (प्रेट्र)

ग्वालियर किले पर विदेशी महिला से शर्मनाक हरकत, गिरफ्तार

ग्वालियर : वालियर किला घूमने आई विदेशी महिला पर अश्लील कमेंट करते हुए आरोपित ने वीडियो बनाया। विदेशी महिला हिंदी समझती नहीं थी, इसलिए वह हंस रही थी। यह वीडियो राधे गुर्जर ने इंस्टाग्राम और फेसबुक पर अपलोड कर दिया। इस वीडियो को लेकर संभ्रांत नागरिकों ने आपत्ति जताई। इसे ग्वालियर को शर्मिंदा करने वाला बताया। (नईदुनिया)

टीसीएस पीड़िता का दावा, आरोपित ने अपनी शादी छिपाकर बनाया मतांतरण का दबाव

यौन उत्पीड़न ▶ 2022 में मुलाकात के दौरान आरोपित ने उसके साथ की जबरदस्ती

कैंटीन में मुलाकात के दौरान करता था हिंदू देवी-देवताओं के बारे में अपमानजनक टिप्पणियां

नासिक, प्रेट्र : नासिक की टीसीएस इकाई में यौन उत्पीड़न की शिकार महिला ने नया पर्दाफाश किया है। उसने पुलिस को बताया है कि आरोपितों में से एक ने चार साल पहले उसका यौन शोषण किया। उसने अपनी शादी छिपाई और कार्यस्थल पर उसके धर्म का अपमान करते हुए इस्लाम धर्म अपनाने के लिए दबाव डाला।

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज की नासिक इकाई में यौन उत्पीड़न और मतांतरण के लिए दबाव डालने का मामला सामने आने के बाद पुलिस ने एक विशेष जांच दल का गठन किया है। उसने नौ एफआइआर दर्ज कर आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। कंपनी ने आंतरिक जांच शुरू कर दी है। कंपनी ने शुक्रवार को कहा था कि उसे अपने आंतरिक चैनलों के माध्यम से कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। पीड़िता द्वारा दर्ज कराई

निदा खान। फाइल

गई शिकायत के अनुसार, वह चार साल पहले आरोपितों में से एक से मिली थी। उसने एक ही कालेज से स्नातक किया था। महिला ने पुलिस को बताया कि आरोपित ने उसे टीसीएस में नौकरी दिलाने का वादा किया था। जुलाई 2022 में देवलाली कैंप इलाके में मुलाकात के दौरान आरोपित ने उसके साथ जबरदस्ती की और उससे शादी करने की इच्छा भी जताई। इस बीच महिला ने टीसीएस में नौकरी कर ली, जहां आरोपित भी काम करता था। शिकायत में महिला ने बताया है कि फरवरी 2026 में आरोपित की पत्नी ने उससे संपर्क किया। पत्नी ने बताया कि आरोपित शादीशुदा है और उसके दो बच्चे हैं। जब आरोपित से इस बारे में पूछा गया तो उसने कथित तौर पर स्वीकार किया कि उसका उससे शादी करने का कोई इरादा नहीं है। शिकायतकर्ता ने बताया कि आरोपित अपने दो अन्य सहकर्मियों के साथ कंपनी की कैंटीन में अक्सर उससे मिलता था और तीनों अक्सर हिंदू देवी-देवताओं के बारे में अपमानजनक टिप्पणियां करते थे। आरोप है कि उन्होंने उसे 'शिवलिंग' की पूजा करने को अश्लील बताया। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि उन्होंने उस पर इस्लाम धर्म अपनाने का दबाव भी डाला। एफआइआर के अनुसार, कुछ सह-आरोपितों द्वारा उसका यौन उत्पीड़न और ब्लैकमेल किया गया।

यौन उत्पीड़न और मतांतरण मामले की आरोपित निदा खान पहुंची कोर्ट

नासिक, प्रेट्र : महाराष्ट्र के नासिक स्थित टीसीएस कार्यालय में कुछ महिला सहकर्मियों के मतांतरण और यौन उत्पीड़न मामले में आरोपित महिला कर्मचारी निदा खान ने शनिवार को स्वयं को गर्भवती बताते हुए अग्रिम जमानत याचिका दायर की है। उसने कहा है कि उस पर लगाए गए आरोपों के लिए सात साल से कम की सजा का प्रविधान है। निदा खान की याचिका पर नासिक सत्र न्यायालय में सोमवार को सुनवाई होगी। निदा के वकील ने उसके खिलाफ लगे आरोपों से इन्कार करते हुए कहा कि उनकी मुवक्किल पर अन्य महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाने का आरोप नहीं लगाया जा सकता। नासिक पुलिस आयुक्त संदीप कर्णिक ने बताया था कि निदा खान पर आइटी फर्म के कार्यालय में धार्मिक उत्पीड़न की केवल एक शिकायत दर्ज है। टीसीएस ने शुक्रवार को स्पष्ट किया था कि निदा कभी किसी नेतृत्व वाली भूमिका में नहीं थी। एक अधिकारी ने बताया कि नासिक पुलिस की अपराध शाखा की एक टीम निदा खान का पता लगाने के लिए ठाणे जिले के मुंब्रा में तैनात है। शुक्रवार को उसके पति से पूछताछ की गई। निदा के पति से उसके घर पर ही उसकी पत्नी के बारे में पूछताछ की गई। और एक महिला प्रबंधक शामिल है।

दुष्कर्म का झूठा केस दर्ज कराने पर महिला को 10 साल की कैद

नईदुनिया प्रतिनिधि, दतिया

- मध्य प्रदेश के दतिया जिले का मामला, पैसों के लेनदेन के कारण हुआ था दोनों में विवाद
- अदालत में अपने बयान से मुकर गई थी महिला, कोर्ट ने कहा- गंभीर चिंता का विषय

दुष्कर्म व एससी-एसटी एक्ट में झूठा मामला दर्ज कराने पर मध्य प्रदेश के दतिया जिले की महिला को 10 वर्ष के कठोर कारावास और 10,500 रुपये के अर्थदंड की सजा न्यायालय ने सुनाई है। दतिया के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश राजेश भंडारी ने वैभवी सनोरिया प्रकरण में शुक्रवार को यह फैसला सुनाया।

कोर्ट ने कहा कि हाल के समय में झूठे प्रकरण दर्ज कराने की प्रवृत्ति बढ़ रही है, जो गंभीर चिंता का विषय है। ऐसे मामलों से न केवल न्यायिक प्रक्रिया प्रभावित होती है, बल्कि आम लोगों के बीच न्याय व्यवस्था के प्रति अविश्वास भी बढ़ता है।

वैभवी सनोरिया ने शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया था कि 22 सितंबर 2021 की रात उसके पड़ोसी ने उसके साथ दुष्कर्म किया। साथ ही जान से मारने की धमकी दी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज कर चालान अदालत में पेश किया। विचारण के दौरान मामला पूरी तरह पलट गया, जब शिकायतकर्ता अपने ही बयान से मुकर गई।

उसने अदालत में स्वीकार किया कि रुपये के लेनदेन के विवाद के चलते उसने झूठा मामला दर्ज कराया था। इस

प्रतीकात्मक

खुलासे के बाद विशेष न्यायाधीश ने आरोपित को दोषमुक्त कर दिया। साथ ही महिला के खिलाफ झूठा मामला दर्ज कराने के संबंध में कार्रवाई के आदेश दिए। अदालत के निर्देश के बाद वैभवी सनोरिया के खिलाफ नया प्रकरण दर्ज किया गया।

सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने पांच गवाहों के बयान प्रस्तुत किए। अदालत ने उसे भारतीय दंड संहिता की धारा 182, 195 एवं 211 के तहत दोषी ठहराया।

पांच रुपये के पुराने नोट के बदले दिया 37 लाख का झांसा

नईदुनिया प्रतिनिधि, राजनांदगांव : छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले में पांच रुपये के पुराने नोट के बदले 37 लाख रुपये दिलाने का झांसा देकर करीब 12 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। इस मामले में पुलिस ने मास्टरमाइंड मोहम्मद जाहिर को 15 अप्रैल को हरियाणा के मेवात से हिरासत में लिया था। शुक्रवार को उसे न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस के अनुसार, आरोपित इंटरनेट मीडिया के माध्यम से लोगों को पुराने सिक्के और नोट ऊंची कीमत पर बिक्री करवाने का झांसा देता था। पुलिस और साइबर सेल की संयुक्त कार्रवाई में ठगों के अंतरराज्यीय गिरोह का राजफाश हुआ है। पुलिस के अनुसार, नेताराम देवांगन को पांच रुपये के पुराने नोट के बदले 37 लाख रुपये दिलाने का लालच दिया गया। इसके बाद प्रोसेसिंग फीस, कस्टम चार्ज और अन्य शुल्क के नाम पर करीब 12 लाख रुपये अलग-अलग खातों में ट्रांसफर कराए गए। इस मामले में चार अप्रैल को एफआइआर दर्ज की गई थी।

गुजरात में सामूहिक दुष्कर्म, आठ मुस्लिम युवक गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, जागरण • अहमदाबाद

- पुलिस ने आरोपितों की कराई परेड, ग्रामीणों ने की कड़ी सजा देने की मांग
- रमजान माह में पीड़िता को अपने साथ ले गए और कई दिनों तक किया दुष्कर्म

गुजरात के खेड़ा में एक नाबालिग को प्रेमजाल में फंसाकर उसके साथ तीन वर्ष से सामूहिक दुष्कर्म करने वाले आठ मुस्लिम युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सभी आरोपितों को दबोचने के बाद इन सभी की सार्वजनिक स्थन पर परेड कराई। इस दौरान बडी संख्या में गांव के लोग एकत्र होकर इन्हें कड़ी सजा दिलाने की मांग करते नजर आए।

रमजान माह में ईद से दो दिन पहले भी आरोपित युवक पीड़िता को अपने साथ ले गए और दो तीन दिन तक उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म करते रहे। खेडा के एक गांव की रहने वाली 17 वर्षीय किशोरी को तीन साल पहले उसी गांव के परवेज पठान नामक युवक ने अपने प्रेमजाल में फंसा लिया।

परवेज उसके अश्लील वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल करने लगा। वह अपने मित्रों के साथ भी संबंध बनाने के लिए दबाव डालने लगा। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि गत रमजान माह में ईद से दो दिन पहले आरोपित उसे जबरन अपने साथ ले गए और अलग-अलग स्थानों पर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। आरोपित पीड़िता को उसके अश्लील फोटो और वीडियो प्रसारित कर बदनाम करने की धमकी देकर उसे चुप रहने के लिए मजबूर करते रहे।

पुलिस ने परवेज अनवर खान उर्फ मुनावर खान पठान, माहिर पठान, फैजान पठान, तौफीक पठान, साहिल लियाकत खान, अयान पठान, मोईन, मारून व सलमान पठान के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस मामले में आठ आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया, जबकि एक आरोपित फरार है।

'सोनिया 1980 में वोट लिस्ट में थीं और 1983 में नागरिक बनीं, इस अंतर को कैसे समझाएंगे'

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- वोटर लिस्ट मामले में विशेष अदालत ने दोनों पक्षों से मांगी लिखित दलीलें
- कहा, मामला काफी पुराना है और अब जांच किसके खिलाफ और कैसे होगी, यह अहम प्रश्न

राउज एवेन्यू स्थित विशेष अदालत ने शनिवार को पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से जुड़े वोटर लिस्ट विवाद मामले में दोनों पक्षों को एक सप्ताह के भीतर लिखित दलीलें दाखिल करने का निर्देश दिया है। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने मामले की अगली तारीख 16 मई तय की है। यह मामला उस याचिका से जुड़ा है, जिसमें शिकायतकर्ता विकास त्रिपाठी ने मजिस्ट्रेट अदालत के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें सोनिया के खिलाफ एफआइआर दर्ज करने से इन्कार कर दिया गया था। सुनवाई के दौरान अदालत ने महत्वपूर्ण सवाल उठाया कि यदि सोनिया 1980 में मतदाता सूची में थीं और 1983 में नागरिक बनीं, तो इस अंतर को कैसे समझाया जाएगा। हालांकि, अदालत ने यह भी टिप्पणी की कि मामला काफी पुराना है और अब जांच किसके खिलाफ और कैसे होगी, यह एक अहम प्रश्न है।

शिकायतकर्ता पक्ष की ओर से वरिष्ठ

सोनिया और राहुल गांधी। फाइल

अधिवक्ता अजय बर्मन ने अपनी जवाबी दलीलें पूरी कीं। उन्होंने अदालत को बताया कि यह स्पष्ट नहीं है कि बिना नागरिक बने सोनिया का नाम वोटर लिस्ट में कैसे जोड़ा गया। उन्होंने दलील दी कि यह मामला जालसाजी, धोखाधड़ी या गलत घोषणा से जुड़ा हो सकता है और इसकी जांच जरूरी है। कहा कि गलत घोषणा भी धोखाधड़ी के दायरे में आती है।

हाई कोर्ट ने रोका राहुल के विरुद्ध एफआइआर का आदेश

जागरण संवाददाता, लखनऊ : हाई कोर्ट की लखनऊ पीठ ने कथित दोहरी नागरिकता मामले में एक दिन पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी के विरुद्ध एफआइआर दर्ज करने के सुनाए गए अपने आदेश को रोक दिया है। आदेश पर हस्ताक्षर होने के पूर्व ही न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी ने पाया कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय की पूर्ण पीठ ने वर्ष 2014 में पारित एक निर्णय में कहा है कि एफआइआर दर्ज किए जाने के मांग वाले प्रार्थना पत्रों के खारिज होने पर पुनरीक्षण याचिका ही पोषणीय है तथा ऐसी याचिका पर प्रस्तावित अभियुक्त को नोटिस भेजा जाना अनिवार्य है। न्यायालय ने कहा कि इस विधिक स्थिति को देखते हुए बिना विपक्षी संख्या एक (राहुल गांधी) को नोटिस जारी किए मामले को निर्णीत करना उचित नहीं है।

डेंटल कालेज के छात्र की मौत मामले में नोएडा से तीन गिरफ्तार

कन्नूर, एएनआइ : केरलम के एक डेंटल कालेज के छात्र की मौत के सिलसिले में कन्नूर की साइबर क्राइम पुलिस ने नोएडा से "इंस्टेंट फंड्स" लोन एप चलाने वाले आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में यूपी के ऋषिकेश तिवारी, प्रशांत खेवल और फरीदाबाद के प्रकाश जय शामिल हैं। आरोप है कि यह छात्र को लोन वापस करने के लिए बार-बार फोन करते थे और धमकी देते थे, जिससे वह तनाव में था। कन्नूर के पुलिस आयुक्त निधिनराज पी. के निर्देश पर टीम ने ये गिरफ्तारियां कीं। यह कार्रवाई छात्र के शिक्षक की शिकायत के बाद की गई। जांच के दौरान, पुलिस ने नोएडा में एक सक्रिय नंबर का पता लगाया और इसकी पहचान की। टीम ने उनके कार्यालय की पहचान की, जो आइटी सेटअप की तरह काम करता था। आरोपित फोन की जगह सिम बाक्स का इस्तेमाल कर रहे थे, जिनमें एक साथ 30 सिम कार्ड तक लगाए जा सकते थे, ताकि सामूहिक काल की जा सकें।

सैयद बनकर देश विरोधी टेलीग्राम ग्रुप चला रहा था राजूराम गोदारा

जागरण संवाददाता, जयपुर

- जैसलमेर से आरोपित हुआ था गिरफ्तार, यूएपीए के तहत मामला दर्ज
- विदेशी आकाओं के निर्देश पर संचालित कर रहा था देश विरोधी गतिविधियां

भारत-पाकिस्तान सीमा से सटे राजस्थान के जैसलमेर में 24 मार्च को गिरफ्तार 29 वर्षीय राजूराम गोदारा सैयद बनकर देश विरोधी टेलीग्राम ग्रुप चलाता था। इस गिरोह में करीब डेढ़ दर्जन ऐसे मुस्लिम युवक थे जो देश विरोधी गतिविधियों में शामिल थे। आरोपित से पूछताछ में सामने आया कि वह इंटरनेट मीडिया के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर युवाओं को निशाना बनाता था। सामान्य दिखने के लिए वह जैसलमेर में खेती करता था। एनआइए और एटीएस इस मामले की जांच कर रहे हैं। राजूराम व उत्तर प्रदेश निवासी अबूजर समीम, जैद, मन्ना और समीर के खिलाफ गैर कानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत मामला दर्ज किया गया है। जैसलमेर सहित राजस्थान के सीमावर्ती इलाकों में राजूराम के संपर्कों की भी जांच की जा रही है।

राजूराम एवं उसका ग्रुप विदेशी आकाओं के निर्देश से कई देश विरोधी गतिविधियां संचालित कर रहा था।

प्रतीकात्मक

पिछले दो माह में उत्तर प्रदेश में वाहन जलाने जैसी घटनाएं उसके उकसावे पर हुई हैं। उत्तर प्रदेश में पकड़े गए अन्य आरोपितों ने राजूराम का नाम सैयद बताया है। जांच में सामने आया कि वह पहचान छिपाकर संदिग्ध गतिविधियों में शामिल होता था। जांच में सामने आया कि वह समाज विशेष के वाहनों को जलाने के लिए अपने ग्रुप के सदस्यों को निर्देश देता था।

संघ-भाजपा कार्यकर्ताओं पर बम फेंकने में माकपा के 10 सदस्यों को 25 साल की सजा

कन्नूर, एएनआइ : केरलम की एक अदालत ने 2011 के थिमिरी बम हमले के मामले में माकपा के 10 कार्यकर्ताओं को 25 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। यह फैसला अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश के.एन. प्रशांत ने कन्नूर जिले के अलाकोडे के पास थिमिरी में हुए हमले से संबंधित मामले में सुनाया, जहां संघ और भाजपा के कार्यकर्ताओं पर बम फेंके गए थे।

यह हमला क्षेत्र में राजनीतिक हिंसा की व्यापक श्रृंखला का हिस्सा था। टी.वी. बिनु उर्फ "उदुम्ब बिनु" समेत सभी 10 दोषियों को 25 साल की कठोर कारावास की सजा सुनाई गई। हालांकि, अदालत ने नौ दोषियों को सुनाई गई सजाओं को साथ काटने की अनुमति दी, जिससे उनकी कुल कारावास अवधि घटकर 10 साल हो गई। हमले की घटना 27 नवंबर 2011 को थिमिरी कालेज के पास घटी थी, जब संघ-भाजपा कार्यकर्ताओं को ले जा रहे वाहन पर बम फेंका गया था। अभियोजक के अनुसार, यह हमला इलाके में संघ की शाखा खोलने को लेकर हुई तीखी बहस के बाद हुआ।

उत्तराखंड में सरकारी भूमि पर बनी मस्जिद व दो मजारों पर चला बुलडोजर

ऊधम सिंह नगर के गूलरभोज कोपा ठंडा नाला में मस्जिद को ध्वस्त करती पोकलैंड मशीन। जागरण

जागरण संवाददाता, ऊधम सिंह नगर

- सिचाई विभाग की जमीन पर वर्षों पहले बनी थी ये धार्मिक संरचनाएं

उत्तराखंड में ऊधम सिंह नगर में सरकारी भूमि पर अतिक्रमण कर बनाई गई एक मस्जिद और दो मजारों को जिला प्रशासन ने शनिवार सुबह ध्वस्त कर दिया। इसके लिए छह लोडर और एक पोकलैंड मशीन लगाई गई थी। यहां कोपा ठंडा नाला स्थित हरिपुरा जलाशय की डाउन स्ट्रीम में बनी इन धार्मिक संरचनाओं को हटाने के लिए प्रशासन ने कई बार नोटिस भी जारी किए थे।

एसडीएम ऋचा सिंह के निर्देश पर सिंचाई विभाग और तहसील प्रशासन ने एक मस्जिद और दो मजारों पर दोबारा 16 अप्रैल को नोटिस चस्पा किए थे, जिसे हटाने की 18 अप्रैल डेडलाइन तय की गई थी। संबंधित पक्षकारों से आवश्यक साक्ष्य और दस्तावेज उपलब्ध कराने को कहा गया था, लेकिन किसी ने जवाब नहीं दिया। इसके बाद शनिवार की सुबह पांच बजे जिला प्रशासन ने सरकारी भूमि पर बनी एक मस्जिद व दो मजारों को ध्वस्त कर दिया। इस मामले में प्रशासनिक मशीनरी ने होमवर्क किया था। कार्रवाई के दौरान गांव के लोगों को घरों से बाहर नहीं निकलने दिया गया।

निलंबित आइएएस समीर विश्नोई की 20 करोड़ की बेनामी संपत्तियां कुर्क

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया • रायपुर : कोल लेवी घोटाला और आय से अधिक संपत्ति मामले में छत्तीसगढ़ कैडर के निलंबित आइएएस समीर विश्नोई की 20 करोड़ की बेनामी संपत्तियों को कुर्क किया गया है। एसीबी-ईओडब्ल्यू की विशेष अदालत के आदेश के बाद यह कार्रवाई की गई हैं।

समीर विश्नोई।

जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि समीर विश्नोई ने अपनी काली कमाई को सफेद करने के लिए अपनी पत्नी के नाम पर चार फर्जी फर्म स्थापित की थी। इन फर्मों के माध्यम से करोड़ों की अचल संपत्तियां खरीदी गईं। इसके अलावा, कई रिश्तेदारों और परिचितों के नाम पर भी संपत्तियां अर्जित की गई थीं, जिन्हें अब कानून के दायरे में लाया गया है। जब्त संपत्तियों में महासमुंद जिले में लगभग 22 एकड़ कृषि भूमि, नवा रायपुर में आवासीय प्लाट और रायपुर के गायत्रीनगर में एक मकान शामिल है।

यूपी पुलिस ने पंजाब से पकड़े दो साइबर ठग, मोची के खाते से 80 करोड़ का लेनदेन

जागरण संवाददाता, कानपुर

- पांच सदस्यीय गिरोह के खिलाफ 650 से ज्यादा शिकायतें, 400 करोड़ की ठगी का अनुमान
- उप्र में 14 मुकदमे दर्ज, कानपुर में 12.82 लाख की ठगी की जांच से मिला गिरोह का सुराग

शेयर में निवेश पर भारी मुनाफे का झांसा देकर 12.82 लाख रुपये की ठगी मामले की जांच कर रही पुलिस ने पंजाब के बड़े साइबर गिरोह का पर्दाफाश किया है। फाजिल्का जिले के अबोहर में सक्रिय पांच सदस्यीय गिरोह के दो ठगों को पुलिस ने वहां पहुंचकर दबोच लिया। जांच में सामने आया कि एक मोची के बैंक खाते से महज तीन माह के भीतर 80 करोड़ रुपये का लेनदेन किया गया। गिरोह 650 से ज्यादा लोगों को ठग चुका है, जिनकी शिकायतें नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) पर दर्ज हैं। इनमें उत्तर प्रदेश के 14 मामले हैं। साइबर ठगी का जाल पाकिस्तान व श्रीलंका तक फैला है। 400 करोड़ से ज्यादा की ठगी की आशंका जताई जा रही है।

पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल ने बताया कि नौबस्ता निवासी अमित राठौर ने गत 2 जनवरी को शेयर में निवेश पर भारी मुनाफे का झांसा देकर साइबर ठगी का मुकदमा दर्ज कराया था। जांच में ठगी के तार अबोहर से जुड़े मिले। ठगों के

गुलशन कुमार।

करण कसेरा।

मोबाइल नंबर के आधार पर पुलिस फाजिल्का तक पहुंची। दो दिन पहले वहां से करण कसेरा व गुलशन कुमार को अबोहर थाने लाया गया, लेकिन स्थानीय लोगों के विरोध को देखते हुए दोनों को कानपुर लाकर पूछताछ की गई। दोनों ने बताया कि गिरोह में पांच सदस्य हैं। अबोहर का लिटिल मोंगा सरगना है, जो अपने साथी कालरा कसेरा के साथ फरार है।

वर्ग पहेली-3310

बाएं से दाएं :-

1. आह्लाद, इच्छा (3)। 2. निर्दोष(5)। 5. अद्भुत (3)। 7. जुड़वां (3)। 9. गाय चराने वाला (4)। 11. स्वीकार करना, कल्पना करना (3)। 13. व्यवहार (3)। 15. पांडु का चौथा पुत्र (3)। 17. देश, राष्ट्र (3)। 19. खीज (3)। 21. अथाह, असीम (3)। 23. ज्ञान की देवी (4)। 25. घोड़े से संबद्ध है चाबुक और ... (3)। 26. प्रयास (3)। 27. शरीर, देह (2,3)। 28. प्रमाण पत्र (3)।

ऊपर से नीचे :-

1. जल व थल दोनों में रहने वाले को कहते हैं (5)। 2. निर्मलता, स्वच्छता (3)। 3. मीठे स्वर में गाने वाला एक पक्षी (3)। 4. लौ, आंच की भड़क (3)। 6. खरोंचना, खसोटना (3)। 8. अदालत के विश्वास हेतु जमा की गई रकम (4)। 10. गाड़ी, सवारी (3)। 12. बात न टालना, रक्षण (3)। 14. अग्निकुंड (3)। 16. कौतुक, लालसा (4)। 18. तेज चाकू (3)। 20. भाग्य, प्रारब्ध (5)। 21. बीता समय (3)। 22. मूल्य, दाम (3)। 23. कारण, हेतु (3)। 24. आत्मीय जन, संबंधी (3)।

© Bird Features & Writing Agency

कल का हल

	प		उ	द	य	न		अ	
ब	र	ग	द			न	रा	ध	म
	स्प		र	बी		द		म	
म	र	ण		चो			क	रा	ची
रि				बी	जा	ध्य	क्ष		नी
य		न	भ	च	र				मि
लं	हे	र			जा		चौ	हे	ट्टी
	ड़		पा		त	हें		ठ	
रौ	ब	दा	र			ज	ल	ध	र
	ड़ी		सं	वों	त्त	म		र्मी	

जागरण सुडोकू-3310

7			3			1		9
			8				3	
	1				9			5
	4		6		7		8	
9		8			2	3		
	3		9				1	
2						6		3
	6	7	5		1			
8				6		2		1

कल का हल

7	3	8	5	9	2	1	4	6
1	5	4	3	7	6	9	8	2
9	6	2	4	1	8	3	5	7
4	1	3	2	5	9	6	7	8
5	2	9	8	6	7	4	3	1
8	7	6	1	3	4	2	9	5
6	4	5	7	2	3	8	1	9
3	9	7	6	8	1	5	2	4
2	8	1	9	4	5	7	6	3

आज का भविष्यफल : 19 अप्रैल, 2026 रविवार

पं. के. ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति : वैशाख मास शुक्ल पक्ष द्वितीया। **राहुकाल** : सायं 04:30 से 06 बजे तक। **दिशाशूल** : पश्चिम। **पर्व एवं त्योहार** : भगवान परशुराम जयंती

कल 20 अप्रैल, 2026 का पंचांग

दिशाशूल : पूर्व। **पर्व एवं त्योहार** : अक्षय तृतीया, गणेश चतुर्थी व्रत। **भद्रा** : सायं 05:52 से रात्रि 04:16 तक। **विशेष** : चतुर्थी तिथि क्षय, शुक्र वृष राशि में। विक्रम संवत 2083 शके 1948 उत्तरायण, उत्तरगोल, वसंत ऋतु वैशाख मास शुक्ल पक्ष तृतीया 07 घंटे 28 मिनट तक, तत्पश्चात चतुर्थी रोहिणी नक्षत्र 26 घंटे 09 मिनट तक। वृष में चंद्रमा।

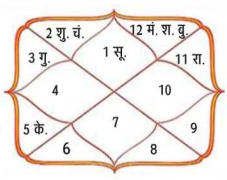

मेष : मांगलिक उत्सव में हिस्सेदारी रहेगी। भौतिक सुख में वृद्धि होगी।

वृष : उपहार की प्राप्ति होगी। नेत्र विकार के प्रति सचेत रहें।

मिथुन : व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होगा। खर्च पर नियंत्रण रखें।

कर्क : आर्थिक मामलों में प्रगति होगी। संतान दायित्व की पूर्ति होगी।

सिंह : महिला अधिकारी का सहयोग मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कन्या : धन-यश में वृद्धि होगी। सामाजिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

तुला : अधिकारी से तनाव मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

वृश्चिक : व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।

धनु : जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

मकर : संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। प्रयास सार्थक होगा।

कुंभ : निजी सुख में वृद्धि होगी। व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होगा।

मीन : आर्थिक मामलों में प्रगति होगी। रिश्तों में निकटता आएगी।

रविवार विशेष

वैकल्पिक ऊर्जा और पृथ्वी की सेहत

22 अप्रैल को मनाए जाने वाले विश्व पृथ्वी दिवस की इस बार की थीम 'हमारी शक्ति, हमारा ग्रह' है। इस थीम का उद्देश्य नवीकरणीय ऊर्जा (रिन्यूएबल एनर्जी) को अपनाने और 2030 तक स्वच्छ ऊर्जा क्षमता को तीन गुना करने पर जोर देना है। इसके तहत पहली स्टोरी इंदौर से है, जो स्वच्छता और कचरा प्रबंधन के नवाचारों के जरिये टिकाऊ माडल प्रस्तुत कर रही है। दूसरी स्टोरी हरदोई से है, जहां पराली से कंप्रेस्ड बायोगैस बनाकर ऊर्जा आत्मनिर्भरता और किसानों की समृद्धि का रास्ता तैयार किया जा रहा है। तीसरी स्टोरी ओडिशा के कटक जिले की है, जहां दो गांवों ने जीरो बिल का लक्ष्य पूरा किया है। तीनों उदाहरण मिलकर यह रेखांकित करते हैं कि 'हमारी शक्ति, हमारा ग्रह' थीम को देश साकार कर रहा है। बता रहा है कि वैकल्पिक ऊर्जा का बढ़ता प्रभाव पृथ्वी की सेहत सुधरने की उम्मीद जगा रहा है। लोगों का जीवन आसान बनाने में भी मददगार है।

कचरे से सीएनजी और धूप से बना रहे बिजली

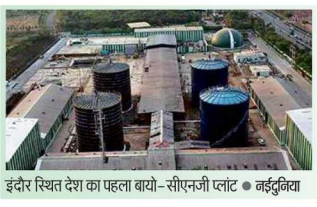

इंदौर स्थित देश का पहला बायो-सीएनजी प्लांट ● नईदुनिया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी देते हैं इंदौर का उदाहरण

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी इंदौर का उदाहरण बताते हुए कहते हैं कि 'दूसरे शहर सोचते हैं, लेकिन इंदौर कर दिखाता है।' यह बात नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भी सटीक बैठती है। नगर निगम के अपर आयुक्त प्रखरसिंह बताते हैं कि देवगुराडिया स्थित बायो सीएनजी संयंत्र की क्षमता बढ़ाई जा रही है। इसके बाद यह प्रतिदिन 800 टन गीले कचरे का निस्तारण करने लगेगा। वह कहते हैं कि इंदौर ने यह साबित कर दिया है कि अगर इच्छाशक्ति हो, तो 'हमारी शक्ति' सच में 'हमारा ग्रह' बचा सकती है।

विश्व पृथ्वी दिवस की इस बार की थीम 'हमारी शक्ति, हमारा ग्रह' के साथ दुनिया नवीकरणीय ऊर्जा की ओर बढ़ने की बात कर रही है, लेकिन इंदौर पहले ही इस दिशा में एक मजबूत माडल बनकर उभरा है। स्वच्छता में लगातार आठ साल से देश में नंबर वन रहने वाला यह शहर अब कचरे और सूरज की ऊर्जा से भविष्य गढ़ रहा है।

इंदौर ने कचरे को बोझ नहीं, अवसर बनाया है। शहर में प्रतिदिन निकलने वाले 1100 टन कचरे का शत-प्रतिशत निस्तारण किया जा रहा है। प्रति वर्ष 6.65 लाख टन कचरे का वैज्ञानिक तरीके से प्रबंधन किया जा रहा है। देवगुराडिया जैसे ट्रेंचिंग ग्राउंड, जहां कभी 14 लाख टन कचरे के पहाड़ थे, आज ऊर्जा उत्पादन के केंद्र बन चुके हैं। गीले कचरे से प्रतिदिन करीब 20 हजार किलो सीएनजी तैयार हो रही है, जो शहर के वाहनों में उपयोग हो रही है।

इंदौर ने सौर ऊर्जा के क्षेत्र में भी बड़ी छलांग लगाई है। शहर की 30 हजार से अधिक छतों पर सोलर संयंत्र स्थापित हो चुके हैं, जहां से 410 मेगावाट बिजली प्रतिदिन पैदा हो रही है। वहीं, जलूद में नगर निगम का सोलर प्लांट प्रति माह करीब 80 लाख यूनिट बिजली उत्पादन कर रहा है, जिससे लगभग पांच करोड़ रुपये की बचत हो रही है।

देश में पहली बार कार्बन क्रेडिट से कमाई, ग्रीन वेस्ट से तैयार हो रहे डिस्पोजल: पर्यावरण हितैषी कदमों से इंदौर ने चार लाख से ज्यादा कार्बन क्रेडिट पाइंट अर्जित किए हैं, जिन्हें बेचकर नौ करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व हासिल हुआ है। ग्रीन वेस्ट से प्रतिदिन 100 टन क्षमता के प्लांट में पर्यावरण अनुकूल डिस्पोजेबल प्लेटें बनाई जा रही हैं।

(इंदौर से कुलदीप भावसार)

पराली से प्रगति के द्वार खोल घटाई गैस पर निर्भरता

पराली से होने वाले प्रदूषण को रोकना, देश को गैस के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना और किसानों की आय बढ़ाना, इन तीनों उद्देश्यों को एक साथ साधने की प्रेरक मिसाल युवा उद्यमी आदि तिवारी ने पेश की है। विदेश में पढ़ाई करने के बावजूद उन्होंने गांव को अपनी कर्मभूमि बनाया और एक ऐसा माडल खड़ा किया, जो आज ग्रामीण विकास और स्वच्छ ऊर्जा का सफल उदाहरण बन रहा है।

उत्तर प्रदेश में हरदोई निवासी आदि तिवारी ने जिले के भैलामऊ गांव के पास कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) प्लांट स्थापित किया है। यहां पराली, गोबर और गन्ने की खोई (प्रेसमड) जैसे कृषि अवशेषों का उपयोग कर गैस तैयार की जाती है। ऐसे में पहले जो पराली खेतों में जलकर प्रदूषण फैलाती थी, अब वही किसानों की समृद्धि का आधार बन गई है। प्लांट में प्रतिदिन लगभग 2.4 टन सीबीजी का उत्पादन हो रहा है। यह गैस आसपास के पंपों के अलावा शाहजहांपुर के पिपरोला स्थित मदर जंक्शन तक भेजी जाती है, जहां से विभिन्न जिलों में आपूर्ति होती है, जो सीएनजी के साथ ही रसोई गैस के रूप में उपयोग होती है। भविष्य में प्लांट की उत्पादन क्षमता 12 टन प्रतिदिन तक पहुंचाने की तैयारी चल रही है।

आपस में चर्चा करते हुए चीनी मिल से गन्ने की खोई लेकर सीबीजी प्लांट पर आए लोग जागरण

25 दिन में जीरो बिल बना हकीकत, कटक के दो गांव बने माडल

दुनिया इस समय ऊर्जा संकट, महंगी होती बिजली और बढ़ते कार्बन उत्सर्जन जैसी गंभीर चुनौतियों से जूझ रही है। ऐसे दौर में ओडिशा के कटक जिले के दो छोटे गांवों ने न केवल अपनी तस्वीर बदली है, बल्कि देश के सामने एक सफल माडल भी प्रस्तुत किया है। नारसिंहपुर ब्लाक के ओलाबा और कंदकेला देवभूमि राज्य के पहले पूर्ण रूप से सौर ऊर्जा संचालित गांव बन गए हैं, जहां अब हर घर सौर रोशनी से जगमगा रहा है। कभी बिजली कटौती और बढ़ते बिल से परेशान रहने वाले ये गांव आज ऊर्जा आत्मनिर्भरता की मिसाल बन चुके हैं। महज 25 दिनों में ऐसी तस्वीर बदली कि अब यहां 'जीरो बिजली बिल' हकीकत बन गया है।

केंद्र सरकार की पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत शुरू हुई इस पहल ने न सिर्फ गांवों को रोशन किया, बल्कि ग्रामीण जीवन की रफ्तार भी बदल दी है। बदलाव की कहानी तब शुरू हुई जब गांव के सरपंच ने जिला कलेक्टर के साथ बैठक में सोलर ऊर्जा अपनाने का प्रस्ताव रखा। इसके बाद टीपीसीओडीएल को पूरे गांव में सोलर पैनल लगाने की जिम्मेदारी मिली। कंपनी की टीम ने रिकार्ड समय में सिर्फ 15 से 25 दिनों के भीतर करीब 150 घरों में एक किलोवाट क्षमता के सोलर पैनल लगा दिए। अब हर घर में औसतन 100 यूनिट बिजली का उत्पादन हो रहा है।

कटक जिले के ओलाबा गांव में ग्रामीण के छत पर लगा सोलर प्लांट ● स्रोत- टीपीसीओडीएल

तीन मोर्चों पर बड़ा बदलाव

आर्थिक राहत: बिजली बिल लगभग खत्म
रोजगार: स्थानीय युवाओं को इंस्टालेशन व मेंटेनेंस में काम
पर्यावरण: कार्बन उत्सर्जन में कमी, स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा

मेंटेनेंस के लिए हेल्पलाइन

ग्रामीणों की सुविधा के लिए 1912 हेल्पलाइन नंबर जारी किया गया है। शिकायत दर्ज होने पर 48 घंटे के भीतर समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है।

अब 20 पंचायतों की बारी

टीपीसीओडीएल अब इस माडल को आगे बढ़ाते हुए 20 पंचायतों में सोलर पैनल लगाने का काम कर रहा है। 1500 घरों के लक्ष्य में 800 घरों में इंस्टालेशन पूरा हो चुका है।

ऐसे बना 'जीरो बिल' माडल: इस योजना की सबसे बड़ी खासियत इसका वित्तीय माडल रहा। केंद्र सरकार से 30,000 और राज्य सरकार से 25,000 रुपए की सब्सिडी मिली, जबकि लाभार्थियों का 5,000 रुपये का हिस्सा जिला खनिज निधि ने उठाया। नतीजतन ग्रामीणों पर कोई आर्थिक बोझ नहीं और बिजली बिल लगभग शून्य।

भरोसे की जीत: नई तकनीक को लेकर शुरुआत में ग्रामीणों के मन में संदेह था, लेकिन टीपीसीओडीएल की टीम ने गांव-गांव जाकर प्रशिक्षण व जागरूकता अभियान चलाया, जिससे लोगों का भरोसा बढ़ा।

जिंदगी में दिखा सीधा असर: ओलाब गांव की सावित्री बेहरा बताती हैं कि अब बच्चों की पढ़ाई बिना रुकावट के होती है, क्योंकि बिजली कटौती खत्म हो गई। कांडकेला के रघुनाथ नायक के अनुसार, सोलर ऊर्जा से सिंचाई और छोटे व्यवसाय आसान हो गए हैं, जिससे आमदनी भी बढ़ी है। टीपीसीओडीएल के सीईओ अरविंद सिंह ने 'दैनिक जागरण' से बातचीत में कहा कि एक किलोवाट सोलर माडल टाटा पावर डिस्काम का विशेष माडल है। उन्होंने कहा कि ओडिशा में आमतौर पर चक्रवात आते रहते हैं, इसका भी ध्यान रखा गया है। हमारे सोलर पैनल 180 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली हवा का भी सहन कर सकते हैं। हमारा उद्देश्य कार्बन उत्सर्जन कम करने के साथ लोगों को स्वच्छ ऊर्जा के प्रति प्रेरित करना है। (भुवनेश्वर से शेषनाथ राय)

ऊर्जा में आत्मनिर्भरता के साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था को मिल रही है मजबूती

आदि तिवारी कहते हैं कि गांव में ही देश का आत्मा बसता है। उनका यह प्रयास न केवल पर्यावरण संरक्षण में योगदान दे रहा है, बल्कि देश को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी एक बड़ा कदम है। आसपास गांवों के किसानों ने चीनी मिलों से गन्ने की खोई ढोने के लिए ट्रैक्टर-ट्राली लगा रखीं हैं, जिन्हें 3000 रुपये प्रति ट्राली मिलती है। दो रुपये किलो पराली और 85 रुपये विंवटल गोबर खरीदा जाता है। लोग गोबर खरीद कर प्लांट में बेचने का भी काम कर रहे हैं। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है। उन्होंने 2024 में प्लांट की स्थापना की। सितंबर 2025 से उत्पादन शुरू हुआ। (हरदोई से पंकज मिश्र)

आदि तिवारी

भैलामऊ गांव के पास स्थित कंप्रेस्ड बायोगैस प्लांट स्थानीय लोगों के लिए लाभकारी साबित होगा। यहां तैयार होने वाली गैस वाहनों के साथ ही घरेलू उपयोग के लिए भी एक सुरक्षित विकल्प है।
हर्ष प्रताप सिंह, उपायुक्त (उद्योग)

पशुपालन करने वालों से गोबर खरीद कर प्लांट पर बेचते हैं। चीनी मिल से मैली ढोने के लिए ट्राली लगा रखी है। इसी से ही ट्रैक्टर के ऋण की किस्त अदा कर रहे हैं। साथ ही परिवार भी चलाते हैं।
संजय कुमार, किसान, कनकापुर लाल, सवायजपुर

पराली को खेत में जलाना पड़ता था, जिसमें एफआइआर तक दर्ज हो जाती थी। अब पराली की परेशानी खत्म हो गई है। गन्ना का पत्ती और धान की पराली प्लांट पर बेच देते हैं। इससे आर्थिक मदद मिलती है। **लाल बहादुर**, किसान, भैलामऊ, भरखनी

आइआइटी खड़गपुर में छात्र ने आठवीं मंजिल से कूदकर दी जान

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता : आइआइटी खड़गपुर के कैंपस में शनिवार सुबह मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के तीसरे वर्ष के छात्र जयबीर सिंह डोडिया ने अटल बिहारी वाजपेयी हाल की आठवीं मंजिल से छलांग लगा दी। 21 वर्षीय जयबीर को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मूल रूप से अहमदाबाद का रहने वाला जयबीर नेहरू हाल का छात्र था। पुलिस इस गुत्थी को सुलझाने में जुटी है कि नेहरू हाल का छात्र अटल बिहारी वाजपेयी हाल कैसे पहुंचा और वहां की छत तक उसे प्रवेश कैसे मिला? पुलिस फिलहाल सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। आइआइटी खड़गपुर में 2025 में ही सात छात्रों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई थी, जिनमें से पांच के शव फंदे से लटके मिले थे। इन घटनाओं ने संस्थान में छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रबंधन पर गंभीर सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चार आत्महत्याओं के बाद एनआइटी कुरुक्षेत्र में 20 दिन छुट्टी, डीन समेत चार के तबादले

जागरण संवाददाता, कुरुक्षेत्र

- शुक्रवार मध्यरात्रि एक और छात्रा छात्रावास की पहली मंजिल पर चढ़ी
- एनआइटी प्रशासन ने सभी छात्रावास खाली करने के दिए निर्देश

अंदरूनी राजनीति हावी

संस्थान में अंदरूनी राजनीति भी है। इसी के चलते पिछले दिनों संस्थान के निदेशक से उनकी सारी शक्तियां छीन ली गईं। उसके बाद राजनीति और भी हावी हुई बताई जा रही है, जिसके चलते संस्थान के बच्चों की ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा।

हरियाणा के कुरुक्षेत्र स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआइटी) में दो महीने में चार विद्यार्थियों की आत्महत्या और हंगामे के बाद चार मई तक अवकाश घोषित कर दिया गया है। सिर्फ बीटेक प्रथम वर्ष की कक्षाएं लगेंगी। 38 प्रतिशत विद्यार्थी घर लौट गए। उधर, एनआइटी प्रशासन ने शुक्रवार को छात्र कल्याण एसोसिएशन के डीन, महिला छात्रावास चीफ वार्डन, डिप्टी चीफ वार्डन और खेल प्रभारी का तबादला कर दिया है। निदेशक की जिम्मेदारी संभाल रहे डा. ब्रह्मजीत ने कहा कि पांच सदस्यीय जांच कमेटी गठित कर दी गई है। रिपोर्ट के बाद ठोस कार्रवाई की जाएगी।

इधर, शुक्रवार रात 11:30 बजे बीटेक प्रथम वर्ष की एक छात्रा कल्पना चावला महिला छात्रावास की पांचवीं मंजिल पर चढ़ गई। हालांकि, उसे छात्रों ने सुरक्षित उतार लिया। वह बोली- मीडिया को बुलाओ, कुछ सच्चाई बताना चाहती हूं। इसका वीडियो इंटरनेट मीडिया में प्रसारित हो रहा है। हालांकि, संस्थान में दो माह में एक के बाद एक चार आत्महत्याओं ने विवादों को हवा दी है।

छात्राओं का आरोप, शिक्षक दे रहे धमकियां: छात्रा दीक्षा के 16 अप्रैल को आत्महत्या करने के बाद विद्यार्थियों का गुस्सा फूट पड़ा और आधी रात को छात्रावास परिसर में अनेक छात्राओं ने आरोप लगाए कि उन्हें शिक्षकों द्वारा धमकियां दी जाती हैं। इंटरनल असाइनमेंट, प्रैक्टिकल में नंबर कम करने या फेल करने की धमकी दी जाती है। आरोप लगाए कि शिक्षक उन्हें 'तुझे कालेज से निकाल दूंगा, डिग्री चाहिए कि नहीं? तुझे तो आज ही निकाल दूंगा' जैसी धमकियां भी देते हैं।

नाकामी छिपाने के होते रहे प्रयास: एक के बाद एक घटनाएं होती गईं और संस्थान उन्हें रोकने के बजाय अपनी नाकामी छिपाने की दिशा में आगे बढ़ता गया। 16 फरवरी को तेलंगाना निवासी छात्र अमगोत सिवा ने आत्महत्या की। इसी प्रकार दूसरी और तीसरी घटना के बाद भी ठोस कदम नहीं उठाए गए। 16 अप्रैल को चौथी घटना के बाद संस्थान की 20 दिन की छुट्टी की घोषणा कर दी गई। साथ ही 19 अप्रैल को सभी हास्टल खाली करने के आदेश दिए।

सीबीआइ ने 1.6 करोड़ के डिजिटल अरेस्ट स्कैम का भंडाफोड़ किया

नई दिल्ली, प्रेट्र : सीबीआइ ने 1.6 करोड़ के डिजिटल अरेस्ट स्कैम के सिलसिले में इंडसइंड बैंक के एक सहायक प्रबंधक समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि जांच के तहत एजेंसी ने तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के पांच स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। अधिकारी के अनुसार, आरोपितों ने कथित तौर पर एक वरिष्ठ नागरिक को "डिजिटल अरेस्ट" की धमकी देकर 1.6 करोड़ रुपये हस्तांतरित करने के लिए मजबूर किया। उन्होंने बताया कि सीबीआइ ने पाया कि बैंक अधिकारी ने कथित तौर पर एक कंपनी के नाम पर फर्जी खाता खोलने में मदद की, जिसमें घोटाले से प्राप्त अवैध धनराशि स्थानांतरित की गई थी। गिरफ्तार किए गए अन्य दो आरोपित फर्जी बैंक खाते खोलने और पीड़ित से कई खातों के माध्यम से अपराध की आय को छिपाने और स्थानांतरित करने में सक्रिय रूप से शामिल थे। अभियुक्तों से जुड़े परिसरों में तलाशी के दौरान विभिन्न आपत्तिजनक दस्तावेज और इलेक्ट्रानिक उपकरण जब्त किए गए हैं।

अमृतसर में 71 किलो हेरोइन बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

- पाक तस्करों ने अलग-अलग जगहों पर ड्रोन से गिराई थी खेप
- तस्कर इसे उठाने के बाद सप्लाई करने जा रहे थे

अमृतसर में एसएसओसी की टीम पहले मामले में बरामद 64 किलो हेरोइन कोर्ट में पेश कर लौटती हुई। जागरण

जागरण संवाददाता, अमृतसर

पंजाब में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आइएसआइ की तरफ से भेजी गई हेरोइन की बड़ी खेप के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस व बीएसएफ ने दो मामलों में कुल 71 किलो से अधिक हेरोइन, एक मारुति और एक ड्रोन बरामद किया है। यह खेप कुछ दिन पहले पाकिस्तानी तस्करों ने ड्रोन के जरिये भेजी थी। आरोपित इसे आगे सप्लाई करने की योजना बना रहे थे। पहले मामले में पुलिस ने नाकाबंदी कर गांव माहल के पास दो तस्करों स्वर्ण सिंह और शमशेर सिंह को 64 किलो हेरोइन सहित गिरफ्तार कर एक मारुति कार बरामद की। आरोपितों को शनिवार शाम न्यायाधीश गरिमा गुप्ता की अदालत में पेश किया गया। अदालत ने पांच दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। एआइजी सुखमिंदर सिंह मान ने बताया कि यह खेप पुर्तगाल में बैठे हैंडलर ने पाकिस्तानी तस्कर मूसा के जरिये भिजवाई थी। 2019 में भारत पाकिस्तान सीमा पर कस्टम विभाग द्वारा पकड़ी गई 532 किलो हेरोइन के मामले में भी मूसा का नाम सामने आया था।

हिमाचल में कुत्ते का पंजीकरण न करवाने पर 9,300 रुपये का चालान

जासं, मंडी : हिमाचल में मंडी नगर निगम ने पालतू कुत्ते का पंजीकरण न करवाने पर यहां एक व्यक्ति का 9,300 रुपये का चालान काटा है। निगम की ओर से बार-बार हिदायत देने और कर्मचारियों के माध्यम से सूचना भेजने के बावजूद व्यक्ति ने कुत्ते का पंजीकरण करवाने में रुचि नहीं दिखाई। नगर निगम आयुक्त रोहित राठौर ने स्पष्ट किया कि संबंधित व्यक्ति को 15 दिन के भीतर जुर्माना राशि जमा करने का समय दिया है।

नगर निगम मंडी में अब तक केवल 100 पालतू कुत्तों का ही पंजीकरण हो पाया है। सिटीजन पोर्टल के माध्यम से आनलाइन सुविधा शुरू होने के बाद से पंजीकरण की गति धीमी है। कई लोग कर्मचारियों के घर पहुंचने पर पालतू जानवरों को छिपा रहे हैं। नगर निगम अधिनियम के अनुसार शहरी सीमा के भीतर किसी भी पालतू जानवर विशेषकर कुत्ते को रखने के लिए स्थानीय निकाय के पास पंजीकरण करवाना अनिवार्य है। यह नियम सार्वजनिक सुरक्षा, स्वच्छता और रैबीज जैसी बीमारियों के नियंत्रण के लिए बनाया गया है।

कश्मीर में बर्फबारी में फंसे 30 वाहन, 190 यात्रियों को सुरक्षित निकाला

राज्य ब्यूरो, जागरण ● श्रीनगर

- अधिक ठंड के कारण बांडीपोरा में कई यात्रियों की बिगड़ी तबीयत
- पुलिस ने सीमा सड़क संगठन की मदद से चलाया बचाव अभियान

भद्रवाह-चंबा सड़क खुली

सर्दियों में बर्फबारी के कारण तीन माह से अधिक समय तक बंद रहने के बाद जम्मू-कश्मीर को हिमाचल प्रदेश से जोड़ने वाली 140 किमी लंबी रणनीतिक भद्रवाह-चंबा अंतरराज्यीय सड़क शनिवार को वाहनों के लिए फिर से खोल दी गई। अंतरराज्यीय संपर्क और पर्यटन क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण यह सड़क पिछले वर्ष 31 दिसंबर को भद्रवाह (डोडा) में भारी बर्फबारी के बाद बंद कर दी गई थी।

उत्तरी कश्मीरी में नियंत्रण रेखा के साथ सटे गुरेज (बांडीपोरा) में शुक्रवार रात को हिमपात में फंसे 30 वाहनों में सवार लगभग 190 यात्रियों के लिए पुलिस के जवान फरिश्ता साबित हुए। पुलिस कर्मियों ने बर्फबारी के बीच कड़ी मशक्कत कर वाहनों को सीमा सड़क संगठन की मदद से सुरक्षित स्थान पर पहुंचाकर सभी को बचा लिया। हिमपात में फंसे वाहनों में 12 गाड़ियां पर्यटकों की थी। जबकि 18 वाहन स्थानीय यात्रियों के थे। कश्मीर के उच्चपर्वतीय क्षेत्रों में बीते तीन दिन से रुक-रुककर हिमपात हो रहा है। हिमपात के कारण गुरेज-बांडीपोरा सड़क भी शनिवार को आम वाहनों की आवाजाही के लिए बंद रखी गई है।

संबंधित अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार दोपहर बाद हिमपात के चलते गुरेज-बांडीपो मार्ग पर राजधान दर्रे में लगभग 30 वाहन फंस गए। हिमपात के कारण सड़क पर फिसलन थी और उसमें वाहनों को चलाना पूरी तरह असुरक्षित था। यात्री देर शाम तक मौसम और सड़क में सुधार की उम्मीद में वहीं राजधान दर्रे में फंसे रहे। ठंड के कारण कुछ यात्रियों की तबीयत भी बिगड़ रही थी। एक वाहन चालक ने फोन से निकटवर्ती गुरेज थाने में संपर्क कर स्थिति की जानकारी दी।

जी20 सेटेलाइट अगले साल लांच होने की उम्मीद : इसरो प्रमुख

हैदराबाद, प्रेट्र : इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन ने शनिवार को कहा कि जलवायु और वायु प्रदूषण का अध्ययन करने तथा मौसम की निगरानी के लिए डिजाइन किए गए जी20 उपग्रह को 2027 में लांच किए जाने की उम्मीद है। इंजीनियरिंग स्टाफ कालेज आफ इंडिया में डीआरडीओ, इसरो और एयरोनाटिकल सोसायटी आफ इंडिया के विज्ञानियों को संबोधित करते हुए नारायणन ने यह भी कहा कि भारत पहला देश है जिसने एक ही राकेट से 100 से अधिक उपग्रहों को सफलतापूर्वक स्थापित किया है।

उन्होंने कहा, फिलहाल हम जी20 देशों के लिए जी20 उपग्रह पर भी काम कर रहे हैं, जिसमें भारत अग्रणी भूमिका निभा रहा है। हम 2027 तक इसका प्रक्षेपण करने जा रहे हैं। इसरो ने 34 देशों के 433 उपग्रहों के प्रक्षेपण सहित कई वाणिज्यिक मिशन पूरे किए गए। उन्होंने कहा कि इसरो 2040 तक चंद्रमा पर मानव मिशन की दिशा में काम कर रहा है।

बिहार में मां-बेटी से छेड़छाड़ में पूर्व कैबिनेट मंत्री के पुत्र समेत दो गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरनगर

- युवती ने घटना का वीडियो बनाकर किया प्रसारित
- भाजपा नेता के पुत्र व उसके दोस्त को मिली जमानत

प्रतीकात्मक

घर के बाहर टहल रही युवती और उसकी मां के साथ भाजपा नेता व पूर्व कैबिनेट मंत्री सुधीर कुमार बालियान के पुत्र व उसके दोस्त ने छेड़छाड़ कर दी। युवती ने घटना का वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित कर दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। सीओ राजू कुमार साव ने बताया कि दर्ज मुकदमे में सात वर्ष से कम की सजा का प्रविधान है, इसलिए आरोपितों को सिटी मजिस्ट्रेट की अदालत से जमानत मिल गई। भाजपा नेता सुधीर कुमार बालियान वर्ष 1991 और 1993 में खतौली सीट से भाजपा के टिकट पर विधायक रहे। भाजपा-बसपा गठबंधन वाली कल्याण सिंह सरकार में वह मंत्री बने थे। शुक्रवार देर शाम युवती अपनी मां के साथ टहल रही थी। तभी बालियान का पुत्र आर्यमान रघुवंशी अपने दोस्त शौर्य गुप्ता के साथ स्कूटी पर आया और युवती से छेड़छाड़ करने लगा। युवती और उसकी मां ने दोनों का वीडियो बनाते हुए छेड़छाड़ का विरोध किया। वीडियो में आरोपित युवकों ने कहा कि शराब पी रखी है, बताओ क्या करोगी? जाओ बुला लो पुलिस को। वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित होने पर पुलिस हरकत में आई। कई स्थानों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। देर रात आर्यमान व शौर्य को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। युवती के भाई की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है।

पुंछ में एलओसी के पास बारूदी सुरंग विस्फोट, सेना का जवान घायल

जासं, पुंछ : जम्मू संभाग के सीमावर्ती जिला पुंछ में नियंत्रण रेखा के नजदीक शनिवार को गश्त के दौरान बारूदी सुरंग के विस्फोट में सेना का एक जवान गंभीर रूप से घायल हो गया। जवान की गंभीर हालत को देखते हुए उसे राजौरी के सैन्य अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पुंछ के बालाकोट सेक्टर में सेना की एक टुकड़ी नियमित गश्त पर थी।

इसी दौरान जेके राइफल के हवलदार शिव सिंह का पांव गश्त मार्ग के पास बिछाई गई बारूदी सुरंग पर पड़ गया। इस दौरान जोरदार विस्फोट हुआ, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। साथी सैनिकों ने घायल जवान को तुरंत सैन्य मुख्यालय के चिकित्सा केंद्र में पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डाक्टरों ने उनकी हालत गंभीर पाते हुए राजौरी स्थित सैन्य अस्पताल भेज दिया।

उल्लेखनीय है कि नियंत्रण रेखा के पास सुरक्षा के लिहाज से बड़ी संख्या में बारूदी सुरंगें बिछाई जाती हैं, ताकि घुसपैठ की कोशिशों को रोका जा सके।

दैनिक जागरण

एक लड़ाई हारने का अर्थ पूरा युद्ध हारना नहीं होता

युद्धविराम पर संशय

ईरान के विदेश मंत्री की ओर से होर्मुज समुद्री मार्ग खोलने की घोषणा को 24 घंटे भी नहीं बीते थे कि ईरानी सेना ने उस पर फिर से अपना पहरा बैठाने का फैसला कर लिया। उसने इस कारण होर्मुज को फिर से बंद करने का फैसला किया, क्योंकि अमेरिका ईरानी बंदरगाहों की नाकाबंदी जारी रखने पर अड़ा है। साफ है कि पश्चिम एशिया संकट के मामले में कभी ईरान अपनी जिद पर अड़ता है तो कभी अमेरिका। जब युद्धविराम की शर्तों के तहत होर्मुज खोलने पर सहमति बन गई थी और उसका दायरा लेबनान तक प्रभावी हो जाने के बाद ईरान ने इस समुद्री मार्ग को पूरी तरह खोलने की घोषणा कर दी थी तो फिर अमेरिका को भी ईरानी बंदरगाहों की नाकाबंदी करने के अपने फैसले से पीछे हट जाना चाहिए था। तब तो और भी, जब अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान के फैसले का स्वागत किया और दोनों देश दूसरे दौर की शांति वार्ता करने की संभावनाएं भी टटोल रहे हैं। यह अमेरिका और ईरान के साथ पश्चिम एशिया के लिए ही आवश्यक नहीं है कि दो सप्ताह के अस्थायी युद्धविराम को स्थायी रूप दिया जाए, बल्कि विश्व समुदाय के लिए भी आवश्यक है, क्योंकि होर्मुज के बाधित होने के कारण विश्व भर में ऊर्जा संकट गहरा रहा है। वैसे तो इस समुद्री मार्ग के बाधित होने से सबसे अधिक भारत और अन्य एशियाई देश प्रभावित होते हैं, लेकिन इस मार्ग से तेल और गैस की आपूर्ति में कमी आने के नतीजे में उनके दाम बढ़ने का असर पूरे विश्व पर पड़ता है।

यह ठीक है कि अमेरिका ने रूसी तेल खरीदने की अनुमति एक माह के लिए और बढ़ा दी, लेकिन आखिर वह यह तय करने वाला होता कौन है कि किस देश से तेल-गैस खरीदा जा सकता है? अमेरिका अपने स्वार्थों के चलते किसी न किसी ऊर्जा संपन्न देश पर प्रतिबंध लगाता ही रहता है। ईरान, वेनेजुएला और रूस इसके उदाहरण हैं। इसके दुष्परिणाम संबंधित देश के साथ अन्य देश भी भोगते हैं। अमेरिका यह जो मनमानी करता है, उसे चुनौती दी जानी आवश्यक है। यह अच्छा है कि भारत रूस से तेल खरीद मामले में अमेरिका के रवैये की परवाह नहीं कर रहा है। भारत को न केवल अपने ऊर्जा हितों की रक्षा के लिए हरसंभव कदम उठाने चाहिए, बल्कि खुद को आर्थिक रूप से इतना सक्षम भी बनाना चाहिए कि अमेरिका किसी तरह का अनुचित दबाव न डालने पाए। अमेरिका और ईरान के बीच लागू अस्थायी युद्धविराम की अवधि जैसे-जैसे करीब आ रही है, उसके स्थायी रूप लेने पर वैसे-वैसे संशय बढ़ रहा है। इस नाजुक युद्धविराम को देखते हुए भारत को अपनी ऊर्जा सुरक्षा के लिए और अधिक सक्रियता दिखानी होगी। उसे न केवल ऊर्जा आयात के नए विकल्प तलाशने होंगे, बल्कि इसके लिए भी उपाय करने होंगे कि आयातित ऊर्जा पर निर्भरता कम कैसे हो।

किसानों को राहत

पंजाब में किसान गेहूं की फसल लेकर मंडियों में बैठे हैं, लेकिन खरीद नहीं हो रही। किसान मानकों में छूट चाहते हैं, क्योंकि पिछले दिनों वर्षा-ओलावृष्टि के कारण फसल को काफी नुकसान पहुंचा है। गेहूं के दाने का रंग भी बदला है। अब केंद्र सरकार का गेहूं खरीद के मानकों में छूट देना किसानों के लिए राहत भरा कदम है। ऐसा करना आवश्यक भी था, क्योंकि हरियाणा और राजस्थान में किसानों को छूट मिल चुकी थी। वैसे भी एक अनुमान के अनुसार बेमौसम वर्षा और ओलावृष्टि से सवा लाख एकड़ से अधिक फसल को नुकसान पहुंचा है। सरकार गिरदावरी करवा रही है और इसके पश्चात ही तय होगा कि किसानों को कितना मुआवजा मिलेगा। फिलहाल सरकार को मंडियों में गेहूं की खरीद शुरू करवानी चाहिए, ताकि वहां पिछले कई दिनों से फसल के साथ परेशान हो रहे किसानों को कुछ राहत मिले। कई मंडियों में एक लाख टन से अधिक फसल पहुंच भी चुकी है। यह भी सुनिश्चित करना आवश्यक है कि बारदाने की कोई कमी न रहे और लिफ्टिंग भी साथ-साथ होती रहे। इसके साथ ही सरकार उन किसानों की भी आर्थिक तौर पर मदद पहल के आधार पर करे, जिनकी फसल खेतों में ही आग के कारण नष्ट हो रही है।

सरकार उन किसानों की भी पहल के आधार पर मदद करे, जिनकी फसल आग की भेंट चढ़ रही है

फिर अटका महिला आरक्षण

संजय गुप्त

विपक्षी दल यह कह सकते हैं कि उन्होंने सरकार के इरादों पर पानी फेर दिया, पर उनके लिए जनता को यह समझाना कठिन होगा कि उन्होंने महिला आरक्षण की राह क्यों रोकी?

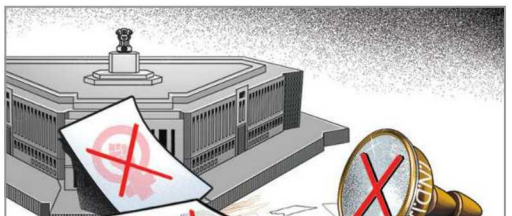

अवधेश राजपूत

मोदी सरकार ने संसद के विशेष सत्र में महिला आरक्षण लागू करने के लिए सभी राज्यों में 50 प्रतिशत लोकसभा सीटें बढ़ाए जाने का जो संविधान संशोधन विधेयक पेश किया, उसे वह विपक्ष के विरोध के कारण पारित नहीं कर सकी और दो तिहाई बहुमत के अभाव में वह गिर गया। इसी के साथ अगले आम चुनाव यानी 2029 से लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने की पहल ठंडे बस्ते में चली गई। ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि जहां प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस ने दक्षिण के क्षेत्रीय दलों जैसी संकीर्णता दिखाई तो सपा जैसे दलों ने महिला आरक्षण के भीतर ओबीसी, अल्पसंख्यक वर्गों की महिलाओं के लिए आरक्षण की मांग की। कांग्रेस एवं दक्षिण भारत के दलों और खासकर तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक ने ऐसे व्यवहार किया, जैसे किसी राज्य विशेष के हितों अथवा क्षेत्र विशेष की महिलाओं को आरक्षण देने के लिए संविधान संशोधन विधेयक लाया गया था। यह विधेयक तो समस्त राष्ट्र की महिलाओं को लोकसभा और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए था। एक लोकसभा सदस्य जब किसी बिल पर मतदान करता है तो राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखकर करता है, न कि राज्य विशेष के हितों को ध्यान में रखकर।

महिला आरक्षण विधेयक 2023 में इस प्रविधान के साथ पारित हुआ था कि उसे नई जनगणना के बाद होने वाले परिसीमन के उपरांत लागू किया जाएगा, लेकिन कोविड और फिर अन्य कारणों से 2021 में होने वाली जनगणना में देरी होती चली गई। अब वह शुरू हुई है। उसके नतीजे आने में समय लगेगा और फिर परिसीमन होते-होते 2029 बीतने के आसार हैं। इसके चलते महिला आरक्षण 2034 के लोकसभा चुनाव में लागू हो पाता। इसी कारण सरकार ने महिला आरक्षण शीघ्र लागू करने की पहल की। उसने इसके लिए लोकसभा सीटें बढ़ाने वाले 131वें संविधान संशोधन विधेयक के साथ परिसीमन से जुड़ा संशोधन विधेयक और केंद्रशासित प्रदेश संबंधी संविधान विधेयक पेश किया। चूंकि 131वां संविधान संशोधन विधेयक ही पारित नहीं हो सका, इसलिए सरकार के लिए अन्य दोनों विधेयक बेमानी हो गए।

मौजूदा लोकसभा सीटें 1971 की जनगणना के बाद हुए परिसीमन के तहत बढ़ी थीं। इसके बाद से वे यथावत हैं, क्योंकि परिसीमन कराकर लोकसभा सीटें बढ़ाने की पहल को फ्रीज कर दिया गया था। 1971 में भारत की आबादी करीब 55 करोड़ थी। अब 140 करोड़ हो चुकी है, पर लोकसभा सीटें 543 ही हैं। इसके चलते एक लोकसभा सदस्य को कहीं अधिक लोगों का प्रतिनिधित्व करना पड़ता है। कहीं-कहीं तो यह आबादी 45 लाख से भी अधिक है। परिसीमन फ्रीज करने का एक बड़ा कारण दक्षिण के राज्यों का यह तर्क था कि वे अपनी आबादी कम करने में सफल रहे हैं और यदि जनसंख्या के आधार पर परिसीमन होता है तो उत्तर भारत के मुकाबले लोकसभा में उनका प्रतिनिधित्व कम हो जाएगा, लेकिन प्रश्न यह है कि अब जब नई जनगणना के बाद परिसीमन होगा तो क्या उस समय वे यह जिद पकड़ेंगे कि वह जनसंख्या के आधार पर न हो? जो भी हो, विपक्षी नेता यह समझा नहीं सके कि उनका महिला आरक्षण से जुड़े विधेयक के विरोध के पीछे औचित्य क्या था? इस विधेयक के गिर जाने से विपक्षी दल यह कह सकते हैं कि उन्होंने सरकार के इरादों पर पानी फेर दिया, लेकिन उनके लिए जनता को यह समझाना कठिन होगा कि उन्होंने महिला आरक्षण क्यों नहीं लागू होने दिया? यह तय है कि महिला आरक्षण की पहल नाकाम हो जाने पर भाजपा विपक्ष के रवैये को राजनीतिक रूप से भुनाने की हरसंभव कोशिश करेगी और उन्हें महिला हित विरोधी करार देने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

कांग्रेस कुछ भी दावा करे, सच यह है कि उसकी बुनियाद कमजोर होती जा रही है। उसके पास इतनी सामर्थ्य नहीं और न ही उसका संगठन ऐसा है कि वह प्रस्तावित 816 सीटों पर सक्षम प्रत्याशी खड़े कर पाती और उन्हें सही से चुनाव लड़ा पाती। ध्यान रहे उसके मुकाबले भाजपा का संगठन कहीं अधिक सशक्त है। जब महिला आरक्षण लागू कराने के लिए विशेष सत्र बुलाने का फैसला किया गया होगा, तब मोदी सरकार को यह आभास अवश्य रहा होगा कि विपक्षी दल बाधा खड़ी करेंगे। सरकार इसके संभावित परिणामों का सामना करने के लिए तैयार होगी, अन्यथा वह जोखिम नहीं उठाती। उसने यह जोखिम इसीलिए उठाया ताकि नाकामी की स्थिति में उसे विपक्ष के खिलाफ नैरेटिव बनाने में आसानी हो। विपक्ष ने उसे यह मौका खुद ही दे दिया।

निःसंदेह महिलाओं के राजनीति में आने से राजनीतिक एवं प्रशासनिक स्तर पर सुधार होता। वैसे भी पंचायतों में उनकी भागीदारी से माहौल बदला है। प्रधान और पंचायत प्रमुख के रूप में वे बेहतर काम कर रही हैं। आखिर जब पंचायतों में महिलाओं की सीटें 50 प्रतिशत तक हो गई हैं तो लोकसभा और विधानसभाओं में उनके लिए 33 प्रतिशत स्थान क्यों नहीं आरक्षित हो सकते? विपक्ष का एक तर्क यह था कि सरकार चाहे तो मौजूदा लोकसभा सीटों में ही महिला आरक्षण लागू कर दे, लेकिन यदि ऐसी कोई पहल होती तो भी शायद विपक्ष पीछे हट जाता, क्योंकि उसके पुरुष सांसद इसके लिए तैयार नहीं होते। वास्तव में सभी राज्यों में लोकसभा की 50 प्रतिशत सीटें बढ़ाकर महिला आरक्षण लागू करने की पहल ही एक उपयुक्त तरीका था। लगता है विपक्ष ने यह ठान लिया था कि उसे हर हाल में महिला आरक्षण की पहल को पटरी से उतारना है। उसकी ओर से सरकार की पहल के विरोध में जो तर्क दिए गए, वे खोखले ही अधिक थे। दक्षिण के कई राजनीतिक दलों समेत अन्य क्षेत्रीय दलों ने अपने-अपने हित की तो बात की, लेकिन महिलाओं के हित की अनदेखी कर दी। पता नहीं क्यों क्षेत्रीयता की राजनीति करने वाले दल यह भूल जाते हैं कि जब कोई सांसद बनता है तो वह देश के संविधान की शपथ लेता है। इस शपथ में क्षेत्र विशेष का कोई महत्व नहीं होता। समझना कठिन है कि राष्ट्रीय महत्व के विधेयक पर क्षेत्रीय संकीर्णता का परिचय क्यों दिया गया? आखिर ऐसा तो है नहीं कि लोकसभा सदस्य राज्य या क्षेत्र विशेष के हितों की रक्षा के लिए निर्वाचित होते हैं। यह काम तो विधायकों के जिम्मे होता है। अच्छा होता कि विपक्ष इस अंतर को समझता।

response@jagran.com

अब इस संसार में बिन सर्वर सब सून

हास्य-व्यंग्य

अरुणेंद्र नाथ वर्मा

आज लोग एआइ से हर काम करवा रहे हैं, लेकिन यह उभरता खिलाड़ी भी बिना सर्वर की शक्ति के शक्तिहीन ही है

आधुनिक युग में इंसान ने पत्थर की मूर्तियों की जगह 'सर्वर' नाम का नया निराकार आराध्य खोज लिया है, जो उपासना स्थलों में नहीं, बल्कि वातानुकूलित परिसर में निवास करता है। इसकी महिमा निराली है। यह प्रसन्न हो तो आप एक क्लिक पर पूरी दुनिया खरीद सकते हैं और रूठ जाए तो अपने ही पैसे खर्चने के लिए तरस जाएं। आज का डिजिटल सत्य यही है कि सिस्टम रहेंगे, मगर सर्वर के बिना नहीं चलेंगे। सर्वर सरकारी कर्मचारी की तरह 'सिस्टम' का हिस्सा बन जाने के बाद अक्सर 'डाउन' ही रहता है। इसी सर्वर युग में एआइ के रूप में बड़ा खिलाड़ी उभरा है। चारों तरफ उसी का डंका है। लोग उससे कविताएं लिखवाने से लेकर कार तक चलवा रहे हैं, लेकिन यह खिलाड़ी भी बिना सर्वर की शक्ति के शक्तिहीन ही है।

सर्वर के बिना एआइ की हालत उस पहलवान जैसी है, जिसने मुगदर तो खूब भांजे, लेकिन उसके अखाड़े की मिट्टी गीली है। सर्वर डाउन होता है तो एआइ की सारी बुद्धिमत्ता धरी की धरी रह जाती है। बैंक का सर्वर डाउन हो तो वहां एक अजीब सा सन्नाटा पसर जाता है। सर्वर डाउन होने की सूरत में काउंटर पर बैठी महिला आपको ऐसे देखती है जैसे आप उसकी किडनी मांग रहे हों। 'मैडम, कैश जमा करना था' कहते ही वह बिना सिर उठाए कहती है कि 'सर्वर डाउन है।' ऐसे हालात में लोग घंटों बैठकर छत की कड़ियां गिनते हैं या मोबाइल में बिना इंटरनेट वाले गेम खेलते हैं। बैंक का सर्वर 'एडवांस' न मिलने से मुंह फुलाए हुए घरेलू नौकर की तरह जानता है उसके बिना पत्ता भी नहीं हिलेगा, इसलिए और भी अकड़कर बैठता है।

सर्वर का व्यवहार गोलगप्पे जैसा होता है, जिसे आप चाव से मुंह में रखते हैं, लेकिन फूटने की स्थिति में निकलने वाली रसधारा पसंदीदा कपड़े की रंगत खराब कर देती है। वहीं, स्वाद की यात्रा अगर कुशलतापूर्वक संपन्न हो जाए और भुगतान के समय सर्वर डाउन हो जाए तो जायके का जादू बिगड़ जाता है। असल में सर्वर कभी साफ मना नहीं करता। वह 'लोकतांत्रिक' तरीके से 'गो-स्लो' मोड अपनाता है तो स्क्रीन पर गोल चक्र कोल्हू के बैल की तरह घूमता ही जाता है। एक मशहूर फिल्मी संवाद की याद दिलाता है कि 'उसे लिक्विड आक्सीजन के टैंक में डाल दो, लिक्विड उसे जीने नहीं देगा, आक्सीजन उसे मरने नहीं देगी।' सर्वर उपभोक्ता को ऐसी ही 'तरल आक्सीजन' में डालता है। इंटरनेट कनेक्शन रहता है, लेकिन पेज नहीं खुलता और आप त्रिशंकु की तरह अधर में लटके रहते हैं।

इस संसार में सर्वर केवल दुख ही नहीं देता। 'अचानक मिली छुट्टी' का सुख भी देता है। आफिस का सर्वर डाउन होकर काम के बोझ से दबे कर्मचारियों के चेहरे पर वही नूर लाता है, जो चांद देखकर रोजेदारों के चेहरे पर आता है। बैंक काउंटर के आगे कतार में खड़े लोग भले ही परेशान हों, लेकिन काउंटर के पीछे उत्सव का माहौल होता है। स्वेटर बुनाई की गति बढ़ जाती है। टिफिन जल्दी खुल जाते हैं और एक सामाजिक पंचायत जुड़ जाती है। आनलाइन क्लास अटेंड करते बच्चे ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि 'हे प्रभु, आज वाईफाई का सर्वर ही उड़ा देना!' कुल मिलाकर, सर्वर का डाउन होना एक तरह का आध्यात्मिक अनुभव है। यह हमें याद दिलाता है कि हम चाहे कितने भी स्मार्ट हों, हमारी डोर अभी भी किसी अदृश्य 'सर्वर' के हाथ में ही है। हमें विधाता का संदेश देता है कि 'बेटा, बहुत दौड़ लिए, अब थोड़ी देर अपनी शर्ट पर गिरे गोलगप्पे की चटनी साफ करो।'

esponse@jagran.com

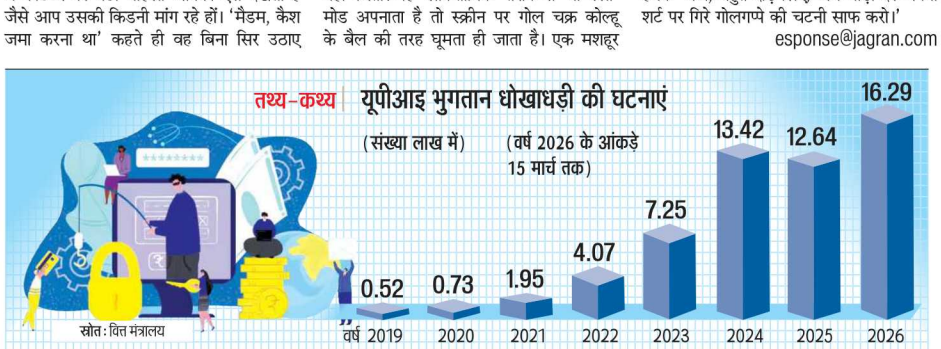

ऊर्जा

परहित

हमारा जीवन अनेक आयामों से जुड़ा है। उनमें एक महत्वपूर्ण पहलू परोपकार का भी है। यही मन की सच्ची संतुष्टि का आधार है और साथ ही धार्मिक वृत्ति का भी एक रूप है। दूसरों की भलाई से बड़ा कोई धर्म नहीं है। अपने हित के लिए तो संसार में सभी जीते हैं, परंतु जो दूसरों के लिए जीते हैं, वे जीवन का अमृत पाते हैं। जो व्यक्ति सदा दूसरों के हित का सोचता है, उसके जीवन के मूल गुण कभी क्षीण नहीं होते। वह परोपकार के वैभव से संपन्न और वास्तविक अर्थों में समृद्ध बना रहता है।

परोपकार एक ऐसी औषधि है, जिसके प्रभाव से ईर्ष्या, द्वेष और अहंकार जैसी प्रवृत्तियां स्वतः समाप्त हो जाती हैं। अपने सुख-सुविधाओं के लिए तो हर कोई प्रयास करता है, किंतु जो दूसरों के लिए जीता है, उस पर ईश्वर भी अपनी करुणा बरसाते हैं। शास्त्रों के अनुसार भी परसेवा हमारे जीवन की पवित्र कमाई है। अपनों की सेवा करना सामान्य बात है, किंतु पीड़ित मानवता की निष्काम सेवा ही वास्तविक कमाई है। सृष्टि में केवल मनुष्य को ही ऐसा संवेदनशील मन प्राप्त हुआ है, जिसमें सहानुभूति का कमल खिल सकता है। अतः हमें इसका सदुपयोग करना चाहिए, जिससे अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हों। जब हम किसी की निःस्वार्थ भाव से सहायता करते हैं तो हमारा हृदय भी विशाल होता जाता है। इससे अद्भुत आंतरिक शांति और आनंद की अनुभूति होती है। अतः आवश्यक है कि हम अपनी क्षमता, ज्ञान और प्रतिभा का उपयोग दूसरों की सेवा और भलाई के लिए करें। जीवन में परोपकार अमूल्य संपदा है। परोपकार करके हम जीवन में नई उमंग, उत्साह और आनंद के रंग भर सकते हैं। इसलिए हमें कभी भी भलाई के कार्य को छोटा नहीं समझना चाहिए। निष्काम भाव से किए गए ये कर्म भले ही अदृश्य हों, किंतु उनका फल अत्यंत महान होता है।

प्रदीप छाजेड़

दो बड़े ब्लैकहोल में भिड़ंत की आशंका

मुकुल व्यास

करीब 50 करोड़ प्रकाश वर्ष दूर एक आकाशगंगा में दो सुपरमैसिव ब्लैकहोल आपस में मिल सकते हैं

करीब 50 करोड़ प्रकाश वर्ष दूर एक आकाशगंगा में दो सुपरमैसिव ब्लैकहोल आपस में मिल सकते हैं, जिससे पूरे ब्रह्मांड में गुरुत्वाकर्षण तरंगें फैल जाएंगी। इस टक्कर का असर पृथ्वी पर भी महसूस होगा। सुपरमैसिव ब्लैकहोल ब्रह्मांड के सबसे विशाल और रहस्यमयी पिंड हैं, जिनका द्रव्यमान लाखों-अरबों सूर्यों के बराबर होता है। ये आमतौर पर हमारी मिल्की वे आकाशगंगा सहित लगभग हर बड़ी आकाशगंगा के केंद्र में स्थित होते हैं और अपने तीव्र गुरुत्वाकर्षण से सितारों एवं गैस को निगलते हैं। ब्लैकहोल ब्रह्मांड के ऐसे बिंदु हैं जहां गुरुत्वाकर्षण इतना प्रबल होता है कि वहां से कुछ भी बाहर नहीं जा सकता। वहां से न तो चट्टानें और न ही गैसें बाहर निकल सकती हैं। वहां से प्रकाश भी बाहर नहीं आ सकता।

खगोलविदों ने प्रकाश-उत्सर्जित करने वाले ब्लैकहोल का एक ऐसा अनोखा जोड़ा खोज निकाला है, जो एक जबरदस्त टक्कर की ओर तेजी से बढ़ रहा है। यह हमारे सौरमंडल से लगभग 50 करोड़ प्रकाश-वर्ष दूर स्थित है। शायद 100 साल से भी कम समय में उनकी टक्कर हो सकती है। खगोलविदों को उम्मीद है कि टकराने के बाद एक ही ब्लैकहोल बचेगा। ब्लेजार ब्रह्मांड में मौजूद सबसे चमकदार खगोलीय पिंडों में गिने जाते हैं। इन्हें 'सक्रिय आकाशगंगा नाभिक' के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। ये आकाशगंगा के ठीक बीच में स्थित ऐसे पिंड होते हैं, जो लगातार ऊर्जा ग्रहण करते रहते हैं। यानी सक्रिय रहते हैं। आमतौर पर इन्हें किसी सुपरमैसिव ब्लैकहोल से ऊर्जा मिलती है। ये अक्सर पृथ्वी की ओर उच्च-ऊर्जा वाले विकिरण की तेज धाराएं अथवा जेट छोड़ते हैं। आमतौर पर इस तरह की ऊर्जा-धारा का स्रोत आकाशगंगा के केंद्र में स्थित ब्लैकहोल ही होता है, लेकिन मार्केरियन 501 नामक आकाशगंगा में मौजूद ब्लेजार के मामले मे कुछ बातें मेल नहीं खा रही थीं।

वर्षों तक खगोलविदों ने रेडियो टेलीस्कोप डाटा का इस्तेमाल करके जेट के अलग-अलग दिशाविन्यास देखे थे, जिससे यह तय करना मुश्किल हो गया था कि क्या इसके केंद्र में सचमुच कोई सुपरमैसिव ब्लैकहोल मौजूद है। इसका जवाब देने के लिए शोधकर्ताओं ने अमेरिका स्थित 'वेरी लांग बेसलाइन ऐरे' टेलीस्कोप नेटवर्क के 83 डाटासेट का विश्लेषण किया। नतीजों से पता चला कि एक दूसरा जेट भी था, जो ब्लेजार के केंद्र के चारों ओर वामावर्त दिशा में घूम रहा था। शोधकर्ताओं का मानना है कि ये ब्लैकहोल टकराने के बाद गुरुत्वीय तरंगें छोड़ेंगे। ये तरंगें उन तरंगों से भी ज्यादा शक्तिशाली हो सकती हैं, जो पहले अध्ययन किए गए ब्लैकहोल के विलय से उत्पन्न हुई थीं। अगर ऐसा होता है तो पृथ्वी पर मौजूद गुरुत्वीय तरंग डिटेक्टर इन संकेतों को पकड़ लेंगे, जिससे ब्लैकहोल की मूल जोड़ी की विशेषताओं के बारे में नए सुराग मिल सकेंगे।

(लेखक विज्ञान के जानकार हैं)

प्रोटोकाल में पसोपेश

राजनीति में बड़े और प्रभावशाली नेताओं के करीब पहुंचकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराना स्वाभाविक माना जाता है। ऐसे अवसर को कोई भी नेता छोड़ना नहीं चाहता। मगर कभी-कभी यही अवसर असमंजस भी पैदा कर देते हैं। यह हाल ही में देखने को मिला। संसद के विशेष सत्र के पहले दिन भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन राज्यसभा की सदस्यता ग्रहण करने के लिए पहुंचे। सांसदों की उपस्थिति वहां स्वाभाविक थी, किंतु संगठन के कुछ पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी पास बनवाकर पहुंच गए। मकर द्वार के सामने कतारबद्ध होकर अध्यक्ष के स्वागत और परिचय का क्रम चल ही रहा था कि उसी समय सरकार के एक कद्दावर मंत्री भी वहां पहुंच गए। ऐसे नेता, जिनसे मिलकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराना शायद ही कोई छोड़ना चाहता हो। अब स्थिति यह थी कि सामने अध्यक्ष और पीछे वह दिग्गज नेता खड़े थे। कई सांसद और कार्यकर्ता इस असमंजस में दिखे कि वे अध्यक्ष के सामने ही बने रहें या पीछे जाकर वरिष्ठ नेता का अभिवादन करें। हालांकि यह उलझन तब समाप्त हो गई, जब वह दिग्गज मंत्री स्वयं संसद भवन में प्रवेश से पहले अध्यक्ष को बधाई देने के लिए रुक गए और वहां उपस्थित सांसदों तथा कार्यकर्ताओं का भी अभिवादन स्वीकार किया।

होर्मुज यानी...

पिछले डेढ़ महीने में होर्मुज शब्द वैश्विक स्तर पर अत्यंत चर्चित हो गया है। इसका इतना उल्लेख हुआ कि अब बच्चे भी इससे परिचित हो चुके हैं। लगभग डेढ़ महीने तक इसके बंद रहने की स्थिति ने विश्व के लिए संकट की स्थिति उत्पन्न कर दी। पिछले कुछ दिनों में कभी इसके खुलने की खबरें सामने आईं तो कभी यह संकेत मिला कि अभी भी कुछ बाधाएं बनी हुई हैं। ईरान ने इसे खोलने की घोषणा की, वहीं अमेरिका ने अपनी सतर्कता बनाए रखने की बात कही। ऐसे परिदृश्य में अब होर्मुज शब्द सामान्य बोलचाल में भी रूपक के रूप में प्रयुक्त होने लगा है। इसका अर्थ अब बहुआयामी होता जा रहा है-कभी किसी अत्यंत दुरूह मार्ग के लिए तो कभी जटिल और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के लिए। उदाहरणस्वरूप एक केंद्रीय अधिकारी ने अनौपचारिक चर्चा में यह तक कहा कि गलत तरीके से की जा रही टोल वसूली को भी 'होर्मुज' की संज्ञा दी जा सकती है। यद्यपि ऐसे संवाद व्यक्तिगत होते हैं, फिर भी जिस प्रकार यह शब्द प्रचलन में आया है, उससे यह संकेत मिलता है कि धीरे-धीरे इसे एक मुहावरे के रूप में भी स्वीकार किया जा सकता है।

राजरंग

शुभ पीला

निजी आस्था और विश्वासों को लेकर राजनीतिज्ञों की संवेदनशीलता अक्सर अधिक होती है। इसकी झलक शनिवार को कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा की पहली प्रेस कांफ्रेंस में देखने को मिली। उनकी यह प्रेस कांफ्रेंस परिसीमन संबंधी संविधान संशोधन विधेयक के लोकसभा में गिरने के बाद पक्ष-विपक्ष में चल रही सियासी हलचल के संदर्भ में थी। हालांकि इस दौरान एक दिलचस्प पहलू यह रहा कि प्रियंका गांधी वाड्रा बेहद सहज अंदाज में गाढ़े पीले रंग की साड़ी पहनकर पार्टी मुख्यालय, 24 अकबर रोड पहुंचीं। भारतीय संस्कृति में किसी नए कार्य की शुरुआत के समय वस्त्रों और उनके रंगों का विशेष महत्व माना जाता है, जिसकी परंपरा सदियों पुरानी है। ऐसे में उनके इस चयन को भी इसी संदर्भ में देखा गया। इसके अतिरिक्त पीले वस्त्र धारण करने की एक व्यक्तिगत वजह भी थी, जिसे उन्होंने स्वयं साझा किया। पत्रकारों के सवालों के लिए सीमित समय होने का उल्लेख करते हुए उन्होंने मुस्कुराकर कहा कि आज उनके पति का जन्मदिन है, और ऐसे शुभ अवसर पर उन्हें कुछ समय देना स्वाभाविक है।

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त. पूर्व प्रधान संपादक-स्व.नरेन्द्र मोहन. नॉन एजीक्यूटिव चेयरमैन-महेन्द्र मोहन गुप्त. प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग,रफी मार्ग, नई दिल्ली-110001 से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा-201309 से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई/रेल शुल्क ₹-2 अतिरिक्त।

1.5 करोड़ से अधिक बांग्लादेशी घुसपैठिये हैं भारत के विभिन्न क्षेत्रों में, जिनमें से अधिकांश बंगाल और असम समेत देश के पूर्वी राज्यों में हैं, अनुमानित रूप से।

आजकल

अनंत विजय
anant@nda.jagran.com

घुसपैठ की समस्या और हिंदी साहित्य

पूर्वी भारत में बांग्लादेशी घुसपैठियों की समस्या गहराने के बाद असम, बिहार और बंगाल के हालिया विधानसभा चुनावों में यह चुनावी मुद्दा भी बना है। घुसपैठ की समस्या का उल्लेख हिंदी साहित्य में भी दर्ज है। वस्तुत: आज से 50-60 साल पहले पूर्वी भारत में बड़ी संख्या में बांग्लादेशी मुस्लिम घुसपैठिये जगह-जगह बस गए और उन्हें राजनीतिक संरक्षण भी मिला। इससे यह समझा जा सकता है कि वर्तमान में गहरी हो चुकी है इस समस्या का उल्लेख बहुत पहले हिंदी साहित्य में किया गया था

बांग्लादेश से आने वाले मुस्लिम घुसपैठियों के कारण बंगाल और असम के कई जिलों में इनकी संख्या बहुत बढ़ गई है। फाइल

हाल में असम विधानसभा का चुनाव संपन्न हुआ है। बंगाल में विधानसभा चुनाव का प्रचार जारी है। इसके पहले बिहार विधानसभा का चुनाव हुआ था। इन तीन विधानसभा चुनावों के दौरान घुसपैठिए शब्द पर बहुत राजनीति हुई। बंगाल में तो मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) की घोषणा के बाद से ही राजनीतिक दलों के बीच बांग्लादेशी मुस्लिम घुसपैठियों को लेकर बयानबाजी आरंभ हो गई थी। बांग्लादेशी मुस्लिम घुसपैठियों की पहचान और उन्हें राज्य से बाहर करने को भाजपा ने चुनावी मुद्दा बना लिया है। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी अपने भाषणों में घुसपैठियों को लेकर केंद्र की सरकार को ललकारती नजर आती हैं। असम में एसआइआर के पहले और उसके बाद भी बांग्लादेशी घुसपैठिए चुनावी मुद्दा बना था। इस तरह के समाचार बंगाल और असम से आते ही रहे हैं।

इन समाचारों को पढ़ने के बाद मन में विचार आया कि देखा जाए घुसपैठिए की समस्या को हिंदी साहित्य ने किस तरह से अपनी रचनाओं में दर्ज किया है। दिमाग में सबसे पहला नाम कुबेरनाथ राय का आया। कुबेरनाथ राय ने असम में शिक्षण कार्य करते हुए देश-दुनिया के विषयों पर लिखा। कुबेरनाथ राय ने 1960-70 में नक्सलियों और उनके समर्थकों पर प्रहार किया। भारतीय पौराणिक प्रतीकों को अपने लेखों में उपयोग किया कि जो पाठकों को आनंद देते हैं। उनके निबंध संग्रहों को पलटने लगा। भारतीय ज्ञानपीठ से प्रकाशित कुबेरनाथ राय का एक निबंध संग्रह है- गंधमादन। इस संग्रह में एक निबंध है 'कजरीबन में जीवहंस'। इसकी पहली पंक्ति से प्रतीत होता है कि यह 1969 में लिखा गया था। इसमें वह लिखते हैं- उन्नीस सौ सत्तर का युवा वर्सात अभी कुछ दूर है, पर उसकी नक्सलपंथी लौह मृदंग की टंकार सुनकर यह वर्ष उनहत्तर का जर्जर-पाण्डुर बूढ़ा हेमंत और ठंडा पड़ गया है।

यहां बात बांग्लादेशी घुसपैठियों की हो रही थी। कुबेरनाथ राय ने अपने इस निबंध में उसका बहुत ही तार्किक वर्णन किया है। यह भी बताया है कि किस तरह से बांग्लादेशी मुसलमान असम में घुसते हैं और फिर यहां खेती-किसानी के नाम पर अपना स्थायी अड्डा बना लेते हैं। 'कजरीबन में जीवहंस' में राय लिखते हैं- 'असम में कई लाख अनुप्रवेशकारी आ गए हैं, उनमें ज्यादा तादाद इन्हीं यायावर मुसलमान कृषकों की है। ये फर्जी नाम से या किसी स्थानीय मुसलमान के नाम से जमीन का बंदोबस्त सरकारी दफ्तरों से करा लेते हैं और कभी-कभी यों ही दखल करके पाट, सनई, धान, कलाई, आलू और सरसों की फसल उगा लेते हैं। नई मिट्टी के कारण फसल भी बड़ी जानदार होती है। इधर असम मंत्रिमंडल और सुरक्षा विभाग कुछ कड़ा पड़ा है तो धीरे-धीरे यहीं के बाशिंदे हो रहे हैं और कभी इस राजनीतिक दल से तो कभी उस दल की मदद से मतदाता सूची में आ जाते हैं।'

अब अगर हम कुबेरनाथ राय की 1969 में लिखी इन बातों को ध्यान से देखें तो यह स्पष्ट होता है कि राजनीतिक दलों की मदद से बांग्लादेशी (तब पूर्वी पाकिस्तान) मुसलमान भारत की मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करवाने में कामयाब होते रहे हैं। कुबेरनाथ राय सिर्फ मतदाता सूची में नाम दर्ज करवाने तक ही नहीं रुकते हैं, उसको राजनीतिक सिद्धांतों की कसौटी पर भी कसते हैं। वह आगे लिखते हैं कि भारतीय कम्युनिस्टों की भावना है कि कम्युनिज्म का प्रधान शत्रु है हिंदुवाद, अतएव भावी लड़ाई में मुसलमान बड़े काम की चीज साबित होगा। उधर कांग्रेस के केंद्रीय कर्णधारों की धारणा है कि कम्युनिज्म के खिलाफ मोर्चा तभी जीता जा सकता है जब मुसलमान हाथ में रहें- हिंदू तो वामपंथी होता जा रहा है। पर साधारण मुसलमान किसी प्रतिबद्धता का कायल नहीं। वह अपनी लाभ-हानि ही देखता है और संप्रदाय की लाभ-हानि भी कुछ देखता है- इससे आगे और कुछ नहीं। चाहे जो हो ये यायावर मुसलमान बड़े परिश्रमी होते हैं। विशेषतः इनकी औरतें बहुत खटती हैं। एक-एक मुसलमान तीन-चार शादियां रखता है, मौज से तंबाकू पीता है, पान खाता है, केश सजाता है और उसमें जो नई रहती है उसके साथ सोता है- शेष को प्राचीनकाल के गुलामों की तरह खटना और खाना है।... फातिमा की दीदी का पति भी ऐसे ही यायावर परिवार से आया है जो अब इस नदी के किनारे दस-बारह साल से बस गए हैं। घर-द्वार बनाकर स्थायी बाशिंदे हो गए हैं।

कुबेरनाथ राय शब्दों के चयन में बेहद सजग लेखक के तौर पर जाने जाते हैं। उनकी उक्त टिप्पणी से स्पष्ट है कि किस तरह से बांग्लादेशी मुसलमान असम में आते थे और राजनीतिक दलों की मदद से मतदाता सूची में स्थान बनाते थे। राजनीतिक दल बांग्लादेशी मुसलमानों को अपनी विचारधारा को मजबूत करने के लिए उपयोग में लाते रहे हैं। यहां वह यह भी स्पष्ट करते हैं कि मुसलमान किसी प्रतिबद्धता का कायल नहीं है, बल्कि वह अपने व्यक्तिगत लाभ को प्राथमिकता देता है। कुबेरनाथ राय का यह निबंध भले ही साहित्यिक हो, लेकिन इसमें जिस तरह से उन्होंने बांग्लादेशी मुसलमानों की असम में घुसपैठ, उनकी जीवनशैली और फिर यहां के स्थायी निवासी बनने के तरीकों को उजागर किया है, वह बेहद सटीक प्रतीत होता है। वामपंथियों की राजनीति पर कुबेरनाथ राय 1969 में प्रहार कर रहे होते हैं, जबकि उस समय नक्सलियों को लेकर एक रोमांटिसिज्म अकादमिक और बौद्धिक जगत में रेखांकित किया जा सकता है। यह अकारण नहीं है कि वामपंथी इकोसिस्टम ने बहुत कायदे से कुबेरनाथ राय जैसे भारतीय परंपरा और पौराणिक ग्रंथों से प्रतीकों को उठाकर समकालीन स्थितियों पर लिखने वाले लेखक को किनारे लगाने का कुत्सित खेल खेला। खैर... ये इस लेख का विषय नहीं है। उक्त लेख में कुबेरनाथ राय की एक और पंक्ति है जो ध्यान खींचती है। वह लिखते हैं, मैमनसिंह बांग्लादेश का एक जिला है। ये मैमनसिंहिया मुसलमान कहीं भी अच्छी मिट्टी वाली जमीन पाकर खेती करने लगते हैं। कानूनी या गैर-कानूनी दखल द्वारा लावारिस जमीन पर खरपतवार की एक बस्ती आनन-फानन में तैयार कर डालते हैं।

आज मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण हो रहा है। घुसपैठियों को देश से बाहर निकालने पर गृह मंत्री अमित शाह अडिग नजर आते हैं। असम में भी विधानसभा चुनाव में ये मुद्दा बना था तो इसके पीछे राजनीति नहीं, बल्कि देश की मतदाता सूची को शुद्ध करने का उपक्रम ही नजर आता है। कहा जाता है कि साहित्य अपने समय को भी दर्ज करता हुआ चलता है। कभी यथार्थ के चित्रण के तौर पर तो कभी गल्प का छौंक लगाकर। कुबेरनाथ राय ने तो अपने निबंध 'कजरीबन में जीवहंस' में यात्रा, प्रकृति और समाज के बहाने मुसलमानों के भारत में घुसपैठ के तरीकों और राजनीतिक दलों की मतदाता सूची को दूषित करने की युक्ति को व्यापक रूप से उजागर किया है। देश मुस्लिम घुसपैठ की समस्या को लंबे समय से झेल रहा है और अब समय आ गया है कि उस पर सख्त एक्शन हो। भारत की जनता संविधानसम्मत तरीके से अपने नीतिनिर्धारकों का चुनाव करे।

खरी खरी

संवैधानिक ढंग से उठाई आवाज

भूपेंद्र भारतीय

मेरी कोशिश रहती है कि जब भी किसी तरह की कोई आवाज उठाऊं तो वह संवैधानिक ढंग से हो। लेकिन क्या पता किसी न किसी की मानहानि हो ही जाती है, जबकि मेरा मन कभी किसी की मानहानि नहीं करना चाहता है। आखिर मैं अपने मन की बात से किसी के मान को हानि पहुंचाने वाला होता कौन हूं? मैं ठहरा एक आम आदमी। प्रतिदिन किसी न किसी लाइन में खड़े रहने वाला। भीड़ का सक्रिय सदस्य। मैं तो केवल अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाता हूं।

विगत दिनों मैंने एक मंच से बस इतना कह दिया कि भ्रष्टाचार दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है। बस फिर क्या था! कितनों का ही लोकतंत्र नाराज हो गया। उन्होंने इसे अपनी मानहानि मान लिया। संविधान पर बात आ गई। बाबा साहब को बीच में ले आए। बताओ, इसमें किसकी मानहानि हुई? भला संविधान ने सबको अपनी-अपनी बात कहने का अधिकार दिया है, फिर किसी को किसी की बात से नाराज नहीं होना चाहिए।

हम देखते हैं आजकल लोग संविधान की आड़ में खूब आवाज उठाते हैं। सबके अपने ढंग हैं। कोई अपनी गाय को सड़क पर खुला छोड़कर उठाता है, तो कोई सड़क पर गलत दिशा से अपनी कार चलाकर आवाज उठाता है। आखिर सबको संविधान ने एक संवैधानिक आवाज उठाने का ढंग दिया है। मैं उसे सड़क पर कचरा फेंककर उठाऊं या फिर ऊंची आवाज में डीजे बजाकर उठाऊं-यह मेरा अपना-अपना ढंग! आखिर संविधान ने मुझे यह ढंग दिया है। मैं इसका उपभोग क्यों नहीं करूं? बड़े अधिकारी तो इस ढंग की आड़ में कितनी ही ग्रांट डकार जाते हैं और बड़े ढंग की ऊंची आवाज उठाते हैं। नेता संसद की आड़ में आवाज उठाते हैं और अपने क्षेत्र में कोलाहल मचा देते हैं। फिर मैं संवैधानिक ढंग से थोड़ी बहुत आवाज क्यों नहीं उठा सकता हूं? मेरे पास यह संवैधानिक ढंग का ही अधिकार बचा है, नहीं तो मैं अपने घर में भी चूं तक नहीं कर सकता हूं। घर के बाहर की तो बात ही अलग है।

अच्छा हुआ बाबा साहब संविधान बना गए। वरना तो मैं एक ढंग की संवैधानिक आवाज नहीं उठा सकता था। संवैधानिक आवाज उठाने के नाम पर आंदोलनों में नहीं जा सकता था। हमें निरंतर संवैधानिक ढंग से अपनी आवाजें उठाते रहना चाहिए। जो भी सार्वजनिक व सरकारी संपत्ति मिले, उसे ज्यादा से ज्यादा उपभोग व जल्दी से जल्दी कब्जा कर लेना चाहिए। आखिर यह भी एक संवैधानिक ढंग है, राष्ट्र की संपत्ति में हमारे अधिकार का। हम इसे ढंग से क्यों न उठाएं? इन दिनों तो इंटरनेट मीडिया ने हमारे इस अधिकार का और विस्तार कर दिया है। हम बिस्तर में पड़े-पड़े इस ढंग का उपयोग कर समाज में क्रांति ला सकते हैं और कितने ही युवा रील बनाकर इंटरनेट मीडिया पर क्रांति ला रहे हैं। गजब की संवैधानिक आवाज उठ रही है। युवा सातवें आसमान में पर हैं। धरती पर पांव रखना अब उनकी शान के खिलाफ है। कभी पांव रखने की जरूरत होती भी है तो वोटजीवी प्रजाति उनके लिए फट से बढ़िया कालीन बिछा देती हैं। आखिर युवाओं की आवाज का लाभ कौन नहीं लेना चाहता है। और फिर यह तो संवैधानिक ढंग से उठाई जाने वाली आवाजें होती हैं जो लोकतंत्र के स्वास्थ्य के लिए शुभ मानी जाती हैं।

इसलिए कहता हूं जिसे भी, जहां संवैधानिक ढंग की आवाज उठाने का अवसर मिले, उसे उठाना चाहिए, फिर वह सरकारी धन हो, ठेकेदारी हो, भ्रष्टाचार हो, सरकारी लापरवाही हो, कालाबाजारी, न्यायपालिका की लेटलतीफी हो, भू-माफिया हो...! संवैधानिक अधिकारों की आड़ में इन क्षेत्रों में निरंतर संवैधानिक ढंग से आवाज उठाकर शुभ-लाभ करते रहना चाहिए!

(लेखक व्यंग्यकार हैं)

पोस्ट

लोकसभा में आधी से अधिक महिला सदस्य राजनीतिक परिवारों से आती हैं। जब पहले से ही उन्हें मजबूत राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है तो उनके लिए सीटों का आरक्षण क्यों आवश्यक है?
तवलीन सिंह@tavleen_singh

मोदी-शाह जोड़ी कोई मैच हारने के लिए जानबूझकर खेले, ऐसा मुझे लगता नहीं। बिल पर उनके पास नंबर नहीं हैं, उन्हें ये तो पता ही होगा। फिर असल गेम क्या है?
अखिलेश आनंद@akhileshanandd

पक्ष और विपक्ष दोनों के पास खुश होने का मौका है। भाजपा विधेयक की नाकामी का ठीकरा विपक्ष पर फोड़ते हुए राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश करेगी तो विपक्ष को यह खुशी मिली होगी कि विधेयक को गिराने के लिए सभी विपक्षी दल एकजुट हो गए। यह तो समय ही बताएगा कि नैरेटिव की इस लड़ाई में कौन जीतेगा?
पल्लवी घोष@_pallavighosh

आइपीएल में जसप्रीत बुमराह लगातार पांच मैचों में एक भी विकेट नहीं ले पाए। क्रिकेट सच में अनिश्चितताओं का खेल है।
डोड्डा गणेश@doddaganesha

सीटें बढ़तीं, महिला आरक्षण होता तो महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ने के साथ एससी-एसटी, ओबीसी और मुस्लिम सभी का प्रतिनिधित्व बढ़ता, लेकिन मोदी विरोध में सबका नुकसान कर दिया।
हर्ष वर्धन त्रिपाठी@MediaHarshVT

जागरण जनमत — कल का परिणाम

महिला आरक्षण का विरोध करने वाले दलों को राजनीतिक नुकसान हो सकता है?

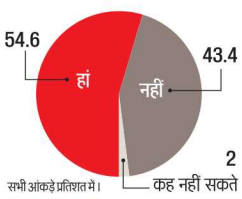

सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल

क्या महिला आरक्षण संबंधी संशोधन विधेयक का पारित न हो पाना मोदी सरकार के लिए एक बड़ा झटका है?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

संसद में अब चल रहा केवल 'पप्पूवाद',
राहुल जी के चुटकुले रहें सदा आबाद।
रहें सदा आबाद समझ में भले न आएं,
पीछे बैठे लोग तालियां खूब बजाएं।
हो चर्चा गंभीर गए अब तो वे दिन लद,
लोग लतीफा मार चलाना चाहें संसद!
- ओमप्रकाश तिवारी

रचनाकर्म

जैसी कथनी वैसी करनी

ब्रजबिहारी

यह पुस्तक डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के उन संघर्षों की कहानी है, जिनसे देश की राजनीति में भारतीयता से प्रेरणा लेकर वह विकल्प मिला, जो जनसंघ से शुरू होकर भाजपा के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है...

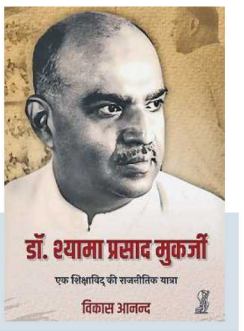

पुस्तक : श्यामा प्रसाद मुकर्जी : एक शिक्षाविद् की राजनीतिक यात्रा
लेखक : विकास आनन्द
प्रकाशक : वाणी प्रकाशन
मूल्य : 399 रुपये

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आज सत्ता के जिस शिखर पर विराजमान है, उसे यहां तक पहुंचाने में जिन महानुभावों, महात्माओं और मनीषियों ने अमिट योगदान दिया है, उनमें डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी अग्रणी हैं। भाजपा जिस विरासत को लेकर आगे बढ़ रही है, उसकी नींव जनसंघ के रूप में डा. मुखर्जी जैसे दूरदर्शी नेतृत्वकर्ता ने ही रखी थी। दिल्ली विश्वविद्यालय के अरबिंदो कालेज में राजनीति शास्त्र के एसोसिएट प्रोफेसर विकास आनंद की पुस्तक 'श्यामा प्रसाद मुकर्जी : एक शिक्षाविद् की राजनीतिक यात्रा' इस विलक्षण व्यक्तित्व को समझने और उनसे सीखने में निश्चित रूप से सहायक सिद्ध होगी।

यह पुस्तक डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के उन संघर्षों की कहानी है, जिनसे देश की राजनीति में भारतीयता से प्रेरणा लेकर एक नया विकल्प मिला। ऐसा विकल्प, जो जनसंघ से शुरू होकर भाजपा के रूप में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा रहा है। डा. मुखर्जी एकमात्र ऐसे नेता थे, जिन्होंने न केवल स्वतंत्रता से पहले देश के लिए संघर्ष किया, बल्कि उसके बाद देश की एकजुटता के लिए प्राण दिए। उनका जीवन देश की अखंडता के लिए समर्पित था।

बंगाल के प्रतिष्ठित ब्राह्मण परिवार में जन्म लेने वाले डा. मुखर्जी विलक्षण प्रतिभा के धनी थे। कड़े परिश्रम और अकादमिक उत्कृष्टता के कारण वह मात्र 33 वर्ष की आयु में ही कलकत्ता विश्वविद्यालय के सर्वाधिक अल्पवय के कुलपति बने। वे चाहते तो अपनी अकादमिक उपलब्धियों से संतुष्ट रहते हुए जीवन यात्रा पूरी कर लेते, लेकिन उन पर बंगाल के राष्ट्रवादी आंदोलन की गहरी छाप पड़ चुकी थी। वे स्पष्ट देख रहे थे कि कांग्रेस की तुष्टीकरण की राजनीति भविष्य में देश के लिए घातक साबित होगी। कांग्रेस की कथनी और करनी के बीच बढ़ती खाई को देखते हुए उन्होंने पार्टी से इस्तीफा दे दिया और जनसंघ की स्थापना की, जिसकी विचारधारा में कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं था।

शुरुआत में डा. मुखर्जी राजनीति में नहीं आना चाहते थे, लेकिन जब फजलुल हक के नेतृत्व वाली बंगाल की मुस्लिम लीग सरकार ने माध्यमिक शिक्षा विधेयक प्रस्तुत किया तो उन्हें महसूस हुआ कि अब स्वयं को केवल अकादमिक क्षेत्र तक सीमित रखने से काम नहीं चलेगा। इस विधेयक के माध्यम से माध्यमिक शिक्षा को कलकत्ता विश्वविद्यालय के नियंत्रण से हटाकर एक नए बोर्ड के अंतर्गत लाने का प्रस्ताव था। उन्हें लगा कि यह विधेयक शिक्षा को दलीय और सांप्रदायिक राजनीति का खिलौना बना देगा। ऐसी परिस्थिति में उन्होंने जनता के बीच जाकर जनमत तैयार करने की आवश्यकता समझी।

डा. मुखर्जी बहुत ही प्रभावशाली वक्ता थे। प्रस्तुत पुस्तक में डा. मुखर्जी के जीवनवृत्त के अलावा बंगाल विधान परिषद और लोकसभा में उनके भाषणों को भी स्थान दिया गया है। स्वतंत्रता के बाद देश के सामने उभरी चुनौतियों के मुद्दों पर उनकी गहरी समझ और दूरदर्शिता को देखते हुए उन्हें संसद का शेर जैसी उपाधि से सुशोभित किया गया। उनके हर भाषण में प्रखर राष्ट्रवाद के प्रति उनके अटल समर्पण और सतत प्रतिबद्धता की झलक मिलती है। विधान परिषद में उनके भाषण तर्कों और तथ्यों पर आधारित होते थे। आज के जनप्रतिनिधियों को उनसे सीखना चाहिए, जो सदन के बाहर तो छोड़िए, संदन के अंदर भी किसी पर कोई भी अनर्गल और तथ्यहीन आरोप लगाकर निकल जाते हैं।

पुस्तक की रचना में निश्चित रूप से लेखक ने गहन शोध और अनथक श्रम किया है, लेकिन संपादन की मामूली त्रुटियां खटक रही हैं। वाणी प्रकाशन जैसी प्रतिष्ठित संस्था को त्रुटिहीन संपादन को लेकर विशेष सतर्कता बरतनी चाहिए।

भारत की पहचान का मूल आधार

आकांक्षा अवस्थी

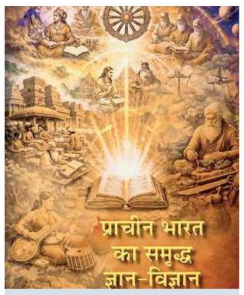

पुस्तक : प्राचीन भारत का समृद्ध ज्ञान-विज्ञान
लेखक : विजय शंकर तिवारी
प्रकाशक : प्रभात प्रकाशन
मूल्य : 350 रुपये

सृष्टि की उत्पत्ति से लेकर वर्तमान समय तक ज्ञान और विज्ञान की उपलब्धियां भारत की परंपरा रही है। लौकिक और पारलौकिक, दोनों प्रकार के आविष्कार भारत में हुए हैं। अपने नित नूतन आविष्कारों से भारतीय विज्ञानी प्राचीन काल से ही विश्व को चमत्कृत करते आए हैं। चिकित्सा, खगोल, रसायन, धातु विज्ञान, सौर ऊर्जा, पर्यावरण आदि विज्ञान के सभी क्षेत्रों के आविष्कार हजारों वर्ष पहले मात्र भारतीय विज्ञानियों द्वारा ही हुए हैं। आज भारत की प्राचीन धरोहर को सामान्यतः कुछ चुनिंदा स्थापत्य स्मारकों तक सीमित कर दिया गया है। जबकि भारत की धरोहर केवल पत्थरों में नहीं, बल्कि ज्ञान-विज्ञान और जीवन-दर्शन की उस परंपरा में निहित है, जिसने मानव सभ्यता को दिशा दी है।

प्राचीन भारत में जीवन का कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं था, जहां गहन चिंतन, प्रयोग और व्यवस्थित ज्ञान-विज्ञान न हो। गणित में शून्य और दशमलव पद्धति, खगोल विज्ञान में ग्रह-नक्षत्रों की सूक्ष्म गणनाएं, आयुर्वेद में शरीर, मन और आत्मा की समग्र चिकित्सा, धातु विज्ञान में जंग-रहित लौह स्तंभ, वास्तु एवं शिल्प में संतुलन और सौंदर्य, ये सभी उस वैज्ञानिक चेतना के प्रमाण हैं जो भारत के आत्मा में रचा-बसा था। पुस्तक में वेदों की उत्पत्ति, पुराण, उपनिषद, दर्शनशास्त्र, महाभारत, भारत के वाद्ययंत्र आदि विषय वस्तु का विस्तृत विवरण है। पुस्तक में अतीत का महिमामंडन नहीं, बल्कि यह बताया गया है कि प्राचीन भारतीय ज्ञान-विज्ञान आज भी आधुनिक विश्व की अनेक चुनौतियों का समाधान प्रस्तुत करने की क्षमता रखता है। यह पुस्तक भारत के उस बौद्धिक वैभव से जोड़ती है जो भारत की पहचान और आत्मविश्वास का मूल आधार है। इसके साथ ही, प्राचीन भारत के विकास की गाथा चिह्नित कर रहे जिन मील के पत्थरों को मैकाले की शिक्षा नीति ने ध्वस्त किया है, उन्हें पुनः स्थापित करने के लिए यह पुस्तक एक संजीवनी भी है।

बंगाल को परखता विमर्श

यतीन्द्र मिश्र

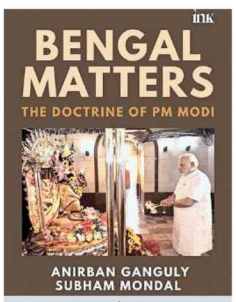

पुस्तक : बंगाल मैटर्स : द डाक्ट्रिन आफ पीएम मोदी
लेखक : अनिर्बान गांगुली और शुभम मंडल
प्रकाशक: ब्लूवन इंक प्रा. लि.,नोएडा
मूल्य : 250 रुपये

बंगाल भारतीय इतिहास का केवल एक भौगोलिक प्रदेश नहीं, ऐसी चेतना रहा है जिसने इस देश को विचार, संवेदना और दिशा दी। यह वही धरती है, जहां से स्वतंत्रता संग्राम की वैचारिक अग्नि प्रज्वलित हुई, जिसने भारत की नैतिक और बौद्धिक ऊर्जा को आकार दिया, जहां आध्यात्मिक गहराई और सांस्कृतिक उजास एक साथ स्पंदित होते थे। किंतु स्वतंत्रता के बाद यह उजास धीरे-धीरे धूमिल पड़ता गया। सत्ताधारी दलों की वैचारिक आग्रहों से संचालित राजनीति, लोकतांत्रिक संस्थाओं के क्षरण, उद्योगों की निरंतर गिरावट और चयनात्मक इतिहास ने बंगाल को उसकी स्वाभाविक भूमिका से दूर कर दिया। परिणामस्वरूप, प्रदेश अपनी दिशा को लेकर असमंजस में दिखाई देने लगा। राजनीतिक विश्लेषक डा. अनिर्बान गांगुली और शुभम मंडल की 'बंगाल मैटर्सः द डाक्ट्रिन आफ पीएम मोदी' इस जटिल परिदृश्य के बीच महत्वपूर्ण हस्तक्षेप के रूप में सामने आती है। 2014 के बाद की नीतिगत पहलों से बंगाल को उसकी स्वाभाविक भूमिका की ओर लौटाने की एक सुसंगत शुरुआत, पुस्तक का केंद्रीय स्वर है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने राज्य को पुनः राष्ट्रीय विकास-चर्चा के केंद्र में लाने का प्रयास किया, जो किसी एक क्षेत्र तक सीमित न होकर एक व्यापक दृष्टि के रूप में उभरता है, जहां सांस्कृतिक विरासत, संस्थाएं, किसान, महिलाएं, युवा और आधारभूत संरचना सभी को समान महत्व दिया गया है।

पुस्तक तथ्यों और आंकड़ों के आधार पर यह स्पष्ट करती है कि नीतिगत निर्णय और संस्थागत पहलें मिलकर किस प्रकार एक समग्र परिवर्तन की रूपरेखा गढ़ती हैं, जहां विकास को केवल आर्थिक संकेतकों से नहीं, बल्कि सामाजिक सशक्तीकरण के परिप्रेक्ष्य में भी समझा गया है। पुस्तक विशेष रूप से इस बात को रेखांकित करती है कि महिलाओं को कल्याण की सीमित परिधि से निकालकर सशक्त भागीदारी और जीवन व समाज की सक्रिय नियंता के रूप में देखा जाए। परिवहन, अधोसंरचना और आर्थिक नीतियों पर पुस्तक का विश्लेषण यह दर्शाता है कि मोदी सरकार के सुनियोजित हस्तक्षेपों के माध्यम से किस प्रकार बंगाल की विकास-यात्रा को नई दिशा दी जा रही है। बंगाल को भारत के भविष्य के एक अभिन्न और केंद्रीय घटक के रूप में दर्ज करता हुआ वैचारिक लेखन।

प्रेम और रूमान की तहें

पुस्तक : एक पुराना मौसम लौटा
लेखक : शहरयार
प्रकाशक : शिवना पेपर बैक्स, सिहोर, एमपी
मूल्य : 150 रुपये

शहरयार का कविता संग्रह 'एक पुराना मौसम लौटा' कविता परिदृश्य में एक नए कवि की आमद है। पहले ही संग्रह में शहरयार उस गंभीर आहट का संकेत देते हैं, जो भविष्य में उनसे परिपक्व कविताओं का सृजन कराएगी। कथाकार पंकज सुबीर इन कविताओं में प्रेम के कारण कहीं-कहीं कच्चेपन और कुछ अनगढ़ ढंग से उस रूमान की ओर इशारा करते हैं, जो चुभता नहीं। दरअसल, प्रेम जैसे विषय को कविताओं का आंगन बनाने वाले इस कवि ने ऐसे समय में कामना, विश्वास, बिछोह और प्रतीक्षा को अपने लिए स्वायत्त किया है, जब सारी दुनिया नृशंस ढंग से युद्धोन्माद की छाया के तहत जीने को विवश है। 'एक पुराना मौसम लौटा' में यह विचार जैसे प्रेम से अलग भी जीवन को दूसरे अर्थों में मानी देता है- 'शायद ख्वाब इसलिए आते हैं/ ताकि कुछ अनकहे रिश्ते/ हकीकत में अपनी जगह बना सकें...' कई कविताएं अपने उदास अधूरेपन में उस सच्चाई को पकड़ने की कोशिश में मुब्तिला हैं, जहां पूर्णता एक आकांक्षा नहीं, बल्कि स्वप्न बनकर जीवन में आती हैं। कई कविताओं में अचानक ही शृंगार चिहुंकते हुए अपने आशय खोलता है, जहां प्रेम और मांसल के बीच एक झीना परदा पड़ा है। 'शरारे का घेरा और चूड़ियों का शोर/ एक साथ मिलकर एक धुन बनाते हैं...', 'जहां से फूटता है झरना कल-कल/ उसकी धुन में सुनता हूं तेरी पायल...', 'तुम्हारे कानों में वह जब झूलता/ तो लगता था जैसे सूरज और चांद मिले हों...'

शहरयार की कविता अपने पहले संग्रह में प्रेम का सगुन मना रही, हर जगह केवल उदात्तता और प्रेम के गोशे में फैला आत्मीयता का सतरंगी वितान पसरा है। काश कवि जीवन ऐसा ही बना रहे। मुझे लगता है, जैसे समय बीतेगा और जीवन के अपने खुरदुरे यथार्थ को वह समझते हुए बाहर लाएंगे, प्रेम का सरोकार थोड़ा गहरा, थोड़ा और सुर्ख होता जाएगा। 'इत्र या तुम्हारी महक' में उतरी प्रेम की खुशबू, दुनिया के सारे फ्रांसीसी इत्रों से ज्यादा कीमती थी- यह बात सच्चाई से सामने आती है। प्रेम के ढेरों रूपक परोसता संग्रह, अलग से पठनीय बन जाता है। यह संग्रह, कवि की निश्छल भाषा शैली, नए अनूठे बिंबों, तरल होती भावनाओं के इंद्रजाल, सम्मोहन का मायालोक गढ़ने और प्रेम व अनुराग के गहरे सरोकार साधे ताजगी भरा अनुभव लेकर सामने है। इन कविताओं से गुजरना, पाठक को उन मासूम पलों में लौटा ले जाने सरीखा है, जहां प्रेम एक विश्वास, एक उम्मीद से भरी हुई लौ की तरह दिपदिपाती है।

चौथी तिमाही में हैथवे का शुद्ध लाभ 67 प्रतिशत घटा

नई दिल्ली : रिलायंस इंडस्ट्रीज समूह की केबल और इंटरनेट सेवाएं देने वाली कंपनी हैथवे केबल एंड डाटाकाम लिमिटेड को बीते वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही के दौरान 11.25 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ है। इसमें पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 34.8 करोड़ रुपये के मुकाबले 67.7 प्रतिशत की गिरावट रही है। हालांकि, बीती तिमाही में कंपनी का संचालन राजस्व 6.37 प्रतिशत बढ़कर 545.85 करोड़ रुपये रहा है। (प्रेट्र)

चालू वित्त वर्ष में एमएसएमई सेगमेंट में सकल एनपीए बढ़कर 3.4-3.6 प्रतिशत पर पहुंचने का अनुमान है जो पिछले वित्त वर्ष में 3.2 प्रतिशत था।

— सुभा श्री नारायणन, निदेशक, क्रिसिल रेटिंग्स

एक नजर में

पश्चिम एशिया संघर्ष से ऊर्जा सुरक्षा पर बढ़ा ध्यान

नई दिल्ली : पश्चिम एशिया संघर्ष के चलते इस समय ऊर्जा सुरक्षा पर ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है। इस बीच निवेश बैंक जेफरीज ने एक रिपोर्ट में कहा है कि वित्त वर्ष 2029-30 तक भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 359 गीगावाट तक पहुंच जाएगी। यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है, जब देश धीमी वृद्धि के दौर के बाद बिजली की मांग में बड़े सुधार के लिए तैयार हो रहा है। रिपोर्ट में अनुमान जताया गया है कि चालू वित्त वर्ष 2026-27 में बिजली की मांग फिर से छह प्रतिशत की वृद्धि दर पर पहुंच जाएगी। (एएनआइ)

10% कर्मचारियों की छंटनी कर सकती है मेटा

नई दिल्ली : अमेरिका की दिग्गज टेक्नोलाजी कंपनी मेटा (पूर्व में फेसबुक) अगले महीने कम से कम 10 प्रतिशत या करीब आठ हजार कर्मचारियों की छंटनी की योजना बना रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी की साल की दूसरी छमाही में और छंटनी की योजना है। हालांकि, इन छंटनियों का विवरण अभी तक सामने नहीं आया है। यानी दोनों दौर की छंटनी से करीब 16 हजार कर्मचारी प्रभावित होंगे। मेटा ने इस रिपोर्ट पर अपनी प्रतिक्रिया नहीं दी है। (आइएएनएस)

पहली तिमाही में सीमेंट की मांग अच्छी रहने की उम्मीद

नई दिल्ली : नुवामा इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज ने एक रिपोर्ट में कहा है कि चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के दौरान भारत में सीमेंट की मांग अच्छी रहने की उम्मीद है। हालांकि, रिपोर्ट में बढ़ती इनपुट लागत से सीमेंट कंपनियों के कुल मुनाफे पर असर पड़ने की बात कही गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सीमेंट उद्योग अभी एक ऐसे जटिल माहौल से गुजर रहा है, जहां आवासीय रियल एस्टेट बाजार में आई बड़ी सुस्ती की भरपाई इन्फ्रास्ट्रक्चर पर भारी सरकारी खर्च से हो रही है। (एएनआइ)

तनाव घटा तो शेयर खरीदने लगे विदेशी निवेशक

इस सप्ताह एफपीआइ ने भारतीय बाजार में शुद्ध रूप से 4,794 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे

- कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से रुपये में आई मजबूती
- अगले सप्ताह अमेरिका और ईरान वार्ता पर रहेगा ध्यान

इस सप्ताह एफपीआइ निवेश

13 अप्रैल	1509.37
15 अप्रैल	- 1435.44
16 अप्रैल	3098.97
17 अप्रैल	1621.38

नोट : राशि करोड़ रुपये में है।

1.17 करोड़ रुपये निकाले थे एफपीआइ ने मार्च में

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली : पश्चिम एशिया में तनाव घटने के साथ ही विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआइ) ने भारतीय बाजारों में स्थिरता के संकेत देने शुरू कर दिए हैं। यही कारण है कि इस सप्ताह एफपीआइ ने चार कारोबारी सत्रों में शुद्ध रूप से 4,794 करोड़ रुपये के शेयरों की खरीदारी की है। नेशनल सिक्योरिटीज डिपाजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के डाटा के अनुसार, इस ताजा खरीदारी के साथ अप्रैल में अब तक (17 अप्रैल तक) एफपीआइ की कुल निकासी घटकर 43,419 करोड़ रुपये पर आ गई है। 10 अप्रैल तक एफपीआइ ने भारतीय शेयरों से 48,213 करोड़ रुपये की निकासी की थी।

एनएसडीएल के डाटा के अनुसार, कैलेंडर वर्ष 2026 में एफपीआइ भारतीय बाजारों में बिकवाल बने हुए हैं और अब तक 1.74 लाख करोड़ रुपये की निकासी कर चुकी हैं। मार्च 2026 में एफपीआइ ने शेयरों से 1.17 लाख करोड़ रुपये की निकासी की थी, जो अब तक किसी एक महीने में सबसे अधिक निकासी है। **एएनआइ** के अनुसार, बाजार के जानकारों का कहना है कि पश्चिम एशिया संबंधी तनाव में कमी से कच्चे तेल की कीमतों में कमी आई है। इससे रुपये में भी मजबूती आई है। ईरान की ओर से होर्मुज स्ट्रेट खोले जाने की घोषणा से शुक्रवार को वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड के मूल्य में 13 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट आई थी और यह 90 डालर प्रति बैरल से नीच आ गया था। एलकेपी सिक्योरिटी के शोध विश्लेषक जतीन त्रिवेदी का कहना है कि बाजार के सकारात्मक माहौल को एफपीआइ के निवेश और भारत व अमेरिका के बीच व्यापार वार्ताओं की उम्मीदों का भी समर्थन मिल रहा है, जिससे घरेलू बाजारों में पूंजी का प्रवाह बढ़ रहा है।

बाजार विश्लेषकों का कहना है कि निकट भविष्य में रुपये को समर्थन मिलता रहेगा, लेकिन इसकी स्थिरता भू-राजनीतिक घटनाक्रमों के नतीजों और कच्चे तेल की कीमतों में स्थिरता पर निर्भर करेगी। आने वाले सप्ताह में बाजार का रुझान सकारात्मक रहेगा और निवेशकों का ध्यान अमेरिका-ईरान वार्ता की दिशा पर केंद्रित रहेगा। 14 अप्रैल को अवकाश के कारण इस सप्ताह बाजार में चार सत्रों में कारोबार हुआ है।

इस सप्ताह घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआइआइ) ने शेयरों से 6,300 करोड़ रुपये की निकासी की है। हालांकि, विश्लेषकों का कहना है कि एक स्थिर करने वाली ताकत के तौर पर डीआइआइ की व्यापक भूमिका बरकरार है और वे बाजार को संरचनात्मक समर्थन देना जारी रखे हुए हैं।

सामान्य सीमा वाले डेट से निकासी बढ़ी

इस सप्ताह शेयरों में शुद्ध निवेश से इतर एफपीआइ की सामान्य सीमा वाले डेट से निकासी बढ़ी है। 17 अप्रैल तक एफपीआइ इस श्रेणी के डेट से 6,883 करोड़ रुपये की निकासी कर चुके हैं। 10 अप्रैल तक यह निकासी 4,268 करोड़ रुपये थी। इसी तरह, वालेंट्री रिटेंशन रूट वाले डेट (डेट-वीआरआर) से निकासी बढ़कर 1,873 करोड़ रुपये हो गई है, जो 10 अप्रैल तक 1,743 करोड़ रुपये थी। हालांकि एफपीआइ ने सरकारी बांड में शुद्ध निवेश किया है। 10 अप्रैल तक एफपीआइ ने फुली एक्सेसेबल रूट वाले डेट (डेट-एफएआर) से 8,094 करोड़ रुपये की निकासी की थी, जो 17 अप्रैल तक घटकर 6,564 करोड़ रुपये रह गई है।

बिजनेस से जुड़ी खबरों और अपडेट के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

पश्चिम एशिया संघर्ष लंबा चला तो आटोमोबाइल पर होगा असर

- आटो डीलर्स के संगठन फाडा के चेयरमैन ने कहा, निर्यात में आ सकती है कमी
- तेल और एल्युमिनियम जैसी वस्तुओं की आपूर्ति को लेकर भी चिंता जताई

नई दिल्ली, एएनआइ : आटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस के महासंघ (फाडा) के चेयरमैन सीएस विग्नेश्वर ने पश्चिम एशिया संघर्ष के लंबा चलने पर देश के आटोमोटिव क्षेत्र के भविष्य को लेकर चिंता जताई है। एक कार्यक्रम से इतर बातचीत में विग्नेश्वर ने कहा कि इस संघर्ष का निर्यात और तेल और एल्युमिनियम जैसी आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा।

विग्नेश्वर ने बताया कि घरेलू बाजार में वृद्धि के बावजूद लंबे समय तक चलने वाले भू-राजनीतिक तनाव उत्पादन और अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए चुनौतियां उत्पन्न कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में हो रहे दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम निश्चित रूप से आटोमोटिव क्षेत्र पर प्रभाव डालेंगे। हमारी कई कारों को तेल, ल्यूब, पेट्रोल और डीजल की आवश्यकता होती है। यदि संघर्ष लंबा खींचता है तो इन पर प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने निर्यात में संभावित गिरावट को उद्योग के लिए एक प्रमुख चिंता बताया। फाडा चेयरमैन ने इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीति और स्वच्छ ईंधनों के लिए सहायक इकोसिस्टम बनाने की आवश्यकता पर भी चर्चा की। विग्नेश्वर ने बताया कि ईवी का प्रयोग धीरे-धीरे बढ़ रहा है, जिसमें दोपहिया का हिस्सा नौ प्रतिशत और यात्री वाहनों का हिस्सा 5.75 प्रतिशत तक पहुंच गया है।

वैश्विक जीडीपी में 2050 तक भारत की हिस्सेदारी सात प्रतिशत होगी

नई दिल्ली, एएनआइ : वित्तीय प्रबंधन संबंधी सलाह देने वाली मैकेंजी एंड कंपनी ने एक रिपोर्ट में कहा है कि 2050 तक वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में भारत की हिस्सेदारी बढ़कर सात प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान है। 2025 में यह 3.7 प्रतिशत रही है। यह वृद्धि देश की बढ़ती महत्ता को दर्शाती है, जो वैकल्पिक निवेशकों के लिए प्रमुख गंतव्य के रूप में उभर रहा है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि 2006 में केवल 6.4 अरब डालर का निवेश आकर्षित करने वाले भारत के प्राइवेट बाजार अब देश की आर्थिक दिशा में केंद्रीय भूमिका निभा रहे हैं। विभिन्न संपत्ति वर्गों में प्राइवेट पूंजी का निवेश 2025 में 44 अरब डालर तक पहुंचने का अनुमान है, जबकि इसका हिस्सा जीडीपी के सापेक्ष पिछले दशक में 0.68 प्रतिशत से बढ़कर 1.42 प्रतिशत हो गया है।

एचडीएफसी व आइसीआइसीआइ बैंक के शुद्ध लाभ में बढ़ोतरी

- एचडीएफसी बैंक का शुद्ध लाभ आठ प्रतिशत बढ़कर 20,350 करोड़ रुपये रहा
- आइसीआइसीआइ को 14,755 करोड़ का लाभ, यह पिछले वर्ष से 9.28% ज्यादा

मुंबई, प्रेट्र : जनवरी-मार्च 2026 के दौरान निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक और आइसीआइसीआइ बैंक के शुद्ध लाभ में बढ़ोतरी हुई है। एचडीएफसी बैंक ने शनिवार को बताया कि बीती तिमाही के दौरान उसका शुद्ध लाभ 8.04 प्रतिशत बढ़कर 20,350.76 करोड़ रुपये रहा है। पिछले वर्ष समान तिमाही में बैंक को 18,834.88 करोड़ रुपये का लाभ हुआ था।

बीती तिमाही के दौरान बैंक की कुल आय बढ़कर 89,809 करोड़ रुपये रही है, जो जनवरी-मार्च 2025 में 89,488 करोड़ रुपये थी। बीती तिमाही में बैंक के सकल एनपीए अनुपात में सुधार आया है और यह घटकर 1.15 प्रतिशत रह गया है। पिछले वर्ष समान अवधि में बैंक का सकल एनपीए 1.33 प्रतिशत और 31 दिसंबर 2025 को समाप्त तिमाही में 1.24 प्रतिशत था। बैंक का प्रोविजन भी घटकर 2,610 करोड़ रुपये रह गया है पिछले वर्ष 3,193 करोड़ रुपये था।

वहीं, आइसीआइसीआइ बैंक को जनवरी-मार्च 2026 तिमाही में 14,755 करोड़ रुपये का लाभ हुआ है जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 13,502 करोड़ रुपये की तुलना में 9.28 प्रतिशत ज्यादा है। पूरे वित्त वर्ष 2025-25 के दौरान बैंक का कर-पश्चात लाभ 6.2 प्रतिशत बढ़कर 50,147 करोड़ रुपये रहा है। वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान बैंक का कर-पश्चात लाभ 47,227 करोड़ रुपये था।

आखिर फायदा किसको हो रहा

धीरेंद्र कुमार, संपादक, हिंदी डाट वैल्यूरिसर्चआनलाइन डाट काम

कुछ दिन पहले एलन मस्क एक पाडकास्ट में कैलिफोर्निया में बेघर लोगों की समस्या पर बात कर रहे थे। उनकी बात सीधी थी। यह समस्या तब तक हल नहीं होगी, जब तक इसे सुलझाने की ज़िम्मेदारी उन संगठनों पर है जिन्हें हर बेघर इंसान के बदले पैसे मिलते हैं। जितने ज्यादा बेघर लोग, उतनी ज्यादा कमाई। आवासहीनता खत्म हो गई तो उनका काम भी खत्म। कैलिफोर्निया की आवासहीनता मेरा विषय नहीं है। लेकिन यह सिद्धांत भारत में पर्सनल फाइनेंस पर पूरी तरह लागू होता है। किसी समस्या के बने रहने की वजह

बोनस

समझनी हो तो यह मत पूछो कि नुकसान किसका हो रहा है। यह पूछो कि फायदा किसका हो रहा है।

सेबी के अध्ययनों से पता चला है कि फ्यूचर्स और आप्शंस में लगभग 10 में से नौ रिटेल ट्रेडर्स पैसे गंवाते हैं। यह उस सिस्टम का स्वाभाविक नतीजा है, जिसमें ब्रोकर हर ट्रांजेक्शन पर फीस कमाते हैं। एक्सचेंज वाल्यूम से कमाते हैं और बेहतर टेक्नोलाजी वाले संस्थागत खिलाड़ी रिटेल निवेशकों से व्यवस्थित तरीके से वैल्यू खींचते रहते हैं।

एक रिटेल ट्रेडर की कल्पना करें जो सोमवार को लेवरेज लेकर निफ्टी फ्यूचर्स में 10 लाख रुपये लगाता है। चाहे ट्रेड फायदे में जाए या नुकसान में, ब्रोकर को 2,000 रुपये की ब्रोकरेज मिलती है। ट्रेडर गुरुवार को 50,000 रुपये के घाटे के साथ बाहर निकलता है। ब्रोकर ने राउंड-ट्रिप पर 4,000 रुपये कमाए। यही चक्र साल भर, हजारों ट्रेडर्स के साथ 50-50 बार दोहराया जाए, तो ट्रेडर का 25 लाख रुपये का सालाना नुकसान ब्रोकर का दो लाख रुपये का सालाना रेवेन्यू बन जाता है। जितने ज्यादा लोग ट्रेड करें, उतना ज्यादा इकोसिस्टम कमाए। लोग पैसे गंवा रहे हैं। यह कोई खामी नहीं, यही तो इस सिस्टम की खूबी है।

जब एनएसई ने शाम के वक्त डेरिवेटिव्स ट्रेडिंग घंटे बढ़ाने का प्रस्ताव रखा तो आधिकारिक वजह निवेशकों की सुविधा बताई गई। लेकिन असली वजह कुछ और है। एक्सचेंज ट्रांजेक्शन वाल्यूम से कमाते हैं। ट्रेडिंग के ज्यादा घंटे यानी ज्यादा ट्रांजेक्शन यानी ज्यादा रेवेन्यू। अगर रिटेल ट्रेडर सुबह 9:15 से शाम 3:30 बजे के बीच ही पैसे गंवाते हैं तो उन्हें चार घंटे और क्यों न दिए जाएं?

बीमा को ही लें। एक एजेंट जो एक करोड़ रुपये की टर्म इंश्योरेंस पालिसी बेचता है, उसे पहले साल लगभग 4,500 रुपये का कमीशन मिलता है। वही एजेंट अगर एक लाख रुपये के सालाना प्रीमियम वाला यूलिप बेचे, तो पहले साल 15,000 से 25,000 रुपये तक का कमीशन मिलता है। ग्राहक को टर्म इंश्योरेंस चाहिए। एजेंट को यूलिप बेचना है। अब सोचिए - इस बातचीत में जीत किसकी होगी?

ऐसी समस्याओं पर इंडस्ट्री अक्सर 'ज्यादा वित्तीय शिक्षा' को समाधान बताती है। सुनने में यह जिम्मेदार लगता है, लेकिन हकीकत में इसका असर सीमित होता है। वजह साफ है- भारत में ज्यादातर वित्तीय शिक्षा वही संस्थाएं देती हैं जो निवेशकों की गतिविधियों से कमाती हैं, जैसे ब्रोकर, डिस्ट्रीब्यूटर और बीमा कंपनियां। उनसे यह उम्मीद करना कि वे अपने ही प्रोडक्ट्स के जोखिम ईमानदारी से बताएंगे, वैसा ही है जैसे किसी कसीनो से जुए के नुकसान समझाने को कहना।

असल बदलाव तब आता है जब इंसेंटिव बदले जाते हैं। इसका उदाहरण सेबी के म्यूचुअल फंड सुधार हैं, जहां अपफ्रंट कमीशन और चर्निंग के प्रोत्साहन खत्म किए गए। नतीजतन दुरुपयोग तेजी से कम हुआ, क्योंकि गलत व्यवहार का आर्थिक फायदा ही खत्म हो गया।

सीख सीधी है : जब कोई सलाह दे, तो एक सवाल जरूर पूछें- उसे पैसा कैसे मिलता है। यही जवाब आपको असली मंशा समझा देगा।

रूस-यूक्रेन ने एक दूसरे के बंदरगाह और ऊर्जा संयंत्र को बनाया निशाना

- रूसी हमले ने यूक्रेन के 380,000 उपभोक्ताओं की बिजली गुल कर दी
- यूक्रेन ने रूसी तेल पर लगे प्रतिबंध हटाने पर अमेरिका की आलोचना की

कीव, रायटर : रूस और यूक्रेन ने एक दूसरे के बंदरगाह और ऊर्जा संयंत्र को निशाना बनाया। रूसी हमलों ने शुक्रवार-शनिवार की दरम्यानी रात यूक्रेन के दक्षिणी ओडेसा क्षेत्र में बंदरगाह के बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाया और देश के उत्तरी भाग में 380,000 उपभोक्ताओं की बिजली गुल कर दी। अधिकारियों ने बताया कि एक नागरिक की मौत हो गई और 26 अन्य घायल हो गए। ओडेसा के क्षेत्रीय गवर्नर ओलेह किपर ने बताया कि ड्रोन हमलों में कृषि गोदामों, डिपो और प्रशासनिक भवनों को नुकसान पहुंचा।

रूसी सेना ने यूक्रेन के उत्तरी चेर्निहिव क्षेत्र में एक ऊर्जा संयंत्र को भी निशाना बनाया। रूस ने रात भर में 219 लंबी दूरी के ड्रोन दागे।

वहीं, यूक्रेनी ड्रोनों ने रात भर के दौरान रूस की तेल सुविधाओं पर हमला किया, जिनमें समारा क्षेत्र की दो रिफाइनरियां और बाल्टिक सागर का एक बंदरगाह शामिल है, जो पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात करता है। वायसोटस्क बंदरगाह पर लगी आग बुझा दी गई है। यूक्रेन के ड्रोन बलों के कमांडर राबर्ट ब्रोवडी ने बंदरगाह पर हमले की पुष्टि की।

उन्होंने कहा कि सेना ने समारा के नोवोकुइबिशेव्स्क और सिजरान शहरों में स्थित रिफाइनरियों पर भी हमला किया। ब्रोवडी ने प्रतिबंधित रूसी तेल को खरीदने की अनुमति देने वाली छूट को नवीनीकृत करने के अमेरिकी निर्णय की आलोचना की। साथ ही व्यंग्यपूर्वक लहजे में लिखा, "रूसी तेल को फिर से महान बनाओ।"

संघ का गुलामी की मानसिकता छोड़ने का आह्वान

- आजादी बाद लगातार विकृत चर्चाएं और उदाहरण पेश हुए : होसबाले
- आरएसएस ने कहा, एक देश-एक चुनाव से भारत का होगा कल्याण

दत्तात्रेय होसबाले। फाइल

वाशिंगटन, आइएएनएस : भारत अब गुलामी की मानसिकता छोड़े और आगे बढ़कर विश्व में अपनी स्वतंत्र पहचान स्थापित करे। यह आह्वान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने किया। उन्होंने कहा, भारत के इतिहास, संस्कृति और पहचान को लेकर स्वतंत्रता के बाद दशकों तक विकृत चर्चाएं और उदाहरण दिए जाते रहे लेकिन अब हमें इन्हें बदलना है। होसबाले ने स्पष्ट किया कि संघ देश में एक चुनाव का समर्थक है। राष्ट्र को आगे बढ़ाने के लिए इस बदलाव को जरूरी मानता है।

आरएसएस के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर विशेष साक्षात्कार में सर कार्यवाह ने कहा, भारत ने उपनिवेशवाद से राजनीतिक स्वतंत्रता प्राप्त कर ली है लेकिन बौद्धिक और सांस्कृतिक गुलामी से अभी हम मुक्त नहीं हो पाया है। हमारे सोचने के तरीके और जीवनशैली में अभी भी उपनिवेशवाद (गुलामी) की छाप बरकरार है। इसलिए हमें अपनी प्राचीन सभ्यता और पहचान को पुनः प्राप्त करने के लिए गुलामी की मानसिकता का त्याग करना होगा। तभी हमारा सही मायनों में विकास संभव होगा। स्वतंत्रता के बाद दशकों तक जो विकृत चर्चा और उदाहरण सामने लाए गए, वे मूल भारतीय संस्कृति और ऐतिहासिक तथ्यों के अनुरूप नहीं हैं। इसलिए हमें तमाम दुष्प्रचारों को खारिज करते अपनी मूल परंपराओं से जुड़ना होगा। होसबाले ने कहा, संघ राजनीतिक सुधार का पक्षधर है। इन्हीं सुधारों में एक देश-एक चुनाव की नीति को लागू करना है। इससे शासन का तरीका बदलेगा और राष्ट्रीय एकता, राजनीतिक ईमानदारी और जन जागरूकता बढ़ेगी। साथ ही भारतीय लोकतंत्र जिन चुनौतियों का सामना कर रहा है उनसे निपटा जा सकेगा। एक प्रश्न के उत्तर में होसबाले ने कहा, लोकतंत्र भारत की जड़ों में है। यह हमारी सभ्यता और सांस्कृतिक विरासत में है।

अमेरिका दौरे पर पहुंचे होसबाले ने विदेश में रहने वाले भारतीय मूल के लोगों से अपील की कि वे जिस देश में रहते हैं उसकी मान्यताओं का सम्मान करें लेकिन भारत की मूल संस्कृति और परंपराओं को भी आचरण में बनाए रखें।

अमेरिका में 10 शीर्ष विज्ञानी लापता

- राष्ट्रपति ट्रंप ने जताई चिंता, दिए जांच के निर्देश, चीन, रूस, ईरान का हाथ होने की जताई आशंका

वाशिंगटन, प्रेट्र : अमेरिका से सनसनीखेज खबर आई है। वहां के 10 शीर्ष विज्ञानी लापता हो गए हैं। इन लापता विज्ञानियों के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एजेंसियों को निर्देश दिए हैं। ट्रंप और कई अमेरिकी सांसदों ने विज्ञानियों के लापता होने पर चिंता जताई है। अमेरिका में जो विज्ञानी लापता हुए हैं वे एयरोस्पेस, रक्षा और जीवन को बेहतर बनाने वाले शोधों से संबंधित हैं। इनमें से कुछ विज्ञानियों की मौत की आशंका है लेकिन परिवारीजन ने अभी तक इस आशय का कोई बयान नहीं दिया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार नासा के विज्ञानी माइकल डेविड हिक्स की संदिग्ध अवस्था में जुलाई 2023 में मौत हुई थी। वह नासा की जेट प्रोपल्शन लैब में कार्यरत थे। लेकिन उनकी मौत का मूल कारण नहीं बताया गया। रिपब्लिकन सांसद एरिक बर्लीसन ने विज्ञानियों के लापता होने का मामला प्रमुखता से उठाया है लेकिन उन्होंने इनकी खोज-खबर न होने को संयोग भी कहा है। सांसद ने कहा है कि लापता वैज्ञानिक गोपनीय एयरोस्पेस, रक्षा और यूएफओ सूचनाओं से जुड़े हो सकते हैं। उन्होंने इन अमेरिकी विज्ञानियों के किसी गलत कार्य में फंस जाने की आशंका जताई है। कहा कि इसमें चीन या रूस या ईरान का हाथ भी हो सकता है।

सांसद बर्लीसन ने कहा, कुछ विज्ञानी वास्तव में लापता हैं और खोजने पर भी वे नहीं मिले हैं। उन्हीं में से एक अमेरिकी वायुसेना के मेजर जनरल विलियम मैक कैसलैंड भी हैं। उनका फरवरी से पता नहीं चल रहा है। वह अमेरिका की यूएफओ से संबंधित परियोजना में शामिल थे। जबकि परमाणु विज्ञानी प्रोफेसर नूनो लौरीरो की बोस्टन में अज्ञात बंदूकधारियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी लेकिन हत्यारों का पता नहीं चला।

गगन थापा गुट को आधिकारिक नेपाली कांग्रेस के रूप में मिली मान्यता

काठमांडू, प्रेट्र : नेपाल के सुप्रीम कोर्ट ने गगन थापा के नेतृत्व वाले गुट को आधिकारिक नेपाली कांग्रेस के रूप में मान्यता दे दी है, जिससे शेर बहादुर देउबा को बड़ा झटका लगा है। न्यायमूर्ति सारंगा सुबेदी और न्यायमूर्ति नृपा ध्वज निरौला की खंडपीठ ने शुक्रवार को चुनाव आयोग द्वारा थापा के नेतृत्व वाली वर्तमान केंद्रीय कार्य समिति को दी गई मान्यता के पक्ष में फैसला सुनाया।

थापा को 11 से 14 जनवरी तक काठमांडू में आयोजित विशेष आम सम्मेलन में नेपाली कांग्रेस का अध्यक्ष चुना गया था, जिसे देउबा के नेतृत्व वाले गुट ने चुनौती दी थी। पूर्व प्रधानमंत्री देउबा और पार्टी के कार्यवाहक अध्यक्ष पूर्ण बहादुर खड़का ने चुनाव आयोग के फैसले के साथ-साथ विशेष आम सम्मेलन की वैधता को भी चुनौती दी थी। उनका तर्क था कि थापा के नेतृत्व को दी गई मान्यता असंवैधानिक, गैरकानूनी और पार्टी के नियमों के विपरीत है। देउबा गुट ने बाद में 18 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की।

ट्रंप की आव्रजन नीतियों से अमेरिकी नवाचार को नुकसान, भारत को लाभ

- आव्रजन विशेषज्ञ विवेक वाधवा ने कहा, हम प्रतिभाशाली लोगों को दूर भगा रहे
- भारत अनुसंधान और स्टार्टअप विकास के वैकल्पिक केंद्रों के रूप में तेजी से उभर रहा

स्टेनफोर्ड, आइएएनएस : सिलिकान वैली स्थित आव्रजन विशेषज्ञ विवेक वाधवा के अनुसार, ट्रंप प्रशासन के दौरान लागू की गई अमेरिका की प्रतिबंधात्मक आव्रजन नीतियां वैश्विक प्रतिभाओं को दूसरी जगह धकेलकर अमेरिका की नवाचार को कमजोर कर रही है। वाधवा ने कहा कि सख्त वीजा नियम, बढ़ते लंबित आवेदन और दीर्घकालिक निवास को लेकर अनिश्चितता के कारण अमेरिका कुशल प्रवासियों के लिए कम आकर्षक होता जा रहा है, जबकि भारत जैसे देश अनुसंधान और स्टार्टअप विकास के लिए वैकल्पिक केंद्रों के रूप में तेजी से उभर रहे हैं।

वाधवा ने कहा, "हम सर्वश्रेष्ठ और प्रतिभाशाली लोगों को दूर भगा रहे हैं। ये पिछड़ी आव्रजन नीतियां अब बहुत नुकसान पहुंचा रही हैं।" उन्होंने चेतावनी दी कि अमेरिका विज्ञान और प्रौद्योगिकी में अपनी प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त को लगातार खो रहा है। उन्होंने सिलिकान वैली में आप्रवासियों द्वारा स्थापित स्टार्टअप में दीर्घकालिक गिरावट को इस बदलाव का प्रमाण बताया। उन्होंने कहा, "सिलिकान वैली में आधे स्टार्टअप की स्थापना हम जैसे लोगों ने की थी। एक दशक में यह संख्या घटकर 40 प्रतिशत रह गई और अब शायद 30 प्रतिशत के आसपास है।

वाधवा ने सिलिकान वैली में एक मेडिकल डायग्नोस्टिक्स कंपनी स्थापित करने के अपने अनुभव का भी जिक्र किया।

उन्होंने बताया कि अमेरिकी तकनीकी जगत में अपने व्यापक नेटवर्क के बावजूद उन्हें फंडिंग और विशेषज्ञ प्रतिभाओं को आकर्षित करने में संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने कहा, "मुझे यहां प्रतिभा नहीं मिली। मुझे यहां पैसा भी नहीं मिला।" निवेशक अमेरिका के बाहर किए जाने वाले शोध-प्रधान कार्यों में निवेश से हिचकिचा रहे थे।

साप्ताहिक राशिफल

रविवार, 19 अप्रैल, 2026 से शनिवार 25 अप्रैल, 2026 तक

पं. बी. बी. शास्त्री 'देवेश'

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, आ)
साझेदारी में सावधानी, धनागम में प्रयास, कार्य क्षेत्र में विस्तार से बचें, कार्य करने वालों से सावधान, निजी संबंधों में सुधार, संतान से सहयोग, चयन में सफलता, वाद विवाद से बचें, मित्रों से सहयोग, यात्रा में सावधानी, अधिकारी से सहयोग, व्यय में नियंत्रण। शुभ अंक 2

वृष (इ, ऊ, ए, ओ, पा, वी, वू, वे, वो)
अर्थसाधन में प्रयास, कार्य में श्रम से सफलता, धन के आवागमन में सावधानी, चिंता का समाधान, निर्णय सलाह से करें, साधनों की पूर्ति, स्व :संपत्ति की वृद्धि, क्रोध, ईर्ष्या से बचें, वाद में विजय, प्रणय में सुख, अनुबंध की प्राप्ति, राज्यपक्ष से लाभ, व्यय अधिक। शुभ अंक 4

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, हा)
कार्य में प्रगति, अर्थसाधन में सुधार, कार्य क्षेत्र में वृद्धि, विदेश कार्य में प्रगति, आपसी संबंधों में सुधार, वाहन, आभूषण योग, निजी मतभेद, संतान के लिए योजना, रक्त, त्वचा विकार प्रभावी, वाद विवाद से बचे, मनोरंजन भ्रमण योग, वाहन में सावधानी, व्यय अधिक। शुभ अंक 5

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो)
अर्थसाधन में प्रयास, कार्य में सलाह से सफलता, प्रतिस्पर्धा से चिंता, लक्ष्य के प्रति सजग रहें, महिला से सहयोग, निजी संबंधों में सुधार, पारिवारिक सहयोग, शिक्षा में रुचि, मित्रों से सहयोग, खानपान पर ध्यान दें, प्रणय में सुख, व्यय अधिक। शुभ अंक 6

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे)
सामाजिक कार्य का योग, धनागम में देरी, कार्य योजना के प्रति सचेत रहे, अतिविश्वास और कल्पना से बचें, निजी संबंधों में सुधार, भूमि, संतान से अनबन, शिक्षा में एकाग्रता, शत्रुपक्ष प्रभावी, ससुराल से सहयोग, राजनैतिक अपयश, व्यय पर नियंत्रण। शुभ अंक 7

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, उ, पे, पो)
लक्ष्य के प्रति सजगता, व्यापारिक कार्य क्षेत्र में वृद्धि, कार्य में प्रयास, साधनों की पूर्ति, रुके कार्य में प्रगति, शिक्षा में एकाग्रता, मित्रों से सहयोग, स्वास्थ्य के प्रति सजगता, जीवनसाथी का मिलन, भ्रमण, मनोरंजन योग, स्थान पद परिवर्तन प्रभावी, आय में सुधार। शुभ अंक 1

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते)
अर्थसाधन में सफलता, व्यापारिक कार्य में श्रम से सफलता, पारिवारिकजनों का सहयोग, कार्य में देरी, शिक्षा में अभ्यास, चयन में सफलता, वाद विवाद में विजय, ससुराल से सहयोग, स्थान पद परिवर्तन प्रभावी, धर्म में रुचि, आय में सुधार, व्यय पर नियंत्रण। शुभ अंक 2

वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू)
अर्थ साधन में प्रयास करें, साहस और आत्मविश्वास बनाएं, विदेश कार्य में सफलता, पारिवारिक चिंता, साधनों की पूर्ति, संतान के लिए योजना, शिक्षा में रुचि, क्रोध और वाणी पर संयम, स्वास्थ्य में सजगता, प्रणय में सुख, राज्यपक्ष से सावधान। शुभ अंक 4

धनु (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
अर्थ साधन में तत्परता, निर्णय सलाह से करे, पारिवारिक कार्य में संतुलन बनाये, विदेश कार्य में देरी, चिंता का समाधान, पारिवारिक सहयोग, शिक्षा में रुचि, चयन में देरी,समय का ध्यान रखे, प्रणय में सुख, जीवनसाथी का मिलन, वाहन में सावधानी, मनोरंजन, शुभ अंक 5

मकर (भो, जा, ज, खी, खू, खे, खो, गा, गी)
नकारात्मक विचारों से बचें, धनागम में प्रयास, लक्ष्य के प्रति सजगता, दिनचर्या व्यस्ततम्, साधनों की पूर्ति, माता-पिता का ध्यान रखें, संबंधों में सुधार, संतान से अनबन, मित्रों से लाभ, अनुबंध की प्राप्ति, दांपत्य में सुख, राजनैतिक अपयश, व्यय अधिक। शुभअंक 6

कुम्भ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सा, दा)
पूंजी निवेश में सावधानी अर्थसाधन में प्रयास, कार्य कराने वालों से सावधान, पारिवारिक सहयोग, सामाजिक कार्य में यश, भूमि, भवन कार्य में सफलता, शिक्षा में रुचि, महिला से सहयोग, वाद में विजय, मित्रों से सहयोग, जीवनसाथी का मिलन, धर्म में रुचि, व्यय अधिक। शुभ अंक 7

मीन (दी, दू, थ, झ, दे, दो, चा, ची)
प्रतिस्पर्धा से चिंता, अर्थ साधन में प्रयास, सकारात्मक विचारों का प्रभाव, सामाजिक यश, लक्ष्य के प्रति सजगता, वाहन, आभूषण योग प्रभावी, संतान से सहयोग, विचारों की अधिकता, रक्त, प्रणय में सुख, अधिकारी से सहयोग, व्यय अधिक, शुभ अंक 8

होर्मुज पर तनातनी

25 प्रतिशत तक वैश्विक तेल आपूर्ति का लगभग वहन करता है स्ट्रेट आफ होर्मुज। यह फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के बीच एक महत्वपूर्ण, संकरा समुद्री मार्ग है। जो प्राचीन काल से व्यापार और भू-राजनीतिक शक्ति का केंद्र रहा है।

होर्मुज में 'मच्छर बेड़े' का खौफ : ईरान कमजोर, फिर भी हिचक रहा अमेरिका

ट्रंप का दावा- ईरानी नौसेना तबाह, लेकिन संकरे जलमार्ग में जोखिम बरकरार

न्यूयार्क टाइम्स से

आइआरजीसी की गुरिल्ला समुद्री रणनीति और ड्रोन-मिसाइल खतरा बना चुनौती

ईरान का मच्छर बेड़ा। फाइल

यहां बड़े युद्धपोतों की गति और संचालन सीमित

होर्मुज जैसे संकरे जलमार्ग में यही "असमान युद्ध" अमेरिका के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। यहां बड़े युद्धपोतों की गति और संचालन सीमित हो जाता है, जबकि छोटे हमलावर बोट, ड्रोन और तटीय मिसाइलें अचानक हमला कर सकती हैं। इसे देखते हुए अमेरिकी नौसेना फिलहाल होर्मुज में गश्त से बच रही है और ओमान की खाड़ी या अरब सागर जैसे सुरक्षित इलाकों से निगरानी कर रही है।

वाशिंगटन: अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच करीब 40 दिनों तक चले सैन्य संघर्ष के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भले ही ईरान की नौसेना को "लगभग खत्म" बता रहे हों, लेकिन जमीनी हकीकत इससे कहीं अधिक जटिल है। रणनीतिक रूप से बेहद अहम होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह खोलने के लिए अमेरिका अब भी सीधा सैन्य अभियान शुरू करने से बच रहा है।

पश्चिम एशिया में भारी सैन्य जमावड़े: मरीन कमांडो, एंफीबियस युद्धपोत और उन्नत वायुसेना- के बावजूद अमेरिकी नौसेना इस संकरे जलमार्ग में सीधे टकराव से हिचक रही है। इसकी बड़ी वजह ईरान की तथाकथित "मच्छर बेड़ा" रणनीति है, जो छोटे, तेज और फुर्तीले हमलावर नौकाओं पर आधारित है। विशेषज्ञों के मुताबिक, इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आइआरजीसी) की नौसेना पारंपरिक युद्ध के बजाय गुरिल्ला शैली में काम करती है। बड़े युद्धपोतों के बजाय यह छोटे हमलावर बोट, ड्रोन और तटीय मिसाइल ठिकानों के जरिए "हिट-एंड-रन" रणनीति अपनाती है। यही कारण है कि भारी नुकसान के बावजूद ईरान अब भी समुद्री मार्गों के लिए बड़ा खतरा बना हुआ है।

संयुक्त राष्ट्र से संबद्ध अंतरराष्ट्रीय समुद्री एजेंसी के अनुसार, युद्ध के दौरान कम से कम 20 जहाजों पर हमले हुए। इन हमलों में ज्यादातर ड्रोन और मोबाइल लांचरों से दागी गई मिसाइलों का इस्तेमाल हुआ, जिनका पता लगाना मुश्किल होता है।

अमेरिकी सैन्य अधिकारियों का दावा है कि ईरान की नियमित नौसेना का 90 प्रतिशत हिस्सा नष्ट हो चुका है, जबकि आइआरजीसी की कई तेज हमले करने वाली नौकाएं भी डूब गई हैं। इसके बावजूद इन छोटी नौकाओं की वास्तविक संख्या का आकलन मुश्किल है, क्योंकि ये अक्सर गुफाओं और छिपे ठिकानों में तैनात रहती हैं और मिनटों में तैनाती के लिए तैयार हो जाती हैं।

वाशिंगटन इंस्टीट्यूट में गार्ड नेवी के विशेषज्ञ फारजीन नादिमी कहते हैं कि ईरान की गार्ड नौसेना में करीब 50,000 सैनिक हैं। इनको खाड़ी के किनारे पांच क्षेत्रों में विभाजित किया गया है, जिनको ईरान के नियंत्रण वाले 38 खाड़ी द्वीपों में से कई टापुओं पर तैनात किया गया है।

हमलावर नौकाओं के लिए लगभग 10 किलेबंद अड्डे बनाए गए हैं। ये सभी नौसेना के विशेष बलों के संचालन केंद्र- फरूर- से संचालित होते हैं।

होर्मुज में अमेरिका दोहराने जा रहा गैलीपोली जैसी रणनीतिक भूल!

- समुद्री नियंत्रण की जंग में प्रथम विश्वयुद्ध के सबक फिर प्रासंगिक
- ईरान को कम आंकने और 'मिशन क्रीप' का खतरा बढ़ सकता है

गैलीपोली समुद्री मार्ग पर नियंत्रण की कोशिश की थी ब्रिटेन और फ्रांस ने। फाइल >>

कैनबरा, द कन्वर्सेशन: अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के केंद्र में होर्मुज जलडमरूमध्य बना हुआ है, जहां से वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति का करीब 20 प्रतिशत गुजरता है। युद्ध जैसी परिस्थितियों के बीच ईरान ने इस रणनीतिक मार्ग को अमेरिका और उसके सहयोगियों के लिए बंद कर दिया था, जबकि तटस्थ और समर्थक देशों के जहाजों को सीमित आवाजाही की अनुमति दी गई। इसके जवाब में अमेरिका ने आर्थिक दबाव बढ़ाते हुए होर्मुज के बाहर नौसैनिक नाकेबंदी कर रखी है।

विशेषज्ञ इस स्थिति की तुलना प्रथम विश्व युद्ध के दौरान 1915 के गैलीपोली अभियान से कर रहे हैं, जहां समुद्री मार्ग पर नियंत्रण की कोशिश मित्र देशों के लिए भारी विफलता साबित हुई थी। उस समय ब्रिटेन और फ्रांस ने ओटोमन (तुर्की) के नियंत्रण वाले डाडानिल्स जलडमरूमध्य को खोलने के लिए मुख्यतः नौसेना पर आधारित अभियान शुरू किया था, जिसे विंस्टन चर्चिल की रणनीति माना जाता है। मित्र राष्ट्रों ने तुर्की की सैन्य क्षमता को कम आंकते हुए पुराने युद्धपोतों के सहारे अभियान चलाया। लेकिन संकरे जलमार्ग में प्रवेश करते ही ये जहाज तटीय तोपखाने और समुद्री बारूदी सुरंगों के आसान लक्ष्य बन गए। तुर्की सेना ने पहले से ही मजबूत रक्षा तैयार कर रखी थी, जिसके चलते एंग्लो-फ्रेंच बेड़े को भारी नुकसान उठाना पड़ा और अभियान विफल हो गया। बाद में थल सेना उतारने के बावजूद आठ महीनों तक चले संघर्ष में करीब 4.83 लाख सैनिक मारे गए, लेकिन अंततः मित्र देशों को पीछे हटना पड़ा। गैलीपोली अभियान से कई महत्वपूर्ण सबक मिलते हैं, जो आज के होर्मुज संकट में प्रासंगिक नजर आते हैं। पहला, किसी भी रणनीतिक निर्णय में केवल प्रभावशाली नेतृत्व पर निर्भर रहने के बजाय व्यापक और ठोस आकलन जरूरी होता है। दूसरा, विरोधी पक्ष को कमजोर आंकना भारी पड़ सकता है- 1915 में 'गनबोट डिप्लोमेसी' विफल रही थी और आज भी इसके सफल होने की संभावना संदिग्ध है। तीसरा, 'मिशन क्रीप' का खतरा- जब प्रारंभिक रणनीति असफल होती है तो बड़े देश अपने सैन्य प्रयासों को सीमित करने के बजाय बढ़ा देते हैं, जिससे संघर्ष और जटिल हो जाता है। चौथा, युद्ध में भारी मानवीय और आर्थिक नुकसान की अनदेखी अक्सर घातक साबित होती है। विश्लेषकों के अनुसार, यदि होर्मुज में तनाव और बढ़ता है, तो इसका असर केवल सैन्य मोर्चे तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और नागरिक जीवन पर भी गंभीर प्रभाव पड़ सकता है।

ट्रंप का दावा- अमेरिका लाएगा ईरानी यूरेनियम, तेहरान ने किया सिरे से खारिज

- ईरानी विदेश मंत्रालय ने कहा, यूरेनियम ईरानी मिट्टी की तरह पवित्र, बाहर नहीं भेजेंगे
- ईरान के संसद अध्यक्ष ने कहा, घंटेभर के भीतर ट्रंप ने सात झूठ बोले

डोनाल्ड ट्रंप। फाइल

काहिरा, एएनआइ: अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया है कि अमेरिका, ईरान से संबंधित यूरेनियम अपने देश ले जाएगा, हालांकि तेहरान ने इस तरह के किसी भी समझौते से साफ इन्कार कर दिया है।

एरिजोना में टर्निंग प्वाइंट यूएसए कार्यक्रम में ट्रंप ने कहा कि यह प्रक्रिया ईरान के साथ मिलकर पूरी की जाएगी। उन्होंने कहा, "हम बड़ी-बड़ी मशीनों के साथ जाएंगे, ईरान के साथ मिलकर यूरेनियम निकालेंगे और उसे अमेरिका ले आएंगे।" ट्रंप ने यह भी दावा किया कि अमेरिका "सभी परमाणु अवशेष" अपने नियंत्रण में लेगा और ईरान को कभी परमाणु हथियार नहीं बनाने दिया जाएगा।

ट्रंप के इन बयानों के तुरंत बाद ईरान ने कड़ा विरोध जताया। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि संवर्धित यूरेनियम "ईरान की मिट्टी जितना ही पवित्र" है और इसे किसी भी परिस्थिति में देश से बाहर नहीं भेजा जाएगा। वहीं, आइआरएनए के अनुसार, संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाकर गलीबाफ ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि ट्रंप ने घंटेभर के भीतर सात झूठ बोले हैं। चाहे संघर्ष हो या बातचीत, झूठ के जरिए ट्रंप कोई परिणाम हासिल नहीं कर पाएंगे।

ट्रंप ने इससे पहले भी दावा किया था कि वार्ता में ईरान "हर बात पर सहमत" हो गया है और समझौते में कोई बाधा नहीं बची है। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान हिजबुल्ला और हमास जैसे समूहों को समर्थन रोकने पर सहमत हो गया है, जबकि सप्ताहांत में आगे की बातचीत जारी रहने की संभावना है।

हालांकि, ईरान ने अमेरिकी दावों को विरोधाभासी और भ्रामक बताते हुए खारिज कर दिया। बघाई ने कहा कि अमेरिकी अधिकारियों के बयान "झूठ और विरोधाभास से भरे" हैं और इनसे प्रभावित नहीं होना चाहिए।

उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य पर अमेरिकी टिप्पणियों को भी बेबसी का संकेत बताते हुए कहा कि इस रणनीतिक जलमार्ग से जुड़े फैसले जमीनी हालात के आधार पर लिए जाते हैं, न कि इंटरनेट मीडिया पर दिए गए बयानों से।

होर्मुज पर तनातनी से शांति वार्ता पर संशय, शरीफ और मुनीर पाकिस्तान लौटे

- होर्मुज में हालात समान्य हुए तो अगले हफ्ते शांति वार्ता की उम्मीद
- पीएम शरीफ ने चार देशों की, जबकि मुनीर ने तीन दिनों की तेहरान यात्रा की

आसिम मुनीर। फाइल

इस्लामाबाद, प्रेट्र: अमेरिका और ईरान के बीच पिछले करीब 50 दिनों से जारी तनाव एक बार फिर निर्णायक मोड़ की ओर बढ़ता दिख रहा है। युद्धविराम की समयसीमा नजदीक आने और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा इसे आगे न बढ़ाने के संकेतों के बीच कूटनीतिक हल की कोशिशें तेज हो गई हैं। हालांकि, होर्मुज में नए तनाव के चलते शांति वार्ता खटाई में पड़ती दिख रही है। इस पूरे घटनाक्रम में पाकिस्तान मध्यस्थ की भूमिका में सक्रिय बना हुआ है।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने क्षेत्रीय समर्थन जुटाने के लिए हाल के दिनों में खाड़ी के चार देशों का दौरा किया। इन यात्राओं के दौरान उन्होंने अमेरिका-ईरान वार्ता को सफल बनाने के लिए सहयोग मांगा और क्षेत्रीय स्थिरता पर जोर दिया। शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान किसी भी टकराव को बातचीत के जरिए सुलझाने के पक्ष में है और वह "स्थायी शांति" के लिए हरसंभव प्रयास करेगा। ट्रंप ने जहां रविवार से शांति वार्ता शुरू होने की उम्मीद जताई है, वहीं सीएनएन ने सूत्रों के हवाले से सोमवार से बातचीत शुरू होने की खबर दी है। हालांकि, न तो व्हाइट हाउस, और न तेहरान की तरफ से इस बारे में आधिकारिक रूप से कुछ कहा गया है।

इसी कड़ी में पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल सैयद आसिम मुनीर ने ईरान की तीन दिवसीय यात्रा पूरी की है। मुनीर बुधवार को तेहरान पहुंचे थे और आठ अप्रैल को हुए दो सप्ताह के युद्धविराम के बाद ईरान जाने वाले पहले विदेशी सैन्य प्रमुख बने।

अपने दौरे पर उन्होंने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान, संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाकर गलीबाफ, विदेश मंत्री अब्बास अराघची और खातम-उल-अनबिया मुख्यालय के कमांडर मेजर जनरल अली अब्दोल्लाही से मुलाकात की।

पाकिस्तानी सेना के मीडिया विंग आइएसपीआर के अनुसार, इन बैठकों में क्षेत्रीय सुरक्षा स्थिति, जारी कूटनीतिक प्रयासों और स्थायी शांति के उपायों पर चर्चा हुई। मुनीर ने संवाद, तनाव कम करने और लंबित मुद्दों को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाने पर जोर दिया। प्रतिनिधिमंडल में पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी भी शामिल थे।

पश्चिमी एशिया के हालात पर बारीकी से नजर रख रही सरकार : राजनाथ

नई दिल्ली, एएनआइ : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को पश्चिम एशिया की स्थिति पर अनौपचारिक मंत्रियों के समूह की चौथी बैठक की अध्यक्षता की और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच भारत की तैयारियों का आकलन किया गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राजग सरकार क्षेत्र में चल रहे संघर्ष से उपजे संभावित खतरों का सामना करने के लिए त्वरित और प्रभावी कदम उठा रही है।

राजनाथ ने बताया कि सरकार पश्चिम एशिया के वर्तमान हालात पर बारीकी से नजर रख रही है और उभरती चुनौतियों को कम करने के लिए आवश्यक उपाय कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत वैश्विक आपूर्ति में बाधाओं के बावजूद स्थिर ऊर्जा सुरक्षा स्थिति बनाए रखे हुए है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद भवन में सुरक्षा पर मंत्रिमंडलीय समिति की बैठक की अध्यक्षता की। पीएम ने विभिन्न मंत्रालयों और विभागों द्वारा उठाए गए कदमों की समीक्षा की।

ईरानी बंदरगाहों पर नाकेबंदी जारी रहने तक बाधित रहेगा होर्मुज

प्रथम पृष्ठ से आगे

अमेरिका के नए शांति प्रस्तावों की ईरान में समीक्षा

एपी के अनुसार, ईरान ने कहा है कि वह अमेरिका की ओर से हाल में दिए गए नए प्रस्तावों की समीक्षा कर रहा है, लेकिन बातचीत में अपने रुख से पीछे नहीं हटेगा। सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल ने बयान में कहा कि वाशिंगटन ने हाल के दिनों में कुछ नए प्रस्ताव पेश किए हैं, जिनका आकलन किया जा रहा है और अब तक कोई अंतिम जवाब नहीं दिया गया है। ईरान ने स्पष्ट किया कि कूटनीतिक चैनल खुले हैं, लेकिन उसका रुख पहले जैसा ही सख्त बना हुआ है। परिषद ने कहा कि वार्ता टीम "जरा भी समझौता, पीछे हटना या नरमी नहीं बरतेगी" और ईरानी जनता के हितों की पूरी ताकत से रक्षा करेगी।

गौरतलब है कि सात सप्ताह से जारी संघर्ष के दौरान ईरान केवल उन्हीं जहाजों को गुजरने दे रहा था, जिन्हें उसकी अनुमति प्राप्त थी। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने शुक्रवार को एक्स पर एक पोस्ट में होर्मुज को खोले जाने की बात कही थी। उन्होंने कहा था कि लेबनान में युद्धविराम को देखते हुए अहम सामुद्रिक मार्ग को सभी देशों के व्यापारिक जहाजों के लिए खोला जा रहा है। साथ ही उन्होंने कहा था कि युद्धविराम जारी रहने तक ही ये जलमार्ग खुला रहेगा। ईरान की इस पहल का ट्रंप ने स्वागत किया था और धन्यवाद भी बोला था। इसके बाद ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि भले ही ईरान ने होर्मुज को खोल दिया हो, लेकिन ईरानी बंदरगाहों से निकलनेवाले जहाजों के लिए अमेरिकी नौसेना की नाकेबंदी जारी रहेगी। उन्होंने कहा था कि ईरान के साथ शत प्रतिशत शांति समझौता होने के बाद ही ये नाकेबंदी हटाई जाएगी। ईरान की तरफ से शुक्रवार को ट्रंप के इस बयान के बाद होर्मुज को बंद करने की चेतावनी दी गई थी।

रायटर के अनुसार, ईरान की संयुक्त सैन्य कमान ने शनिवार को कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य अब सशस्त्र बलों के कड़े नियंत्रण में है और जब तक अमेरिका ईरानी बंदरगाहों पर नाकेबंदी जारी रखेगा, तब तक इस मार्ग से आवाजाही बाधित रहेगी। सैन्य कमान के प्रवक्ता ने बताया कि ईरान ने अमेरिका के साथ चल रही बातचीत के बीच नेक नीयत के साथ होर्मुज से सीमित संख्या में तेल टैंकरों और व्यापारिक जहाजों को आवागमन के लिए रास्ता दिया था। लेकिन अमेरिकी गतिविधियों ने तेहरान को इस जलमार्ग में नियंत्रण सख्त करने को विवश कर दिया है।

ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा समिति के प्रमुख इब्राहिम अजीजी ने कहा कि स्थिति "पुरानी व्यवस्था" में लौट रही है, जिसके तहत जहाजों को ईरानी नौसेना से अनुमति लेनी होगी और शुल्क भी चुकाना पड़ सकता है।

एएनआइ के अनुसार, ईरान के उप विदेश मंत्री सईद खातिबजादेह ने होर्मुज को बंद करने के फैसले पर कहा कि अमेरिका ने युद्धविराम की शर्तों का उल्लंघन किया है, इसलिए प्रतिक्रिया तो होगी ही। उन्होंने ये भी बताया कि अगले दौर की शांति वार्ता के लिए कोई तारीख तय नहीं हुई है।

ट्रंप की बयानबाजी पर ईरान की तीखी प्रतिक्रिया

न्यूयार्क टाइम्स के अनुसार, होर्मुज बंद करने से भड़के ट्रंप ने शनिवार को कहा कि ईरान के साथ बातचीत जारी है, लेकिन अमेरिका सख्त रुख बनाए रखेगा। ट्रंप ने कहा, "हमारी बहुत अच्छी बातचीत चल रही है, लेकिन वे हमेशा की तरह चालाकी दिखा रहे हैं। ईरान के पास न नौसेना है, न वायुसेना। कोई नेतृत्व नहीं है, उनके पास कुछ भी नहीं है। लेकिन फिर भी हम उनसे बात कर रहे हैं।" उन्होंने तेहरान के रवैये पर नाराजगी जताते हुए कहा कि पिछले दशकों में ईरान की नीतियां इसी तरह की रही हैं। ईरान की वजह से "कई लोगों, खासकर अमेरिकी नागरिकों की जान गई है।" ट्रंप के अनुसार, बातचीत जारी रहने के बावजूद वाशिंगटन किसी भी समझौते में ढील देने के मूड में नहीं है और अपने हितों की रक्षा के लिए सख्त रुख बनाए रखेगा। इससे पहले शुक्रवार को ट्रंप ने कहा था कि ईरान के साथ युद्धविराम आगे नहीं बढ़ाया जाएगा।

ईरान तट के पास अभी भी 15 भारतीय जहाज फंसे

प्रथम पृष्ठ से आगे

मित्र देशों की श्रेणी में है भारत

यह घटनाक्रम इसलिए भी ज्यादा अहम है क्योंकि कि ईरान आधिकारिक तौर पर यह कहता रहा है कि उसने मित्र देशों के जहाजों को होर्मुज से बाहर निकलने से नहीं रोक रखा है। दो हफ्ते पहले ईरान के विदेश मंत्री ने चीन, रूस, पाकिस्तान के साथ भारत का भी नाम मित्र देशों की श्रेणी में लेते हुए कहा था कि इनके जहाजों को बाहर निकलने दिया जाएगा।

होर्मुज पर नियंत्रण के लिए ईरान -अमेरिका की रस्साकसी का नतीजा

ईरानी नौ सेना के इस हमले को होर्मुज पर ईरान और अमेरिका के बीच नियंत्रण बनाए रखने को लेकर चल रही रस्साकसी का नतीजा भी माना जा रहा है। गुरुवार को पहले ईरान की सरकार की तरफ से और उसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से यह एलान किया गया कि होर्मुज को वाणिज्यिक जहाजों के आवागमन के लिए खोलने को लेकर पूरी तरह से सहमति बन गई है। कुछ ही घंटे में यह सहमति बिखर गई। इस ताजे हमले से होर्मुज से सुरक्षित आवागमन को लेकर संभावनाएं क्षीण हो गई हैं। भारत अपनी जरूरत का 60 प्रतिशत तेल और 90 प्रतिशत आयातित गैस इसी मार्ग से लाता है। इस घटना का भारत व ईरान के संबंधों पर भी असर पड़ने की बात कही जा रही है।

ब्रिटेन की मैरीटाइम आपरेशन सेंटर (यूकेएमओसी) की तरफ से बताया गया है कि ईरानी सैन्य बल के दो जहाजों ने रेडियो पर चेतावनी देकर एक जहाज को रोका और फिर उस पर चेतावनी वाली गोलियां दागीं। विदेश मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में 'तलब करने' जैसे शब्द से परहेज किया गया है। सूत्रों का कहना है कि ईरान के तट के पास अभी भी 15 भारतीय जहाज फंसे हुए हैं। पश्चिम एशिया संघर्ष शुरू होने के समय वहां 24 जहाज थे। ईरान से वार्ता के बाद उनमें से नौ होर्मुज को पार करने में सफल रहे हैं। वैसे यह पहली बार नहीं है जब पश्चिम एशिया के संघर्ष में भारतीय जहाजों को निशाना बनाया गया हो। इससे पहले भी इस क्षेत्र में एक भारतीय जहाज पर हमला हुआ था, जो अमेरिका की तरफ से किया गया था। उस घटना ने भी समुद्री सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता पैदा की थी। उस घटना के बाद अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पीएम नरेन्द्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक से ज्यादा बार नाविकों व जहाजों पर हुए हमले को अस्वीकार्य बताया।

उधर, प्रेट्र के अनुसार भारत आ रहे 14 जहाजों के काफिले को ईरानी सेना ने रोक लिया और दो पर बिना चेतावनी गोलीबारी की। इसमें से एक भारतीय ध्वज वाले जहाज को कुछ नुकसान पहुंचा। काफिले के जहाजों में से 13 वापस लौट गए। एक अन्य भारतीय ध्वज वाला जहाज होर्मुज स्ट्रेट को पार कर गया और अब भारत की ओर बढ़ रहा है। यह जहाज हिंदुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड के लिए कच्चा तेल ले जा रहा है।

ट्रंप से बहस करना बिल्कुल भी मेरे हित में नहीं : पोप लियो

- 'मेरा काम दुनिया में न्याय, भाईचारा और शांति को बढ़ावा देना है, न कि राजनीतिक व्याख्याओं में उलझना'

पोप लियो चौदहवें। फाइल

कैमरून, एपी : पोप लियो चौदहवें ने एक बार फिर दुनिया को स्पष्ट संदेश दिया है कि उनका मिशन राजनीति नहीं, बल्कि शांति है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा की गई तीखी आलोचनाओं पर विराम लगाते हुए पोप ने बड़े ही सौम्य लेकिन दृढ़ शब्दों में कहा कि ईरान युद्ध को लेकर "राष्ट्रपति के साथ बहस करना बिल्कुल भी मेरे हित में नहीं है।"

पिछले कुछ दिनों से ट्रंप और वेटिकन के बीच वाकयुद्ध का जो दौर चल रहा था, उस पर पोप ने स्पष्ट किया कि शांति का उनका प्रचार किसी व्यक्ति विशेष (ट्रंप) के लिए नहीं, बल्कि ईसा मसीह के उपदेशों पर आधारित है। ट्रंप ने उन पर अपराधों को लेकर 'नरम' होने और वामपंथियों का करीबी होने का आरोप लगाया था, यहां तक कि उनके चयन का श्रेय भी खुद को दिया था। इसके जवाब में पोप ने कहा कि मेरे बयानों का उद्देश्य किसी राजनीतिक विवाद को जन्म देना नहीं था।

ईरान युद्ध की विभीषिका के बीच, पोप ने स्पष्ट किया था कि ईरानी सभ्यता को नष्ट करने की धमकियां 'अस्वीकार्य' हैं। उन्होंने रूस-यूक्रेन युद्ध और अफ्रीका के आंतरिक संघर्षों का जिक्र करते हुए कहा कि धर्म के नाम पर युद्ध का औचित्य साबित करना गलत है। मैं मुख्य रूप से एक पादरी के रूप में, कैथोलिक चर्च के प्रमुख के रूप में अफ्रीका आया हूं।

यूक्रेन में बंदूकधारी ने पांच लोगों की हत्या की, पुलिस ने मार गिराया

कीव, एपी : यूक्रेन में शनिवार को हमलावार ने पांच लोगों की हत्या कर दी और एक सुपरमार्केट में लोगों को बंधक बना लिया। गृह मंत्री इगोर क्लिमेंको ने बताया कि पुलिस ने उसे गोली मार दी। उन्होंने कहा, "कीव में हमलावर को गिरफ्तारी के दौरान मार गिराया गया। "राष्ट्रीय पुलिस के विशेष बलों ने उस सुपरमार्केट पर धावा बोला, जहां हमलावर मौजूद था। उसने लोगों को बंधक बना लिया और हिरासत के दौरान एक पुलिसकर्मी पर गोली चलाई। इससे पहले, मध्यस्थों ने उससे संपर्क करने की कोशिश की थी।" क्लिमेंको ने कहा कि बंदूकधारी से मध्यस्थ के माध्यम से संपर्क करने के प्रयास विफल होने के बाद विशेष सामरिक पुलिस इकाइयों ने स्टोर पर धावा बोला। राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि पांच लोग मारे गए हैं। कीव के मेयर विटाली क्लित्स्को ने बताया कि गोलीबारी कीव के होलोसिव्स्की जिले में हुई। उन्होंने कहा कि 10 लोगों का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

लेबनान में संयुक्त राष्ट्र मिशन पर हमला, फ्रांसीसी सैनिक की मौत

- मैक्रों ने हिजबुल्ला को ठहराया जिम्मेदार, आतंकी संगठन ने किया इन्कार
- युद्धविराम के बावजूद इजरायल ने लेबनान में की हवाई कार्रवाई

इमैनुएल मैक्रों। फाइल

पेरिस, रायटर: दक्षिणी लेबनान में संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन (यूएनआइएफआइएल) पर हुए हमले में एक फ्रांसीसी सैनिक की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने शनिवार को इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि शुरुआती सबूत ईरान समर्थित संगठन हिजबुल्ला की संलिप्तता की ओर इशारा करते हैं। हालांकि, हिजबुल्ला ने आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए घटना में शामिल होने से इन्कार किया है। वहीं, लेबनान ने मामले की जांच की बात कही है।

मैक्रों ने इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर जारी बयान में कहा कि घायलों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया गया है और लेबनान सरकार से इस हमले के जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। उन्होंने इसे शांति मिशन पर गंभीर हमला बताते हुए अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करार दिया।

उधर, लेबनान के विदेश मंत्रालय ने हमले की कड़ी निंदा करते हुए दोषियों को न्याय के कटघरे में लाने का आश्वासन दिया है। मंत्रालय ने कहा कि घटना की जांच शुरू कर दी गई है और हमलावरों की पहचान कर उन्हें जवाबदेह ठहराया जाएगा। साथ ही बयान में यह भी कहा गया कि यूएनआइएफआइएल बलों को इजरायली सेना और हिजबुल्ला से जुड़े तत्वों द्वारा बार-बार उल्लंघनों का सामना करना पड़ रहा है।

इस बीच, इजरायली सेना ने भी दक्षिणी लेबनान में हवाई कार्रवाई की पुष्टि की है। इजरायल डिफेंस फोर्स (आइडीएफ) के अनुसार, उसकी वायुसेना ने एक आतंकी सेल को निशाना बनाते हुए उसे खत्म कर दिया, जो सीमा के पास उसके सैनिकों के लिए खतरा बन रहा था।

सेना का कहना है कि यह कार्रवाई युद्धविराम के बावजूद संभावित हमलों को रोकने के लिए की गई।

आइएमएफ से ऋण की अगली किस्त जल्द पाने की जुगत में लगा पाकिस्तान

इस्लामाबाद, प्रेट्र : पाकिस्तान के वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब ने कहा है कि पाकिस्तान आइएमएफ से अगली किस्त की जल्द मंजूरी चाहता है, क्योंकि वैश्विक ऋणदाता की एक टीम आगामी समीक्षा पर परामर्श के लिए अगले महीने देश का दौरा करेगी।

विश्व बैंक-आइएमएफ की बैठकों के लिए वाशिंगटन में मौजूद औरंगजेब लगभग 1.2 अरब अमेरिकी डालर की मंजूरी का जिक्र कर रहे थे, जिसमें चल रही 37 महीने की ईएफएफ के तहत एक अरब अमेरिकी डालर और 28 महीने की आरएसएफ के तहत 20 करोड़ अमेरिकी डालर शामिल हैं। पिछले साल ईएफएफ के तहत आइएमएफ की दूसरी समीक्षा पूरी होने पर एक कर्मचारी-स्तरीय समझौता पर हस्ताक्षर किए गए थे, जिस पर 2024 में सहमति बनी थी। औरंगजेब ने आइएमएफ अधिकारियों के साथ ईरान संघर्ष के अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव पर चर्चा की है, लेकिन हमारा ध्यान अगली किस्त की शीघ्र मंजूरी प्राप्त करने पर है।

बल्लेबाज	रन
हेनरिक क्लासेन	283
शुभमन गिल	251
विराट कोहली	247

दैनिक जागरण
धूम धड़ाका
आइपीएल 19
www.jagran.com
रविवार 19 अप्रैल, 2026

गेंदबाज	विकेट
अंशुल कंबोज	13
प्रसिद्ध कृष्णा	11
भुवनेश्वर कुमार	10

मिलर-स्टब्स ने खत्म की दिल्ली की बेचैनी

दिल्ली कैपिटल्स ने गत चैंपियन आरसीबी को छह विकेट से हराया स्टब्स व राहुल के अर्धशतक

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली: दिल्ली कैपिटल्स ने गत चैंपियन रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को उसके ही घर पर छह विकेट से मात देकर हार के सिलसिले पर ब्रेक लगा दिया। चिन्नास्वामी स्टेडियम में शनिवार को खेले गए मुकाबले में आरसीबी ने दिल्ली के सामने 175 रन का लक्ष्य रखा था, जिसे मेहमान टीम ने एक गेंद शेष रहते 179 रन बनाकर हासिल कर लिया। इस जीत ने न केवल दिल्ली का आत्मविश्वास बढ़ाया, बल्कि टीम के डगआउट में चल रही बेचैनी को भी खत्म किया। खास बात यह रही कि यह मैच भी दिल्ली की पकड़ से छूटता दिख रहा था। अंतिम ओवर में दिल्ली को 15 रन चाहिए थे और रोमारियो शेफर्ड की पहली दो गेंद पर केवल दो ही रन दिए, लेकिन डेविड मिलर (22*) ने अगली तीन गेंदों पर दो छक्के और एक चौका लगाकर मैच को फिनिश किया। गुजरात टाइटंस के विरुद्ध जहां मिलर के एक रन न लेने के निर्णय के बाद 'खलनायक' की तरह प्रस्तुत किया गया था, उन्हीं मिलर ने टीम को जीत दिलाकर उस हार की टीस को भी मिटा दिया। मिलर के अलावा ट्रिस्टन स्टब्स (60*) और केएल राहुल (57) ने शानदार पारियां खेलीं। जैसे ही दिल्ली ने जीत हासिल की, डगआउट में खुशी का माहौल देखने को मिला और हेड कोच हेमांग बदानी ने मिलर को गले लगाकर उनकी अहम भूमिका की सराहना की। लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली की शुरुआत बेहद खराब रही थी। दिल्ली की टीम 2.5 ओवर में 18 रन पर तीन विकेट गंवाकर संकट में थी और मैच पूरी तरह आरसीबी के नियंत्रण में नजर आ रहा था। लेकिन इसके बाद केएल राहुल और ट्रिस्टन स्टब्स ने धैर्य और समझदारी से बल्लेबाजी करते हुए पारी को संभाला। दोनों के बीच 69 रन की अहम साझेदारी हुई, जिसने दिल्ली को मुकाबले में वापस ला दिया। राहुल ने क्लासिकल शाट्स के साथ रन बनाए और एक समय ऐसा लग रहा था कि वह टीम को जीत दिलाकर ही लौटेंगे, लेकिन विराट कोहली के शानदार कैच ने उनकी पारी का अंत कर दिया। केएल ने अपनी पारी में छह चौके और दो छक्के लगाए और अपनी जन्मतिथि पर अर्धशतक लगाया। कप्तान अक्षर पटेल (26) ने छोटी लेकिन उपयोगी पारी खेली, हालांकि वह क्रैम्प्स से जूझते नजर आए।

दिल्ली की जीत के बाद डेविड मिलर और ट्रिस्टन स्टब्स • एपी

दिल्ली की कसी हुई गेंदबाजी: इससे पहले दिल्ली के गेंदबाजों ने बेहद कसी हुई गेंदबाजी करते हुए आरसीबी को बड़ा स्कोर बनाने से रोक दिया। डेथ ओवर में उसके गेंदबाजों ने आरसीबी के बल्लेबाजों को खुलकर खेलने नहीं दिया। टी नटराजन ने 19वें ओवर में केवल दो रन दिए और लुंगी नगिदी ने अंतिम ओवर में केवल छह रन दिए।

स्कोर बोर्ड

रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु: 175/8 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4/6
साल्ट का. स्टब्स बो. कुलदीप	63	38	4/3
कोहली का. निसंका बो. नगिदी	19	13	3/0
पडिक्कल का. मिलर बो. अक्षर	18	13	1/1
रजत का. राहुल बो. मुकेश	8	4	0/1
डेविड का. नटराजन बो. अक्षर	26	17	3/1
जितेश का. मिलर बो. नगिदी	14	20	1/0
शेफर्ड एलबीडब्ल्यू बो. कुलदीप	1	4	0/0
क्रुणाल रन आउट	12	10	0/1
रासिख अविजित	0	0	0/0
भुवनेश्वर अविजित	3	2	0/0

अतिरिक्त: 11 (लेबा: 2, नोबा: 1, वा: 8), **विकेटपतन:** 1-52 (कोहली, 5.1), 2-99 (पडिक्कल, 9.6), 3-105 (साल्ट, 10.4), 4-131 (रजत, 12.4), 5-146 (डेविड, 15.2), 6-149 (शेफर्ड, 16.3), 7-172 (क्रुणाल, 19.2), 8-172 (जितेश, 19.4), **गेंदबाजी:** आकिब 3-0-36-0, मुकेश 4-0-32-1, नगिदी 4-0-39-2, कुलदीप 4-0-32-2, नटराजन 2-0-16-0, अक्षर 3-0-18-2

दिल्ली कैपिटल्स: 179/4 (19.5 ओवर)

	रन	गेंद	4/6
निसंका एलबीडब्ल्यू बो. भुवनेश्वर	1	2	0/0
राहुल का. कोहली बो. क्रुणाल	57	34	6/2
करुण का. साल्ट बो. भुवनेश्वर	5	5	1/0
समीर का. जितेश बो. भुवनेश्वर	2	3	0/0
स्टब्स अविजित	60	47	4/1
अक्षर रिटायर्ड हर्ट	26	19	3/0
मिलर अविजित	22	10	1/2

अतिरिक्त: 6 (लेबा: 3, नोबा: 1, वा: 2), **विकेटपतन:** 1-2 (निसंका, 0.4), 2-16 (करुण, 2.2), 3-18 (समीर, 2.5), 4-87 (राहुल, 10.1), गेंदबाजी: भुवनेश्वर 4-0-26-3, हेजलवुड 4-0-38-0, रासिख 4-0-40-0, क्रुणाल 4-0-24-1, सुयश 3-0-31-0, शेफर्ड 0.5-0-17-0

	अंक तालिका	मैच	जीत	हार	रद	नेट रन रेट	अंक
1	पंजाब	5	4	0	1	+1.067	9
2	आरसीबी	6	4	2	0	+1.171	8
3	राजस्थान	5	4	1	0	+0.889	8
4	हैदराबाद	6	3	3	0	+0.566	6
5	दिल्ली	5	3	2	0	+0.310	6
6	गुजरात	5	3	2	0	+0.018	6
7	चेन्नई	6	2	4	0	-0.780	4
8	लखनऊ	5	2	3	0	-0.804	4
9	मुंबई	5	1	4	0	-1.076	2
10	कोलकाता	6	0	5	1	-1.149	1

आइपीएल में जन्मतिथि पर अर्धशतक

रन	गेंद	बल्लेबाज	बनाम	स्थान	वर्ष
66	34	डेविड मिलर (हैदराबाद)	दिल्ली कैपिटल्स	दुबई	2020
61	51	केएल राहुल (पंजाब)	दिल्ली कैपिटल्स	मुंबई	2021
57	34	केएल राहुल (दिल्ली)	आरसीबी	बेंगलुरु	2026
54	43	माइक हसी (चेन्नई)	केकेआर	चेन्नई	2012

पंजाब से पार पाना लखनऊ के लिए चुनौती

रवि अटवाल • जागरण

चंडीगढ़: शानदार लय में नजर आ रही पंजाब किंग्स रविवार को मुल्लांपुर के न्यू इंटरनेशनल स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स से भिड़ेगी। दोनों टीमों का इस आइपीएल सीजन यह छठा मुकाबला होगा। एक तरफ जहां पंजाब अपनी जीत की लय को बरकरार रखना चाहेगी। वहीं, लखनऊ सुपर जायंट्स दो हार के बाद वापसी की तलाश में है। हालांकि, पंजाब किंग्स के सामने लखनऊ की बल्लेबाजी कमजोर नजर आ रही है। पंजाब का टाप आर्डर शानदार फार्म में है। इस सीजन के आंकड़ों पर नजर डालें तो लखनऊ के शीर्ष पांच बल्लेबाजों ने उतने छक्के नहीं जड़े, जितने अकेले पंजाब के सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्या और प्रभसिमरन सिंह ने लगाए हैं। लखनऊ के मिशेल मार्श(7), एडेन मार्करैम (6), रिषभ पंत (1), निकलस पूरन (3) और आयुष बदोनी (3) ने 20 छक्के लगाए हैं जबकि प्रियांश-प्रभसिमरन ने 22(11-11) छक्के जड़े हैं।

पंजाब ने इस साल पांच में से चार मुकाबले जीते हैं, जबकि एक बारिश के कारण ड्रा रहा। अकेले पंजाब किंग्स ही इस सीजन अब तक अजेय टीम है। वहीं, लखनऊ ने पांच में से केवल दो मुकाबले जीते हैं। पंजाब के लिए प्रभसिमरन सिंह ने सर्वाधिक 211 रन बनाए हैं। उनके अलावा कप्तान अय्यर ने 203, कूपर कोनोली ने 136 और प्रियांश आर्या ने 118 रन बनाए हैं। वहीं, लखनऊ के लिए सर्वाधिक रन मुकुल चौधरी(127)ने बनाए हैं। टीम के केवल तीन बल्लेबाजों ने एक-एक अर्धशतक लगाए हैं। हालांकि लखनऊ की गेंदबाजी पंजाब से बेहतर नजर आ रही है। पंजाब के युजवेंद्र चहल और मार्को जेनसेन जैसे प्रमुख गेंदबाज अभी तक कुछ कमाल नहीं दिखा पाए हैं। वहीं, लखनऊ के स्टार गेंदबाज मोहम्मद शमी और प्रिंस यादव अच्छी लय में है। अर्शदीप सिंह भी शुरुआती मुकाबलों में कुछ खास नहीं कर पाए, हालांकि पिछले मैच में उन्होंने तीन विकेट लेकर वापसी जरूर की है।

फार्म तलाश रहे पंत, अय्यर बरसा रहे रन: इस आइपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स के सबसे महंगे खिलाड़ी और कप्तान रिषभ पंत का बल्ला खामोश रहा है। इस सीजन उन्होंने पांच मैचों में महज 26 की औसत से महज 104 रन बनाए हैं। उनके नाम एक ही अर्धशतकीय पारी रही है। यहां तक की उन्होंने पांच मैचों में अब तक एक ही छक्का लगाया है। वहीं, दूसरी ओर पंजाब के कप्तान श्रेयस अय्यर के बल्ले से खूब रन निकल रहे हैं। उन्होंने पांच मैचों में 67.66 की औसत से 203 रन बनाए हैं। पिछली तीन पारियों में उन्होंने 66, 69 नाबाद और 50 रन बनाए हैं।

श्रेयस अय्यर

मुल्लांपुर के मैदान में पंजाब और लखनऊ के बीच मुकाबला आज, पंत के बल्ले से नहीं निकल रहे रन, श्रेयस अय्यर अच्छी फार्म में

रिषभ पंत

आज होगी कोलकाता-राजस्थान की भिड़ंत

विशाल श्रेष्ठ • जागरण

कोलकाता: ऐसा पहली बार है, जब बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान से महज तीन दिन पहले ईडन गार्डेंस स्टेडियम में आइपीएल का मैच होने जा रहा है। चुनावी सरगर्मी व राजनीतिक तनातनी के बावजूद रविवार को कोलकाता नाइट राइडर्स व राजस्थान रायल्स में होने वाले इस मैच को लेकर उत्साह तनिक भी कम नहीं है, बल्कि इसने माहौल को कूल कर दिया है। कोलकाता के समर्थकों को उम्मीद है कि उनकी टीम की हार का सिलसिला थमेगा और चुनाव संपन्न होने के बाद कोलकाता जब आगामी 16 मई को दोबारा यहां खेलने आएगी तो भिन्न स्थिति में होगी। कोलकाता अब तक छह मैच खेलकर पांच हार चुकी है। ईडन में पंजाब के विरुद्ध मैच के बारिश के कारण धुलने से अंक बंटने से कोलकाता का खाता खुला था। हालांकि वर्तमान सत्र में वह अभी भी ऐसी एकमात्र टीम है, जिसने एक भी मैच नहीं जीता है और अंक तालिका में सबसे निचले पायदान पर है। दूसरी तरफ राजस्थान ने पांच मैच खेले हैं। पहले चार मैच शानदार तरीके से जीते लेकिन हैदराबाद के विरुद्ध पिछले मैच में उसकी जीत की लय टूट गई। उसकी बेहद मजबूत बल्लेबाजी को हैदराबाद के गेंदबाजों ने 159 रनों पर समेट दिया। राजस्थान विजय पथ पर वापसी को बेताब है। फिलहाल राजस्थान का पलड़ा भारी दिख रहा है, लेकिन रिकार्ड कोलकाता की थोड़ी अधिक वकालत कर रहा है। दोनों टीमों के बीच अब तक 32 मैच हुए हैं, जिनमें कोलकाता ने 16 तो राजस्थान ने 13 जीते हैं। तीन बेनतीजा रहे।

रियान पराग | अंजिक्य रहाणे

योजनाओं में उलझी कोलकाता: कोलकाता के लिए कोई भी योजना काम नहीं कर रहीं। उसके प्रमुख खिलाड़ी आशानुरूप प्रदर्शन नहीं कर पा रहे। सारे प्रयोग विफल साबित हो रहे हैं। अंतिम एकादश के चयन पर प्रश्न उठ रहे हैं।

खेल डायरी

अदिति ने एलए चैंपियनशिप में हासिल किया कट

लास एंजिलिस, प्रेट्र: भारतीय गोल्फर अदिति अशोक दिन के अंतिम चरण में लगाए गए शानदार ईगल की बदौलत जेएम ईगल एलए चैंपियनशिप में कट हासिल करने में सफल रही। अदिति ने पहले दौर में 70 का कार्ड खेलने के बाद दूसरे दौर में 72 का स्कोर बनाया और 36 होल के खेल के बाद उनका स्कोर दो अंडर का है। उन्होंने बैक नाइन से शुरुआत करते हुए 10वें और 15वें होल पर बोगी की, लेकिन 16वें होल पर बर्डी लगाने में सफल रहीं। अदिति ने 18वें होल पर बोगी के बाद पहले होल पर बर्डी लगाई। उनका प्रदर्शन उतार-चढ़ाव भरा रहा, जहां दूसरे होल पर एक और बोगी के बाद सातवें होल पर शानदार ईगल लगाकर कट में प्रवेश पाने में सफल रहीं।

चोटिल पेन की जगह कोएत्जे हैदराबाद टीम में

हैदराबाद, प्रेट्र: सनराइजर्स हैदराबाद ने चोटिल डेविड पेन की जगह गेराल्ड कोएत्जे को इंडियन प्रीमियर लीग के बाकी मैचों के लिए टीम में शामिल किया है। इंग्लैंड के बायें हाथ के तेज गेंदबाज पेन ने सनराइजर्स के लिए इस सत्र में दो मैच खेलकर दो विकेट लिए हैं। वह एड़ी की चोट के कारण बाकी मैच नहीं खेल सकेंगे। आइपीएल ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के दाहिने हाथ के तेज गेंदबाज कोएत्जे को विकल्प के रूप में शामिल किया गया है और वह दो करोड़ रुपये में सनराइजर्स हैदराबाद से जुड़ेंगे। कोएत्जे ने दक्षिण अफ्रीका के लिए चार टेस्ट, 14 वनडे और 18 टी20 मैच खेले हैं।

अर्जेंटीना के विरुद्ध महिला हाकी सीरीज ड्रा

ब्यूनस आयर्स, प्रेट्र: भारतीय महिला हाकी टीम ने अर्जेंटीना के विरुद्ध खराब शुरुआत के बाद शानदार वापसी करते हुए आखिरी दो मैच जीतकर सीरीज 2-2 से बराबर की। दौरे की शुरुआत 13 अप्रैल को पहले मैच से हुई जिसमें अर्जेंटीना ने 4-2 से जीत दर्ज की। भारत के लिए नवनीत (22वां मिनट) और अन्नु (29वां) ने गोल दागे जबकि मेजबान टीम के लिए एमिलिया लारसन (11वां), ग्रानाटो (18वां) ने एक एक और जूलिएटा (42वां और 55वां) ने दो गोल किये। दूसरा मैच 14 अप्रैल को खेला गया जिसमें अर्जेंटीना 2-1 से विजयी रही। तीसरा मैच 16 अप्रैल को खेला गया जिसे 2-1 से जीतकर भारत ने वापसी की। भारत के लिए नवनीत (26वां) और नेहा (37वां) ने गोल किये जबकि अर्जेंटीना के लिए एकमात्र गोल आगस्टिना ने 52वें मिनट में दागा। सीरीज का आखिरी मैच 17 अप्रैल को खेला गया जिसमें दोनों टीमें गोलरहित बराबरी पर थीं। भारत ने शूटआउट में 3-2 से जीत दर्ज की।

लारियस खेल पुरस्कार की मेजबानी करेंगे नोवाक

मैड्रिड, एपी: अपने दौर के दो सबसे प्रभावशाली खिलाड़ी नोवाक जोकोविक और एलीन गु इस वर्ष के लारियस विश्व खेल पुरस्कार की संयुक्त मेजबानी करेंगे। खेल कैलेंडर के सबसे बड़े पुरस्कार समारोह में पहली बार दो सक्रिय खिलाड़ी प्रस्तोता की भूमिका निभाएंगे। यह आयोजन 20 अप्रैल को मैड्रिड के प्रतिष्ठित पलासियो दे सिबेल्स में आयोजित किया जाएगा। दुनिया भर में प्रसारित होने वाला यह आयोजन करोड़ों दर्शकों तक पहुंचता है और विजेताओं की घोषणा के दौरान इंटरनेट मीडिया पर भी व्यापक चर्चा का केंद्र बनता है। जोकोविक रिकार्ड की बराबरी करते हुए पांच बार 'लारियस साल के सर्वश्रेष्ठ वैश्विक खिलाड़ी' पुरस्कार जीत चुके हैं। वह ओलिंपिक स्वर्ण पदक विजेता हैं और पुरुष सिंगल्स में 24 ग्रैंड स्लैम खिताब अपने नाम कर चुके हैं।

'घर' पर सनराइजर्स की उड़ान जारी

- हैदराबाद ने सीएसके को 10 रन से हराया
- अभिषेक और क्लासेन ने जड़े अर्धशतक

अर्धशतक लगाने के बाद अभिषेक • प्रेट्र

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली: हैदराबाद के राजीव गांधी स्टेडियम में रविवार को खेले गए आइपीएल मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद की पारी समाप्त हुई तो लग रहा था कि इस पिच पर 194 रन का स्कोर पर्याप्त नहीं होगा। चेन्नई सुपरकिंग्स को जीत से रोकने के लिए हैदराबाद के गेंदबाजों को समझदारी से गेंदबाजी करनी होगी। नीतीश कुमार रेड्डी (2/31) और एहसान मलिंगा (3/29) ने ऐसा ही किया और सीएसके को 184 रन पर रोककर मैच को 10 रन से जीतकर टूर्नामेंट में तीसरी जीत दर्ज की। पिछले मैच में गेंदबाजी से सभी का दिल जीतने वाले प्रफुल्ल पटेल काफी महंगे साबित हुए, लेकिन उन्होंने अंतिम ओवर में 18 रन का बचाव करते हुए जैमी ओवरटन का विकेट लिया तो वहीं साकिब हुसैन ने अहम मौके पर शिवम दुबे को बोल्ड कर मैच को सनराइजर्स के पक्ष में मोड़ दिया।

चेन्नई के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने टास जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। शुरुआती ओवरों में यह निर्णय गलत साबित होता दिखा जब अभिषेक शर्मा ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 15 गेंदों में अर्धशतक पूरा कर लिया। उन्होंने 22 गेंदों पर 59 रन की विस्फोटक पारी खेली, जिससे सनराइजर्स ने पावरप्ले में तेज शुरुआत की। लेकिन पावरप्ले के अंतिम क्षणों में मैच ने करवट ली। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मुकेश चौधरी ने लगातार दो गेंदों पर ट्रेविस हेड (23) और कप्तान इशान किशन (0) को आउट कर दिया। हेनरिक क्लासेन (39 गेंदों पर 59 रन) ने जरूर जिम्मेदारी निभाई और एक छोर संभालते हुए टीम को 200 के करीब पहुंचाने की कोशिश की, लेकिन दूसरे छोर से लगातार विकेट गिरते रहे। चेन्नई के लिए जेमी ओवरटन (3/37) और अंशुल कंबोज (3/22) ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए सनराइजर्स की कमर तोड़ दी। अंतिम पांच ओवरों में सनराइजर्स की टीम केवल 40 रन ही जोड़ सकी।

चेन्नई का शीर्षक्रम फ्लाप: चेन्नई ने पिछले दो मुकाबले जीते थे तो उसमें उसके शीर्षक्रम ने रन बनाए थे। लेकिन इस मैच में संजू सैमसन (7), कप्तान रुतुराज गायकवाड़ (19) ने निराश किया। आयुष म्हात्रे ने अच्छे शाट लगाए, लेकिन वह खराब शाट खेलकर आउट हो गए। मैथ्यू शार्ट और सरफराज खान ने पारी को संभालने की कोशिश की, लेकिन उनके आउट होने के बाद चेन्नई की टीम दबाव में आ गई।

स्कोर बोर्ड

सनराइजर्स हैदराबाद: 194/9 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4/6
अभिषेक का. सैमसन बो. ओवरटन	59	22	6/4
हेड का. रुतुराज बो. मुकेश	23	20	3/1
इशान का. रुतुराज बो. मुकेश	0	1	0/0
क्लासेन बो. कंबोज	59	39	6/2
अनिकेत का. नूर बो. ओवरटन	2	4	0/0
नितीश का. मैथ्यू बो. ओवरटन	12	8	0/1
सलिल का. ब्रेविस बो. गुरजपनीत	13	12	2/0
लिविंगस्टोन का. ब्रेविस बो. कंबोज	1	5	0/0
शिवांग का. गुरजपनीत बो. कंबोज	12	8	1/1
प्रफुल्ल अविजित	0	1	0/0

अतिरिक्त: 13 (बा: 5, लेबा: 4, वा: 4), **विकेटपतन:** 1-75 (हेड, 5.5), 2-75 (इशान, 5.6), 3-93 (अभिषेक, 7.6), 4-112 (अनिकेत, 10.1), 5-147 (नितीश, 13.5), 6-177 (क्लासेन, 17.2), 7-179 (सलिल, 18.1), 8-193 (शिवांग, 19.4), 9-194 (लिविंगस्टोन, 19.6), **गेंदबाजी:** मैथ्यू 3-0-38-0, मुकेश 2-0-21-2, कंबोज 3-0-22-3, नूर 4-0-33-0, ओवरटन 4-0-37-3, गुरजपनीत 4-0-34-1

चेन्नई सुपर किंग्स: 184/8 (20 ओवर)

सैमसन का. क्लासेन बो. नितीश	7	3	0/1
रुतुराज का. सलिल बो. मलिंगा	19	13	3/0
आयुष का. क्लासेन बो. नितीश	30	13	5/1
मैथ्यू का. अनिकेत बो. मलिंगा	34	30	3/0
सरफराज का. नितीश बो. मलिंगा	25	19	3/0
ब्रेविस का. लिविंगस्टोन बो. शिवांग	0	4	0/0
शिवम बो. साकिब	21	16	1/0
ओवरटन का. लियाम बो. प्रफुल्ल	16	15	1/0
कंबोज अविजित	13	8	0/1
नूर अविजित	1	1	0/0

अतिरिक्त: 18 (लेबा: 1, नोबा: 2, वा: 15), **विकेटपतन:** 1-15 (सैमसन, 1.1), 2-66 (आयुष, 4.4), 3-66 (रुतुराज, 5.1), 4-112 (सरफराज, 10.4), 5-113 (ब्रेविस, 11.4), 6-148 (मैथ्यू, 15.4), 7-154 (शिवम, 16.5), 8-182 (ओवरटन, 19.4), **गेंदबाजी:** प्रफुल्ल 4-0-60-1, नितीश 4-0-31-2, साकिब 4-0-32-1, मलिंगा 4-0-29-3, शिवांग 3-0-18-1, अभिषेक 1-0-13-0

फुटबाल कोच की तरह हैं नेहरा: हरभजन

मुंबई, प्रेट्र: भारत के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने गुजरात टाइटंस के मुख्य कोच आशीष नेहरा की तारीफ करते हुए कहा कि उनकी ऊर्जा फुटबाल कोच की तरह है और उन्होंने टीम में एकजुटता भरी है। हरभजन ने जियोस्टार से कहा कि खिलाड़ियों से नेहरा का लगातार संवाद और खेल की गहरी समझ ने गुजरात टाइटंस की सफलता में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि आशीष अकेला ऐसा इंसान है जो कहीं भी, कभी भी माहौल को सहज बना सकते हैं। वह जहां भी जाते हैं, अपने आसपास सभी लोगों को सहज बना देते हैं। हरभजन ने कहा कि वह फुटबाल कोच की तरह है। कभी भी शांत नहीं बैठता। पूरे मैच में किसी खिलाड़ी को पकड़कर उससे बात करता रहेगा। उन्होंने कहा कि नेहरा जी को खेल की गहरी समझ है और गुजरात के साथ उसने जो काम किया है, वह सराहनीय है।

आशीष नेहरा

देश के 90 प्रतिशत सिंथेटिक ट्रैक मानकों के अनुरूप नहीं

नई दिल्ली, प्रेट्र: भारत में एथलेटिक्स के बुनियादी ढांचे को लेकर एक गंभीर व चौंकाने वाली जानकारी देते हुए भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआइ) के प्रवक्ता आदिल सुमरिवाला ने कहा है कि देश में इस्तेमाल हो रहे लगभग 90 प्रतिशत सिंथेटिक ट्रैक मानकों के अनुरूप नहीं हैं। सुमरिवाला ने कहा कि यह समस्या केवल सामग्री की गुणवत्ता तक सीमित नहीं है, बल्कि ट्रैक बिछाने की प्रक्रिया, मार्किंग और समग्र निर्माण मानकों में भी गंभीर खामियां हैं। विश्व एथलेटिक्स (डब्ल्यूए) ने इस मुद्दे पर एएफआइ को सक्रिय भूमिका निभाने और स्थिति सुधारने के निर्देश दिए हैं।

सुमरिवाला ने शनिवार को कहा, मैं किसी ट्रैक का नाम नहीं लूंगा, लेकिन इतना जरूर कह सकता हूं कि भारत में 90 प्रतिशत से अधिक ट्रैक सामग्री, निर्माण प्रक्रिया और मार्किंग के लिहाज से मानकों से नीचे हैं। हमने टोक्यो में विश्व एथलेटिक्स के साथ एक बैठक की थी, जहां उन्होंने हमें कुछ आंकड़े दिखाए, जो काफी चौंकाने वाले थे। कुछ मामलों में स्थिति बेहद खराब है, जहां असली पालीयुरेथेन की जगह पुराने टायरों के रबर का उपयोग किया जा रहा है और ऊपर से केवल रंग चढ़ा दिया जाता है। ऐसे ट्रैक कुछ महीनों में ही खराब हो जाते हैं और उन पर प्रदर्शन करना मुश्किल हो जाता है। सुमरिवाला ने कहा कि एएफआइ ने 14 और 15 अप्रैल को कोहिमा में आयोजित वार्षिक आम बैठक में ट्रैक प्रमाणन प्रक्रिया में शामिल होने का निर्णय लिया है। महासंघ अब प्रमाणित और विश्वसनीय विक्रेताओं की सूची तैयार करने पर काम करेगा।

आदिल सुमरिवाला • फाइल फोटो

क्रिकेट और स्पोर्ट्स की अन्य खबरों के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

भारतीय पैरालिंपिक समिति ने कोच नवल सिंह को हटाया

नई दिल्ली, प्रेट्र: भारतीय पैरालिंपिक समिति (पीसीआइ) ने शनिवार को कोच नवल सिंह को तत्काल प्रभाव से निष्कासित कर दिया। द्रोणाचार्य अवार्डी नवल सिंह पर पैरालिंपिक स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी सुमित अंतिल ने मानसिक प्रताड़ना और अपशब्द कहने का आरोप लगाया था। सुमित ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) से नवल सिंह की शिकायत की थी। पीसीआइ के अध्यक्ष देवेंद्र झाझरिया ने कहा, नवल को सभी गतिविधियों से हटा दिया गया है। सुमित अंतिल के अलावा की और एथलीटों ने उनकी शिकायत की थी।

झाझरिया ने कहा कि शिकायतें मिलने के बाद मामले का संज्ञान लिया गया। एथलीटों को अपनी चिंताएं बताने का पूरा मौका दिया गया। क्योंकि आरोप गंभीर थे और गलत व्यवहार के शुरुआती सुबूत थे, इसलिए पीसीआइ ने एक आपात बैठक की। लिखित शिकायतों की समीक्षा करने पर कमेटी ने एकमत से नवल सिंह की सेवा तुरंत खत्म करने फैसला किया।

टी-20 में रोहित से ज्यादा मंधाना के रन

स्मृति मंधाना

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली: भारतीय स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने शुक्रवार को रिकार्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा लिया, जब वह पांच मैचों की टी-20 सीरीज के पहले मुकाबले के दौरान अंतरराष्ट्रीय टी-20 क्रिकेट में भारत की सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी बन गईं।

मंधाना ने सीरीज के पहले मैच में 13 रन बनाए, लेकिन यह स्कोर रोहित शर्मा को पीछे छोड़ने और पुरुष व महिला क्रिकेट मिलाकर भारत की शीर्ष टी-20 अंतरराष्ट्रीय रन स्कोरर बनने के लिए काफी था। इस साल आस्ट्रेलिया दौरे के दौरान रोहित शर्मा के बराबर पहुंचने के बाद मंधाना ने सुने लुस की गेंद पर एक रन लेकर यह उपलब्धि अपने नाम कर ली। अब स्मृति मंधाना के नाम 161 मैचों में 4244 रन दर्ज हैं। उनका औसत 30.31 और स्ट्राइक रेट 124.38 है। उन्होंने महिला टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 33 अर्धशतक और एक शतक लगाया है। रोहित शर्मा ने भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के लिए 159 मैचों में 4231 रन बनाए। उनका औसत 32.05 और स्ट्राइक रेट 140.89 रहा।

टी-20 अंतरराष्ट्रीय में सर्वाधिक रन

रन	खिलाड़ी	देश
4717	सूजी बेट्स	न्यूजीलैंड
4596	बाबर आजम	पाकिस्तान
4244	स्मृति मंधाना	भारत
4231	रोहित शर्मा	भारत
4188	विराट कोहली	भारत

भारतीय महिला टीम को तेज गेंदबाजी पर करना होगा काम

डरबन, प्रेट्र: पहले मैच में मिली हार के बाद भारतीय महिला क्रिकेट टीम रविवार को दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध दूसरे टी-20 में उतरेगी तो बल्लेबाजों और तेज गेंदबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। भारत का स्कोर एक समय 15वें ओवर में 119/2 रन था लेकिन टीम 20 ओवर में 157/7 रन ही बना सकी। द. अफ्रीका ने वोल्वार्ट के अर्धशतक की मदद से पांच गेंद बाकी रहते जीत दर्ज कर ली। शेफाली (34) ने भारत को अच्छी शुरुआत दी लेकिन मंधाना (13) ज्यादा देर क्रीज पर टिक नहीं सकीं। पावरप्ले में दो विकेट गिरने से भारत की रनगति पर अंकुश लग गया। हरमनप्रीत (नाबाद 47) और जेमिमा (36) ने बीच के ओवरों में 51 गेंद में 71 रन जोड़े लेकिन आखिरी पांच ओवर में भारतीय टीम 33 रन ही बना सकी और तीन विकेट गंवा दिए।

अमेरिका-इजरायल और ईरान युद्ध में परमाणु हथियार एजेंडा है, लेकिन इसका उपयोग नहीं हुआ है। बीते चार साल में अमेरिका-इजरायल और ईरान, रूस-यूक्रेन या अर्मेनिया-अजरबैजान युद्ध में बड़े पैमाने पर ड्रोन और मिसाइल का उपयोग हुआ। ...और यही भविष्य के हथियार हैं।

कूटनीतिक तौर पर युद्ध हारता दिख रहा अमेरिका

अमेरिका-इजरायल और ईरान युद्ध विराम के बीच अब दुनियाभर के सामरिक विशेषज्ञ इसकी समीक्षा में जुट गए हैं कि आखिर सुपर पावर अमेरिका और हाईटेक इजरायल को ईरान कैसे टक्कर दे रहा है? मनोहर पर्रिकर रक्षा अध्ययन और विश्लेषण संस्थान (एमपी-आइडीएसए) के उप महानिदेशक व ग्रुप कैप्टन (सेवानिवृत्त) **डा. अजेय लेले** का कहना है कि किसी भी युद्ध का विश्लेषण सैन्य, राजनीतिक और आर्थिक मोर्चे पर किया जाता है। सैन्य क्षमता के लिहाज से तो अमेरिका-इजरायल और ईरान तीनों ने ही अब तक बेहतर प्रदर्शन किया है। तीनों ही बहुत तैयारी के साथ युद्ध मैदान में उतरे हैं। अमेरिका-इजरायल के टारगेट बेहद सटीक रहे, वहीं ईरान की युद्ध नीति में शिवाजी के गुरिल्ला युद्ध और कुरुक्षेत्र के चक्रव्यूह की झलक मिलती है। इसमें अभी तक न कोई हारा, न जीता। हां, राजनीतिक व कूटनीतिक मोर्चे पर अमेरिका जरूर हारता हुआ दिख रहा है। उसे जोरदार झटका लगा है, क्योंकि बोले बगैर दुनिया के हर देश ने ट्रंप को यह अहसास दिला दिया है कि एक बेबुनियाद और गैरजरूरी युद्ध छेड़ने पर वे उनका साथ नहीं देंगे। सामरिक और सुरक्षा अध्ययन के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए वर्ष 2013 में के. सुब्रह्मण्यम पुरस्कार से सम्मानित डा. लेले कहते हैं कि अमेरिका अभी चाहे तो बम गिराकर ईरान को खत्म कर सकता है, लेकिन वह बाकी मोर्चे पर हार जाएगा। दुनिया के बाकी देश उसे अलग-थलग कर देंगे। अमेरिका इतना भी बड़ा या सुपर पावर नहीं हुआ है कि अकेले वैश्विक अर्थव्यवस्था को बरकरार रख सके। डा. लेले ने पेशेवर करियर की शुरुआत भारतीय वायुसेना में एक अधिकारी के रूप में की थी। सामूहिक विनाश के हथियार (डब्ल्यूएमडी), अंतरिक्ष सुरक्षा और सामरिक प्रौद्योगिकी विषय पर पीएचडी की है। दस पुस्तकें लिखी हैं। दैनिक जागरण की समाचार संपादक **रुमनी घोष** ने उनसे 'सामरिक ताकत पर भारी पड़ते रणनीतिक कौशल और दुनिया के लिए सीख' विषय पर विस्तार से चर्चा की। प्रस्तुत हैं बातचीत के अंश :

सप्ताह का साक्षात्कार

● आखिर ईरानी सेना की ऐसी क्या रणनीति रही, जिसके दम पर वह महाशक्तिशाली कहे जाने वाले अमेरिका से 40 दिन तक बराबरी से लड़ता रहा?

- सामने से देखने पर सबको लग रहा है कि यह युद्ध अमेरिका-इजरायल ने अचानक शुरू कर दिया और तैयारी नहीं होने की वजह से ईरान ने शुरुआती दिनों में अपने नेतृत्व को खो दिया। ....ऐसा नहीं है। यह युद्ध बेबुनियाद, बे-मकसद और गैरजरूरी हो सकता है, लेकिन बगैर तैयारी के शुरू नहीं हुआ। अमेरिका-इजरायल के सुपरसोनिक विमानों, युद्ध पोतों और मिसाइलों का समन्वय बताता है कि दोनों देशों ने साथ में सिर्फ योजनाएं ही नहीं बनाईं, बल्कि अभ्यास भी किया है। ईरान के स्कूल में गिरे मिसाइल को यदि छोड़ दें तो अमेरिका और इजरायल के ज्यादातर टारगेट मिस नहीं हुए हैं। यूरेनियम लेने आए पायलट को भी वह वापस ले गए। जो विमान ईरान की धरती पर गिरे हैं, उन्हें अमेरिका ने खुद ही जला दिया, ताकि टेक्नोलाजी ईरान के हाथ न लगे। यहां तक तो ठीक है, लेकिन वे दुनिया के सामने इस्लामिक कट्टर छवि (ईरान ने खुद बनाया या पश्चिमी मीडिया की देन) वाले ईरान की साइंस एंड टेक्नोलाजी के साथ-साथ सामरिक रणनीतिक क्षमता का सटीक आकलन नहीं कर पाए। उधर, 2025 में इजरायल द्वारा छेड़े गए 12 दिन के युद्ध के बाद से ही ईरान ने इस युद्ध की तैयारी शुरू कर दी थी। उसे पता था कि कभी भी उस पर हमला हो सकता है। उन्होंने सिर्फ ए.बी, सी तक नहीं बल्कि जेड तक की प्लानिंग की होगी, तभी तो एक के बाद एक नेतृत्व को खोने के बाद भी कहीं कोई हड़बड़ाहट नहीं दिखी। यही उनकी सबसे बड़ी रणनीतिक जीत साबित हुई। दुनिया को लगता था कि ईरान में सिर्फ इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आइआरजीसी) ही है, लेकिन इस युद्ध में पता चला कि उसकी अपनी सेना भी है। इस प्लानिंग से ही वह टक्कर दे रहा है।

● अमेरिका-इजरायल और ईरान की युद्ध नीति में क्या अंतर है?

- इस युद्ध का कागजी खाका इजरायल ने खींचा था। उसने योजनाएं बनाईं और अमेरिका को यह विश्वास दिलाया था कि ईरान में नेतृत्व परिवर्तन कर युद्ध रोक देंगे। फिर सियासी ताकत के जरिये मकसद हासिल कर लेंगे। ईरान की क्षमता का आकलन करने में वह चूक गए और युद्ध में घिर गए। दूसरी ओर ईरान की सेना की क्षमता अमेरिका-इजरायल से कम हो सकती है, लेकिन उनकी प्लानिंग पुख्ता थी। ईरान की साइंस एंड टेक्नोलाजी पर पकड़ के बारे में ज्यादा बात नहीं होती है, लेकिन 40 साल से अमेरिकी प्रतिबंध झेलने के बावजूद उसने दुनिया की बेहतरीन मिसाइलें और ड्रोन विकसित की हैं। युद्ध में हम सब इसका नजारा देख चुके हैं। ईरान की युद्ध नीति में शिवाजी के गुरिल्ला युद्ध की झलक मिलती है। जिसके सहारे उन्होंने अमेरिका के बड़े विमानों को मार गिराया। महाभारत के समय अर्जुन पुत्र अभिमन्यु के लिए कुरुक्षेत्र में चक्रव्यूह रचा गया था...इसी तरह होर्मुज में ईरान ने चक्रव्यूह रचा।

● ईरान ने होर्मुज में चक्रव्यूह कैसे रचा?

- बड़ी रोचक कहानी है... जब ईरान ने होर्मुज का रास्ता रोका, तो अमेरिका ने तय किया कि ईरान की नौसेना को सबसे पहले खत्म किया जाए। यह प्लानिंग बहुत अच्छी थी, लेकिन तैयारियों के दौरान पता चला कि दशकों तक उपयोग नहीं होने की वजह से अमेरिका ने कुछ समय पहले ही अपने एक मात्र माइंस स्वीपर (समुद्र में फैले माइंस को हटाने वाला उपकरण) को रिटायर कर दिया था। अब दुनिया में सिर्फ एक देश यूके के पास यह उपकरण है और उसने युद्ध क्षेत्र में अपने उपकरण को भेजने से मना कर दिया। यही वजह है कि अमेरिका होर्मुज पर कब्जा नहीं कर पा रहा है।

● दुनियाभर के सामरिक रणनीतिकार इस युद्ध को किस तरह से देख रहे हैं? उनके लिए इसमें क्या सीख है?

- रूस-यूक्रेन और अमेरिका-इजरायल व ईरान, दोनों युद्ध से स्ट्रैटेजिक कम्युनिटी (सामरिक रणनीतिकारों) यह जान गई है कि इक्कीसवीं सदी में युद्ध को लेकर हम जैसा सोचते हैं, वैसा होता नहीं है। इसकी मुख्य वजह यह है कि क्षमता होने के बावजूद सुपर पावर अमेरिका उसका पूरा इस्तेमाल नहीं कर सकता। आपको क्या लगता है कि अमेरिका ईरान को नेस्तानाबूत नहीं कर सकता है? चंद बम गिराकर वह एक दिन में ईरान को खत्म कर सकता है, लेकिन उसके बाद वह बाकी मोर्चों पर हार जाएगा। ट्रंप के आह्वान के बावजूद नाटो देशों का इन्कार और दुनिया के अन्य देशों की खामोशी ने अमेरिका को यह अहसास दिला दिया है कि यदि उसने इस तरह का कोई कदम उठाया तो उसे अलग-थलग होना पड़ेगा। अमेरिका इतना बड़ा सुपर पावर भी नहीं हुआ है कि अकेले ही वैश्विक अर्थव्यवस्था को संभाल ले। दुनिया अमेरिका से व्यापार बंद कर सकती है। नए वर्ल्ड आर्डर पर तो बहस शुरू हो ही गई है।

● क्या हम कह सकते हैं कि ईरान ने अमेरिका को पीछे हटने और वार्ता की मेज पर आने के लिए मजबूर किया?

- मैं यह कहना चाहूंगा कि वार्ता के लिए अमेरिका और ईरान दोनों की ही रुचि थी। 40 दिन के युद्ध में अमेरिका और इजरायल दोनों को ही समझ आ गया कि ईरान को झुकाना इतना आसान नहीं होगा। वह इतनी आसानी से हथियार नहीं डालेगा। वहीं दूसरी ओर तेल उद्योग पर इसका असर दिखने लगा है और वैश्विक अर्थव्यवस्था प्रभावित हो रही है। ट्रंप पर वैश्विक दबाव भी बढ़ने लगा है। इसकी वजह से ही दोनों वार्ता की मेज तक पहुंचे।

● एक मिलिट्री कमांडर के तौर पर ट्रंप कितने भरोसेमंद दिख रहे हैं?

- एक मिलिट्री कमांडर के पास राजनीतिक सोच होना जरूरी है। उसे यह पता होना चाहिए कि दीर्घावधि में जाकर इसका क्या असर होगा। ट्रंप इसमें चूक गए हैं। सबसे बड़ी बात इस युद्ध का सैन्य उद्देश्य, यानी मिलिट्री एम शुरू से ही स्पष्ट नहीं था। ट्रंप, ईरान में नेतृत्व परिवर्तन का लक्ष्य लेकर उतरे थे, लेकिन यह नहीं हो सका। युद्ध के दौरान वह कभी यूरेनियम खत्म करने की तो कभी तेल पर कब्जे की बात कहते रहते हैं। अमेरिका के पास दुनिया की सबसे ताकतवर सेना है, लेकिन जब उसे पता ही नहीं है कि क्या करना है, तो वह किस आधार पर रणनीति बनाएगी। यह युद्ध ट्रंप के लिए 'नी जर्क' (झटका) रिएक्शन है।

● ईरान के प्राक्सी मिलिशिया को खत्म किए बिना पश्चिम एशिया में स्थाई शांति कैसे आएगी?

- ईरान की प्राक्सी मिलिशिया में हाउती, हिज्बुल्लाह और हम्मास है। इजरायल, हम्मास को खत्म कर सोच रहा था कि ईरान रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आइआरजीसी) कमजोर हो जाएगा, लेकिन यहां आकलन में चूक गया। सामरिक रणनीतिकारों का मानना है कि हिज्बुल्लाह को कूटनीतिक तरीके से और हौती ने कोवर्ड एक्शन (गुप्त कार्रवाई) के तहत नियंत्रित करना चाहिए था, लेकिन इजरायल ने ईरान और लेबनान के खिलाफ एक साथ दो फ्रंट खोल दिए। बहरहाल, अमेरिका-ईरान शांति वार्ता की शर्तों पर निर्भर करेगा कि पश्चिम एशिया में शांति आएगी या नहीं। आएगी तो उसका क्या तरीका होगा।

● आपके अनुसार खाड़ी देशों को शांति के लिए क्या पहल करना चाहिए?

- अभी तक यह धारणा थी कि शिया-सुन्नी समुदायों के वजह से खाड़ी देश एक-दूसरे के साथ खड़े नहीं हो सकते हैं, लेकिन अब धीरे-धीरे धार्मिक आधार पर दूरियां कम हो रही हैं। सबको पता है कि सभी को एक-दूसरे की जरूरत है। ईरान दावा कर रहा है कि वह ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए यूरेनियम का संवर्धन कर रहा है। वह इसका इस्तेमाल परमाणु हथियार बनाने में नहीं करेगा। इस स्थिति में खाड़ी देश ईरान को आश्वस्त करें कि ईरान को ऊर्जा उत्पादन के लिए जितने यूरेनियम की जरूरत है, वह उपलब्ध करवा देंगे। जब ईरान के पास यूरेनियम नहीं रहेगा तो न खाड़ी देशों को खतरा महसूस होगा और न ही इजरायल, ईरान पर परमाणु बम बनाने का आरोप लगा पाएगा, जिसकी वजह से रह-रहकर युद्ध की चिंगारी उठ रही है। हालांकि यह सबकुछ समझौता शर्तों पर निर्भर करता है।

● वार्ता विफल रही और संघर्ष दोबारा शुरू होता है तो उसका रूप स्वरूप कैसा होगा?

- बहुत ही बुरा व वीभत्स होगा। हताश-निराश अमेरिका पूरी क्षमता के साथ ईरान पर वार करेगा। इसमें आम नागरिकों को बहुत नुकसान होगा। ट्रंप द्वारा पहले दी गई धमकी के अनुसार ईरान के पावर स्टेशनों और जलस्रोतों को निशाना बनाया जाएगा। इससे आम नागरिकों को बहुत नुकसान पहुंचेगा। युद्ध में अभी तक बहुत से नियम तोड़े गए, लेकिन इसके बाद स्थिति विकट होगी।

● इस युद्ध से दुनिया को क्या सबक मिला?

- कोई किसी का दोस्त नहीं है। इस युद्ध में अमेरिका-इजरायल के साथ कोई खड़ा नहीं हुआ। रूस-चीन ने ईरान की तकनीकी मदद की होगी, लेकिन युद्ध मैदान में नहीं उतरा। ईरान भी अकेला ही युद्ध लड़ रहा है। जबकि अगस्त 1990 को इराक युद्ध के दौरान अमेरिका के साथ नाटो सहित कई देश एक साथ युद्ध मैदान में उतरे थे। अब हर देश को अपनी सुरक्षा के लिए खुद आत्मनिर्भर होना होगा।

● इस युद्ध से भारत ने क्या सीखा?

- हमारी भौगोलिक स्थिति अलग है और चुनौतियां भी। हमारी लड़ाई चीन और पाकिस्तान से है, इसलिए किसी और देश की युद्ध नीति हमारे काम नहीं आ सकती है। बावजूद इसके यह कह सकता हूं कि भारत को ड्रोन क्षेत्र में बड़े पैमाने पर निवेश करने की जरूरत है। भविष्य का युद्ध ड्रोन और मिसाइलों पर ही टिका हुआ है। पीएम पहले ही 'सुदर्शन चक्र' का उल्लेख कर चुके हैं, फिर भी और काम करने की जरूरत है।

मैं हूं न...मां से भरोसा पाकर बेटी ने फहराया परचम

बालाघाट की बेटी अक्षरा घोड़ेश्वर ने 10वीं में मध्य प्रदेश में दूसरा स्थान पाकर इतिहास रच दिया है। तीन दिन के भीतर भाई और पिता को खोने के बाद मां ने जिम्मेदारी की डोर। मजदूरी कर और बीड़ी बनाकर तीन बेटियों को पढ़ाया। बेटियों ने भी रखा मान। जानिए, प्रतिभाशाली बेटी के बारे में:

लगन

योगेश कुमार गौतम ● नईदुनिया

मां रमाबाई और मंझली बहन महक के साथ अक्षरा घोड़ेश्वर (बाएं) ● स्वयं

बालाघाट : वर्ष 2020...16 वर्ष के इकलौते भाई की करंट से मौत हो गई। यह सदमा पिता बर्दाश्त नहीं कर पाए और उन्होंने भी मौत को गले लगा लिया। परिवार में रह गईं मां और तीन बेटियां। हालांकि इस हाल में भी उन्होंने हिम्मत नहीं खोई। शिक्षा के बल पर खुद को स्थापित करने का प्रयास किया। सफलता भी मिली और बेटी ने मप्र बोर्ड परीक्षा के 10वीं के परिणामों में प्रदेशभर में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

यह कहानी है कि मध्य प्रदेश के बालाघाट के खैरलांजी अंतर्गत ग्राम टुईयापार निवासी अक्षरा घोड़ेश्वर की। अर्चना की मां रमाबाई घोड़ेश्वर बताती हैं कि तीन दिन के भीतर पहले बेटे और फिर पति को खोने का दुःख किसी पहाड़ से कम नहीं था, लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। तीनों बेटियों को शिक्षा का महत्व समझाया। एक योद्धा बनकर चुनौतियों से लड़ना सिखाया। दुःखों की इस सुनामी में रमाबाई की प्रेरणा का ही नतीजा है कि उनकी सबसे छोटी पुत्री अक्षरा घोड़ेश्वर ने बुधवार को घोषित एमपी बोर्ड के 10वीं के परीक्षा परिणाम में इतिहास रचा है। अक्षरा ने 500 में से 498 अंक (99.6 प्रतिशत) लाकर मध्य प्रदेश में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। अक्षरा अब डाक्टर बनकर परिवार का संबल बनना चाहती है। मां ने कहा- घबराना नहीं, मैं हूं ना... अक्षरा ने बताया कि जब भैया और पापा गुजरे, तब वह कक्षा चौथी में थी। वो दिन याद करते ही आज भी दिल फटने लगता है। हम तीनों बहनें हिम्मत हार चुकी थीं, क्योंकि परिवार का कोई सहारा नहीं बचा था। कहीं कोई रास्ता नहीं दिख रहा था, लेकिन मां हमारे लिए योद्धा बन गईं। मां ने कभी हमारे सामने अपना दुःख जाहिर नहीं होने दिया। जब भी हम हताश होते, हिम्मत हारते तो मां कहती थीं- घबराना नहीं है, मैं हूं ना....। उन्होंने हमेशा शिक्षा का महत्व समझाया। वह कहती थीं कि शिक्षा ही सबकुछ है और इसी से हम सबकुछ हासिल कर सकते हैं। इसके बिना जीवन व्यर्थ है। मुश्किल परिस्थितियों में भी उन्होंने हमारी पढ़ाई नहीं छूटने दी। उस घटना से आज भी दुःखी हूं, लेकिन आगे बढ़ना ही जिंदगी है। अक्षरा की मां रमाबाई से बातचीत की तो उन्होंने कहा कि अक्षरा की सफलता को शब्दों में बयां नहीं कर सकती। जैसे ही उसकी कामयाबी की खबर लगी, तो आंसू नहीं रुक रहे थे। उन्हें कहा कि मैं काम करूंगी, तुम सिर्फ पढ़ाई पर ध्यान दो। मैं एक सप्ताह में एक हजार बीड़ी बनाती हूं, इसके लिए 100 रुपये मिलते हैं। मनरेगा में मजदूरी और बीड़ी बनाकर ही अपने परिवार का गुजारा कर रही हूं। रमाबाई की मंझली बेटी महक कटंगी कालेज में प्रथम वर्ष और बड़ी बेटी स्वाति अंतिम वर्ष की छात्रा है। अक्षरा ने परीक्षा की तैयारी इतनी सटीक की थी कि जांचकर्ता मात्र दो अंक ही काट पाए।

सामाजिक विज्ञान और संस्कृत में कटे हैं सिर्फ एक-एक अंक, बाकी में पूरे अंक

अक्षरा ने बताया कि मुझे लगता है कि सामाजिक विज्ञान और संस्कृत विषय में एक-एक अंक कटे हैं। हालांकि सामाजिक विज्ञान में किस गलती के लिए अंक कटे, यह पता नहीं, लेकिन संस्कृत में संभवतः वस्तुनिष्ठ प्रश्न में अंक कटे होंगे। अक्षरा ने बताया कि वह रोज सुबह चार से छह बजे तक पढ़ती थी। फिर मम्मी के घरेलू काम में हाथ बंटाती थी। स्कूल में शिक्षक जो पढ़ाते, उसे ध्यानपूर्वक सुनती-समझती थी। जहां डाउट होता, शिक्षक से मार्गदर्शन लेती, उनसे चर्चा करती थी। घर आकर रिवीजन करती थी। शाम को छह से रात ग्यारह बजे तक पढ़ती थी।

फुटपाथ की रोशनी में पढ़कर चमकी 'चांदनी'

मप्र की राजधानी भोपाल की झुग्गी बस्ती में रहने वाली चांदनी ने मप्र बोर्ड की 12वीं की परीक्षा में टाप किया है। पिता बढ़ई का काम करते हैं। कभी सड़क किनारे, तो कभी फुटपाथ पर बैठकर लैंप पोस्ट की रोशनी में पढ़ने वाली इस प्रतिभाशाली छात्र ने सात लाख विद्यार्थियों को पछाड़ते हुए 500 में से 494 नंबर प्राप्त किए हैं।

प्रतिभा

सुशील पांडेय ● जागरण

भोपाल: राजधानी की घनी आबादी वाली भीम नगर झुग्गी बस्ती की 18 साल की चांदनी विश्वकर्मा मध्य प्रदेश बोर्ड की 12वीं क्लास की टापर बनकर उभरी है। उन्होंने कामर्स स्ट्रीम में 500 में से 494 अंक हासिल करते हुए शानदार 98.8 प्रतिशत स्कोर किया है। उन्होंने कुल सात लाख छात्रों को पीछे छोड़ते हुए यह शीर्ष स्थान हासिल किया। खास बात यह है कि उनके अंक न सिर्फ कामर्स, बल्कि अन्य सभी स्ट्रीम के टॉपर्स से भी ज्यादा हैं। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इस होनहार छात्रा को अपने आवास पर बुलाकर सम्मानित किया।

पिता की दुर्घटना ने बढ़ाई जिम्मेदारी : चांदनी की मां विमला विश्वकर्मा स्कूलों में मध्यान्ह भोजन का वितरण करती हैं। पिता रामभुवन विश्वकर्मा बढ़ई हैं। पिछले साल दीवाली के समय एक हादसे में उनकी उंगली कट गई थी, जिसके बाद उनका काम पूरी तरह बंद हो गया। लंबे इलाज और आर्थिक तंगी के बीच परिवार के सामने मुश्किलें खड़ी हो गईं। इन हालातों ने चांदनी को और मजबूत बना दिया। वह कहती हैं कि मेरी प्रेरणा मेरे पिता ही हैं, क्योंकि हर शाम उनकी थकी हुई आंखें मुझसे चीख-चीखकर कहती थीं कि सफल हो जाओ, वरना हम हमेशा के लिए गरीबी के दलदल में डूब जाएंगे।

आरटीई के तहत मिला निजी स्कूल में प्रवेश : चांदनी ने अपनी पढ़ाई शिक्षा के अधिकार (आरटीई) के तहत गुरुदेव शिक्षा केंद्र, नीलबड़ से की। उनके पिता को भी यह अंदाजा नहीं था कि उनकी बेटी इतनी मेहनत कर रही है। चांदनी चुपचाप अपने लक्ष्य पर ध्यान देती रहीं और आखिरकार उन्होंने यह सफलता हासिल कर ही ली। वह कहती हैं कि गरीबी हर कदम पर हमारा पीछा करती थी। बाधाओं को ताकत बनाकर आगे बढ़ने का फैसला किया। वह रोजाना 8-9 घंटे पढ़ाई करती थीं, और उनका यह पक्का इरादा किस्मत के खिलाफ एक खामोश विद्रोह जैसा था। चांदनी का स्कूल घर से काफी दूर था। वह पहले आटो से डीपो चौराहा जाती थीं और वहां से स्कूल के लिए बस पकड़ती थीं।

फुटपाथ पर बैठकर की पढ़ाई

चांदनी बताती हैं कि कई रातें मैंने सड़क के किनारे फुटपाथ पर बैठकर, मच्छरों और टिमटिमाते बल्बों की रोशनी में, अकाउंट्स और इकोनमिक्स का रिवीजन करते हुए बिताई हैं।चांदनी झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले बच्चों के लिए जागरण सोशल वेलफेयर सोसायटी द्वारा चलाया जाने वाले स्कूल में पढ़ती थीं। वह कहती हैं कि एकाग्रता इतनी होनी चाहिए कि शोर-शराबे से दिक्कत न हो।

नामी कोचिंग सेंटर और साथियों को पछाड़ा

मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने बुधवार को पूरे राज्य में खुशी और उत्साह के माहौल के बीच नतीजों की घोषणा की। चांदनी के स्कोर ने बड़े शहरों के नामी कोचिंग सेंटरों से आए अपने काबिल साथियों को भी पीछे छोड़ दिया, जिससे यह साबित हो गया कि सच्ची लगन और मेहनत से विशेषाधिकारों से बनी बाधाओं को भी तोड़ा जा सकता है।

टारगेट तय कर की पढ़ाई

चांदनी ने बताया कि वह रोजाना पढ़ाई का एक टारगेट बनाती थीं और उसे पूरा करने के लिए छह से आठ घंटे तक नियमित पढ़ती थीं। वह कहती हैं, मुझे पता था कि मैं गणित में कमजोर हूं, इसलिए नियमित अभ्यास करती थी। लेकिन हार नहीं मानी। अकाउंट्स उनका पसंदीदा विषय है। चांदनी सैन्य अधिकारी बनना चाहती हैं। इसके लिए अभी से तैयारी करना चाहती हैं। साथ ही सीए की पढ़ाई भी करना चाहती हैं।

पढ़ाई के साथ प्रेरक कहानियां सुनाईं

अक्षरा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, छतेरा की छात्रा है। गणित के शिक्षक घनश्याम झोड़े ने बताया कि अक्षरा प्रतिभावान है। अक्षरा के अलावा और भी बच्चे हैं, जिनमें आगे बढ़ने की ललक है। मैंने पढ़ाई के साथ बच्चों को प्रेरक कहानियां सुनाईं, ताकि उनमें आत्मविश्वास पैदा हो। स्कूल प्राचार्य पतिराम घोरपड़े, रूपेश पारधी, भगत मैडम सहित अन्य शिक्षकों ने भी अक्षरा की सफलता में अहम भूमिका निभाई है।

अक्षरा घोड़ेश्वर- स्वयं

नन्हीं जलपरी

प्रशिक्षक का इशारा पाते ही यमुना में कूद गई सत्या

विद्यापीठ स्कूल की एलकेजी की छात्रा सत्या को यमुना पार करने के लिए पिता देवेंद्र कुमार, मां शिवानी भारती और दादी नीलम भारती के साथ महेवा घाट पर पहुंची तो वहां पहले से मौजूद दर्शकों ने ताली बजाकर उत्साह बढ़ाया। कोच कमला निषाद बताती हैं कि परिवार व रिश्तेदार सभी लोग दर्जनों नाव पर बैठकर मीरापुर सिंधु सागर घाट (बरगद घाट) की ओर पहुंचे। वहां सृष्टि निषाद, मानस निषाद व त्रिभुवन निषाद के साथ सत्या दूसरे नाव पर सवार हुई। सुबह 7.24 मिनट पर अपने प्रशिक्षक के इशारा पाते ही यमुना नदी में कूद गई और दर्जनों नाव पर सवार दर्शकों के जयघोष के बीच यमुना नदी को पार किया।

प्रयागराज की नन्हीं जलपरी सत्या भारती के 'ब्रेस्टस्ट्रोक स्टाइल में तैराकी से लोग **विलक्षण** अचंभित हैं। चार साल की इस मासूम सी तैराक ने 21 मिनट में तैरकर यमुना के विशाल पाट को पार किया है। जानिए, इस प्रतिभावान बच्ची के बारे में:

अमरीश मनीष शुक्ल

प्रयागराज: कल्पना कीजिए एक ऐसी नन्हीं बच्ची की, जिसके कदम अभी जमीन पर पूरी तरह जमे भी नहीं हैं। जिसके लिए 'यमुना' का विशाल पाट किसी समंदर से कम नहीं है। जहां बड़े-बड़े तैराकों के हौसले लहरों का शोर सुनकर डगमगा जाते हैं, वहां चार साल की एक मासूम ने पानी पर अपनी जीत की इबारत लिख दी है। यह कहानी किसी परी कथा की नहीं, बल्कि प्रयागराज की उस 'जलपरी' सत्या भारती की है, जिसने अपने चौथे जन्मदिन पर खिलौनों के बजाय तूफानी लहरों से खेलकर दुनिया को दांतों तले उंगलियां दबाने पर मजबूर कर दिया।

शहर के नैनी महेवा की रहने वाली सत्या भारती ने जब 11 अप्रैल की सुबह 7.24 बजे पर यमुना की गहराई में छलांग लगाई, तो किनारे पर खड़े हर शख्स की धड़कनें थमी हुई थीं। 900 मीटर का वह सफर, जो किसी अनुभवी तैराक के लिए भी परीक्षा जैसा होता है, उसे सत्या ने ''ब्रेस्टस्ट्रोक'' स्टाइल में किसी कुशल डाल्फिन की तरह महज 21 मिनट 28 सेकंड में तय कर लिया। कोच त्रिभुवन निषाद कहते हैं कि सत्या की यह जीत महज एक रिकार्ड नहीं, बल्कि उन करोड़ों माता-पिता के लिए एक संदेश है कि प्रतिभा उम्र की मोहताज नहीं होती। आज यमुना की लहरें शांत हैं, पर सत्या के हौसले की गूंज पूरे देश में सुनाई दे रही है।

यमुना पार करने वाली सत्या भारती अपने कोच त्रिभुवन निषाद के साथ ● सौ. कोच

राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

आजकल

रविवार, 19 अप्रैल, 2026

14

www.jagran.com

भारत ने लांच किया अपना वैज्ञानिक उपग्रह आर्यभट्ट

1975 में आज ही भारत ने अपना वैज्ञानिक उपग्रह आर्यभट्ट लांच किया था। यहीं से देश ने अंतरिक्ष युग में प्रवेश किया। 360 किलोग्राम वजनी इस उपग्रह को इसरो ने सोवियत संघ की मदद से बनाया था। उपग्रह का मुख्य उद्देश्य खगोल विद्या से जुड़े प्रयोग करना था।

पहली बार किसी दूसरे ग्रह पर उड़ाया गया हेलीकाप्टर

2021 में आज ही अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने किसी दूसरे ग्रह पर पहली बार इंजीन्यूटी नामक हेलीकाप्टर उड़ाया था। हेलीकाप्टर मंगल ग्रह की सतह से सीधा 10 फीट की ऊंचाई तक उठा और इसके बाद वापस लैंड कर गया। नासा के अनुसार यह प्रक्रिया 30 सेकेंड में पूरी हुई।

महात्मा हंसराज ने दयानंद सरस्वती की याद में स्थापित किया डीएवी स्कूल

प्रसिद्ध समाज सुधारक और शिक्षाविद् महात्मा हंसराज का जन्म 1864 में आज ही पंजाब के होशियारपुर जिले में हुआ था। महर्षि दयानंद सरस्वती से मुलाकात के बाद उन्होंने समाज सेवा को जीवन का लक्ष्य बना लिया। 1886 में लाहौर में दयानंद एंग्लो वैदिक (डीएवी) हाई स्कूल की स्थापना की। 1911 तक बिना वेतन के इस संस्थान से बतौर प्रधानाध्यापक जुड़े रहे। उन्हीं की प्रेरणा से आज पूरे भारत में 600 से अधिक डीएवी स्कूल, कालेज और तकनीकी संस्थान चल रहे रहे हैं। 14 नवंबर, 1938 को उन्होंने अंतिम सांस ली।

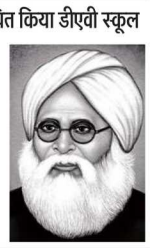

खराब जीवनशैली व मोटापे से बढ़ीं लिवर से जुड़ी बीमारियां

2050 तक वैश्विक स्तर पर करीब 180 करोड़ तक पहुंच सकते हैं एमएएसएलडी के मामले

2023 तक एमएएसएलडी के मामले में 143 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई

नई दिल्ली, नेशनल डेस्क

भारत ही नहीं बल्कि दुनियाभर में लिवर से जुड़ी समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। पिछले चार दशकों में लिवर से जुड़े मामलों में करीब डेढ़ सौ गुना वृद्धि हुई है। यह समस्याएं शराब या धूमपान ही नहीं सुस्त जीवनशैली और खान-पान की बदलती आदतों से बढ़ते मोटापे के कारण हो सकती हैं।

इस कारण दुनियाभर में लिवर की बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है। अगर स्थिति ऐसी ही रही, तो साल 2050 तक प्रभावित लोगों की संख्या 180 करोड़ हो सकती है। द लैंसेट गैस्ट्रोएंटेरोलाजी एंड हेपेटोलाजी जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन में यह बात सामने आई है।

- लिवर में जरूरत से ज्यादा चर्बी, शराब का सेवन और शरीर के मेटाबालिज्म की गड़बड़ी से होती है यह स्थिति

प्रतीकात्मक

143 फीसदी की वृद्धि : अध्ययन के अनुसार, साल 2023 में दुनियाभर में लगभग 130 करोड़ लोग मेटाबालिक डिसफंक्शन-एसोसिएटेड स्टीयोटिक लिवर डिजीज (एमएएसएलडी) से पीड़ित थे।

शोधकर्ताओं ने कहा कि ग्लोबल बर्डन आफ डिजीज (जीबीडी) 2023 के आंकड़ों पर आधारित इस विश्लेषण में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। अध्ययन के मुताबिक, 1990 में 50 करोड़ लोग एमएएसएलडी से पीड़ित थे। 2023 तक 143 फीसदी की वृद्धि देखी गई है। एमएएसएलडी को पहले नान अल्कोहोलिक फैटी लिवर डिजीज (एनएएफएलडी) के नाम से जाना जाता था।

यह ऐसी स्थिति है, जिसमें लिवर में जरूरत से ज्यादा चर्बी जमा हो जाती है, लेकिन इसका कारण शराब ही नहीं बल्कि शरीर के मेटाबालिज्म की गड़बड़ी होती है। यह बीमारी खासतौर पर मोटापा, डायबिटीज और असंतुलित जीवनशैली से जुड़ी होती है। समस्या यह है कि यह लंबे समय तक बिना किसी स्पष्ट लक्षण के शरीर में विकसित होती रहती है, जिससे समय पर पहचान मुश्किल हो जाती है।

उत्तरी अफ्रीका और मध्य पूर्व सबसे अधिक प्रभावित

अध्ययन में पाया गया कि उत्तरी अफ्रीका और मध्य पूर्व जैसे क्षेत्रों में एमएएसएलडी की दर अन्य क्षेत्रों की तुलना में अधिक है। प्रभावित आबादी का बड़ा हिस्सा होने के कारण इन देशों की स्वास्थ्य सेवाओं पर भविष्य में लिवर सिरोसिस और कैंसर जैसी बीमारियों के तेजी से बढ़ने की आशंका है। अध्ययन से यह बात निकलकर सामने आई है कि शहरीकरण और जीवनशैली में आए बदलावों के बीच कम और मध्यम आय वाले देशों में एमएएसएलडी का असर युवाओं पर ज्यादा दिख रहा है।

महिलाओं की तुलना में पुरुष ज्यादा हो रहे बीमार

रिपोर्ट के अनुसार, यह बीमारी पुरुषों में महिलाओं की तुलना में अधिक पाई जाती है। उम्र के लिहाज से बुजुर्गों, खासकर 80 से 84 वर्ष के लोगों में इसका जोखिम सबसे ज्यादा है। हालांकि, कुल मामलों की संख्या पर नजर डालें तो यह बीमारी अब केवल बुजुर्गों तक सीमित नहीं रही। पुरुषों में 35 से 39 वर्ष और महिलाओं में 55 से 59 वर्ष की उम्र के बीच सबसे अधिक मामले सामने आ रहे हैं, जो इस बात का संकेत है कि यह बीमारी अब कामकाजी उम्र के लोगों को भी प्रभावित कर रही है। विशेषज्ञों के अनुसार इस बीमारी से बचाव का प्रभावी तरीका स्वस्थ जीवनशैली अपनाना है। संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और वजन को नियंत्रित रखना जोखिम को कम कर सकता है।

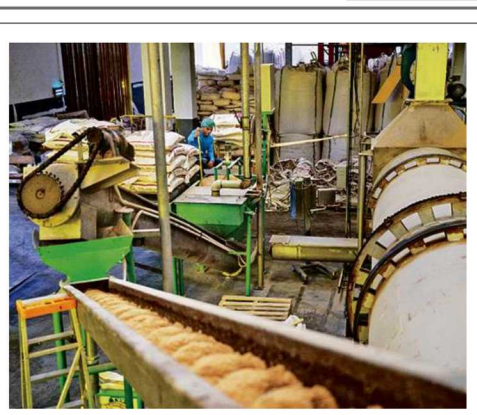

अपने आप खत्म होगी पराली

थाईलैंड के वैज्ञानिक विचियन योंगमानिचई द्वारा विकसित माइक्रोबियल उत्पाद हासॉइल डाइजेस्ट' को समुत साखोन स्थित उनकी फैक्ट्री में तैयार किया जा रहा है। यह उत्पाद धान की पराली जलाने की समस्या का समाधान देने के उद्देश्य से बनाया गया है। किसान इसका उपयोग फसल के अवशेषों को नष्ट करने में करते हैं, जिससे पराली अपने आप खत्म हो जाती है और जलाने की आवश्यकता नहीं पड़ती। एएफपी

दिमाग में ब्लड क्लाटिंग से होता है ब्रेन स्ट्रोक का खतरा

नई दिल्ली, नेशनल डेस्क

पिछले कई महीने से भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी विनोद कांबली स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं। हाल की एक रिपोर्ट्स के मुताबिक उनके दिमाग में खून के थक्के बन गए हैं, जिससे ब्रेन स्ट्रोक होने का खतरा बढ़ गया है। कांबली के पुराने दोस्त मार्कस कुटो ने बताया कि पिछले कई महीनों से उन्हें याददाश्त से संबंधित दिक्कतें भी हो रही हैं। उनकी याददाश्त अच्छी नहीं है, लेकिन पिछले छह महीनों में इसमें कोई गिरावट भी नहीं आई है। उन्हें ज्यादा कुछ याद नहीं रहता, लेकिन जब कोई बात क्लिक कर जाती है, तो उन्हें याद आ जाता है। वरना उनके लिए यह मुश्किल हो जाता है। फिलहाल कांबली की सेहत के लिए सबसे बड़ा खतरा ब्रेन में नोटिस किए गए ब्लड क्लाट्स हैं, जो संभवतः दिमाग में खून के संचार को बाधित कर बड़ी समस्याओं का कारण बन सकते हैं।

- दिमाग में खून का थक्का बनना गंभीर मेडिकल इमरजेंसी है, जिसके कारण दिमाग तक खून और आक्सीजन के प्रवाह में आती है बाधा
- भारत में हर साल लगभग 15 से 18 लाख नए मामले, दुनिया में प्रति वर्ष लगभग 1.5 करोड़ लोग होते हैं प्रभावित

प्रतीकात्मक

धूमपान से बढ़ जाता है ब्रेन स्ट्रोक का खतरा

मार्कस कुटो ने बताया कि डाक्टर कह रहे हैं कि विनोद को ब्रेन स्ट्रोक का खतरा बना हुआ। उन्होंने शराब पीना छोड़ दिया है, लेकिन कभी-कभी वह लोगों से सिगरेट मांगते हैं। वे आटो ड्राइवरों से सिगरेट मांगते हैं और लोग खुशी-खुशी सिगरेट दे देते हैं, यह सोचकर कि वे कांबली की मदद कर रहे हैं। लेकिन उन्हें अहसास नहीं होता कि वे कितना नुकसान पहुंचा रहे हैं।

स्ट्रोक के मुख्य कारणों में हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, वायु प्रदूषण, धूमपान, तनाव और अस्वास्थ्यकर आहार शामिल हैं। इससे दुनिया में प्रति वर्ष लगभग 1.5 करोड़ लोग प्रभावित होते हैं, जिनमें से 50-60 लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है। भारत में हर साल लगभग 15 से 18 लाख नए मामले सामने आते हैं, जो हर 20 सेकंड में एक स्ट्रोक के बराबर है। अब यह युवाओं (45 वर्ष से कम) को भी प्रभावित कर रहा है। भारत में 1990 से 2021 के बीच स्ट्रोक के मामलों में 51% की वृद्धि हुई है। स्ट्रोक के योग्य रोगियों में से केवल 1% को ही सही समय पर (4.5 घंटे के भीतर) इलाज मिल पाता है।

क्यों होती है दिमाग में क्लाटिंग की दिक्कत?

रिपोर्ट्स से पता चलता है कि कुछ प्रकार की मेडिकल स्थितियां, जीवनशैली व आनुवंशिक कारकों के चलते खून के थक्कों की समस्या बढ़ जाती है। ये थक्के दिमाग के अलावा शरीर में कई अन्य हिस्सों में हो सकते हैं। एट्रियल फाइब्रिलेशन, हाई बीपी, डायबिटीज, हाई कोलेस्ट्राल, एथेरोस्क्लेरोसिस, मोटापा जैसे स्थितियां थक्कों का कारण बन सकती हैं। दिमाग में खून का थक्का बनने से खून व आक्सीजन का प्रवाह बाधित हो जाता है। यही क्लाट इस्केमिक स्ट्रोक का कारण बनते हैं। स्ट्रोक दुनियाभर में वयस्कों में विकलांगता व मौत का कारण हैं। भारत में भी बड़ी संख्या में बुजुर्ग इससे पीड़ित हैं। स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी संस्थाएं जागरूकता अभियान चलाती हैं, लेकिन और काम करने की जरूरत है।

भूत बंगला

प्रमुख कलाकार : अक्षय कुमार, तब्बू, वामिका गब्बी, मिथिला पार्कर, राजपाल यादव, परेश रावल, जीशूसेन गुप्ता, असरानी **निर्देशक :** प्रियदर्शन **अवधि :** दो घंटे 54 मिनट

भूत नया स्टाइल पुराना

हेरा फेरी, भूल भुलैया समेत कई हिट फिल्में दे चुके निर्देशक प्रियदर्शन और अभिनेता अक्षय कुमार की जोड़ी करीब 16 साल बाद हारर कामेडी फिल्म भूत बंगला में साथ आई है। ऐसे में धमाल की उम्मीद रखना तो बनता है। पिछले कुछ वर्षों में हारर कामेडी जानर पर बन रही फिल्मों को देखते हुए जरूरी है कि उसमें नवीनता, ताजगी और विविधता लाई जाए। प्रियदर्शन और अक्षय यहीं पर चूक जाते हैं।

कहानी लंदन में बसे आचार्य परिवार के इर्दगिर्द रची गई है। वासुदेव आचार्य (जीशूसेन गुप्ता) की बेटी मीरा (मिथिला पार्कर) प्रेम विवाह करना चाहती है। उसका भाई अर्जुन (अक्षय कुमार) कर्ज तले दबा है। उन्हें पता चलता है कि उनके दिवंगत दादाजी दुष्यंत आचार्य (राजेश शर्मा) उत्तर भारत के एक शापित गांव मंगलपुर में अपनी 500 करोड़ रुपये की संपत्ति और आलीशान हवेली उनके नाम कर गए हैं। मंगलपुर पहुंचने पर अर्जुन को वधुसुर नामक राक्षस के बारे में पता चलता है, जो नवविवाहिताओं को उठाकर ले जाता है। वह इसी हवेली में मीरा की शादी करने का फैसला करता है। हालांकि, हवेली में अजीब घटनाएं घटने लगती हैं, जिसके बाद अर्जुन इस शादी को किसी और जगह कराने का फैसला करता है। आकाश कौशिक की कहानी संजीव कुमार अभिनीत फिल्म जानी दुश्मन की याद दिलाती है। कमजोर वीएफएक्स फिल्म के प्रभाव को कम करता है। अक्षय कुमार बेहतरीन कामिक टाइमिंग के लिए जाने जाते हैं, यहां पर अपने चिरपरिचित अंदाज में ही दिखते हैं। राजपाल यादव के साथ उनकी केमिस्ट्री उनकी पुरानी हिट फिल्मों की याद दिलाती है। **-स्मिता श्रीवास्तव**

अक्षय व राजपाल की जोड़ी में कुछ नया नहीं। चित्र सौ. : फिल्म टीम

उत्कृष्ट ★★★★★ बहुत अच्छी ★★★★ अच्छी ★★★ औसत ★★ औसत से कम

अपनी राय हमें जरूर बताएं: feature@jagran.com

इधर उधर की

गर्टी बनी दुनिया की सबसे उम्रदराज जीवित मुर्गी

पूरे किए गए 15 साल और 100 से अधिक दिन ● इंटरनेट मीडिया

न्यूयार्क, एजेंसी : अमेरिका के मेन राज्य के पोर्टलैंड में रहने वाली गर्टी नाम की मुर्गी ने 15 साल की उम्र में दुनिया की सबसे उम्रदराज जीवित मुर्गी होने का गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड अपने नाम कर लिया है। गर्टी गोल्डन सेबराइट नस्ल की मुर्गी है, जिसका जन्म 2010 में हुआ था। आमतौर पर मुर्गियों का जीवनकाल पांच से 10 वर्ष का होता है, लेकिन गर्टी ने 15 साल और 100 से अधिक दिन पूरे कर सबको हैरान कर दिया है। उसके मालिक फ्रैंक टुरेक के अनुसार, गर्टी अब देख नहीं सकती, लेकिन वह अभी भी काफी सक्रिय है। गर्टी ने टेक्सास की पर्ल नाम की मुर्गी का रिकार्ड तोड़ा है। जुलाई 2026 में वह 16वां जन्मदिन मनाने की तैयारी में है।

गर्भावस्था में मां का अवसाद बच्चों को बना सकता मनोविकार का शिकार

अनुसंधान

अवसाद में घिरी गर्भवती।

गर्भावस्था के दौरान मां को तनाव से दूर रहने और खुश रहने की सलाह दी जाती है। एक शोध में सामने आया है कि गर्भावस्था के अंतिम चरण में मां का अवसाद संतान में मनोविकार संबंधी लक्षणों से जुड़ा होता है। अमेरिका के एवन लांगिट्यूडिनल स्टडी आफ पेरेंट्स एंड चिल्ड्रन में भाग लेने वाले 5,329 वयस्कों के दो दशकों के आंकड़ों के अध्ययन में माता-पिता के अवसाद और बाद में मानसिक स्वास्थ्य लक्षणों के बीच संबंधों के विशिष्ट पैटर्न पाए गए।

येल विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने पाया कि संतान के विकास के लगभग हर चरण में, गर्भावस्था से लेकर आगे तक, मां का अवसाद वयस्कता में अवसादग्रस्त लक्षणों से जुड़ा होता है। अध्ययन का निष्कर्ष जर्नल आफ द अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन नेटवर्क ओपन में प्रकाशित किया गया। शोधकर्ताओं ने कहा, "इस अध्ययन में, दो दशकों के आंकड़ों के विश्लेषण से माता और पिता दोनों के अवसाद और संतान के मनोरोग संबंधी लक्षणों के बीच विशिष्ट समयबद्ध संबंध पाए गए मां के अवसाद और संतान के मनोविकार संबंधी अनुभवों के बीच संबंध में एक संवेदनशील अवधि पाया गया।" उन्होंने कहा, "गर्भावस्था के 32वें सप्ताह में मां के प्रसवपूर्व अवसाद का संबंध संतान में मनोविकार संबंधी लक्षणों से था।" (प्रेट्र)

पेंगुइन वाक

क्या आपने कभी पेंगुइन को झुंड में टहलते हुए देखा है...यदि नहीं देखा है तो कुवैत सिटी के साइंटिफिक सेंटर के परिसर में आपको यह मौका मिल सकता है। कुवैत का साइंटिफिक सेंटर 'पेंगुइन वाक' के लिए जाना जाता है। यहां पेंगुइन के झुंड पर्यटकों के बीच से टहलते हुए निकलते हैं। यह नजारा देखने के लिए पर्यटकों की भीड़ उमड़ रही है। खासतौर पर बच्चों के लिए यह बेहद रोमांचक पल होता है। एएफपी

स्क्रीन शाट

दिलवाले और भेड़िया के बाद फिर साथ बनी कृति और वरुण की जोड़ी

अगर किसी अभिनेता और अभिनेत्री की जोड़ी हिट हो जाए तो फिल्मकार उसे बार-बार दोहराने का प्रयास करते हैं। अभिनेत्री कृति सैनन और अभिनेता वरुण धवन ने एक साथ दिलवाले और भेड़िया फिल्मों में काम किया है। खबरें हैं कि इन दोनों की जोड़ी फिर एक बार बड़े पर्दे पर साथ नजर आएगी। वह भी वरुण की अगली फिल्म ' जवानी तो इश्क होना है' में ही। हाल ही में जारी हुए इस फिल्म के पोस्ट में वरुण दो अभिनेत्रियों मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े के साथ नजर आए। अब इससे कृति के जुड़ने की भी खबरें हैं। इसको लेकर काफी चर्चा भी है। फिल्म से जुड़े सूत्रों के अनुसार, इस फिल्म के लिए वरुण और कृति ने हाल ही में मुंबई में एक डांस नंबर गाना शूट किया है। हालांकि, यह गाना फिल्म की कहानी का हिस्सा नहीं होगा। यह फिल्म खत्म होने के बाद क्रेडिट सीन के दौरान रखा जाएगा। इस गाने में वरुण और कृति के साथ अभिनेता मनीष पाल भी होंगे। इसके अलावा कृति आगामी दिनों में फिल्म काकटेल 2 में नजर आएंगी।

कृति सैनन ने किया है प्रमोशनल गाना। फाइल

4500 रुपये की नौकरी करते हैं अक्षय कुमार के बेटे आरव

जब बात स्टारकिड्स की हो तो बड़ी गाड़ियां, लग्जरी जीवन शैली और चकाचौंध भरी जिंदगी का ही ख्याल आता है। हालांकि, हिंदी सिनेमा के खिलाड़ी अभिनेता अक्षय कुमार के बेटे आरव इस मामले में थोड़ा अलग है। सिनेमा इंडस्ट्री की लाइमलाइट से दूर रहने वाले आरव के बारे में अक्षय पहले भी बता चुके हैं कि उनकी दिलचस्पी फिल्मों और अभिनय में नहीं है। अब हाल ही में अक्षय ने बताया कि इतने बड़े सितारे का बेटे होने के बावजूद आरव 4500 रुपये की नौकरी करते हैं। एक इंटरव्यू में आरव के बारे में अक्षय ने कहा, 'हम दोनों में बहुत समानता है। उसे फिटनेस का शौक है, और मुझे भी। उसे भी काम करना पसंद है, लेकिन वह फिल्मों में नहीं आना चाहता। वह फैशन में अपना करियर बनाना चाहता है।' आगे अक्षय कहा कि वह बेचारा आज भी

अभिनय में दिलचस्पी नहीं रखते हैं आरव। इंस्टाग्राम (@akshaykumar)

4500 रुपये की नौकरी कर रहा है। अच्छी बात है, क्यों नहीं? वह गांवों में जाकर वहां से फैशन सीख रहा है, अलग-अलग तरह के प्रिंट्स और कपड़े देख रहा है। मैं उसे ज्यादा उपदेश नहीं देता। हां मैंने उसे हिदायत दी है कि किसी को नुकसान न पहुंचाए। हालांकि आरव की नौकरी के बारे में कोई और जानकारी नहीं दी।

अमित शर्मा नहीं... अमित जोशी के निर्देशन में बनेगी मालामाल वीकली 2

हाल ही में खबरें आई थी कि मूल फिल्म मालामाल वीकली प्रदर्शित होने के करीब 20 साल बाद अब इसकी सीक्वल मालामाल वीकली 2 बनाने की तैयारी है, जिसका निर्देशन मैदान तथा बधाई हो फिल्मों के निर्देशक अमित शर्मा करेंगे। उसके बाद अमित शर्मा ने स्पष्ट किया कि वह इस फिल्म से किसी भी रूप से नहीं जुड़े हुए हैं। अब खबरें हैं मालामाल वीकली 2 का निर्देशक अमित शर्मा नहीं, बल्कि अमित जोशी करेंगे। इससे पहले शाहिद कपूर अभिनीत फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया निर्देशित कर चुके अमित जोशी पर निर्माताओं ने भरोसा दिखाया है। निर्माताओं को उम्मीद है कि वह इस फिल्म को न्यायोचित तरीके से निर्देशित कर सकते हैं। तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया में वह कामेडी के प्रति अपनी समझ भी दर्शा चुके हैं। अभिनेता परेश रावल पहले ही

मालामाल वीकली में फिर साथ आएंगे रितेश, परेश और राजपाल। फाइल

मालामाल वीकली बनने की खबरों पर मुहर लगा चुके हैं। उनके साथ इस फ्रेंचाइजी में अभिनेता रितेश देशमुख और राजपाल यादव भी वापसी करेंगे। अभी तक इस फिल्म के बार में कोई भी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। देखना दिलचस्प होगा कि ट्रैप्ड, पंगा और बबली बाउंसर जैसी फिल्में लिख चुके अमित जोशी इस फिल्म को किस दिशा में लेकर जाते हैं।

ग्लोरी के लिए पेशेवर बाक्सर से लड़े पुलकित

स्क्रीन पर अपने पात्र को ज्यादा से ज्यादा वास्तविकता के करीब दिखाने के लिए कलाकार कई तैयारियों से होकर गुजरते हैं। एक मई से नेटफ्लिक्स पर प्रदर्शित हो रही वेब सीरीज ग्लोरी में अभिनेता पुलकित सम्राट मुक्केबाज की भूमिका में नजर आएंगे। इसलिए उन्होंने मुक्केबाजी सीखने में खूब पसीना बहाया। इसका एक उदाहरण शुक्रवार को दिखा, जब इस शो के ट्रेलर लांच के दौरान पुलकित ने पेशेवर मुक्केबाज नीरज गोयत के साथ मुक्केबाजी रिंग में मुकाबला किया। इस तरह पुलकित पेशेवर मुक्केबाजों से लड़ने वाले सिनेमा जगत के चुनिंदा कलाकारों में शामिल हो गई। इस समारोह के दौरान पुलकित ने कहा, 'इस शो के लिए मुझसे ज्यादा मेरे घर वालों ने बलिदान दिया है, क्योंकि मैं उनके साथ इसकी पूरी तैयारी के दौरान समय नहीं बिता पाया। मैं अपने परिवार के साथ जो समय नहीं बिता पाया, अब मैं उन्हें वही समय दूंगा। जब वह स्क्रीन पर मेरा शो देखेंगे और उसका आनंद लेंगे, तब मैं उनके साथ रहूंगा।' वहीं अपने शो की तुलना सलमान खान अभिनीत फिल्म सुल्तान से किए जाने पर पुलकित ने कहा कि सुल्तान इस पूरे देश के लिए ओरिजिनल प्रेरणा रहेंगे, उनका कोई मुकाबला नहीं। मैं चाहता हूं कि जब मैं 60 साल का हो जाऊं तो मैं भी उनकी तरह दिखूं। मैं इस तुलना से बहुत खुश हूं।

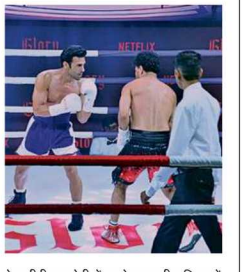

वेब सीरीज ग्लोरी में मुक्केबाज की भूमिका में नजर आएंगे पुलकित। टीम पुलकित

JOIN OUR PAID SERVICE – 2026

Daily PDF Access | Editorial Bonus | Almost All Editions

ENGLISH NEWSPAPERS

The Hindu, Indian Express, Hindustan Times, Business Line, Business standard, The Live Mint, Times of India, Telegraph, New Indian Express, Asian Age, Statesman, Tribune, Pioneer, Financial Express, The Economic Times, Mid-Day, Deccan Chronicle, Employment News, Free Press Journal, Hans India, Deccan Herald, Lokmat Times, Mirror, Telangana Today

HINDI NEWSPAPERS

दैनिक जागरण, अमर उजाला, दैनिक भास्कर, हिंदुस्तान, बिज़नेस स्टैण्डर्ड, राजस्थान पत्रिका, हरी भूमि, लोकसत्ता , पायनियर , दैनिक ट्रिब्यून , द हिन्दू, राष्ट्रीय सहारा , नवभारत टाइम्स, पंजाब केसरी, जनसत्ता, देशबंधू, प्रभात खबर, दैनिक नवज्योति, आईनेक्स्ट लाइव, लोकमत, नव भारत, नई दुनिया

Bonus Included :

- The Hindu Analysis
- Editorial Complation
- The Hundu in Hindi

Bonus Included :

- The Hindu Analysis
- Editorial Complation
- The Hundu in Hindi

Full Package : All in One Plan

The Hindu Plan

(Starter) 1 Month = ~~199~~ ₹99

(★ Popular) 6 Month = ~~599~~ ₹349

(Best Value) 1 Year = ~~999~~ ₹549

Special Offer

You will Get

- 20+ Hindi Newspapers
- 22+ English Newspapers
- THE Hindu, BL,IE,TOI,ET, etc..
- Dainik Jagran, NBT, DB, Etc..
- Editorial Complation (En & Hi)
- The Hindu Analysis

You Get All Editions of These Premium Newspapers

The Hindu, BL, IE, NIE Plan

The Hindu Plan

(Starter) 1 Month = ~~149~~ ₹69

(★ Popular) 6 Month = ~~499~~ ₹269

(Best Value) 1 Year = ~~799~~ ₹399

Special Offer

You will Get

- The Hindu (TH)
- Business Line (BL)
- Indian Express (IE)
- New Indian Express (NIE)
- Editorial Complation
- The Hindu Analysis

You Get All Editions of These Premium Newspapers

LIMITED TIME OFFER

Telegram Access Available

→ CLICK HERE & JOIN NOW